

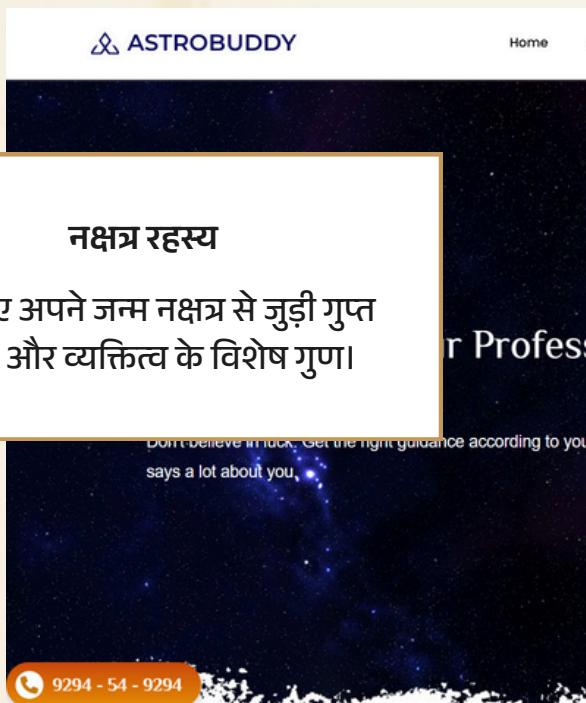


## Premium Janam Kundali



The futuristic vision deeply studied & created by renowned Pandits.

## एस्ट्रोबडी – जीवन की हर समस्या का ज्योतिषीय समाधान



The screenshot shows the AstroBuddy website homepage. The header features the logo and navigation links for Home and About. The main banner has a dark background with a starry sky and a central illustration of a sage reading a book, surrounded by zodiac symbols. The text "Don't believe in luck. Get the right guidance according to your sign. Your sign says a lot about you." is displayed. A call-to-action button at the bottom left says "9294 - 54 - 9294".

### महादश मार्गदर्शन

वर्तमान महादशा आपके करियर, वित्त और रिश्तों को कैसे प्रभावित कर रही है – सही दिशा पाएँ।



### नक्षत्र रहस्य

जानिए अपने जन्म नक्षत्र से जुड़ी गुप्त बातें और व्यक्तित्व के विशेष गुण।

### Professional

### रत्न सुझाव

आपके ग्रहों की स्थिति के अनुसार सही और प्रमाणित रत्न धारण करने की सलाह।

SHOP NOW →



 [www.divinestones.in](http://www.divinestones.in)

यह प्रीमियम कुंडली सिर्फ शुरुआत है। सम्पूर्ण मार्गदर्शन के लिए एस्ट्रोबडी से जुड़ें।

आज ही हमारे प्रमाणित ज्योतिषाचार्यों से बात करें।

 [www.astro-buddy.com](http://www.astro-buddy.com)

**Mrs. Ahuja**

### जन्म विवरण

लिंग	:	स्त्री
जन्म दिन	:	23 जुलाई 1978
जन्म वार	:	रविवार
जन्म समय	:	06:05:00 घंटे
इष्टकाल	:	1:10:01 घटी
जन्म स्थान	:	Raipur
देश	:	India

अक्षांश	:	21उ14'00
रेखांश	:	81पू38'00
समयक्षेत्र	:	-05:30:00 घंटे
समय संशोधन	:	00:00:00 घंटे
जी.एम.टी. समय	:	00:35:00 घंटे
स्थानीय समय संस्कार	:	-00:03:28 घंटे
स्थानीय समय	:	06:01:32 घंटे
सांपातिक काल	:	26:03:08 घंटे
सनसाइन (सायन सूर्य)	:	कर्क
लग्न राशि	:	कर्क 12:26:29

### पारिवारिक विवरण

दादा का नाम	:	
पिता का नाम	:	
माता का नाम	:	
जाति	:	
गोत्र	:	

### अवकहडा चक्र

1. वर्ण	:	शूद्र
2. वश्य	:	मानव
3. नक्षत्र - चरण	:	शतभिषा - 4
4. योनि	:	अश्व
5. चन्द्र राशि स्वामी	:	शनि
6. गण	:	राक्षस
7. चन्द्र राशि	:	कुंभ
8. नाड़ी	:	आदि
वर्ग	:	मेष
युज्ञा	:	अन्त्य
हंसक (तत्व)	:	वायु
नामाक्षर	:	सू
राशि पाया	:	लौह
नक्षत्र पाया	:	ताँबा

### जन्मकालीन पंचांगादि

चैत्रादि विधि	:	
विक्रम संवत्	:	2035
मास	:	श्रावण
कार्तिकादि विधि	:	
विक्रम संवत्	:	2034
मास	:	आषाढ़
शक संवत्	:	1900
सूर्य अयन/गोल	:	दक्षिणायण/उत्तर
ऋतु	:	वर्षा
पक्ष	:	कृष्ण
ज्योतिषिय वार	:	रविवार
सूर्योदयी तिथि	:	कृष्ण चतुर्थी
तिथि समाप्तिकाल	:	19:18:33 घंटे
जन्मकालीन तिथि	:	34:13:53 घटी
सूर्योदयी नक्षत्र	:	शतभिषा
नक्षत्र समाप्तिकाल	:	11:15:35 घंटे
जन्मकालीन नक्षत्र	:	14:06:30 घटी
सूर्योदयी योग	:	सौभाग्य
योग समाप्तिकाल	:	06:21:28 घंटे
जन्मकालीन योग	:	1:51:12 घटी
सूर्योदयी करण	:	बव
करण समाप्तिकाल	:	08:31:52 घंटे
जन्मकालीन करण	:	7:17:12 घटी
सूर्योदय समय	:	05:36:59 घंटे
अंश	:	कर्क 06:14:52
सूर्यस्त समय	:	18:42:32 घंटे
अंश	:	कर्क 06:47:05
आगामी सूर्योदय	:	सोमवार 05:37:22 घंटे
चन्द्र का नक्षत्र प्रवेश	:	22 जुलाई 78 13:17:46
चन्द्र का नक्षत्र निकास	:	23 जुलाई 78 11:15:35
भयात	:	41:58:04 घटी
भभोग	:	54:54:33 घटी
जन्मकालीन दशा	:	राहु-शुक्र-शनि
दशा भोग्यकाल	:	राहु 4व.-2मा.-10दि.
अयनांश	:	-23:33:28 लहरी



## नक्षत्र का फल

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ है अतः आपकी जन्म राशि कुम्भ तथा राशि स्वामी शनि होगा। अवकहड़ा चक्र के अनुसार -

- वर्ण - शूद्र
- वश्य - नर
- योनि - अश्व
- गण - राक्षस
- नाड़ी - आदि

जन्म नाम का प्रारम्भ सू अक्षर से होना चाहिये।

### **शास्त्रों के अनुसार**

शतभिषा नक्षत्र में जन्म होने से निम्नवत् फल प्राप्त होंगे -

**पापकर्म प्रचण्डा च नित्यमुद्घेगकारिणी।  
परोपकारिणी कन्या जाता वरुणदैवते॥**

अर्थात् शतभिषा नक्षत्र में जन्म होने से जातिका परोपकार की भावना से युक्त होती है, किन्तु जहाँ भी उन्हें थोड़ा सा स्वार्थ दिखता है, वहीं लालायित हो जाती हैं। विपरीत कार्यों में झुकाव अधिक होता है। चिन्ताएँ अधिक करती हैं। इनका व्यक्तित्व दुर्बल और वाणी तेज होती है। भावनाएँ और विचार उत्तेजित होते हैं।

**शततारोद्धवानारी शत्रुघ्नी स्फुट भाषिणी।**

**दुर्धर्षा व्यसनासक्ता सदा साहस संयुता॥**

अर्थात् ऐसी जातिका स्पष्टवादी और संग्राम में विजयी अर्थात् शत्रुओं को पराजित करनेवाली होती है। किसी के अधीन रहना इन्हें पसन्द नहीं होता। सामान्य व्यसन की आदत होती है। साहसिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेनेवाली होती हैं। इनका गृहस्थ-जीवन नाना प्रकार के प्रपंचों से भरा हुआ होता है।

### **आधुनिक मत से**

शतभिषा नक्षत्र में जन्म होने से जातिका समझदार, तेज मिजाज, स्वतन्त्र, मौलिक कार्य करने वाली, धैर्यशाली, अतिवादी, अध्यवसायी, वृद्धर्वती, अर्कमण्यता का शिकार, आलसी, एकान्तचारी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी कार्यों में अभिरुचि रखने वाली, पुरानी वस्तुओं तथा कलाकृतियों की प्रेमी, कूटनीतिज्ञ, लालची, उग्र मनोवृत्ति और महत् कार्यों द्वारा प्रशसित, छिन्नान्वेषी तथा बिना सोच-विचार कर कार्य करने वाली होती है। ऐसी जातिका प्राकृतिक रूप से उच्च विचार वाली, महत्वाकांक्षी, सात्त्विक जीवन जीने वाली सदाचारी, साधु-सन्तों की प्रेमी तथा धार्मिक होती है।

### **पाद (पाया) फल**

शतभिषा नक्षत्र का जन्म ताँबे के पाये में कहा जाता है, जिसे श्रेष्ठ माना है।

### **स्वास्थ्य**

शतभिषा नक्षत्र का अधिकार घुटनों एवं ऐडियों के बीच के भाग पर होता है, अतः पापाक्रांत होने पर इससे संबंधित रोग की संभावना रहती है।

### **उपाय**

शतभिषा नक्षत्र के स्वामी 'वरुण देव' हैं, अतः इनकी शांति के लिये केसर, अगर-गन्ध, कमल-पुष्प, कर्पूर, चन्दन-धूप, घृतदीपक और घृतपोलिका नैवेद्य द्वारा पूजन करें। वरुण देवता के निमित्त शतभिषा नक्षत्र के दिन घृत-चित्रान्न से बलि प्रयोग करें। भुजा में या हृदय पर रजत यन्त्र के मध्य कमल-पुष्प धारण करें। हवन सामग्री में कमल-मूल एवं आज्यदध्योदन मिलाकर निम्नलिखित मंत्र से 108 बार आहुति दें -

ॐ वरुणस्योत्तमनमसि वरुणस्यस्कम्भ सर्जनिस्थो वरुणस्य ऋतसदन्यसी वरुणस्यऋत सदनमसि वरुणस्य  
ऋतसदनमासीद।



ॐ वं वरुणाय अपांपतये नमः ॥

### शूद्र वर्ण का फल

निष्ठुरः पटुवाककार्यो विद्याविनयवर्जितः ।

शुशूषणरतोऽशीलः शूद्रवर्णसमुद्ध्रव ॥ (जातकोत्तम)

शूद्र वर्ण में जन्म होने से जातिका निटुर, कार्यों में चतुरभाषी, विद्या व विनय से रहित खुशामदी प्रवृत्ति वाली और हठी होती है।

### राक्षस गण फल

उन्मादी भीषणाकारः सर्वदा कलहप्रियः ।

पुरुषो दुस्हं बूरते प्रमेही राक्षसे गणे ॥ (मानसागरी)

राक्षसगण में जन्म हुआ है अतः जातिका उन्मादी, भयंकर स्वरूप, झगड़ालू, प्रमेही और कटुबचन बोलने वाली होगी।

### अश्वयोनिफल

स्वच्छन्दः सदुगणः शूरस्तेजस्वी घर्घरस्वरः ।

स्वामिभक्तस्तुगंस्य योनौ जातो भवेत्तरः ॥ (मानसागरी)

अश्व योनि में जन्म हुआ है अतः जातिका स्वतन्त्र, सदुगणी, वीर, प्रतापी, घर्घर स्वर वाली, अपने मालिक की भक्त होगी।

### विवाह, मैत्री एवं साझेदारी

शतभिषा नक्षत्र की जातिका के लिये कृतिका, मृगशिरा का प्रथम, द्वितीय चरण, मघा, विशाखा का चतुर्थ चरण तथा धनिष्ठा के तृतीय तथा चतुर्थ चरण के व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ हैं।

Mrs. Ahuja

रविवार 23 जुलाई 1978 06:05:00  
शहर: Raipur  
राज्य: Chhattisgarh  
देश: India

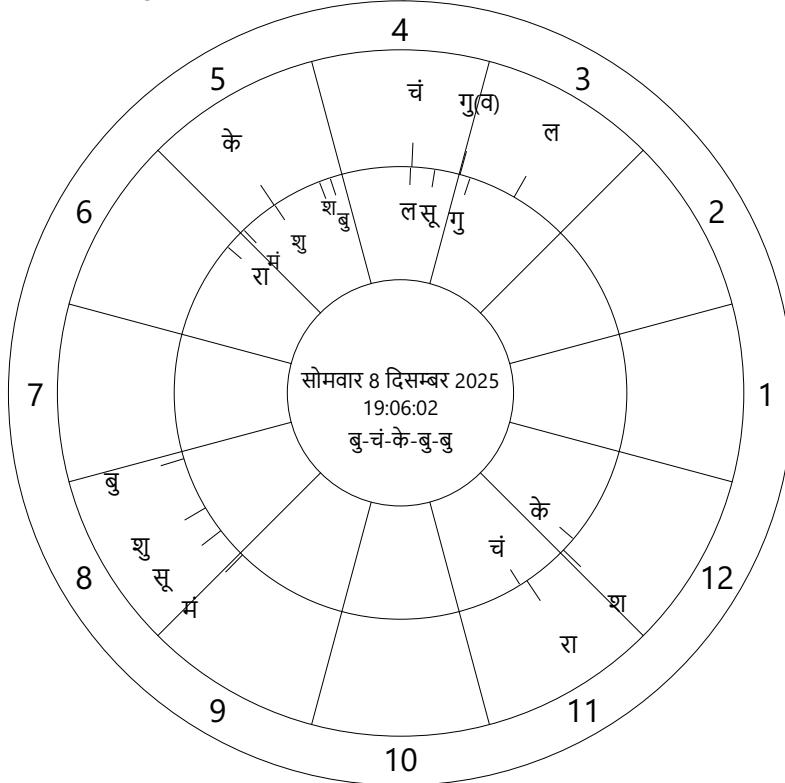
समयक्षेत्रः -5:30:00  
समय संशोधनः 0  
रेखांशः 81पू38'00  
अक्षांशः 21उ14'00

59. Dasha Effects Browser  
इष्टकाल: 1:10:01  
सूर्योदय: 23 जुलाई 78 05:36:59  
सूर्यास्त: 23 जुलाई 78 18:42:32  
अयनाश : -23:33:28 लहरी

दशा ब्राउज़र टूल -विंशोत्तरी

रा 03-10-1964	बु 02-10-2017	चं 02-11-2024	के 12-11-2025	बु 08-12-2025
गु 03-10-1982	के 29-02-2020	मं 15-12-2024	शु 13-11-2025	के 08-12-2025
शा 03-10-1998	शु 25-02-2021	रा 14-01-2025	सू 18-11-2025	शु 08-12-2025
बु 02-10-2017	सू 27-12-2023	गु 01-04-2025	चं 20-11-2025	सू 09-12-2025
के 02-10-2034	चं 02-11-2024	शा 09-06-2025	मं 22-11-2025	चं 09-12-2025
शु 02-10-2041	मं 03-04-2026	बु 30-08-2025	रा 24-11-2025	मं 10-12-2025
सू 02-10-2061	रा 31-03-2027	के 12-11-2025	गु 29-11-2025	रा 10-12-2025
चं 02-10-2067	गु 17-10-2029	शु 12-12-2025	शा 03-12-2025	गु 11-12-2025
मं 02-10-2077	शा 23-01-2032	सू 08-03-2026	बु 08-12-2025	शा 11-12-2025

अंदरः जन्म कुण्डली - बाहरः गोचर कुण्डली



## गोचर कुण्डली अष्टकवर्ग कक्षा

	कक्षा	अष्टक.	सर्वाप्तिक
सू in वृश्चिक	0 (ब्रु)	4	24
चं in कर्क	0 (सू)	1	23
मं in धनु	0 (शा)	4	35
ब्रु in वृश्चिक	1 (शा)	6	24
गु in मिथुन	0 (ल)	5	33
शु in वृश्चिक	1 (शु)	3	24
पं in अस्त्रेष्टी	0 (पं)	1	25

गोचर कुण्डली

अश	शुभत्व	षड्
सू	22:29:37	अतिमित्र
चं	12:08:48	स्वराशि
मं	00:42:38	सम
बु	01:53:58	मित्र
गु	29:45:06	अतिशान्त्रु
शु	15:29:36	मित्र
शा	01:02:04	मित्र
रा	18:56:32	स्वराशि
के	18:56:32	सम



## शनि की लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से चतुर्थ एवं अष्टम् स्थान में शनि का भ्रमण लघु कल्याणी दैया कहलाता है -

**कल्याणी प्रददाति वै रविसुतो राशेश्वर्तुर्धाष्टमे ।**

आपकी जन्म राशि कुंभ है, जब शनि चतुर्थ अर्थात् वृष राशि में तथा अष्टम् अर्थात् कन्या राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की लघु कल्याणी दैया कहलायेगी।

चन्द्र लग्न से गोचर में शनि चतुर्थ, सप्तम, दशम स्थान में हो तो कंटक शनि कहलाता है।

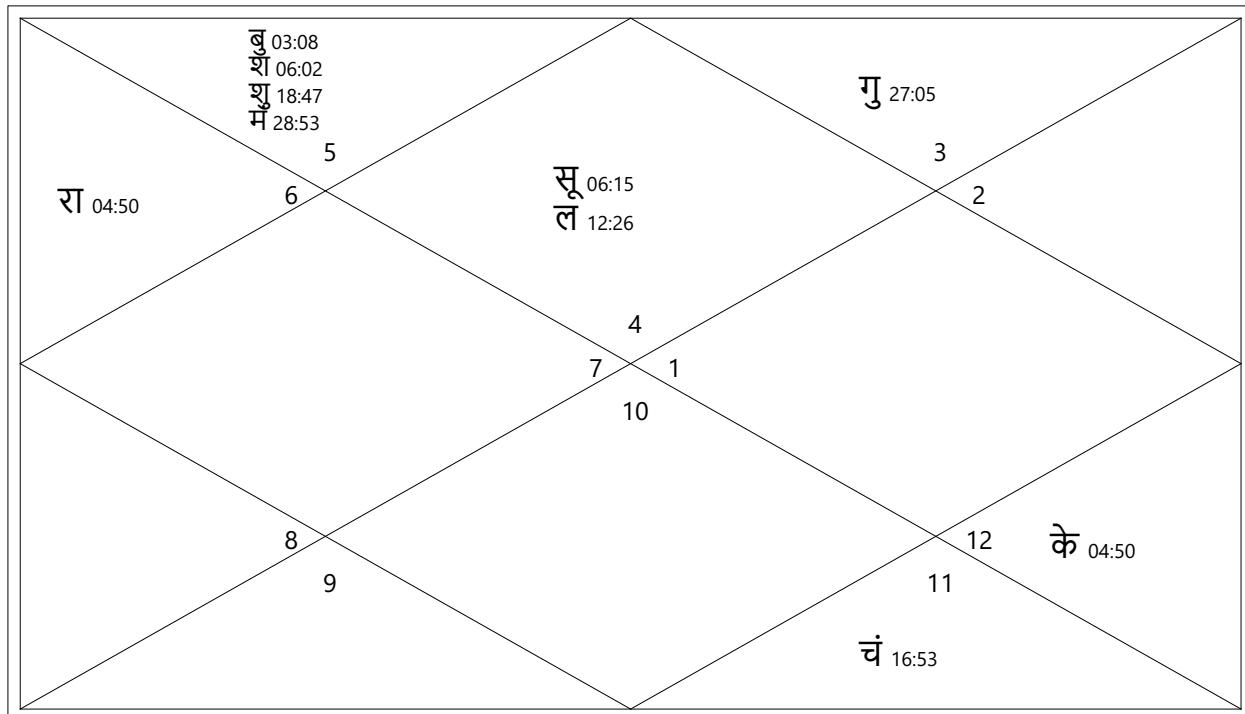
आपकी जन्म राशि कुंभ है अतः जब शनि वृष, सिंह और वृश्चिक में भ्रमण करेगा तो कंटक शनि कहा जायेगा।

आपके जीवन में लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि कब-कब चलेगा इसकी जानकारी निम्न तालिका से करें -

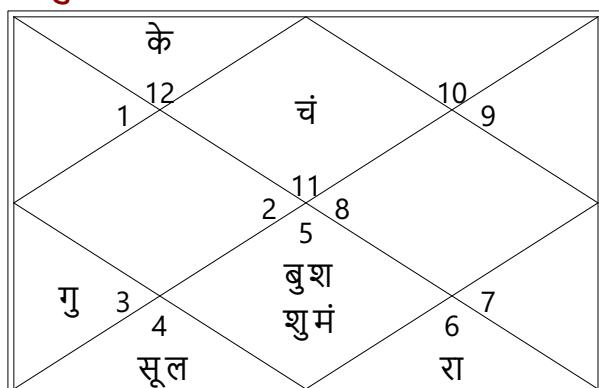
शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	अष्टकवर्ग सर्व
<b>दैया की प्रथम आवृत्ति</b>					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	वृष वृष (व)		-- --	5	38
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	सिंह सिंह (व)	03-11-1979 14-03-1980	1-3-10 0-4-13	1	21
अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	कन्या कन्या (व)	03-11-1979 27-07-1980	14-03-1980 06-10-1982	0-4-11 2-2-9	1 23
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	वृश्चिक वृश्चिक (व)	21-12-1984 16-09-1985	31-05-1985 16-12-1987	0-5-10 2-3-0	1 24
<b>दैया की द्वितीय आवृत्ति</b>					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	वृष वृष (व)	06-06-2000 08-01-2003	23-07-2002 07-04-2003	2-1-17 0-2-29	5 38
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	सिंह सिंह (व)	01-11-2006 15-07-2007	10-01-2007 09-09-2009	0-2-9 2-1-24	1 21
अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	कन्या कन्या (व)	09-09-2009 16-05-2012	15-11-2011 04-08-2012	2-2-6 0-2-18	1 23
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	वृश्चिक वृश्चिक (व)	02-11-2014 20-06-2017	26-01-2017 26-10-2017	2-2-24 0-4-6	1 24
<b>दैया की तृतीय आवृत्ति</b>					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	वृष वृष (व)	08-08-2029 17-04-2030	05-10-2029 30-05-2032	0-1-27 2-1-13	5 38
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	सिंह सिंह (व)	27-08-2036 05-04-2039	22-10-2038 12-07-2039	2-1-25 0-3-7	1 21
अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	कन्या कन्या (व)	22-10-2038 12-07-2039	05-04-2039 27-01-2041	0-5-13 1-6-15	1 23
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	वृश्चिक वृश्चिक (व)	11-12-2043 30-08-2044	23-06-2044 07-12-2046	0-6-12 2-3-7	1 24



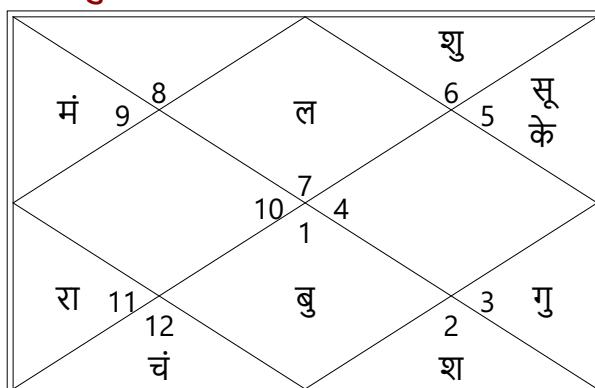
23 जुलाई 1978 \* रविवार \* 06:05:00 घंटे



### चंद्र कुण्डली



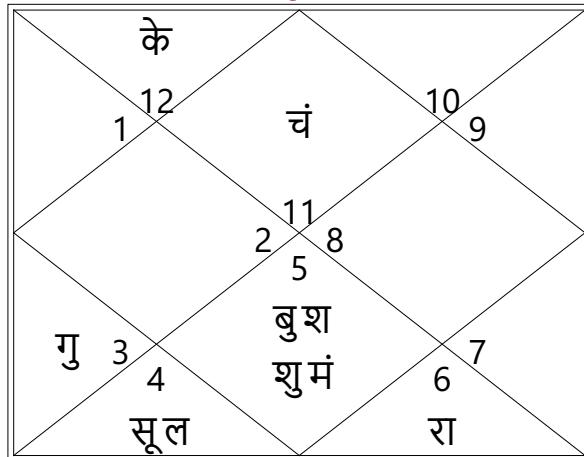
### नवांश कुण्डली



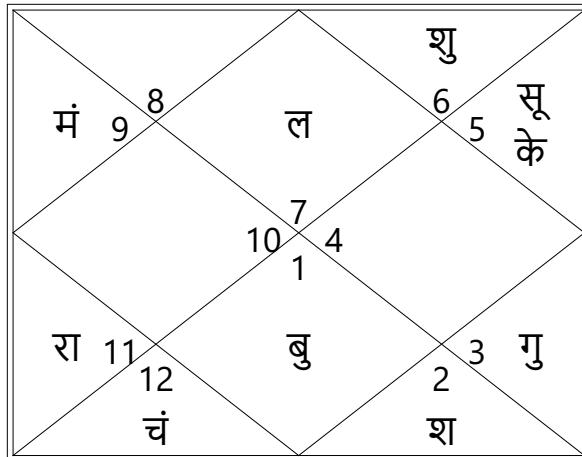
ग्रह	व/अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	रा. स्वा.	न. स्वा.	उप स्वा.	उप स्वा.	शुभा- शुभ	षड्बल
लग्न		कर्क	12:26:29		पुष्य	3	चं	श	मं	श		
सूर्य		कर्क	06:15:59	00:57:17	पुष्य	1	चं	श	बु	चं	सम	1.47
चन्द्र		कुंभ	16:53:26	14:27:54	शतभिषा	4	श	रा	शु	श	शत्रु	0.99
मंगल		सिंह	28:53:32	00:36:12	उत्तराफाल्गुनी	1	सू	सू	मं	बु	अतिमित्र	1.05
बुध		सिंह	03:08:28	00:53:50	मघा	1	सू	के	सू	रा	अतिमित्र	1.35
गुरु	(अ)	मिथुन	27:05:18	00:13:24	पुनर्वसु	3	बु	गु	शु	चं	सम	1.24
शुक्र		सिंह	18:47:31	01:07:03	पूर्वफाल्गुनी	2	सू	शु	रा	श	सम	1.11
शनि		सिंह	06:02:10	00:06:57	मघा	2	सू	के	रा	गु	सम	0.81
राहु		कन्या	04:50:03	-00:02:18	उत्तराफाल्गुनी	3	बु	सू	श	गु	स्वराशि	
केतु		मीन	04:50:03	-00:02:18	उत्तराभाद्रपद	1	गु	श	श	मं	स्वराशि	



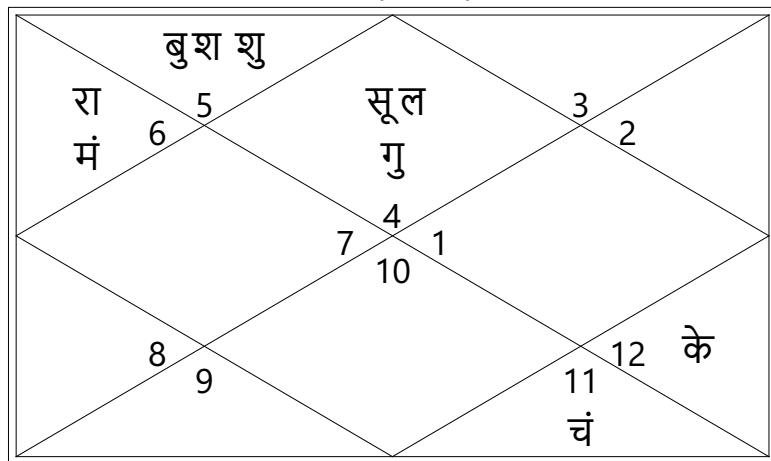
### चन्द्र कुण्डली



### नवांश



### भाव (श्रीपति)



### भाव स्पष्ट - श्रीपति विधि

भाव	भाव आरम्भ	भाव मध्य	भाव अन्त
प्रथम भाव	मिथुन 26:56:28	कर्क 12:26:29	कर्क 26:56:28
द्वितीय भाव	कर्क 26:56:28	सिंह 11:26:28	सिंह 25:56:27
तृतीय भाव	सिंह 25:56:27	कन्या 10:26:27	कन्या 24:56:26
चतुर्थ भाव	कन्या 24:56:26	तुला 09:26:26	तुला 24:56:26
पंचम भाव	तुला 24:56:26	वृश्चिक 10:26:27	वृश्चिक 25:56:27
षष्ठ भाव	वृश्चिक 25:56:27	धनु 11:26:28	धनु 26:56:28
सप्तम भाव	धनु 26:56:28	मकर 12:26:29	मकर 26:56:28
अष्टम भाव	मकर 26:56:28	कुंभ 11:26:28	कुंभ 25:56:27
नवम भाव	कुंभ 25:56:27	मीन 10:26:27	मीन 24:56:26
दशम भाव	मीन 24:56:26	मेष 09:26:26	मेष 24:56:26
एकादश भाव	मेष 24:56:26	वृष 10:26:27	वृष 25:56:27
द्वादश भाव	वृष 25:56:27	मिथुन 11:26:28	मिथुन 26:56:28

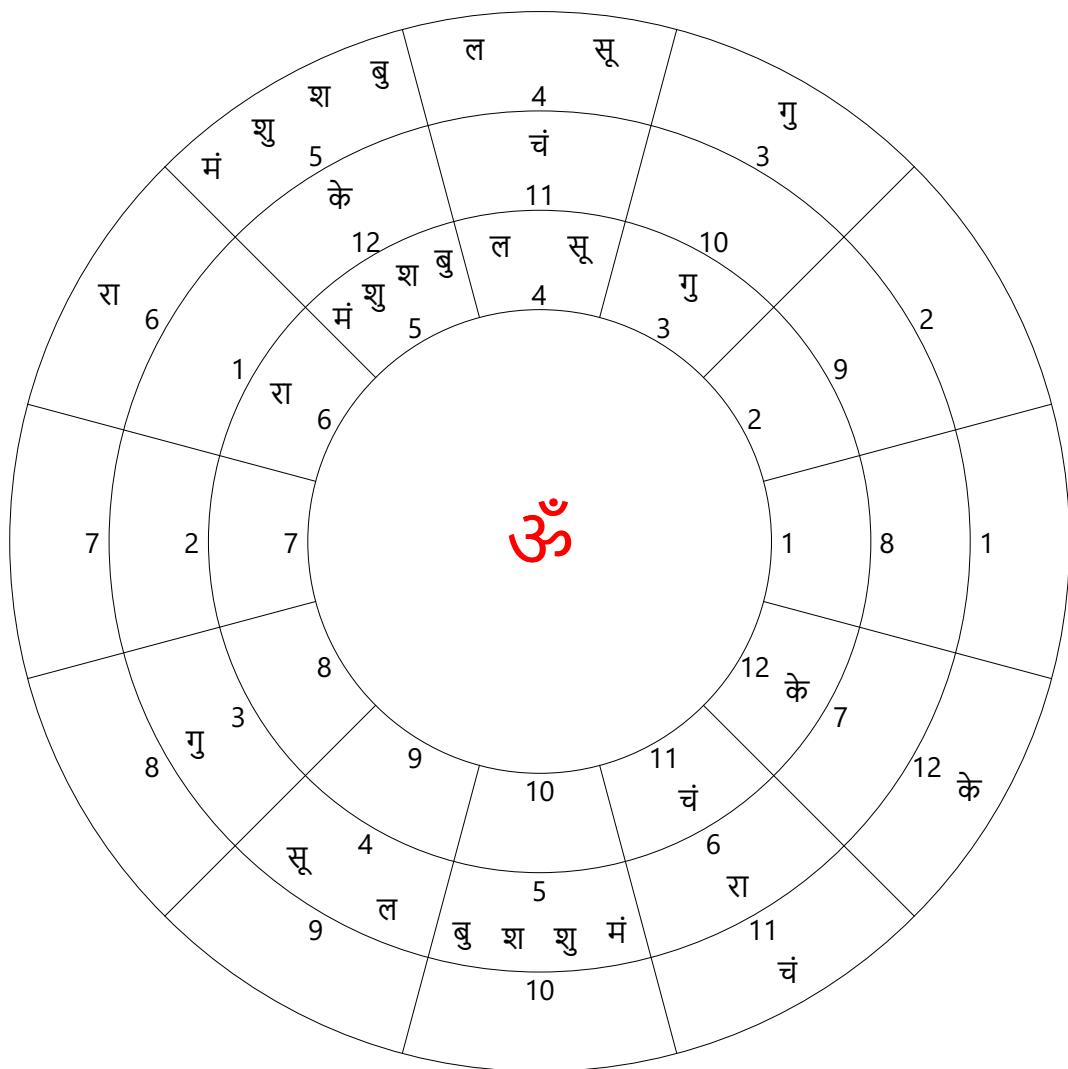


## सुदर्शन चक्र

बाह्य वृत : सूर्य कुण्डली

मध्य वृत : चन्द्र कुण्डली

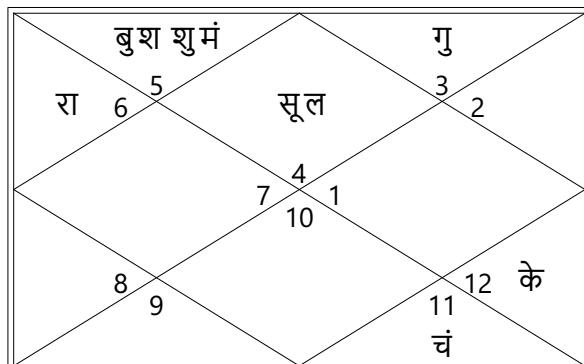
आन्तरिक वृत : जन्म कुण्डली



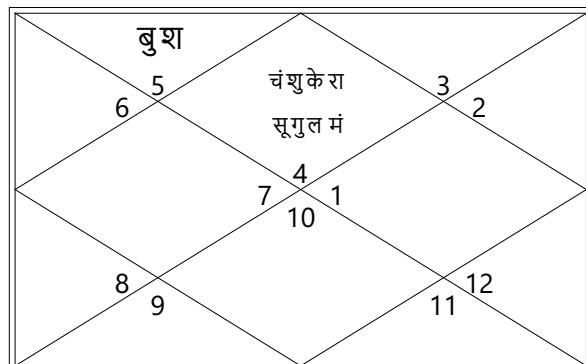
सुदर्शन चक्र के बाह्य वृत में सूर्य कुण्डली, मध्य वृत में चन्द्र कुण्डली व आन्तरिक वृत में जन्म कुण्डली बना कर तीनों कुण्डलियों के विभिन्न भावों में स्थित ग्रहों का एक साथ विश्लेषण किया जाता है।



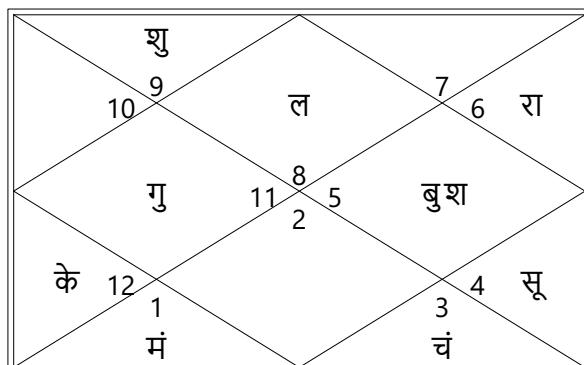
## जन्म कुण्डली



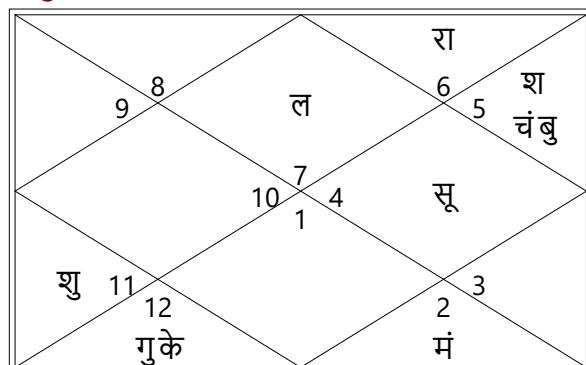
## होरा (धन-सम्पत्ति)



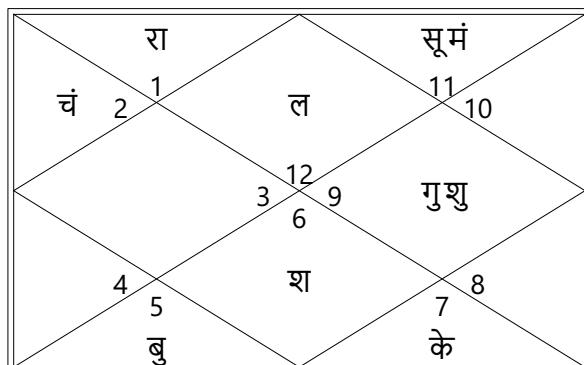
## द्रेष्काण (भाई-बहन)



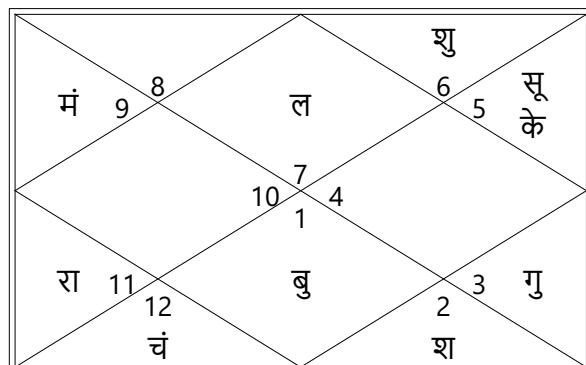
## चतुर्थांश (भाग्य)



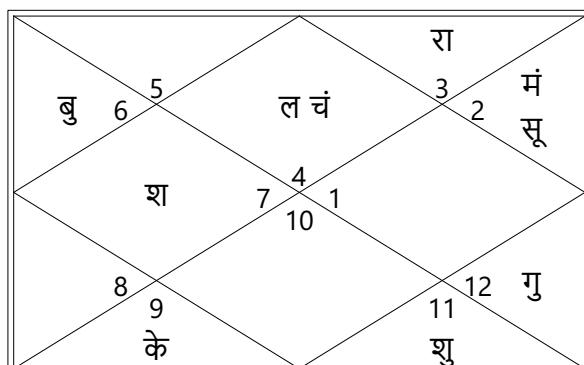
## सप्तांश (संतान)



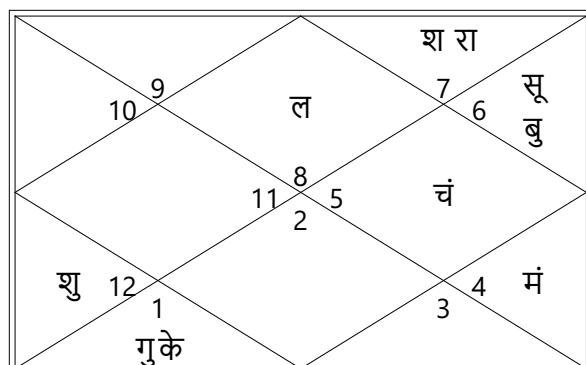
## नवांश (जीवनसाथी)



## दशांश (कर्मफल)

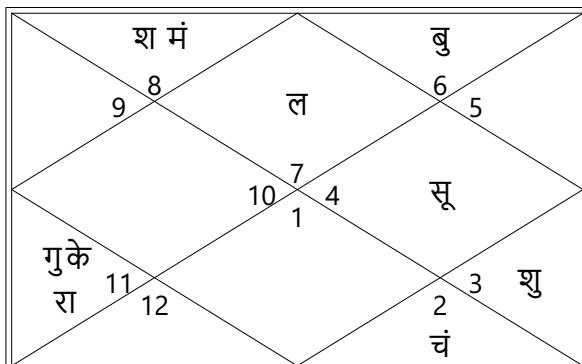


## द्वादशांश (माता-पिता)

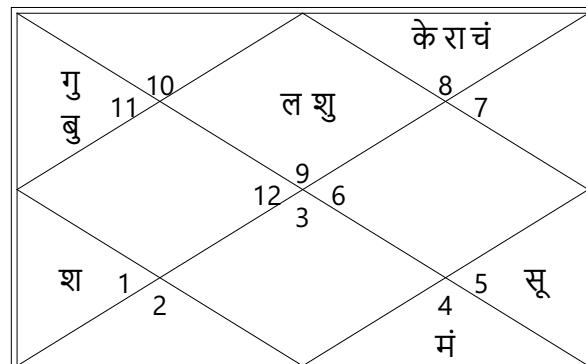




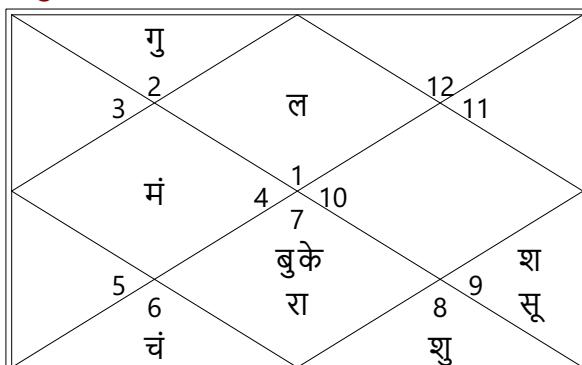
### षोडशांश (वाहन)



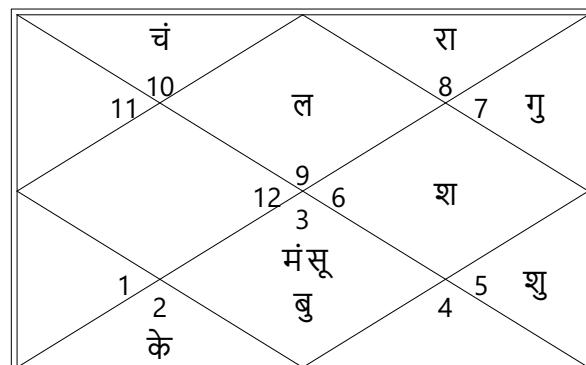
### विंशांश (उपासना)



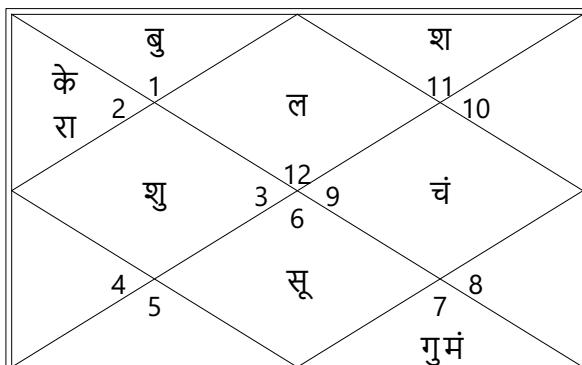
### चतुर्विंशांश (विद्या)



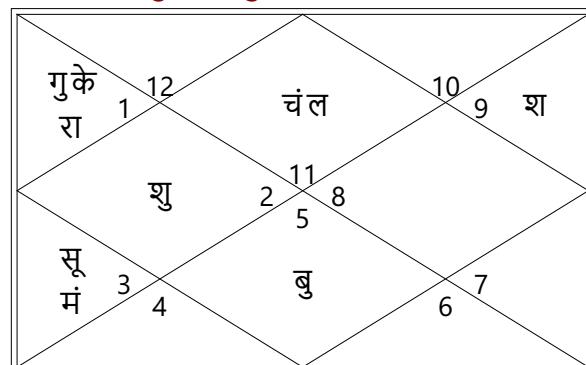
### सप्तविंशांश (बलाबल)



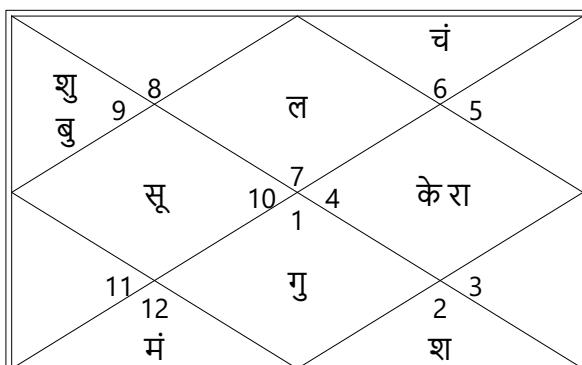
### त्रिंशांश (अरिष्ट)



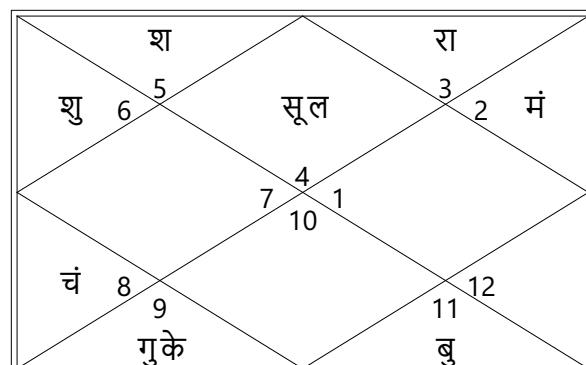
### खवेदांश (शुभ-अशुभफल)



### अक्षवेदांश (सभी क्षेत्र)



### षष्ठ्यांश (सभी क्षेत्र)





उपग्रह

## गुलिकादि उपग्रह समूह

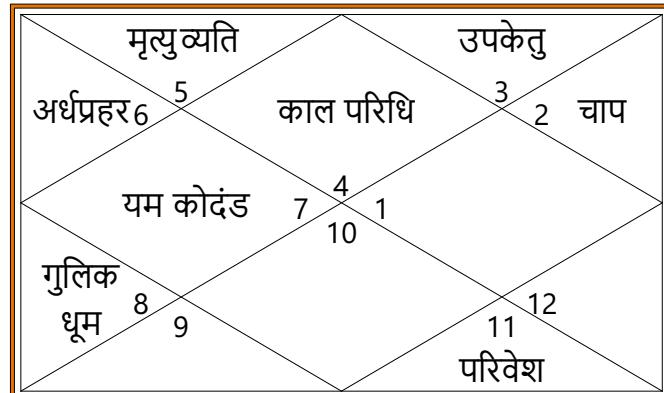
जन्म सूर्योदय से मध्याह्न के बीच \* सूर्योदय-सूर्यस्त : 05:36-18:42 \* जन्मवार : रविवार

उपग्रह	स्वामी	उपग्रह की अवधि	आरम्भ (पराशर विधि)				अन्त (कालिदास विधि)			
			राशि	अंश	नक्षत्र	पद	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
कालवेला	सू.	05:36-07:15	कर्क	06:14:52	पुष्ट	1	कर्क	28:07:20	आश्लेषा	4
परिधि	च	07:15-08:53	कर्क	28:07:20	आश्लेषा	4	सिंह	20:37:06	पूर्वाफाल्युनी	3
मृत्यु	मं	08:53-10:31	सिंह	20:37:06	पूर्वाफाल्युनी	3	कन्या	13:32:14	हस्त	2
अर्धप्रहर	बु	10:31-12:09	कन्या	13:32:14	हस्त	2	तुला	06:15:11	चित्रा	4
यमकण्ठक	गु	12:09-13:47	तुला	06:15:11	चित्रा	4	तुला	28:20:36	विशाखा	3
कोदण्ड	शु	13:47-15:26	तुला	28:20:36	विशाखा	3	वृश्चिक	20:03:07	ज्येष्ठा	2
गुलिक	श	15:26-17:04	वृश्चिक	20:03:07	ज्येष्ठा	2	धनु	12:20:59	मूल	4

## धूमादि उपग्रह समूह

उपग्रह	स्वामी	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
धूम	मं	वृश्चिक	19:35:59	ज्येष्ठा	1
व्यतिपात	रा	सिंह	10:24:01	मघा	4
परिवेश	चं	कुंभ	10:24:01	शतभिषा	2
इन्द्रचाप	शु	वृष	19:35:59	रोहिणी	3
उपकेतु	के	मिथुन	06:15:59	मृगशिरा	4

## उपग्रह



## अन्य विशेष लग्न व गणनाएं

भाव लग्न	कर्क	13:15:02	योगी बिन्दु	26:29:25 सिंह
होरा लग्न	कर्क	20:15:13	योगी	शु
घटिका लग्न	सिंह	11:15:44	अवयोगी/अन्य योगी	गु/सू
इन्दु लग्न	वृश्चिक	15:00:00	64वां नवांश (चन्द्र/लग्न)	मिथुन/मकर
क्षेत्र स्फुट	तुला	12:52:17	22वां द्रेष्काण (लग्न/चन्द्र)	मिथुन/मकर
जन्म कुण्डली/नवांश	विषम/सम	50 प्रतिशत (मध्यमफल)	सर्प द्रेष्काण	

Mrs. Ahuja

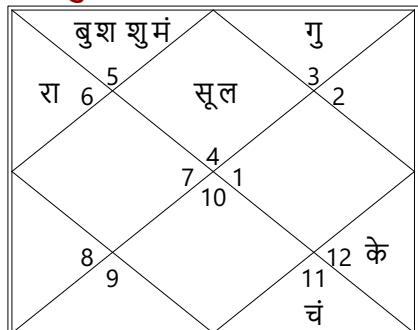


जन्म कुण्डलियाँ

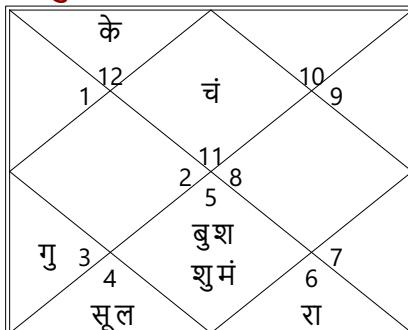
जन्म दिन : 23 जुलाई 1978, रविवार  
जन्म समय : 06:05:00 घंटे  
जन्म स्थान : Raipur, Chhattisgarh, India

रेखांश/अक्षांश : 81पू38'00 21उ14'00  
समयक्षेत्र : -05:30:00 घंटे  
समय संशोधन : 00:00:00 घंटे

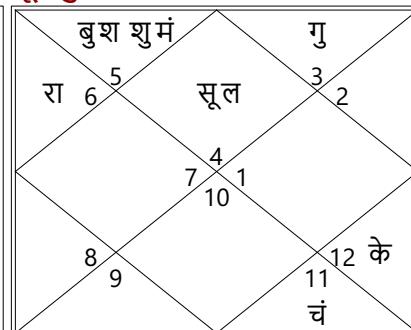
### जन्म कुण्डली



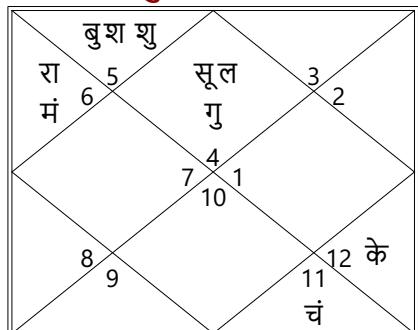
### चंद्र कुण्डली



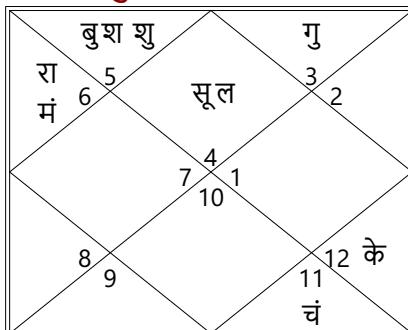
### सूर्य कुण्डली



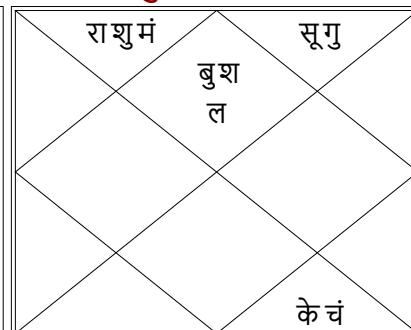
### श्रीपति भाव कुण्डली



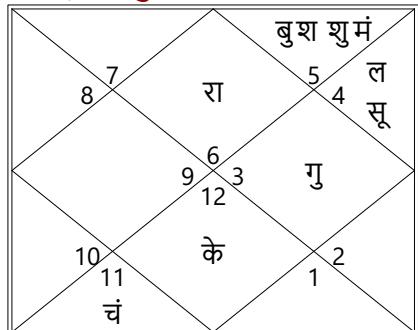
### सम भाव कुण्डली



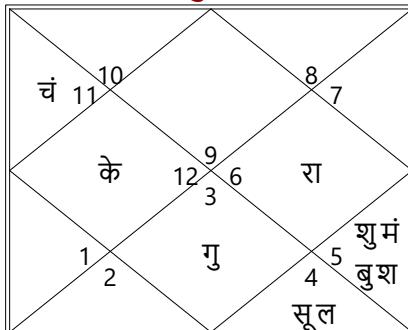
### के.पी. भाव कुण्डली



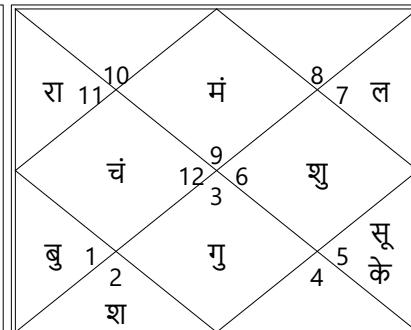
### आरुढ़ लग्र कुण्डली



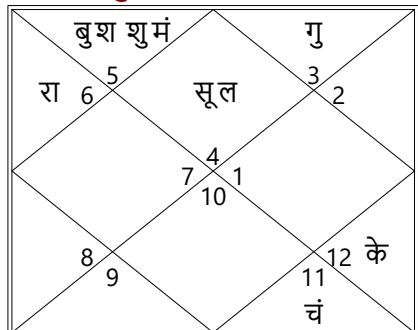
### कारकांश (जन्म कुण्डली)



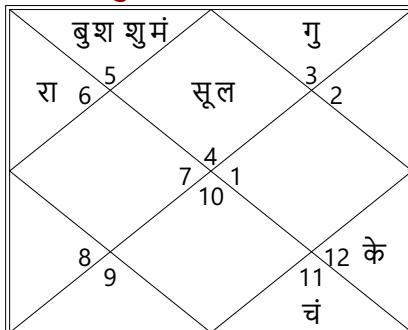
### कारकांश (नवांश)



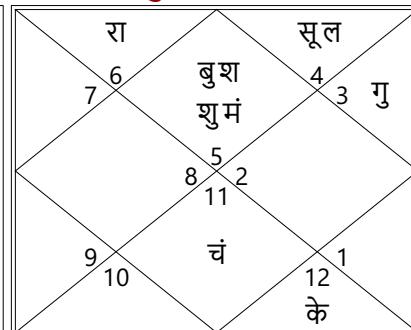
### भाव लग्र कुण्डली



### होरा लग्र कुण्डली



### घटिका लग्र कुण्डली





### नैसर्गिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चन्द्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चन्द्र गुरु केतु	सूर्य शुक्र	सूर्य चन्द्र मंगल	बुध शनि राहु केतु	बुध शुक्र राहु	गुरु शुक्र शनि	मंगल शुक्र
शत्रु	शुक्र शनि राहु केतु	राहु केतु	बुध राहु	चन्द्र	बुध शुक्र	सूर्य चन्द्र	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र शनि केतु
सम	बुध	मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र शनि	मंगल गुरु शनि राहु	शनि राहु केतु	मंगल गुरु	गुरु	बुध	गुरु बुध

### तात्कालिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	मंगल बुध गुरु शुक्र शनि राहु	केतु	सूर्य गुरु राहु	सूर्य गुरु राहु	सूर्य मंगल बुध शुक्र शनि राहु केतु	सूर्य गुरु राहु	सूर्य गुरु राहु	सूर्य मंगल बुध गुरु शुक्र शनि	चंद्र गुरु
शत्रु	चंद्र केतु	सूर्य मंगल बुध गुरु शुक्र शनि राहु	चंद्र बुध शुक्र शनि केतु	चंद्र मंगल शुक्र शनि केतु	चंद्र	चंद्र मंगल बुध शनि केतु	चंद्र मंगल बुध शुक्र केतु	चंद्र केतु	सूर्य मंगल बुध शुक्र शनि राहु

### पंचधा मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
अतिमित्र	मंगल गुरु		सूर्य गुरु	सूर्य	सूर्य मंगल	राहु	राहु	गुरु शुक्र शनि	
मित्र	बुध			गुरु राहु	शनि राहु केतु	गुरु	गुरु	बुध	गुरु
सम	चंद्र शुक्र शनि राहु	सूर्य बुध केतु	चंद्र राहु केतु	शुक्र	चंद्र बुध शुक्र	सूर्य बुध शनि केतु	सूर्य बुध शुक्र	सूर्य मंगल शुक्र	चंद्र मंगल शुक्र
शत्रु		मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र शनि	मंगल शनि केतु		मंगल			बुध
अतिशत्रु	केतु	राहु	बुध	चंद्र		चंद्र	चंद्र मंगल केतु	चंद्र केतु	सूर्य शनि राहु



## षोडशवर्ग सारणी

## षोडशवर्ग में राशियों में ग्रह

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	कर्क	कर्क	कुंभ	सिंह	सिंह	मिथुन	सिंह	सिंह	कन्या	मीन
होरा	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	वृश्चिक	कर्क	मिथुन	मेष	सिंह	कुंभ	धनु	सिंह	कन्या	मीन
चतुर्थश	तुला	कर्क	सिंह	वृष	सिंह	मीन	कुंभ	सिंह	कन्या	मीन
सप्तांश	मीन	कुंभ	वृष	कुंभ	सिंह	धनु	धनु	कन्या	मेष	तुला
नवांश	तुला	सिंह	मीन	धनु	मेष	मिथुन	कन्या	वृष	कुंभ	सिंह
दशांश	कर्क	वृष	कर्क	वृष	कन्या	मीन	कुंभ	तुला	मिथुन	धनु
द्वादशांश	वृश्चिक	कर्क	सिंह	कर्क	कन्या	मेष	मीन	तुला	तुला	मेष
षोडशांश	तुला	कर्क	वृष	वृश्चिक	कन्या	कुंभ	मिथुन	वृश्चिक	कुंभ	कुंभ
विंशांश	धनु	सिंह	वृश्चिक	कर्क	कुंभ	कुंभ	धनु	मेष	वृश्चिक	वृश्चिक
चतुर्विंशांश	मेष	धनु	कन्या	कर्क	तुला	वृष	वृश्चिक	धनु	तुला	तुला
सप्तविंशांश	धनु	मिथुन	मकर	मिथुन	मिथुन	तुला	सिंह	कन्या	वृश्चिक	वृष
त्रिंशांश	मीन	कन्या	धनु	तुला	मेष	तुला	मिथुन	कुंभ	वृष	वृष
खवेदांश	कुंभ	मिथुन	कुंभ	मिथुन	सिंह	मेष	वृष	धनु	मेष	मेष
अक्षवेदांश	तुला	मकर	कन्या	मीन	धनु	मेष	धनु	वृष	कर्क	कर्क
षष्ठ्यांश	कर्क	कर्क	वृश्चिक	वृष	कुंभ	धनु	कन्या	सिंह	मिथुन	धनु

## षोडशवर्ग में शुभाशुभ

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	सम	शत्रु	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	सम	सम	स्वराशि	स्वराशि
होरा	सम	स्वराशि	नीच	अतिमित्र	उच्च	अतिशत्रु	सम	सम	सम
द्रेष्काण	अतिमित्र	अतिमित्र	स्वराशि	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	सम	स्वराशि	स्वराशि
चतुर्थश	अतिमित्र	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	स्वराशि	सम	सम	स्वराशि	स्वराशि
सप्तांश	अतिशत्रु	उच्च	शत्रु	सम	मूलत्रिक.	शत्रु	अतिमित्र	सम	सम
नवांश	स्वराशि	मित्र	सम	शत्रु	सम	नीच	सम	स्वराशि	सम
दशांश	सम	स्वराशि	मित्र	उच्च	स्वराशि	सम	उच्च	मूलत्रिक.	मूलत्रिक.
द्वादशांश	शत्रु	अतिमित्र	नीच	उच्च	अतिमित्र	उच्च	उच्च	सम	सम
षोडशांश	अतिमित्र	उच्च	स्वराशि	स्वराशि	मित्र	अतिमित्र	अतिशत्रु	स्वराशि	सम
विंशांश	मूलत्रिक.	नीच	नीच	मित्र	मित्र	मित्र	नीच	नीच	उच्च
चतुर्विंशांश	सम	अतिमित्र	नीच	अतिमित्र	अतिशत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम
सप्तविंशांश	शत्रु	शत्रु	अतिशत्रु	स्वराशि	सम	सिंह	अतिमित्र	नीच	नीच
त्रिंशांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	अतिशत्रु	अतिमित्र	मूलत्रिक.	मूलत्रिक.	नीच
खवेदांश	मित्र	मित्र	सम	अतिमित्र	अतिमित्र	स्वराशि	शत्रु	सम	सम
अक्षवेदांश	अतिशत्रु	अतिमित्र	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	सम	सम	सम
षष्ठ्यांश	सम	नीच	शत्रु	शत्रु	मूलत्रिक.	नीच	सम	मूलत्रिक.	मूलत्रिक.

## विशेषक बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षड्वर्ग	13	9	16	15	12	11	11	15	11
सप्तवर्ग	13	9	14	16	13	12	11	15	11
दशवर्ग	12	9	12	14	15	11	10	15	12
षोडशवर्ग	13	8	13	13	14	11	10	15	11



## ग्रहों का षड्बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	31.24	34.63	10.30	46.05	57.36	12.74	35.35
सप्तवर्गीय बल	90.00	60.00	97.50	127.50	97.50	69.38	75.00
ओज-युग्म बल	15.00	15.00	30.00	30.00	30.00	15.00	15.00
केन्द्रादिं बल	60.00	30.00	30.00	30.00	15.00	30.00	30.00
द्रेष्काण बल	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1. स्थान बल	211.24	139.63	167.80	233.55	199.86	127.11	155.35
2. दिग्बल	31.06	17.52	13.52	53.10	54.88	43.12	7.86
नतोन्त्र बल	29.44	30.56	30.56	60.00	29.44	29.44	30.56
पक्ष बल	13.54	46.46	13.54	13.54	46.46	46.46	13.54
त्रिभाग बल	0.00	0.00	0.00	60.00	60.00	0.00	0.00
वर्ष बल	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	0.00	30.00	0.00	0.00	0.00
वार बल	45.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
होरा बल	60.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
आयन बल	56.03	40.04	33.94	46.47	58.07	39.10	14.82
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. काल बल	219.00	117.06	78.05	210.01	193.97	114.99	58.92
4. चेष्टा बल	56.03	46.46	39.30	50.44	6.76	44.31	18.62
5. नैसर्गिक बल	60.00	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
6. द्वक बल	-2.66	-16.74	0.48	-5.10	-5.18	-5.48	-5.10
<b>कुल षड्बल</b>	<b>574.68</b>	<b>355.35</b>	<b>316.30</b>	<b>567.74</b>	<b>484.55</b>	<b>366.89</b>	<b>244.23</b>
<b>षड्बल (रूप में)</b>	<b>9.58</b>	<b>5.92</b>	<b>5.27</b>	<b>9.46</b>	<b>8.08</b>	<b>6.11</b>	<b>4.07</b>
न्यूनतम वांछनीय	390	360	300	420	390	330	300
<b>वांछनीय का अंश</b>	<b>1.47</b>	<b>0.99</b>	<b>1.05</b>	<b>1.35</b>	<b>1.24</b>	<b>1.11</b>	<b>0.81</b>
स्थान बल वांछित का अंश	1.28	1.05	1.75	1.42	1.21	0.96	1.62
दिग्बल वांछित का अंश	0.89	0.35	0.45	1.52	1.57	0.86	0.26
काल बल वांछित का अंश	1.96	1.17	1.16	1.88	1.73	1.15	0.88
चेष्टा बल वांछित का अंश	1.12	1.55	0.98	1.01	0.14	1.48	0.47
द्वक्बल वांछित का अंश	1.87	1.00	1.70	1.55	1.94	0.98	0.74
<b>तुलनात्मक स्थिति</b>	1	6	5	2	3	4	7
इष्ट फल	40.65	40.54	24.80	48.25	32.06	28.52	26.98
कष्ट फल	19.35	19.46	35.20	11.75	27.94	31.48	33.02

## भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावमध्य राशि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि
भावमध्य अंश	12	12	12	12	12	12	12	12	12	12	12	12
भावाधिपति बल	355	574	567	366	316	484	244	244	484	316	366	567
भाव दिग्बल	0	20	40	30	40	10	30	10	10	59	49	50
भाव दृष्टि बल	-1	-5	5	-3	-15	-2	13	-22	-15	-36	-33	-9
ग्रह	-60	-60	0	0	0	0	0	0	0	0	0	60
दिन-रात्रि	0	0	0	0	0	0	0	0	15	0	0	0
<b>कुल भावबल</b>	<b>294</b>	<b>529</b>	<b>613</b>	<b>394</b>	<b>341</b>	<b>492</b>	<b>288</b>	<b>232</b>	<b>494</b>	<b>340</b>	<b>383</b>	<b>668</b>

Mrs. Ahuja

ग्रहों व भावों पर दृष्टि



## ग्रहों पर दृष्टि

## दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट ग्रह	अंश	सूर्य 96:15	चन्द्र 316:53	मंगल 148:53	बुध 123:08	गुरु 87:05	शुक्र 138:47	शनि 126:02	राहु 154:50	केतु 334:50
सूर्य	96:15	-	-	-	-	-	-	-	-	4/4 (58)
चन्द्र	316:53	3/4 (39)	-	4/4 (35)	4/4 (53)	4/4 (54)	4/4 (56)	4/4 (54)	- (24)	-
मंगल	148:53	- (11)	4/4 (53)	-	-	1/4 (16)	-	-	-	- (48)
बुध	123:08	-	4/4 (32)	-	-	1/4 (3)	-	-	-	- (31)
गुरु	87:05	-	1/2 (19)	-	-	-	-	-	1/4 (3)	3/4 (56)
शुक्र	138:47	- (6)	4/4 (59)	-	-	1/4 (10)	-	-	-	- (27)
शनि	126:02	-	4/4 (38)	-	-	1/4 (4)	-	-	-	- (2)
राहु	154:50	1/4 (14)	3/4 (51)	-	-	3/4 (22)	-	-	-	4/4 (59)
केतु	334:50	1/2 (30)	-	4/4 (60)	3/4 (44)	1/4 (52)	3/4 (51)	3/4 (45)	4/4 (59)	-

## श्रीपति भावों पर दृष्टि

## दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट भाव	अंश	सूर्य 96:15	चन्द्र 316:53	मंगल 148:53	बुध 123:08	गुरु 87:05	शुक्र 138:47	शनि 126:02	राहु 154:50	केतु 334:50
प्रथम	102:26	-	4	-	-	-	-	-	-	52
द्वितीय	131:26	2	49	-	-	7	-	-	-	13
तृतीय	160:26	19	48	-	3	28	-	8	-	57
चतुर्थ	189:26	43	33	5	21	51	10	58	2	47
पंचम	220:26	25	18	32	41	46	36	42	20	54
षष्ठ	251:26	10	2	47	21	28	33	24	48	11
सप्तम	282:26	56	-	16	18	52	6	12	52	-
अष्टम	311:26	42	-	25	55	52	45	57	13	-
नवम	340:26	27	-	60	41	46	49	42	57	-
दशम	09:26	13	11	49	26	8	34	33	47	2
एकादश	40:26	-	38	24	11	-	19	51	54	20
द्वादश	71:26	-	32	8	-	-	3	-	11	48



## ग्रहों की अवस्थाएं

ग्रह	जाग्रदाद्य अवस्था (3 का समूह)	बालाद्य अवस्था (5 का समूह)	लजिताद्य अवस्था (6 का समूह)	दीप्ताद्य अवस्था (9 का समूह)	शयनाद्य अवस्था (12 का समूह)
सूर्य	स्वप्न (मध्यमफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)	तृष्णित	दीन (समक्षेत्र)	नृत्यलिप्सा (विद्वान)
चन्द्र	स्वप्न (मध्यमफल)	युवा (पूर्णफल)	क्षुधित मुदित	दुखी (शत्रुक्षेत्र)	आगमन (मानी असन्तोषी)
मंगल	स्वप्न (मध्यमफल)	मृत (शून्यफल)	क्षुधित मुदित	मुदित (अधिमित्र)	आगमन (गुणवान/शत्रुहन्ता)
बुध	स्वप्न (मध्यमफल)	बाल (चतुर्थांशफल)	क्षुधित मुदित	मुदित (अधिमित्र)	नृत्यलिप्सा (सम्मान व वाहन)
गुरु	सुषुप्ति (शून्यफल)	मृत (शून्यफल)		दीन (समक्षेत्र)	भोजन (सुभोजन/पूर्णधनी)
शुक्र	सुषुप्ति (शून्यफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)	क्षुधित	दीन (समक्षेत्र)	आगमन (भ्रमणशील)
शनि	सुषुप्ति (शून्यफल)	कुमार (आधाफल)	मुदित	दीन (समक्षेत्र)	उपवेश (व्ययशील राजदण्ड)
राहु	जाग्रत (पूर्णफल)	मृत (शून्यफल)		स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	आगमन (क्रोधी कामी कंजूस)
केतु	जाग्रत (पूर्णफल)	मृत (शून्यफल)	तृष्णित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	आगमन (अनेक रोगों का शिकार)

टिप्पणी - जाग्रदाद्य व बालाद्य अवस्थाओं में कोष्ठक में ग्रहों के फल की मात्रा व शयनाद्य अवस्था में ग्रहों की अवस्थाओं का फल दिया गया है।

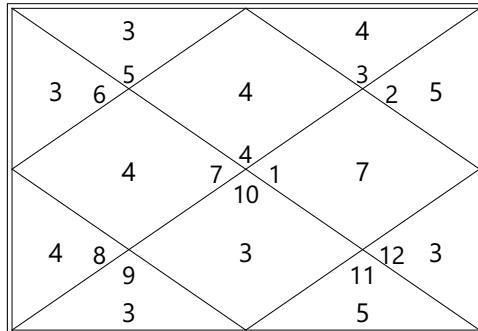


## अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

### सूर्य

सूर्य राशि	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	
शनि	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	4
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
बुध	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
चन्द्र	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	4
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
योग	4	3	3	4	4	3	3	5	3	7	5	4	48

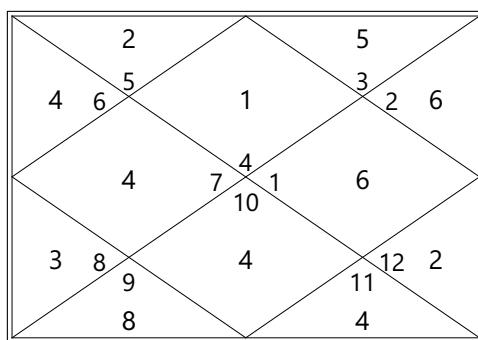
### सूर्य



### चन्द्र

चन्द्र राशि	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
शनि	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	4
गुरु	0	1	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	7
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	0	1	0	0	1	7
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	0	1	6
शुक्र	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	8
चन्द्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
लग्न	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
योग	4	2	6	6	5	1	2	4	4	3	8	4	49

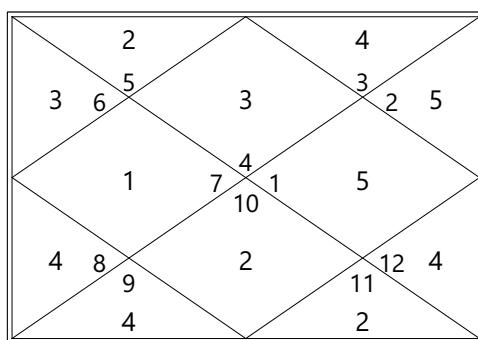
### चन्द्र



### मंगल

मंगल राशि	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	
शनि	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	7
गुरु	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	1	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	5
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	4
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
चन्द्र	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	5
योग	2	3	1	4	4	2	2	4	5	5	4	3	39

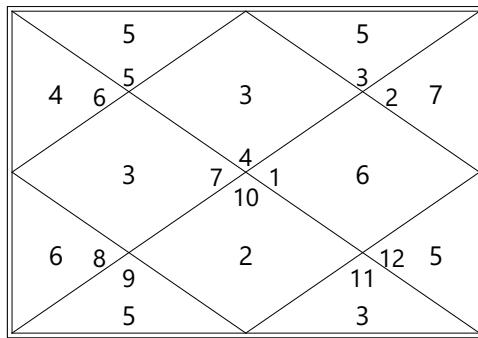
### मंगल



### बुध

बुध राशि	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
गुरु	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	1	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
सूर्य	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	5
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चन्द्र	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	6
लग्न	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	7
योग	5	4	3	6	5	2	3	5	6	7	5	3	54

### बुध



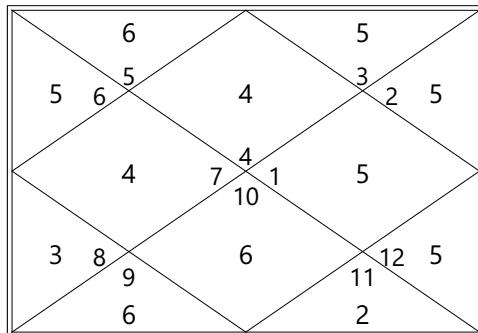


## अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

### गुरु

गुरु राशि	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	
शनि	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
सूर्य	0	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	9
शुक्र	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	6
बुध	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	1	8
चन्द्र	1	0	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	5
लग्न	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
योग	5	4	6	5	4	3	6	6	2	5	5	5	56

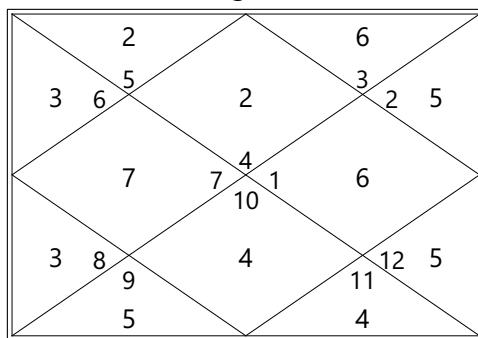
### गुरु



### शुक्र

शुक्र राशि	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	
शनि	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
गुरु	0	0	1	0	0	1	1	1	0	0	0	0	5
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	0	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	5
चन्द्र	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	9
लग्न	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
योग	2	3	7	3	5	4	4	5	6	5	6	2	52

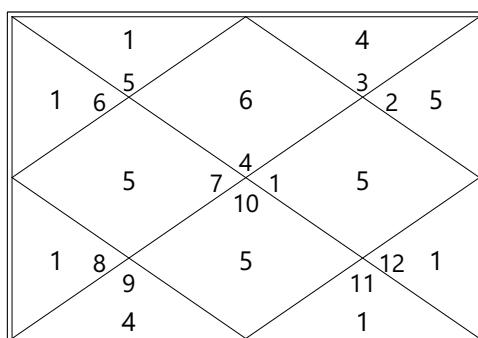
### शुक्र



### शनि

शनि राशि	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	6
सूर्य	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	7
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	3
बुध	0	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	6
चन्द्र	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3
लग्न	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	6
योग	1	1	5	1	4	5	1	1	5	5	4	6	39

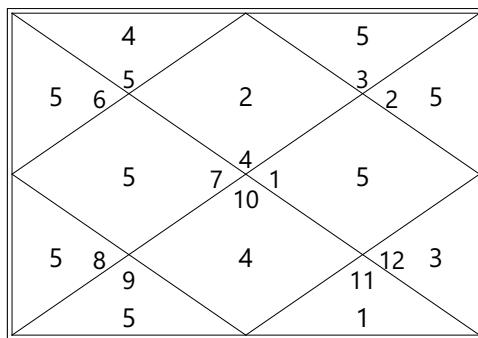
### शनि



### लग्न

लग्न राशि	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	
शनि	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
गुरु	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	9
मंगल	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
सूर्य	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	7
बुध	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
चन्द्र	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
योग	2	4	5	5	5	4	1	3	5	5	5	5	49

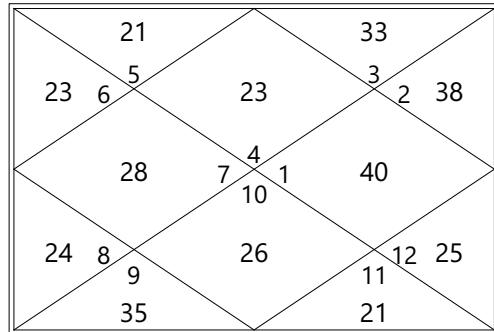
### लग्न



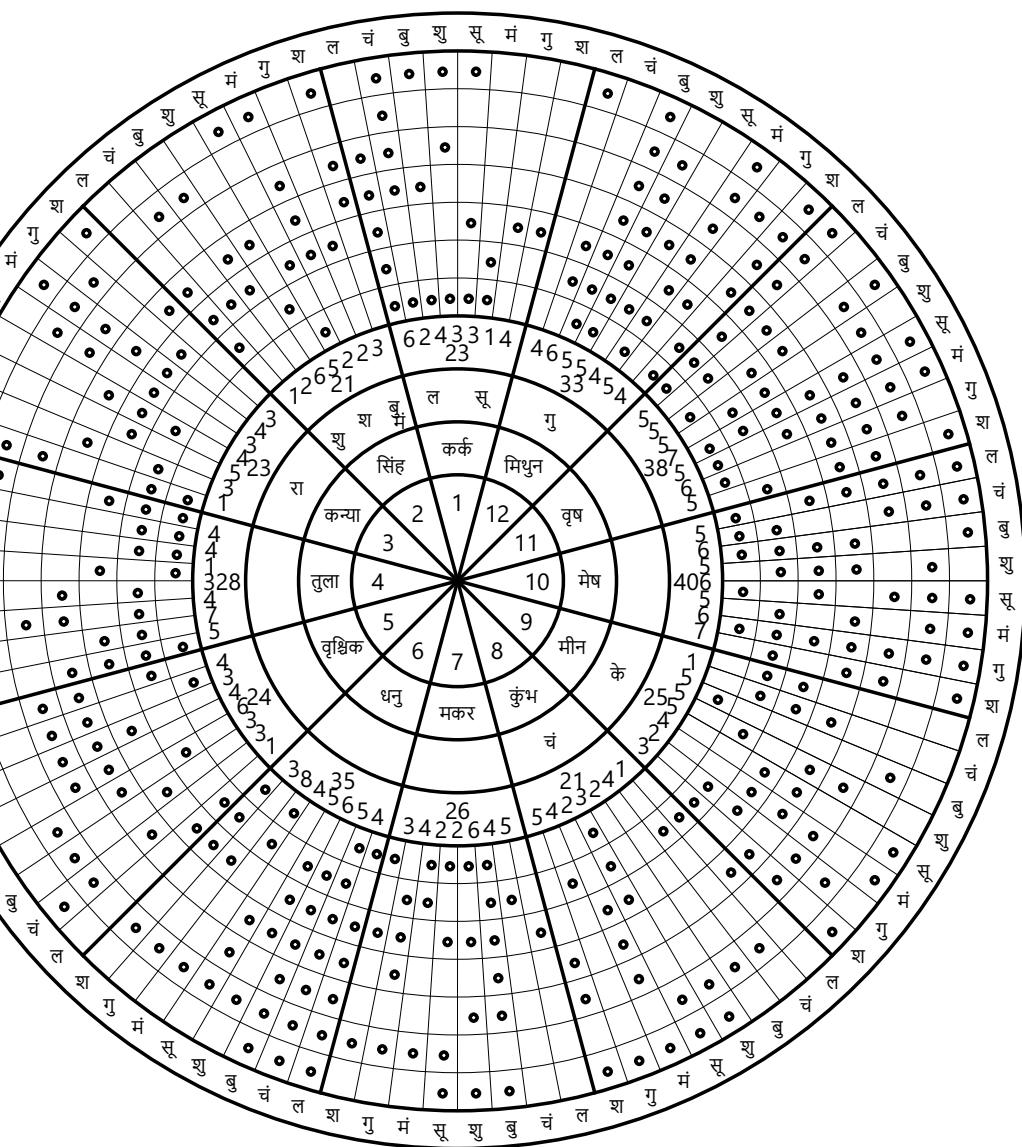


### सर्वाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
लग्न	5	5	5	2	4	5	5	5	5	4	1	3	49
सूर्य	7	5	4	4	3	3	4	4	3	3	5	3	48
चंद्र	6	6	5	1	2	4	4	3	8	4	4	2	49
मंगल	5	5	4	3	2	3	1	4	4	2	2	4	39
बुध	6	7	5	3	5	4	3	6	5	2	3	5	54
गुरु	5	5	5	4	6	5	4	3	6	6	2	5	56
शुक्र	6	5	6	2	2	3	7	3	5	4	4	5	52
शनि	5	5	4	6	1	1	5	1	4	5	1	1	39
	40	38	33	23	21	23	28	24	35	26	21	25	337



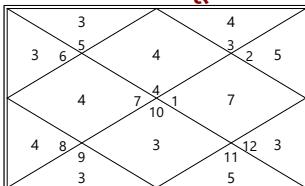
### सर्वचन्चा चक्र



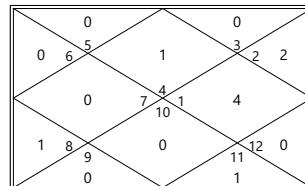


शोधन से पूर्व

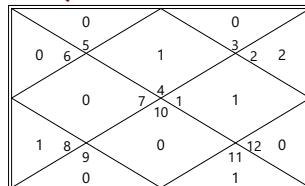
सूर्य	
राशि पिण्ड	50
ग्रह पिण्ड	10
शुद्ध पिण्ड	60



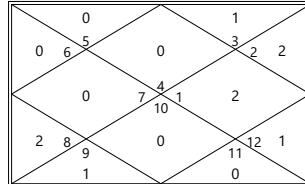
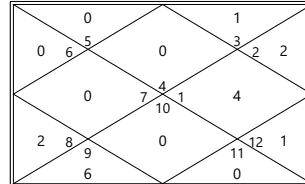
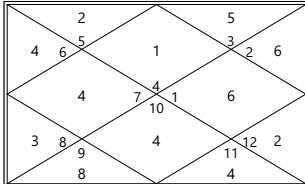
त्रिकोण शोधन



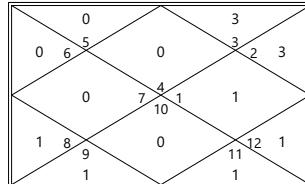
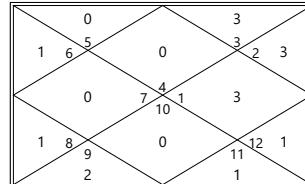
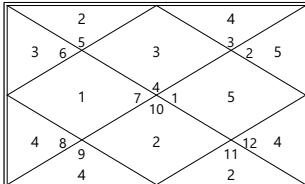
एकाधिपत्य शोधन



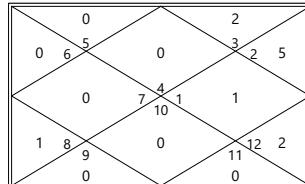
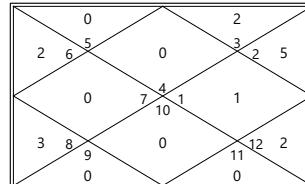
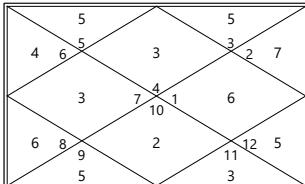
चन्द्र	
राशि पिण्ड	79
ग्रह पिण्ड	10
शुद्ध पिण्ड	89



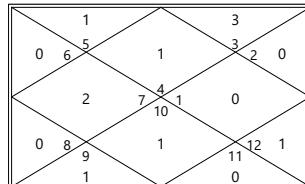
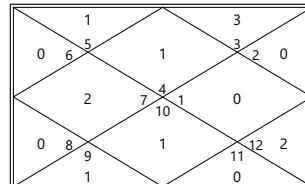
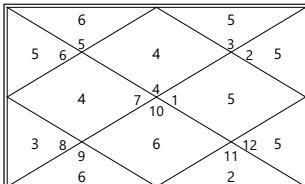
मंगल	
राशि पिण्ड	101
ग्रह पिण्ड	35
शुद्ध पिण्ड	136



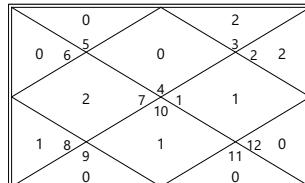
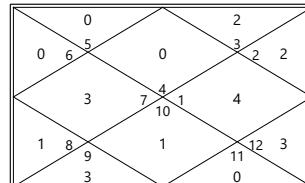
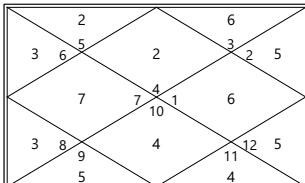
बुध	
राशि पिण्ड	105
ग्रह पिण्ड	20
शुद्ध पिण्ड	125



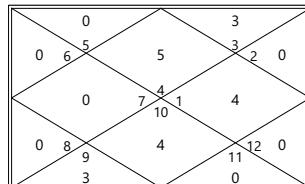
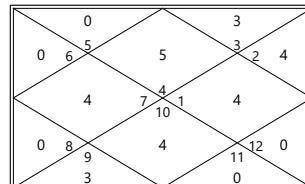
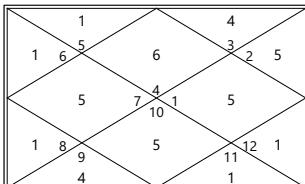
गुरु	
राशि पिण्ड	78
ग्रह पिण्ड	60
शुद्ध पिण्ड	138



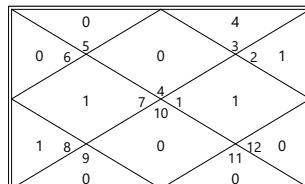
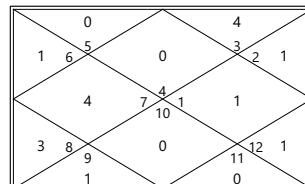
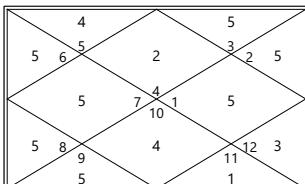
शुक्र	
राशि पिण्ड	70
ग्रह पिण्ड	20
शुद्ध पिण्ड	90



शनि	
राशि पिण्ड	119
ग्रह पिण्ड	55
शुद्ध पिण्ड	174



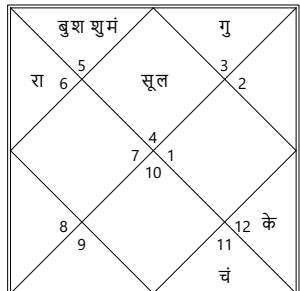
लग्न	
राशि पिण्ड	64
ग्रह पिण्ड	40
शुद्ध पिण्ड	104



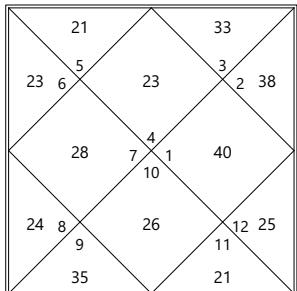


## वर्ग कुण्डलिया-अष्टकवर्ग

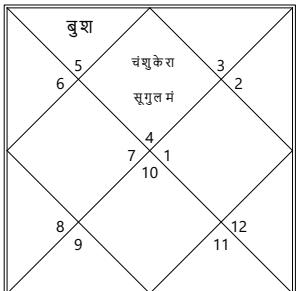
### जन्म कुण्डली



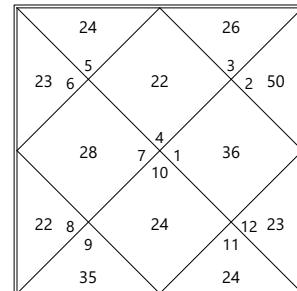
### समुदाय अष्टकवर्ग



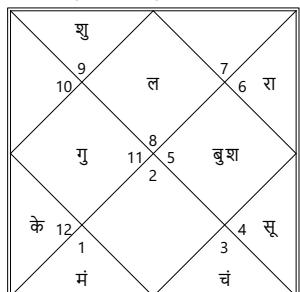
### होरा (धन-सम्पत्ति)



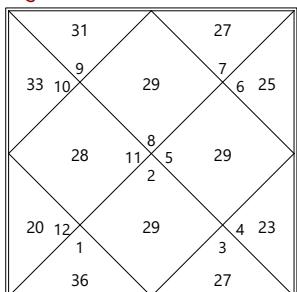
### समुदाय अष्टकवर्ग



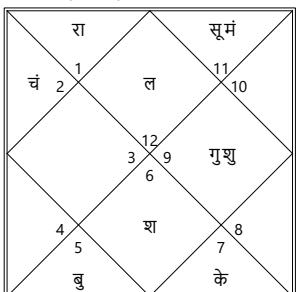
### द्रेष्काण (भाई-बहन)



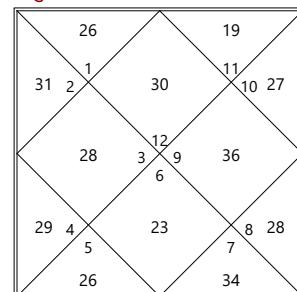
### समुदाय अष्टकवर्ग



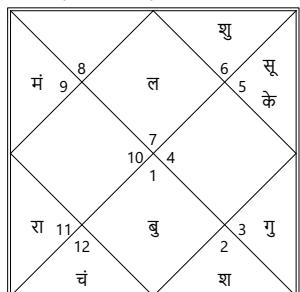
### सप्तांश (संतान)



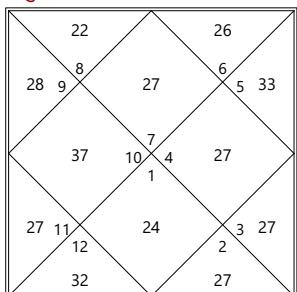
### समुदाय अष्टकवर्ग



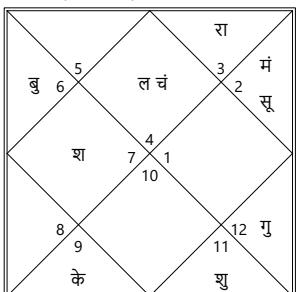
### नवांश (जीवनसाथी)



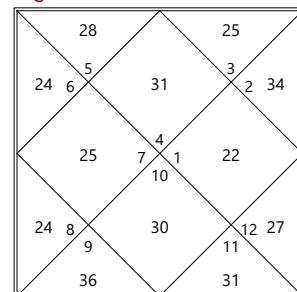
### समुदाय अष्टकवर्ग



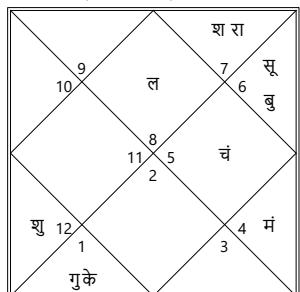
### दशांश (कर्मफल)



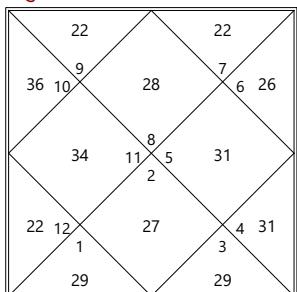
### समुदाय अष्टकवर्ग



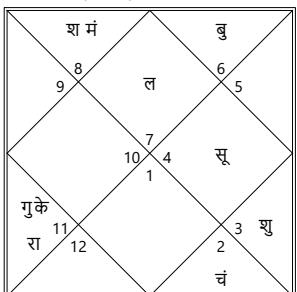
### द्वादशांश (माता-पिता)



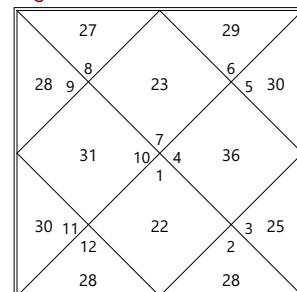
### समुदाय अष्टकवर्ग



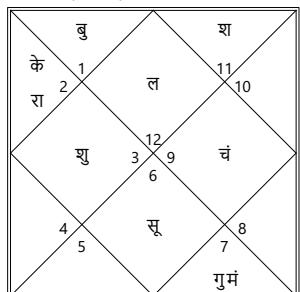
### षोडशांश (वाहन)



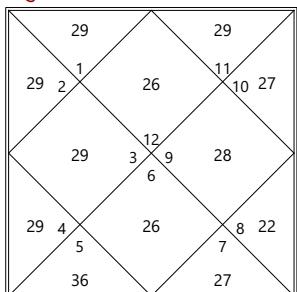
### समुदाय अष्टकवर्ग



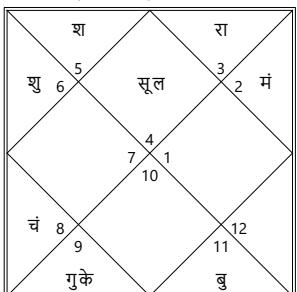
### विशांश (अरिष्ट)



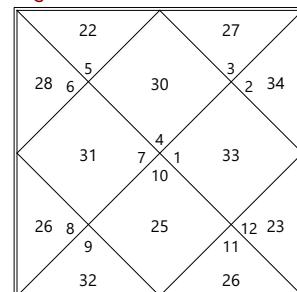
### समुदाय अष्टकवर्ग



### षष्ठ्यांश (सभी क्षेत्र)



### समुदाय अष्टकवर्ग





## ग्रहों का शारीरिक संरचना पर प्रभाव

### सूक्ष्म पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग
सूर्य	शीर्ष
चन्द्र	बायीं छाती
मंगल	लिंग
बुध	दाहिनी आँख
गुरु	गुदा
शुक्र	दायाँ कन्धा
शनि	दाहिनी आँख
राहु	दायाँ कान
केतु	बायाँ कपोल

### स्थूल पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग	शरीर का अंग
सूर्य	हृदय	मस्तक
चन्द्र	पिंडलियाँ	लिंग
मंगल	पेट तथा कुक्षि	मुख
बुध	पेट तथा कुक्षि	मुख
गुरु	बाहु	पैर
शुक्र	पेट तथा कुक्षि	मुख
शनि	पेट तथा कुक्षि	मुख
राहु	कमर	बाहु
केतु	पैर	जांघ

### नक्षत्र पद्धति

ग्रह	नक्षत्र	प्रथम मत	द्वितीय मत
सूर्य	पुष्य	मुख	मुख
चन्द्र	शतभिषा	ठोड़ी	दायाँ जांघ
मंगल	उत्तराफाल्युनी	लिंग	बायाँ हाथ
बुध	मघा	नाक	होठ व ठोड़ी
गुरु	पुनर्वसु	अंगुलियाँ	नाक
शुक्र	पूर्वफाल्युनी	लिंग	दायाँ हाथ
शनि	मघा	नाक	होठ व ठोड़ी
राहु	उत्तराफाल्युनी	लिंग	बायाँ हाथ
केतु	उत्तराभाद्रपद	बाह्य अंग	टांगे



## विंशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : राहु 4वर्ष-2मास-10दिन  
जन्मकालीन दशा : रा-ल-ल-ल-ल

## राहु (18व)

0 वर्ष से 4व2म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	23-07-1978 - 22-04-1979	
सूर्य	22-04-1979 - 16-03-1980	
चन्द्र	16-03-1980 - 14-09-1981	
मंगल	14-09-1981 - 03-10-1982	

## गुरु (16व)

4व2म से 20व2म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	03-10-1982 - 20-11-1984	
शनि	20-11-1984 - 03-06-1987	
बुध	03-06-1987 - 08-09-1989	
केतु	08-09-1989 - 15-08-1990	
शुक्र	15-08-1990 - 15-04-1993	
सूर्य	15-04-1993 - 01-02-1994	
चन्द्र	01-02-1994 - 03-06-1995	
मंगल	03-06-1995 - 09-05-1996	
राहु	09-05-1996 - 03-10-1998	

## शनि (19व)

20व2म से 39व2म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	03-10-1998 - 06-10-2001	
बुध	06-10-2001 - 15-06-2004	
केतु	15-06-2004 - 24-07-2005	
शुक्र	24-07-2005 - 23-09-2008	
सूर्य	23-09-2008 - 05-09-2009	
चन्द्र	05-09-2009 - 06-04-2011	
मंगल	06-04-2011 - 15-05-2012	
राहु	15-05-2012 - 22-03-2015	
गुरु	22-03-2015 - 02-10-2017	

## बुध (17व)

39व2म से 56व2म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	02-10-2017	29-02-2020
केतु	29-02-2020 - 25-02-2021	
शुक्र	25-02-2021 - 27-12-2023	
सूर्य	27-12-2023 - 02-11-2024	
चन्द्र	02-11-2024 - 03-04-2026	
मंगल	03-04-2026 - 31-03-2027	
राहु	31-03-2027 - 17-10-2029	
गुरु	17-10-2029 - 23-01-2032	
शनि	23-01-2032 - 02-10-2034	

## केतु (7व)

56व2म से 63व2म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	02-10-2034 - 01-03-2035	
शुक्र	01-03-2035 - 30-04-2036	
सूर्य	30-04-2036 - 05-09-2036	
चन्द्र	05-09-2036 - 06-04-2037	
मंगल	06-04-2037 - 02-09-2037	
राहु	02-09-2037 - 20-09-2038	
गुरु	20-09-2038 - 27-08-2039	
शनि	27-08-2039 - 05-10-2040	
बुध	05-10-2040 - 02-10-2041	

## शुक्र (20व)

63व2म से 83व2म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	02-10-2041 - 01-02-2045	
सूर्य	01-02-2045 - 01-02-2046	
चन्द्र	01-02-2046 - 03-10-2047	
मंगल	03-10-2047 - 02-12-2048	
राहु	02-12-2048 - 02-12-2051	
गुरु	02-12-2051 - 02-08-2054	
शनि	02-08-2054 - 02-10-2057	
बुध	02-10-2057 - 02-08-2060	
केतु	02-08-2060 - 02-10-2061	

## सूर्य (6व)

83व2म से 89व2म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	02-10-2061 - 20-01-2062	
चन्द्र	20-01-2062 - 21-07-2062	
मंगल	21-07-2062 - 26-11-2062	
राहु	26-11-2062 - 21-10-2063	
गुरु	21-10-2063 - 08-08-2064	
शनि	08-08-2064 - 21-07-2065	
बुध	21-07-2065 - 27-05-2066	
केतु	27-05-2066 - 02-10-2066	
शुक्र	02-10-2066 - 02-10-2067	

## चन्द्र (10व)

89व2म से 99व2म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	02-10-2067 - 02-08-2068	
मंगल	02-08-2068 - 03-03-2069	
राहु	03-03-2069 - 02-09-2070	
गुरु	02-09-2070 - 02-01-2072	
शनि	02-01-2072 - 02-08-2073	
बुध	02-08-2073 - 01-01-2075	
केतु	01-01-2075 - 03-08-2075	
शुक्र	03-08-2075 - 02-04-2077	
सूर्य	02-04-2077 - 02-10-2077	

## मंगल (7व)

99व2म से 106व2म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	02-10-2077 - 28-02-2078	
राहु	28-02-2078 - 19-03-2079	
गुरु	19-03-2079 - 22-02-2080	
शनि	22-02-2080 - 02-04-2081	
बुध	02-04-2081 - 30-03-2082	
केतु	30-03-2082 - 27-08-2082	
शुक्र	27-08-2082 - 27-10-2083	
सूर्य	27-10-2083 - 03-03-2084	
चन्द्र	03-03-2084 - 02-10-2084	



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

राहु महादशा : 23-07-1978 से 03-10-1982

आयु : ०व ०म से ४व २म

## राहु-राहु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	

## राहु-गुरु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	

## राहु-शनि

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	

## राहु-बुध

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	

## राहु-केतु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	

## राहु-शुक्र

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	23-07-1978 - 15-09-1978	
बुध	15-09-1978 - 17-02-1979	
केतु	17-02-1979 - 22-04-1979	

## राहु-सूर्य

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	22-04-1979 - 08-05-1979	
चन्द्र	08-05-1979 - 05-06-1979	
मंगल	05-06-1979 - 24-06-1979	
राहु	24-06-1979 - 12-08-1979	
गुरु	12-08-1979 - 25-09-1979	
शनि	25-09-1979 - 16-11-1979	
बुध	16-11-1979 - 02-01-1980	
केतु	02-01-1980 - 21-01-1980	
शुक्र	21-01-1980 - 16-03-1980	

## राहु-चन्द्र

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	16-03-1980 - 30-04-1980	
मंगल	30-04-1980 - 01-06-1980	
राहु	01-06-1980 - 22-08-1980	
गुरु	22-08-1980 - 03-11-1980	
शनि	03-11-1980 - 29-01-1981	
बुध	29-01-1981 - 17-04-1981	
केतु	17-04-1981 - 19-05-1981	
शुक्र	19-05-1981 - 18-08-1981	
सूर्य	18-08-1981 - 14-09-1981	

## राहु-मंगल

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	14-09-1981 - 07-10-1981	
राहु	07-10-1981 - 03-12-1981	
गुरु	03-12-1981 - 23-01-1982	
शनि	23-01-1982 - 25-03-1982	
बुध	25-03-1982 - 18-05-1982	
केतु	18-05-1982 - 10-06-1982	
शुक्र	10-06-1982 - 13-08-1982	
सूर्य	13-08-1982 - 01-09-1982	
चन्द्र	01-09-1982 - 03-10-1982	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

गुरु महादशा : 03-10-1982 से 03-10-1998

आयु : 4व 2म से 20व 2म

## गुरु-गुरु 4व2म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	03-10-1982 - 15-01-1983	
शनि	15-01-1983 - 18-05-1983	
बुध	18-05-1983 - 06-09-1983	
केतु	06-09-1983 - 21-10-1983	
शुक्र	21-10-1983 - 28-02-1984	
सूर्य	28-02-1984 - 07-04-1984	
चन्द्र	07-04-1984 - 11-06-1984	
मंगल	11-06-1984 - 26-07-1984	
राहु	26-07-1984 - 20-11-1984	

## गुरु-शनि 6व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	20-11-1984 - 16-04-1985	
बुध	16-04-1985 - 25-08-1985	
केतु	25-08-1985 - 18-10-1985	
शुक्र	18-10-1985 - 21-03-1986	
सूर्य	21-03-1986 - 06-05-1986	
चन्द्र	06-05-1986 - 22-07-1986	
मंगल	22-07-1986 - 14-09-1986	
राहु	14-09-1986 - 31-01-1987	
गुरु	31-01-1987 - 03-06-1987	

## गुरु-बुध 8व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	03-06-1987 - 29-09-1987	
केतु	29-09-1987 - 16-11-1987	
शुक्र	16-11-1987 - 02-04-1988	
सूर्य	02-04-1988 - 13-05-1988	
चन्द्र	13-05-1988 - 21-07-1988	
मंगल	21-07-1988 - 08-09-1988	
राहु	08-09-1988 - 10-01-1989	
गुरु	10-01-1989 - 30-04-1989	
शनि	30-04-1989 - 08-09-1989	

## गुरु-केतु 11व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	08-09-1989 - 28-09-1989	
शुक्र	28-09-1989 - 24-11-1989	
सूर्य	24-11-1989 - 11-12-1989	
चन्द्र	11-12-1989 - 08-01-1990	
मंगल	08-01-1990 - 28-01-1990	
राहु	28-01-1990 - 20-03-1990	
गुरु	20-03-1990 - 05-05-1990	
शनि	05-05-1990 - 28-06-1990	
बुध	28-06-1990 - 15-08-1990	

## गुरु-शुक्र 12व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	15-08-1990 - 24-01-1991	
सूर्य	24-01-1991 - 14-03-1991	
चन्द्र	14-03-1991 - 03-06-1991	
मंगल	03-06-1991 - 30-07-1991	
राहु	30-07-1991 - 23-12-1991	
गुरु	23-12-1991 - 01-05-1992	
शनि	01-05-1992 - 02-10-1992	
बुध	02-10-1992 - 17-02-1993	
केतु	17-02-1993 - 15-04-1993	

## गुरु-सूर्य 14व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	15-04-1993 - 30-04-1993	
चन्द्र	30-04-1993 - 24-05-1993	
मंगल	24-05-1993 - 10-06-1993	
राहु	10-06-1993 - 24-07-1993	
गुरु	24-07-1993 - 01-09-1993	
शनि	01-09-1993 - 17-10-1993	
बुध	17-10-1993 - 28-11-1993	
केतु	28-11-1993 - 15-12-1993	
शुक्र	15-12-1993 - 01-02-1994	

## गुरु-चन्द्र 15व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	01-02-1994 - 14-03-1994	
मंगल	14-03-1994 - 11-04-1994	
राहु	11-04-1994 - 23-06-1994	
गुरु	23-06-1994 - 27-08-1994	
शनि	27-08-1994 - 12-11-1994	
बुध	12-11-1994 - 20-01-1995	
केतु	20-01-1995 - 18-02-1995	
शुक्र	18-02-1995 - 10-05-1995	
सूर्य	10-05-1995 - 03-06-1995	

## गुरु-मंगल 16व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	03-06-1995 - 23-06-1995	
राहु	23-06-1995 - 13-08-1995	
गुरु	13-08-1995 - 28-09-1995	
शनि	28-09-1995 - 21-11-1995	
बुध	21-11-1995 - 08-01-1996	
केतु	08-01-1996 - 28-01-1996	
शुक्र	28-01-1996 - 25-03-1996	
सूर्य	25-03-1996 - 11-04-1996	
चन्द्र	11-04-1996 - 09-05-1996	

## गुरु-राहु 17व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	09-05-1996 - 18-09-1996	
गुरु	18-09-1996 - 13-01-1997	
शनि	13-01-1997 - 31-05-1997	
बुध	31-05-1997 - 03-10-1997	
केतु	03-10-1997 - 23-11-1997	
शुक्र	23-11-1997 - 18-04-1998	
सूर्य	18-04-1998 - 01-06-1998	
चन्द्र	01-06-1998 - 13-08-1998	
मंगल	13-08-1998 - 03-10-1998	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**शनि** महादशा : 03-10-1998 से 02-10-2017  
आयु : 20व 2म से 39व 2म

## शनि-शनि

20व2म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	03-10-1998 - 26-03-1999	
बुध	26-03-1999 - 28-08-1999	
केतु	28-08-1999 - 31-10-1999	
शुक्र	31-10-1999 - 02-05-2000	
सूर्य	02-05-2000 - 26-06-2000	
चन्द्र	26-06-2000 - 25-09-2000	
मंगल	25-09-2000 - 28-11-2000	
राहु	28-11-2000 - 12-05-2001	
गुरु	12-05-2001 - 06-10-2001	

## शनि-बुध

23व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	06-10-2001 - 22-02-2002	
केतु	22-02-2002 - 20-04-2002	
शुक्र	20-04-2002 - 01-10-2002	
सूर्य	01-10-2002 - 19-11-2002	
चन्द्र	19-11-2002 - 09-02-2003	
मंगल	09-02-2003 - 07-04-2003	
राहु	07-04-2003 - 02-09-2003	
गुरु	02-09-2003 - 11-01-2004	
शनि	11-01-2004 - 15-06-2004	

## शनि-केतु

25व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	15-06-2004 - 08-07-2004	
शुक्र	08-07-2004 - 14-09-2004	
सूर्य	14-09-2004 - 04-10-2004	
चन्द्र	04-10-2004 - 07-11-2004	
मंगल	07-11-2004 - 30-11-2004	
राहु	30-11-2004 - 30-01-2005	
गुरु	30-01-2005 - 25-03-2005	
शनि	25-03-2005 - 28-05-2005	
बुध	28-05-2005 - 24-07-2005	

## शनि-शुक्र

27व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	24-07-2005 - 02-02-2006	
सूर्य	02-02-2006 - 01-04-2006	
चन्द्र	01-04-2006 - 06-07-2006	
मंगल	06-07-2006 - 12-09-2006	
राहु	12-09-2006 - 04-03-2007	
गुरु	04-03-2007 - 06-08-2007	
शनि	06-08-2007 - 05-02-2008	
बुध	05-02-2008 - 18-07-2008	
केतु	18-07-2008 - 23-09-2008	

## शनि-सूर्य

30व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	23-09-2008 - 10-10-2008	
चन्द्र	10-10-2008 - 08-11-2008	
मंगल	08-11-2008 - 29-11-2008	
राहु	29-11-2008 - 20-01-2009	
गुरु	20-01-2009 - 07-03-2009	
शनि	07-03-2009 - 01-05-2009	
बुध	01-05-2009 - 19-06-2009	
केतु	19-06-2009 - 09-07-2009	
शुक्र	09-07-2009 - 05-09-2009	

## शनि-चन्द्र

31व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	05-09-2009 - 23-10-2009	
मंगल	23-10-2009 - 26-11-2009	
राहु	26-11-2009 - 21-02-2010	
गुरु	21-02-2010 - 09-05-2010	
शनि	09-05-2010 - 08-08-2010	
बुध	08-08-2010 - 29-10-2010	
केतु	29-10-2010 - 02-12-2010	
शुक्र	02-12-2010 - 08-03-2011	
सूर्य	08-03-2011 - 06-04-2011	

## शनि-मंगल

32व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	06-04-2011 - 30-04-2011	
राहु	30-04-2011 - 30-06-2011	
गुरु	30-06-2011 - 23-08-2011	
शनि	23-08-2011 - 26-10-2011	
बुध	26-10-2011 - 22-12-2011	
केतु	22-12-2011 - 15-01-2012	
शुक्र	15-01-2012 - 22-03-2012	
सूर्य	22-03-2012 - 11-04-2012	
चन्द्र	11-04-2012 - 15-05-2012	

## शनि-राहु

33व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	15-05-2012 - 18-10-2012	
गुरु	18-10-2012 - 06-03-2013	
शनि	06-03-2013 - 18-08-2013	
बुध	18-08-2013 - 12-01-2014	
केतु	12-01-2014 - 14-03-2014	
शुक्र	14-03-2014 - 04-09-2014	
सूर्य	04-09-2014 - 26-10-2014	
चन्द्र	26-10-2014 - 20-01-2015	
मंगल	20-01-2015 - 22-03-2015	

## शनि-गुरु

36व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	22-03-2015 - 23-07-2015	
शनि	23-07-2015 - 17-12-2015	
बुध	17-12-2015 - 26-04-2016	
केतु	26-04-2016 - 19-06-2016	
शुक्र	19-06-2016 - 20-11-2016	
सूर्य	20-11-2016 - 06-01-2017	
चन्द्र	06-01-2017 - 24-03-2017	
मंगल	24-03-2017 - 17-05-2017	
राहु	17-05-2017 - 02-10-2017	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

बुध महादशा : 02-10-2017 से 02-10-2034

आयु : 39व 2म से 56व 2म

## बुध-बुध 39व2म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	02-10-2017 - 04-02-2018	
केतु	04-02-2018 - 27-03-2018	
शुक्र	27-03-2018 - 21-08-2018	
सूर्य	21-08-2018 - 04-10-2018	
चन्द्र	04-10-2018 - 16-12-2018	
मंगल	16-12-2018 - 05-02-2019	
राहु	05-02-2019 - 17-06-2019	
गुरु	17-06-2019 - 13-10-2019	
शनि	13-10-2019 - 29-02-2020	

## बुध-केतु 41व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	29-02-2020 - 21-03-2020	
शुक्र	21-03-2020 - 20-05-2020	
सूर्य	20-05-2020 - 08-06-2020	
चन्द्र	08-06-2020 - 08-07-2020	
मंगल	08-07-2020 - 29-07-2020	
राहु	29-07-2020 - 21-09-2020	
गुरु	21-09-2020 - 09-11-2020	
शनि	09-11-2020 - 05-01-2021	
बुध	05-01-2021 - 25-02-2021	

## बुध-शुक्र 42व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	25-02-2021 - 17-08-2021	
सूर्य	17-08-2021 - 07-10-2021	
चन्द्र	07-10-2021 - 02-01-2022	
मंगल	02-01-2022 - 03-03-2022	
राहु	03-03-2022 - 05-08-2022	
गुरु	05-08-2022 - 21-12-2022	
शनि	21-12-2022 - 03-06-2023	
बुध	03-06-2023 - 28-10-2023	
केतु	28-10-2023 - 27-12-2023	

## बुध-सूर्य 45व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	27-12-2023 - 12-01-2024	
चन्द्र	12-01-2024 - 06-02-2024	
मंगल	06-02-2024 - 25-02-2024	
राहु	25-02-2024 - 11-04-2024	
गुरु	11-04-2024 - 23-05-2024	
शनि	23-05-2024 - 11-07-2024	
बुध	11-07-2024 - 24-08-2024	
केतु	24-08-2024 - 11-09-2024	
शुक्र	11-09-2024 - 02-11-2024	

## बुध-चन्द्र 46व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	02-11-2024 - 15-12-2024	
मंगल	15-12-2024 - 14-01-2025	
राहु	14-01-2025 - 01-04-2025	
गुरु	01-04-2025 - 09-06-2025	
शनि	09-06-2025 - 30-08-2025	
बुध	30-08-2025 - 12-11-2025	
केतु	12-11-2025 - 12-12-2025	
शुक्र	12-12-2025 - 08-03-2026	
सूर्य	08-03-2026 - 03-04-2026	

## बुध-मंगल 47व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	03-04-2026 - 24-04-2026	
राहु	24-04-2026 - 17-06-2026	
गुरु	17-06-2026 - 05-08-2026	
शनि	05-08-2026 - 01-10-2026	
बुध	01-10-2026 - 21-11-2026	
केतु	21-11-2026 - 12-12-2026	
शुक्र	12-12-2026 - 11-02-2027	
सूर्य	11-02-2027 - 01-03-2027	
चन्द्र	01-03-2027 - 31-03-2027	

## बुध-राहु 48व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	31-03-2027 - 18-08-2027	
गुरु	18-08-2027 - 20-12-2027	
शनि	20-12-2027 - 15-05-2028	
बुध	15-05-2028 - 24-09-2028	
केतु	24-09-2028 - 18-11-2028	
शुक्र	18-11-2028 - 22-04-2029	
सूर्य	22-04-2029 - 08-06-2029	
चन्द्र	08-06-2029 - 24-08-2029	
मंगल	24-08-2029 - 17-10-2029	

## बुध-गुरु 51व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	17-10-2029 - 05-02-2030	
शनि	05-02-2030 - 16-06-2030	
बुध	16-06-2030 - 11-10-2030	
केतु	11-10-2030 - 29-11-2030	
शुक्र	29-11-2030 - 16-04-2031	
सूर्य	16-04-2031 - 27-05-2031	
चन्द्र	27-05-2031 - 04-08-2031	
मंगल	04-08-2031 - 21-09-2031	
राहु	21-09-2031 - 23-01-2032	

## बुध-शनि 53व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	23-01-2032 - 27-06-2032	
बुध	27-06-2032 - 13-11-2032	
केतु	13-11-2032 - 10-01-2033	
शुक्र	10-01-2033 - 23-06-2033	
सूर्य	23-06-2033 - 11-08-2033	
चन्द्र	11-08-2033 - 01-11-2033	
मंगल	01-11-2033 - 28-12-2033	
राहु	28-12-2033 - 24-05-2034	
गुरु	24-05-2034 - 02-10-2034	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

केतु महादशा : 02-10-2034 से 02-10-2041

आयु : 56व 2म से 63व 2म

## केतु-केतु

56व2म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	02-10-2034 - 11-10-2034	
शुक्र	11-10-2034 - 05-11-2034	
सूर्य	05-11-2034 - 13-11-2034	
चन्द्र	13-11-2034 - 25-11-2034	
मंगल	25-11-2034 - 04-12-2034	
राहु	04-12-2034 - 26-12-2034	
गुरु	26-12-2034 - 15-01-2035	
शनि	15-01-2035 - 08-02-2035	
बुध	08-02-2035 - 01-03-2035	

## केतु-शुक्र

56व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	01-03-2035 - 11-05-2035	
सूर्य	11-05-2035 - 01-06-2035	
चन्द्र	01-06-2035 - 06-07-2035	
मंगल	06-07-2035 - 31-07-2035	
राहु	31-07-2035 - 03-10-2035	
गुरु	03-10-2035 - 29-11-2035	
शनि	29-11-2035 - 05-02-2036	
बुध	05-02-2036 - 05-04-2036	
केतु	05-04-2036 - 30-04-2036	

## केतु-सूर्य

57व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	30-04-2036 - 06-05-2036	
चन्द्र	06-05-2036 - 17-05-2036	
मंगल	17-05-2036 - 24-05-2036	
राहु	24-05-2036 - 12-06-2036	
गुरु	12-06-2036 - 29-06-2036	
शनि	29-06-2036 - 20-07-2036	
बुध	20-07-2036 - 07-08-2036	
केतु	07-08-2036 - 14-08-2036	
शुक्र	14-08-2036 - 05-09-2036	

## केतु-चन्द्र

58व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	05-09-2036 - 22-09-2036	
मंगल	22-09-2036 - 05-10-2036	
राहु	05-10-2036 - 06-11-2036	
गुरु	06-11-2036 - 04-12-2036	
शनि	04-12-2036 - 07-01-2037	
बुध	07-01-2037 - 06-02-2037	
केतु	06-02-2037 - 18-02-2037	
शुक्र	18-02-2037 - 26-03-2037	
सूर्य	26-03-2037 - 06-04-2037	

## केतु-मंगल

58व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	06-04-2037 - 14-04-2037	
राहु	14-04-2037 - 07-05-2037	
गुरु	07-05-2037 - 27-05-2037	
शनि	27-05-2037 - 19-06-2037	
बुध	19-06-2037 - 10-07-2037	
केतु	10-07-2037 - 19-07-2037	
शुक्र	19-07-2037 - 13-08-2037	
सूर्य	13-08-2037 - 20-08-2037	
चन्द्र	20-08-2037 - 02-09-2037	

## केतु-राहु

59व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	02-09-2037 - 29-10-2037	
गुरु	29-10-2037 - 19-12-2037	
शनि	19-12-2037 - 18-02-2038	
बुध	18-02-2038 - 13-04-2038	
केतु	13-04-2038 - 06-05-2038	
शुक्र	06-05-2038 - 09-07-2038	
सूर्य	09-07-2038 - 28-07-2038	
चन्द्र	28-07-2038 - 29-08-2038	
मंगल	29-08-2038 - 20-09-2038	

## केतु-गुरु

60व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	20-09-2038 - 05-11-2038	
शनि	05-11-2038 - 29-12-2038	
बुध	29-12-2038 - 15-02-2039	
केतु	15-02-2039 - 07-03-2039	
शुक्र	07-03-2039 - 03-05-2039	
सूर्य	03-05-2039 - 20-05-2039	
चन्द्र	20-05-2039 - 17-06-2039	
मंगल	17-06-2039 - 07-07-2039	
राहु	07-07-2039 - 27-08-2039	

## केतु-शनि

61व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	27-08-2039 - 30-10-2039	
बुध	30-10-2039 - 27-12-2039	
केतु	27-12-2039 - 19-01-2040	
शुक्र	19-01-2040 - 27-03-2040	
सूर्य	27-03-2040 - 16-04-2040	
चन्द्र	16-04-2040 - 20-05-2040	
मंगल	20-05-2040 - 12-06-2040	
राहु	12-06-2040 - 12-08-2040	
गुरु	12-08-2040 - 05-10-2040	

## केतु-बुध

62व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	05-10-2040 - 25-11-2040	
केतु	25-11-2040 - 16-12-2040	
शुक्र	16-12-2040 - 15-02-2041	
सूर्य	15-02-2041 - 05-03-2041	
चन्द्र	05-03-2041 - 04-04-2041	
मंगल	04-04-2041 - 25-04-2041	
राहु	25-04-2041 - 19-06-2041	
गुरु	19-06-2041 - 06-08-2041	
शनि	06-08-2041 - 02-10-2041	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

शुक्र महादशा : 02-10-2041 से 02-10-2061

आयु : 63व 2म से 83व 2म

## शुक्र-शुक्र

63व2म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	02-10-2041 - 23-04-2042	
सूर्य	23-04-2042 - 23-06-2042	
चन्द्र	23-06-2042 - 02-10-2042	
मंगल	02-10-2042 - 12-12-2042	
राहु	12-12-2042 - 13-06-2043	
गुरु	13-06-2043 - 22-11-2043	
शनि	22-11-2043 - 02-06-2044	
बुध	02-06-2044 - 22-11-2044	
केतु	22-11-2044 - 01-02-2045	

## शुक्र-सूर्य

66व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	01-02-2045 - 19-02-2045	
चन्द्र	19-02-2045 - 21-03-2045	
मंगल	21-03-2045 - 12-04-2045	
राहु	12-04-2045 - 05-06-2045	
गुरु	05-06-2045 - 24-07-2045	
शनि	24-07-2045 - 20-09-2045	
बुध	20-09-2045 - 11-11-2045	
केतु	11-11-2045 - 02-12-2045	
शुक्र	02-12-2045 - 01-02-2046	

## शुक्र-चन्द्र

67व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	01-02-2046 - 24-03-2046	
मंगल	24-03-2046 - 28-04-2046	
राहु	28-04-2046 - 28-07-2046	
गुरु	28-07-2046 - 18-10-2046	
शनि	18-10-2046 - 22-01-2047	
बुध	22-01-2047 - 18-04-2047	
केतु	18-04-2047 - 24-05-2047	
शुक्र	24-05-2047 - 02-09-2047	
सूर्य	02-09-2047 - 03-10-2047	

## शुक्र-मंगल

69व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	03-10-2047 - 27-10-2047	
राहु	27-10-2047 - 30-12-2047	
गुरु	30-12-2047 - 25-02-2048	
शनि	25-02-2048 - 03-05-2048	
बुध	03-05-2048 - 02-07-2048	
केतु	02-07-2048 - 27-07-2048	
शुक्र	27-07-2048 - 06-10-2048	
सूर्य	06-10-2048 - 27-10-2048	
चन्द्र	27-10-2048 - 02-12-2048	

## शुक्र-राहु

70व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	02-12-2048 - 15-05-2049	
गुरु	15-05-2049 - 08-10-2049	
शनि	08-10-2049 - 31-03-2050	
बुध	31-03-2050 - 02-09-2050	
केतु	02-09-2050 - 05-11-2050	
शुक्र	05-11-2050 - 06-05-2051	
सूर्य	06-05-2051 - 30-06-2051	
चन्द्र	30-06-2051 - 30-09-2051	
मंगल	30-09-2051 - 02-12-2051	

## शुक्र-गुरु

73व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	02-12-2051 - 10-04-2052	
शनि	10-04-2052 - 12-09-2052	
बुध	12-09-2052 - 28-01-2053	
केतु	28-01-2053 - 25-03-2053	
शुक्र	25-03-2053 - 04-09-2053	
सूर्य	04-09-2053 - 22-10-2053	
चन्द्र	22-10-2053 - 12-01-2054	
मंगल	12-01-2054 - 09-03-2054	
राहु	09-03-2054 - 02-08-2054	

## शुक्र-शनि

76व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	02-08-2054 - 02-02-2055	
बुध	02-02-2055 - 15-07-2055	
केतु	15-07-2055 - 21-09-2055	
शुक्र	21-09-2055 - 01-04-2056	
सूर्य	01-04-2056 - 29-05-2056	
चन्द्र	29-05-2056 - 02-09-2056	
मंगल	02-09-2056 - 08-11-2056	
राहु	08-11-2056 - 01-05-2057	
गुरु	01-05-2057 - 02-10-2057	

## शुक्र-बुध

79व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	02-10-2057 - 26-02-2058	
केतु	26-02-2058 - 27-04-2058	
शुक्र	27-04-2058 - 17-10-2058	
सूर्य	17-10-2058 - 07-12-2058	
चन्द्र	07-12-2058 - 03-03-2059	
मंगल	03-03-2059 - 03-05-2059	
राहु	03-05-2059 - 05-10-2059	
गुरु	05-10-2059 - 20-02-2060	
शनि	20-02-2060 - 02-08-2060	

## शुक्र-केतु

82व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	02-08-2060 - 27-08-2060	
शुक्र	27-08-2060 - 06-11-2060	
सूर्य	06-11-2060 - 27-11-2060	
चन्द्र	27-11-2060 - 02-01-2061	
मंगल	02-01-2061 - 26-01-2061	
राहु	26-01-2061 - 31-03-2061	
गुरु	31-03-2061 - 27-05-2061	
शनि	27-05-2061 - 03-08-2061	
बुध	03-08-2061 - 02-10-2061	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

सूर्य महादशा : 02-10-2061 से 02-10-2067

आयु : 83व 2म से 89व 2म

## सूर्य-सूर्य

83व2म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	02-10-2061	- 08-10-2061
चन्द्र	08-10-2061	- 17-10-2061
मंगल	17-10-2061	- 23-10-2061
राहु	23-10-2061	- 08-11-2061
गुरु	08-11-2061	- 23-11-2061
शनि	23-11-2061	- 10-12-2061
बुध	10-12-2061	- 26-12-2061
केतु	26-12-2061	- 01-01-2062
शुक्र	01-01-2062	- 20-01-2062

## सूर्य-चन्द्र

83व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	20-01-2062	- 04-02-2062
मंगल	04-02-2062	- 14-02-2062
राहु	14-02-2062	- 14-03-2062
गुरु	14-03-2062	- 07-04-2062
शनि	07-04-2062	- 06-05-2062
बुध	06-05-2062	- 01-06-2062
केतु	01-06-2062	- 12-06-2062
शुक्र	12-06-2062	- 12-07-2062
सूर्य	12-07-2062	- 21-07-2062

## सूर्य-मंगल

83व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	21-07-2062	- 29-07-2062
राहु	29-07-2062	- 17-08-2062
गुरु	17-08-2062	- 03-09-2062
शनि	03-09-2062	- 23-09-2062
बुध	23-09-2062	- 11-10-2062
केतु	11-10-2062	- 19-10-2062
शुक्र	19-10-2062	- 09-11-2062
सूर्य	09-11-2062	- 15-11-2062
चन्द्र	15-11-2062	- 26-11-2062

## सूर्य-राहु

84व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	26-11-2062	- 14-01-2063
गुरु	14-01-2063	- 27-02-2063
शनि	27-02-2063	- 20-04-2063
बुध	20-04-2063	- 06-06-2063
केतु	06-06-2063	- 25-06-2063
शुक्र	25-06-2063	- 19-08-2063
सूर्य	19-08-2063	- 04-09-2063
चन्द्र	04-09-2063	- 02-10-2063
मंगल	02-10-2063	- 21-10-2063

## सूर्य-गुरु

85व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	21-10-2063	- 29-11-2063
शनि	29-11-2063	- 14-01-2064
बुध	14-01-2064	- 24-02-2064
केतु	24-02-2064	- 12-03-2064
शुक्र	12-03-2064	- 30-04-2064
सूर्य	30-04-2064	- 15-05-2064
चन्द्र	15-05-2064	- 08-06-2064
मंगल	08-06-2064	- 25-06-2064
राहु	25-06-2064	- 08-08-2064

## सूर्य-शनि

86व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	08-08-2064	- 02-10-2064
बुध	02-10-2064	- 20-11-2064
केतु	20-11-2064	- 10-12-2064
शुक्र	10-12-2064	- 06-02-2065
सूर्य	06-02-2065	- 23-02-2065
चन्द्र	23-02-2065	- 24-03-2065
मंगल	24-03-2065	- 14-04-2065
राहु	14-04-2065	- 05-06-2065
गुरु	05-06-2065	- 21-07-2065

## सूर्य-बुध

86व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	21-07-2065	- 03-09-2065
केतु	03-09-2065	- 21-09-2065
शुक्र	21-09-2065	- 12-11-2065
सूर्य	12-11-2065	- 27-11-2065
चन्द्र	27-11-2065	- 23-12-2065
मंगल	23-12-2065	- 10-01-2066
राहु	10-01-2066	- 26-02-2066
गुरु	26-02-2066	- 08-04-2066
शनि	08-04-2066	- 27-05-2066

## सूर्य-केतु

87व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	27-05-2066	- 04-06-2066
शुक्र	04-06-2066	- 25-06-2066
सूर्य	25-06-2066	- 02-07-2066
चन्द्र	02-07-2066	- 12-07-2066
मंगल	12-07-2066	- 20-07-2066
राहु	20-07-2066	- 08-08-2066
गुरु	08-08-2066	- 25-08-2066
शनि	25-08-2066	- 14-09-2066
बुध	14-09-2066	- 02-10-2066

## सूर्य-शुक्र

88व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	02-10-2066	- 02-12-2066
सूर्य	02-12-2066	- 20-12-2066
चन्द्र	20-12-2066	- 20-01-2067
मंगल	20-01-2067	- 10-02-2067
राहु	10-02-2067	- 06-04-2067
गुरु	06-04-2067	- 25-05-2067
शनि	25-05-2067	- 21-07-2067
उत्तर	21-07-2067	- 11-09-2067
केतु	11-09-2067	- 02-10-2067

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

चन्द्र महादशा : 02-10-2067 से 02-10-2077

आयु : 89व 2म से 99व 2म

## चन्द्र-चन्द्र

89व2म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	02-10-2067	- 28-10-2067
मंगल	28-10-2067	- 15-11-2067
राहु	15-11-2067	- 30-12-2067
गुरु	30-12-2067	- 09-02-2068
शनि	09-02-2068	- 28-03-2068
बुध	28-03-2068	- 10-05-2068
केतु	10-05-2068	- 28-05-2068
शुक्र	28-05-2068	- 18-07-2068
सूर्य	18-07-2068	- 02-08-2068

## चन्द्र-मंगल

90व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	02-08-2068	- 14-08-2068
राहु	14-08-2068	- 15-09-2068
गुरु	15-09-2068	- 14-10-2068
शनि	14-10-2068	- 16-11-2068
बुध	16-11-2068	- 17-12-2068
केतु	17-12-2068	- 29-12-2068
शुक्र	29-12-2068	- 03-02-2069
सूर्य	03-02-2069	- 13-02-2069
चन्द्र	13-02-2069	- 03-03-2069

## चन्द्र-राहु

90व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	03-03-2069	- 24-05-2069
गुरु	24-05-2069	- 05-08-2069
शनि	05-08-2069	- 31-10-2069
बुध	31-10-2069	- 16-01-2070
केतु	16-01-2070	- 17-02-2070
शुक्र	17-02-2070	- 20-05-2070
सूर्य	20-05-2070	- 16-06-2070
चन्द्र	16-06-2070	- 01-08-2070
मंगल	01-08-2070	- 02-09-2070

## चन्द्र-गुरु

92व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	02-09-2070	- 06-11-2070
शनि	06-11-2070	- 22-01-2071
बुध	22-01-2071	- 01-04-2071
केतु	01-04-2071	- 29-04-2071
शुक्र	29-04-2071	- 19-07-2071
सूर्य	19-07-2071	- 13-08-2071
चन्द्र	13-08-2071	- 22-09-2071
मंगल	22-09-2071	- 21-10-2071
राहु	21-10-2071	- 02-01-2072

## चन्द्र-शनि

93व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	02-01-2072	- 02-04-2072
बुध	02-04-2072	- 23-06-2072
केतु	23-06-2072	- 27-07-2072
शुक्र	27-07-2072	- 31-10-2072
सूर्य	31-10-2072	- 29-11-2072
चन्द्र	29-11-2072	- 16-01-2073
मंगल	16-01-2073	- 19-02-2073
राहु	19-02-2073	- 17-05-2073
गुरु	17-05-2073	- 02-08-2073

## चन्द्र-बुध

95व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	02-08-2073	- 14-10-2073
केतु	14-10-2073	- 14-11-2073
शुक्र	14-11-2073	- 08-02-2074
सूर्य	08-02-2074	- 06-03-2074
चन्द्र	06-03-2074	- 18-04-2074
मंगल	18-04-2074	- 18-05-2074
राहु	18-05-2074	- 04-08-2074
गुरु	04-08-2074	- 12-10-2074
शनि	12-10-2074	- 01-01-2075

## चन्द्र-केतु

96व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	01-01-2075	- 14-01-2075
शुक्र	14-01-2075	- 18-02-2075
सूर्य	18-02-2075	- 01-03-2075
चन्द्र	01-03-2075	- 19-03-2075
मंगल	19-03-2075	- 31-03-2075
राहु	31-03-2075	- 02-05-2075
गुरु	02-05-2075	- 31-05-2075
शनि	31-05-2075	- 03-07-2075
बुध	03-07-2075	- 03-08-2075

## चन्द्र-शुक्र

97व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	03-08-2075	- 12-11-2075
सूर्य	12-11-2075	- 12-12-2075
चन्द्र	12-12-2075	- 01-02-2076
मंगल	01-02-2076	- 08-03-2076
राहु	08-03-2076	- 07-06-2076
गुरु	07-06-2076	- 27-08-2076
शनि	27-08-2076	- 02-12-2076
बुध	02-12-2076	- 26-02-2077
केतु	26-02-2077	- 02-04-2077

## चन्द्र-सूर्य

98व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	02-04-2077	- 11-04-2077
चन्द्र	11-04-2077	- 27-04-2077
मंगल	27-04-2077	- 07-05-2077
राहु	07-05-2077	- 04-06-2077
गुरु	04-06-2077	- 28-06-2077
शनि	28-06-2077	- 27-07-2077
बुध	27-07-2077	- 22-08-2077
केतु	22-08-2077	- 01-09-2077
शुक्र	01-09-2077	- 02-10-2077

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

मंगल महादशा : 02-10-2077 से 02-10-2084

आयु : 99व 2म से 106व 2म

## मंगल-मंगल

99व2म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	02-10-2077	- 11-10-2077
राहु	11-10-2077	- 02-11-2077
गुरु	02-11-2077	- 22-11-2077
शनि	22-11-2077	- 15-12-2077
बुध	15-12-2077	- 06-01-2078
केतु	06-01-2078	- 14-01-2078
शुक्र	14-01-2078	- 08-02-2078
सूर्य	08-02-2078	- 16-02-2078
चन्द्र	16-02-2078	- 28-02-2078

## मंगल-राहु

99व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	28-02-2078	- 27-04-2078
गुरु	27-04-2078	- 17-06-2078
शनि	17-06-2078	- 16-08-2078
बुध	16-08-2078	- 10-10-2078
केतु	10-10-2078	- 01-11-2078
शुक्र	01-11-2078	- 04-01-2079
सूर्य	04-01-2079	- 23-01-2079
चन्द्र	23-01-2079	- 24-02-2079
मंगल	24-02-2079	- 19-03-2079

## मंगल-गुरु

100व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	19-03-2079	- 03-05-2079
शनि	03-05-2079	- 26-06-2079
बुध	26-06-2079	- 13-08-2079
केतु	13-08-2079	- 02-09-2079
शुक्र	02-09-2079	- 29-10-2079
सूर्य	29-10-2079	- 15-11-2079
चन्द्र	15-11-2079	- 13-12-2079
मंगल	13-12-2079	- 02-01-2080
राहु	02-01-2080	- 22-02-2080

## मंगल-शनि

101व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	22-02-2080	- 27-04-2080
बुध	27-04-2080	- 23-06-2080
केतु	23-06-2080	- 17-07-2080
शुक्र	17-07-2080	- 22-09-2080
सूर्य	22-09-2080	- 12-10-2080
चन्द्र	12-10-2080	- 15-11-2080
मंगल	15-11-2080	- 09-12-2080
राहु	09-12-2080	- 07-02-2081
गुरु	07-02-2081	- 02-04-2081

## मंगल-बुध

102व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	02-04-2081	- 24-05-2081
केतु	24-05-2081	- 14-06-2081
शुक्र	14-06-2081	- 13-08-2081
सूर्य	13-08-2081	- 31-08-2081
चन्द्र	31-08-2081	- 30-09-2081
मंगल	30-09-2081	- 21-10-2081
राहु	21-10-2081	- 15-12-2081
गुरु	15-12-2081	- 01-02-2082
शनि	01-02-2082	- 30-03-2082

## मंगल-केतु

103व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	30-03-2082	- 08-04-2082
शुक्र	08-04-2082	- 03-05-2082
सूर्य	03-05-2082	- 10-05-2082
चन्द्र	10-05-2082	- 23-05-2082
मंगल	23-05-2082	- 01-06-2082
राहु	01-06-2082	- 23-06-2082
गुरु	23-06-2082	- 13-07-2082
शनि	13-07-2082	- 05-08-2082
बुध	05-08-2082	- 27-08-2082

## मंगल-शुक्र

104व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	27-08-2082	- 06-11-2082
सूर्य	06-11-2082	- 27-11-2082
चन्द्र	27-11-2082	- 01-01-2083
मंगल	01-01-2083	- 26-01-2083
राहु	26-01-2083	- 31-03-2083
गुरु	31-03-2083	- 27-05-2083
शनि	27-05-2083	- 02-08-2083
बुध	02-08-2083	- 02-10-2083
केतु	02-10-2083	- 27-10-2083

## मंगल-सूर्य

105व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	27-10-2083	- 02-11-2083
चन्द्र	02-11-2083	- 13-11-2083
मंगल	13-11-2083	- 20-11-2083
राहु	20-11-2083	- 09-12-2083
गुरु	09-12-2083	- 26-12-2083
शनि	26-12-2083	- 16-01-2084
बुध	16-01-2084	- 03-02-2084
केतु	03-02-2084	- 10-02-2084
शुक्र	10-02-2084	- 03-03-2084

## मंगल-चन्द्र

105व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	03-03-2084	- 20-03-2084
मंगल	20-03-2084	- 02-04-2084
राहु	02-04-2084	- 04-05-2084
गुरु	04-05-2084	- 01-06-2084
शनि	01-06-2084	- 05-07-2084
बुध	05-07-2084	- 04-08-2084
केतु	04-08-2084	- 16-08-2084
शुक्र	16-08-2084	- 21-09-2084
सूर्य	21-09-2084	- 02-10-2084

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

बुध-चंद्र-राह		बुध-चंद्र-गुरु		बुध-चंद्र-शनि		बुध-चंद्र-बुध	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
राहु	25-01-2025 22:49	गुरु	11-04-2025 02:55	शनि	22-06-2025 21:14	बुध	10-09-2025 05:22
गुरु	05-02-2025 07:11	शनि	22-04-2025 01:05	बुध	04-07-2025 11:47	केतु	14-09-2025 11:59
शनि	17-02-2025 14:07	बुध	01-05-2025 19:39	केतु	09-07-2025 06:28	शुक्र	26-09-2025 17:11
बुध	28-02-2025 14:00	केतु	05-05-2025 20:14	शुक्र	22-07-2025 22:11	सूर्य	30-09-2025 09:09
केतु	05-03-2025 02:40	शुक्र	17-05-2025 08:12	सूर्य	27-07-2025 00:29	चंद्र	06-10-2025 11:45
शुक्र	18-03-2025 01:07	सूर्य	20-05-2025 18:59	चंद्र	02-08-2025 20:20	मंगल	10-10-2025 18:23
सूर्य	21-03-2025 22:16	चंद्र	26-05-2025 12:58	मंगल	07-08-2025 15:02	राहु	21-10-2025 18:16
चंद्र	28-03-2025 09:29	मंगल	30-05-2025 13:33	राहु	19-08-2025 21:58	गुरु	31-10-2025 12:50
मंगल	01-04-2025 22:09	राहु	09-06-2025 21:55	गुरु	30-08-2025 20:08	शनि	12-11-2025 03:23

बुध-चंद्र-केतु		बुध-चंद्र-शुक्र		बुध-चंद्र-सूर्य		बुध-मंगल-मंगल	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
केतु	13-11-2025 21:38	शुक्र	26-12-2025 16:44	सूर्य	09-03-2026 20:32	मंगल	04-04-2026 15:59
शुक्र	18-11-2025 22:22	सूर्य	31-12-2025 00:13	चंद्र	12-03-2026 00:16	राहु	07-04-2026 20:02
सूर्य	20-11-2025 10:36	चंद्र	07-01-2026 04:41	मंगल	13-03-2026 12:30	गुरु	10-04-2026 15:39
चंद्र	22-11-2025 22:57	मंगल	12-01-2026 05:25	राहु	17-03-2026 09:38	शनि	13-04-2026 23:56
मंगल	24-11-2025 17:13	राहु	25-01-2026 03:53	गुरु	20-03-2026 20:25	बुध	16-04-2026 23:46
राहु	29-11-2025 05:52	गुरु	05-02-2026 15:50	शनि	24-03-2026 22:44	केतु	18-04-2026 05:21
गुरु	03-12-2025 06:28	शनि	19-02-2026 07:33	बुध	28-03-2026 14:42	शुक्र	21-04-2026 17:52
शनि	08-12-2025 01:09	बुध	03-03-2026 12:45	केतु	30-03-2026 02:55	सूर्य	22-04-2026 19:13
बुध	12-12-2025 07:47	केतु	08-03-2026 13:29	शुक्र	03-04-2026 10:24	चंद्र	24-04-2026 13:29

बुध-मंगल-राहु		बुध-मंगल-गुरु		बुध-मंगल-शनि		बुध-मंगल-बुध	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
राहु	02-05-2026 17:04	गुरु	24-06-2026 07:56	शनि	14-08-2026 06:21	बुध	08-10-2026 19:14
गुरु	09-05-2026 22:55	शनि	01-07-2026 23:26	बुध	22-08-2026 09:20	केतु	11-10-2026 19:04
शनि	18-05-2026 13:22	बुध	08-07-2026 19:38	केतु	25-08-2026 17:37	शुक्र	20-10-2026 08:19
बुध	26-05-2026 06:06	केतु	11-07-2026 15:15	शुक्र	04-09-2026 07:01	सूर्य	22-10-2026 21:54
केतु	29-05-2026 10:09	शुक्र	19-07-2026 16:25	सूर्य	07-09-2026 03:50	चंद्र	27-10-2026 04:31
शुक्र	07-06-2026 11:28	सूर्य	22-07-2026 02:22	चंद्र	11-09-2026 22:31	मंगल	30-10-2026 04:21
सूर्य	10-06-2026 04:40	चंद्र	26-07-2026 02:58	मंगल	15-09-2026 06:49	राहु	06-11-2026 21:04
चंद्र	14-06-2026 17:20	मंगल	28-07-2026 22:34	राहु	23-09-2026 21:16	गुरु	13-11-2026 17:16
मंगल	17-06-2026 21:23	राहु	05-08-2026 04:25	गुरु	01-10-2026 12:47	शनि	21-11-2026 20:15



## विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

## बुध-मंगल-केतु

आरम्भ	21-11-2026
अन्त	12-12-2026
केतु	23-11-2026 01:50
शुक्र	26-11-2026 14:21
सूर्य	27-11-2026 15:42
चंद्र	29-11-2026 09:57
मंगल	30-11-2026 15:32
राहु	03-12-2026 19:36
गुरु	06-12-2026 15:13
शनि	09-12-2026 23:30
बुध	12-12-2026 23:20

## बुध-मंगल-शुक्र

आरम्भ	12-12-2026
अन्त	11-02-2027
शुक्र	23-12-2026 00:48
सूर्य	26-12-2026 01:14
चंद्र	31-12-2026 01:58
मंगल	03-01-2027 14:29
राहु	12-01-2027 15:48
गुरु	20-01-2027 16:58
शनि	30-01-2027 06:22
बुध	07-02-2027 19:37
केतु	11-02-2027 08:08

## बुध-मंगल-सूर्य

आरम्भ	11-02-2027
अन्त	01-03-2027
सूर्य	12-02-2027 05:51
चंद्र	13-02-2027 18:05
मंगल	14-02-2027 19:26
राहु	17-02-2027 12:38
गुरु	19-02-2027 22:35
शनि	22-02-2027 19:24
बुध	25-02-2027 08:58
केतु	26-02-2027 10:19
शुक्र	01-03-2027 10:46

## बुध-मंगल-चंद्र

आरम्भ	01-03-2027
अन्त	31-03-2027
चंद्र	03-03-2027 23:08
मंगल	05-03-2027 17:23
राहु	10-03-2027 06:03
गुरु	14-03-2027 06:38
शनि	19-03-2027 01:20
बुध	23-03-2027 07:57
केतु	25-03-2027 02:13
शुक्र	30-03-2027 02:56
सूर्य	31-03-2027 15:10

## बुध-राहु-राहु

आरम्भ	31-03-2027
अन्त	18-08-2027
राहु	21-04-2027 14:06
गुरु	10-05-2027 05:09
शनि	01-06-2027 08:02
बुध	21-06-2027 03:02
केतु	29-06-2027 06:37
शुक्र	22-07-2027 13:26
सूर्य	29-07-2027 13:05
चंद्र	10-08-2027 04:30
मंगल	18-08-2027 08:05

## बुध-राहु-गुरु

आरम्भ	18-08-2027
अन्त	20-12-2027
गुरु	03-09-2027 21:28
शनि	23-09-2027 13:22
बुध	11-10-2027 03:35
केतु	18-10-2027 09:26
शुक्र	08-11-2027 02:10
सूर्य	14-11-2027 07:11
चंद्र	24-11-2027 15:33
मंगल	01-12-2027 21:24
राहु	20-12-2027 12:28

## बुध-राहु-शनि

आरम्भ	20-12-2027
अन्त	15-05-2028
शनि	12-01-2028 20:50
बुध	02-02-2028 18:13
केतु	11-02-2028 08:40
शुक्र	06-03-2028 22:32
सूर्य	14-03-2028 07:30
चंद्र	26-03-2028 14:26
मंगल	04-04-2028 04:53
राहु	26-04-2028 07:46
गुरु	15-05-2028 23:39

## बुध-राहु-बुध

आरम्भ	15-05-2028
अन्त	24-09-2028
बुध	03-06-2028 16:16
केतु	11-06-2028 08:59
शुक्र	03-07-2028 08:46
सूर्य	09-07-2028 23:06
चंद्र	20-07-2028 22:59
मंगल	28-07-2028 15:42
राहु	17-08-2028 10:42
गुरु	04-09-2028 00:55
शनि	24-09-2028 22:18

## बुध-राहु-केतु

आरम्भ	24-09-2028
अन्त	18-11-2028
केतु	28-09-2028 02:22
शुक्र	07-10-2028 03:41
सूर्य	09-10-2028 20:53
चंद्र	14-10-2028 09:33
मंगल	17-10-2028 13:36
राहु	25-10-2028 17:12
गुरु	01-11-2028 23:03
शनि	10-11-2028 13:30
बुध	18-11-2028 06:13

## बुध-राहु-शुक्र

आरम्भ	18-11-2028
अन्त	22-04-2029
शुक्र	14-12-2028 03:08
सूर्य	21-12-2028 21:24
चंद्र	03-01-2029 19:52
मंगल	12-01-2029 21:11
राहु	05-02-2029 04:00
गुरु	25-02-2029 20:44
शनि	22-03-2029 10:36
बुध	13-04-2029 10:22
केतु	22-04-2029 11:42

## बुध-राहु-सूर्य

आरम्भ	22-04-2029
अन्त	08-06-2029
सूर्य	24-04-2029 19:34
चंद्र	28-04-2029 16:43
मंगल	01-05-2029 09:54
राहु	08-05-2029 09:33
गुरु	14-05-2029 14:34
शनि	21-05-2029 23:32
बुध	28-05-2029 13:52
केतु	31-05-2029 07:04
शुक्र	08-06-2029 01:20

## बुध-राहु-चंद्र

आरम्भ	08-06-2029
अन्त	24-08-2029
चंद्र	14-06-2029 12:34
मंगल	19-06-2029 01:13
राहु	30-06-2029 16:38
गुरु	11-07-2029 01:00
शनि	23-07-2029 07:56
बुध	03-08-2029 07:49
केतु	07-08-2029 20:29
शुक्र	20-08-2029 18:56
सूर्य	24-08-2029 16:04



## विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

## बुध-राहु-मंगल

आरम्भ	24-08-2029
अन्त	17-10-2029
मंगल	27-08-2029 20:08
राहु	04-09-2029 23:43
गुरु	12-09-2029 05:34
शनि	20-09-2029 20:02
बुध	28-09-2029 12:45
केतु	01-10-2029 16:49
शुक्र	10-10-2029 18:08
सूर्य	13-10-2029 11:19
चंद्र	17-10-2029 23:59

## बुध-गुरु-गुरु

आरम्भ	17-10-2029
अन्त	05-02-2030
गुरु	01-11-2029 17:13
शनि	19-11-2029 04:40
बुध	04-12-2029 19:59
केतु	11-12-2029 06:31
शुक्र	29-12-2029 16:03
सूर्य	04-01-2030 04:31
चंद्र	13-01-2030 09:17
मंगल	19-01-2030 19:49
राहु	05-02-2030 09:12

## बुध-गुरु-शनि

आरम्भ	05-02-2030
अन्त	16-06-2030
शनि	26-02-2030 03:19
बुध	16-03-2030 17:00
केतु	24-03-2030 08:30
शुक्र	15-04-2030 04:50
सूर्य	21-04-2030 18:08
चंद्र	02-05-2030 16:18
मंगल	10-05-2030 07:48
राहु	29-05-2030 23:42
गुरु	16-06-2030 11:10

## बुध-गुरु-बुध

आरम्भ	16-06-2030
अन्त	11-10-2030
बुध	03-07-2030 01:55
केतु	09-07-2030 22:07
शुक्र	29-07-2030 11:15
सूर्य	04-08-2030 08:00
चंद्र	14-08-2030 02:34
मंगल	20-08-2030 22:45
राहु	07-09-2030 12:59
गुरु	23-09-2030 04:17
शनि	11-10-2030 17:58

## बुध-गुरु-केतु

आरम्भ	11-10-2030
अन्त	29-11-2030
केतु	14-10-2030 13:34
शुक्र	22-10-2030 14:45
सूर्य	25-10-2030 00:42
चंद्र	29-10-2030 01:17
मंगल	31-10-2030 20:53
राहु	08-11-2030 02:45
गुरु	14-11-2030 13:17
शनि	22-11-2030 04:48
बुध	29-11-2030 01:00

## बुध-गुरु-शुक्र

आरम्भ	29-11-2030
अन्त	16-04-2031
शुक्र	22-12-2030 00:55
सूर्य	28-12-2030 22:30
चंद्र	09-01-2031 10:27
मंगल	17-01-2031 11:38
राहु	07-02-2031 04:21
गुरु	25-02-2031 13:54
शनि	19-03-2031 10:13
बुध	07-04-2031 23:21
केतु	16-04-2031 00:31

## बुध-गुरु-सूर्य

आरम्भ	16-04-2031
अन्त	27-05-2031
सूर्य	18-04-2031 02:12
चंद्र	21-04-2031 12:59
मंगल	23-04-2031 22:56
राहु	30-04-2031 03:57
गुरु	05-05-2031 16:25
शनि	12-05-2031 05:43
बुध	18-05-2031 02:27
केतु	20-05-2031 12:24
शुक्र	27-05-2031 09:59

## बुध-गुरु-चंद्र

आरम्भ	27-05-2031
अन्त	04-08-2031
चंद्र	02-06-2031 03:58
मंगल	06-06-2031 04:33
राहु	16-06-2031 12:55
गुरु	25-06-2031 17:41
शनि	06-07-2031 15:51
बुध	16-07-2031 10:25
केतु	20-07-2031 11:00
शुक्र	31-07-2031 22:58
सूर्य	04-08-2031 09:45

## बुध-गुरु-मंगल

आरम्भ	04-08-2031
अन्त	21-09-2031
मंगल	07-08-2031 05:21
राहु	14-08-2031 11:13
गुरु	20-08-2031 21:45
शनि	28-08-2031 13:16
बुध	04-09-2031 09:28
केतु	07-09-2031 05:04
शुक्र	15-09-2031 06:15
सूर्य	17-09-2031 16:12
चंद्र	21-09-2031 16:47

## बुध-गुरु-राहु

आरम्भ	21-09-2031
अन्त	23-01-2032
राहु	10-10-2031 07:50
गुरु	26-10-2031 21:13
शनि	15-11-2031 13:07
बुध	03-12-2031 03:20
केतु	10-12-2031 09:11
शुक्र	31-12-2031 01:55
सूर्य	06-01-2032 06:56
चंद्र	16-01-2032 15:18
मंगल	23-01-2032 21:09

## बुध-शनि-शनि

आरम्भ	23-01-2032
अन्त	27-06-2032
शनि	17-02-2032 12:40
बुध	10-03-2032 13:54
केतु	19-03-2032 15:50
शुक्र	14-04-2032 14:28
सूर्य	22-04-2032 09:15
चंद्र	05-05-2032 08:34
मंगल	14-05-2032 10:30
राहु	06-06-2032 18:52
गुरु	22-10-2032 18:19
शनि	13-11-2032 19:33

## बुध-शनि-बुध

आरम्भ	27-06-2032
अन्त	13-11-2032
बुध	17-07-2032 06:31
केतु	25-07-2032 09:30
शुक्र	17-08-2032 14:35
सूर्य	24-08-2032 13:43
चंद्र	05-09-2032 04:16
मंगल	13-09-2032 07:15
राहु	04-10-2032 04:38
गुरु	22-10-2032 18:19
शनि	13-11-2032 19:33



## अष्टोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु 7वर्ष 9मास 21दिन

जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

## गुरु (19व)

0 वर्ष - 7वर्ष9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु		-
राहु		-
शुक्र		-
सूर्य		-
चन्द्र	23-07-1978 - 17-03-1980	
मंगल	17-03-1980 - 13-08-1981	
बुध	13-08-1981 - 10-08-1984	
शनि	10-08-1984 - 14-05-1986	

## राहु (12व)

7वर्ष9म - 19वर्ष9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	14-05-1986 - 13-09-1987	
शुक्र	13-09-1987 - 13-01-1990	
सूर्य	13-01-1990 - 13-09-1990	
चन्द्र	13-09-1990 - 14-05-1992	
मंगल	14-05-1992 - 04-04-1993	
बुध	04-04-1993 - 22-02-1995	
शनि	22-02-1995 - 03-04-1996	
गुरु	03-04-1996 - 14-05-1998	

## शुक्र (21व)

19वर्ष9म - 40वर्ष9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	14-05-1998 - 14-06-2002	
सूर्य	14-06-2002 - 14-08-2003	
चन्द्र	14-08-2003 - 14-07-2006	
मंगल	14-07-2006 - 02-02-2008	
बुध	02-02-2008 - 25-05-2011	
शनि	25-05-2011 - 04-05-2013	
गुरु	04-05-2013 - 12-01-2017	
राहु	12-01-2017 - 14-05-2019	

## सूर्य (6व)

40वर्ष9म - 46वर्ष9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	14-05-2019 - 13-09-2019	
चन्द्र	13-09-2019 - 14-07-2020	
मंगल	14-07-2020 - 23-12-2020	
बुध	23-12-2020 - 03-12-2021	
शनि	03-12-2021 - 24-06-2022	
गुरु	24-06-2022 - 14-07-2023	
राहु	14-07-2023 - 14-03-2024	
शुक्र	14-03-2024 - 14-05-2025	

## चन्द्र (15व)

46वर्ष9म - 61वर्ष9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	14-05-2025 - 14-06-2027	
मंगल	14-06-2027 - 24-07-2028	
बुध	24-07-2028 - 03-12-2030	
शनि	03-12-2030 - 23-04-2032	
गुरु	23-04-2032 - 13-12-2034	
राहु	13-12-2034 - 13-08-2036	
शुक्र	13-08-2036 - 14-07-2039	
सूर्य	14-07-2039 - 13-05-2040	

## मंगल (8व)

61वर्ष9म - 69वर्ष9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	13-05-2040 - 16-12-2040	
बुध	16-12-2040 - 21-03-2042	
शनि	21-03-2042 - 16-12-2042	
गुरु	16-12-2042 - 13-05-2044	
राहु	13-05-2044 - 03-04-2045	
शुक्र	03-04-2045 - 23-10-2046	
सूर्य	23-10-2046 - 04-04-2047	
चन्द्र	04-04-2047 - 13-05-2048	

## बुध (17व)

69वर्ष9म - 86वर्ष9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	13-05-2048 - 16-01-2051	
शनि	16-01-2051 - 13-08-2052	
गुरु	13-08-2052 - 10-08-2055	
राहु	10-08-2055 - 30-06-2057	
शुक्र	30-06-2057 - 19-10-2060	
सूर्य	19-10-2060 - 29-09-2061	
चन्द्र	29-09-2061 - 09-02-2064	
मंगल	09-02-2064 - 14-05-2065	

## शनि (10व)

86वर्ष9म - 96वर्ष9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	14-05-2065 - 17-04-2066	
गुरु	17-04-2066 - 19-01-2068	
राहु	19-01-2068 - 28-02-2069	
शुक्र	28-02-2069 - 08-02-2071	
सूर्य	08-02-2071 - 30-08-2071	
चन्द्र	30-08-2071 - 18-01-2073	
मंगल	18-01-2073 - 16-10-2073	
बुध	16-10-2073 - 14-05-2075	

## अष्टोत्तरी दशा लागू करने का नियम :

लग्न के अतिरिक्त राहु लग्नेश से केन्द्र या त्रिकोण में हो या कृष्णपक्ष में दिन में या शुक्लपक्ष में रात्रि में जन्म हो।



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

## गुरु-चंद्र

आरम्भ	23-07-1978
अन्त	17-03-1980
चंद्र	
मंगल	
बुध	
शनि	17-10-1978
गुरु	04-04-1979
राहु	20-07-1979
शुक्र	24-01-1980
सूर्य	17-03-1980

## गुरु-मंगल

आरम्भ	17-03-1980
अन्त	13-08-1981
मंगल	25-04-1980
बुध	14-07-1980
शनि	31-08-1980
गुरु	29-11-1980
राहु	26-01-1981
शुक्र	06-05-1981
सूर्य	03-06-1981
चंद्र	13-08-1981

## गुरु-बुध

आरम्भ	13-08-1981
अन्त	10-08-1984
बुध	01-02-1982
शनि	14-05-1982
गुरु	22-11-1982
राहु	23-03-1983
शुक्र	22-10-1983
सूर्य	21-12-1983
चंद्र	21-05-1984
मंगल	10-08-1984

## गुरु-शनि

आरम्भ	10-08-1984
अन्त	14-05-1986
शनि	08-10-1984
गुरु	29-01-1985
राहु	11-04-1985
शुक्र	14-08-1985
सूर्य	18-09-1985
चंद्र	17-12-1985
मंगल	02-02-1986
बुध	14-05-1986

## राहु-राहु

आरम्भ	14-05-1986
अन्त	13-09-1987
राहु	08-07-1986
शुक्र	10-10-1986
सूर्य	06-11-1986
चंद्र	13-01-1987
मंगल	18-02-1987
बुध	06-05-1987
शनि	20-06-1987
गुरु	13-09-1987

## राहु-शुक्र

आरम्भ	13-09-1987
अन्त	13-01-1990
शुक्र	26-02-1988
सूर्य	13-04-1988
चंद्र	10-08-1988
मंगल	12-10-1988
बुध	23-02-1989
शनि	13-05-1989
गुरु	10-10-1989
राहु	13-01-1990

## राहु-सूर्य

आरम्भ	13-01-1990
अन्त	13-09-1990
सूर्य	26-01-1990
चंद्र	01-03-1990
मंगल	19-03-1990
बुध	26-04-1990
शनि	19-05-1990
गुरु	01-07-1990
राहु	28-07-1990
शुक्र	13-09-1990

## राहु-चंद्र

आरम्भ	13-09-1990
अन्त	14-05-1992
चंद्र	07-12-1990
मंगल	21-01-1991
बुध	27-04-1991
शनि	22-06-1991
गुरु	07-10-1991
राहु	14-12-1991
शुक्र	10-04-1992
सूर्य	14-05-1992

## राहु-मंगल

आरम्भ	14-05-1992
अन्त	04-04-1993
मंगल	07-06-1992
बुध	28-07-1992
शनि	27-08-1992
गुरु	23-10-1992
राहु	28-11-1992
शुक्र	30-01-1993
सूर्य	17-02-1993
चंद्र	04-04-1993

## राहु-बुध

आरम्भ	04-04-1993
अन्त	22-02-1995
बुध	21-07-1993
शनि	23-09-1993
गुरु	22-01-1994
राहु	09-04-1994
शुक्र	21-08-1994
सूर्य	28-09-1994
चंद्र	02-01-1995
मंगल	22-02-1995

## राहु-शनि

आरम्भ	22-02-1995
अन्त	03-04-1996
शनि	01-04-1995
गुरु	11-06-1995
राहु	26-07-1995
शुक्र	13-10-1995
सूर्य	05-11-1995
चंद्र	31-12-1995
मंगल	30-01-1996
बुध	03-04-1996

## राहु-गुरु

आरम्भ	03-04-1996
अन्त	14-05-1998
गुरु	17-08-1996
राहु	11-11-1996
शुक्र	09-04-1997
सूर्य	22-05-1997
चंद्र	06-09-1997
मंगल	03-11-1997
बुध	04-03-1998
शनि	14-05-1998

## शुक्र-शुक्र

आरम्भ	14-05-1998
अन्त	14-06-2002
शुक्र	28-02-1999
सूर्य	22-05-1999
चंद्र	15-12-1999
मंगल	04-04-2000
बुध	25-11-2000
शनि	12-04-2001
गुरु	30-12-2001
राहु	14-06-2002

## शुक्र-सूर्य

आरम्भ	14-06-2002
अन्त	14-08-2003
सूर्य	07-07-2002
चंद्र	05-09-2002
मंगल	06-10-2002
बुध	12-12-2002
शनि	21-01-2003
गुरु	06-04-2003
राहु	23-05-2003
शुक्र	14-08-2003

## शुक्र-चंद्र

आरम्भ	14-08-2003
अन्त	14-07-2006
चंद्र	09-01-2004
मंगल	28-03-2004
बुध	11-09-2004
शनि	19-12-2004
गुरु	24-06-2005
राहु	21-10-2005
शुक्र	16-05-2006
सूर्य	14-07-2006



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

## शुक्र-मंगल

आरम्भ	14-07-2006
अन्त	02-02-2008
मंगल	25-08-2006
बुध	23-11-2006
शनि	14-01-2007
गुरु	24-04-2007
राहु	26-06-2007
शुक्र	15-10-2007
सूर्य	15-11-2007
चंद्र	02-02-2008

## शुक्र-बुध

आरम्भ	02-02-2008
अन्त	25-05-2011
बुध	30-11-2008
शनि	30-06-2009
गुरु	12-11-2009
राहु	04-07-2010
शुक्र	09-09-2010
सूर्य	24-02-2011
मंगल	25-05-2011

## शुक्र-शनि

आरम्भ	25-05-2011
अन्त	04-05-2013
शनि	29-07-2011
गुरु	01-12-2011
राहु	18-02-2012
शुक्र	05-07-2012
सूर्य	14-08-2012
चंद्र	20-11-2012
मंगल	12-01-2013
बुध	04-05-2013

## शुक्र-गुरु

आरम्भ	04-05-2013
अन्त	12-01-2017
गुरु	27-12-2013
राहु	26-05-2014
शुक्र	12-02-2015
सूर्य	28-04-2015
चंद्र	02-11-2015
मंगल	10-02-2016
बुध	09-09-2016
शनि	12-01-2017

## शुक्र-राहु

आरम्भ	12-01-2017
अन्त	14-05-2019
राहु	17-04-2017
शुक्र	30-09-2017
सूर्य	16-11-2017
चंद्र	14-03-2018
मंगल	16-05-2018
बुध	28-09-2018
शनि	15-12-2018
गुरु	14-05-2019

## सूर्य-सूर्य

आरम्भ	14-05-2019
अन्त	13-09-2019
सूर्य	21-05-2019
चंद्र	07-06-2019
मंगल	16-06-2019
बुध	05-07-2019
शनि	17-07-2019
गुरु	07-08-2019
राहु	20-08-2019
शुक्र	13-09-2019

## सूर्य-चंद्र

आरम्भ	13-09-2019
अन्त	14-07-2020
चंद्र	25-10-2019
मंगल	17-11-2019
बुध	04-01-2020
शनि	01-02-2020
गुरु	26-03-2020
राहु	28-04-2020
शुक्र	27-06-2020
सूर्य	14-07-2020

## सूर्य-मंगल

आरम्भ	14-07-2020
अन्त	23-12-2020
मंगल	26-07-2020
बुध	20-08-2020
शनि	04-09-2020
गुरु	03-10-2020
राहु	21-10-2020
शुक्र	21-11-2020
सूर्य	30-11-2020
चंद्र	23-12-2020

## सूर्य-बुध

आरम्भ	23-12-2020
अन्त	03-12-2021
बुध	15-02-2021
शनि	19-03-2021
गुरु	19-05-2021
राहु	26-06-2021
शुक्र	01-09-2021
सूर्य	20-09-2021
चंद्र	07-11-2021
मंगल	03-12-2021

## सूर्य-शनि

आरम्भ	03-12-2021
अन्त	24-06-2022
शनि	22-12-2021
गुरु	26-01-2022
राहु	18-02-2022
शुक्र	29-03-2022
सूर्य	10-04-2022
चंद्र	08-05-2022
मंगल	23-05-2022
बुध	24-06-2022

## सूर्य-गुरु

आरम्भ	24-06-2022
अन्त	14-07-2023
गुरु	31-08-2022
राहु	12-10-2022
शुक्र	26-12-2022
सूर्य	17-01-2023
चंद्र	11-03-2023
मंगल	09-04-2023
बुध	09-06-2023
शनि	14-07-2023

## सूर्य-राहु

आरम्भ	14-07-2023
अन्त	14-03-2024
राहु	27-09-2023
शुक्र	10-10-2023
चंद्र	13-11-2023
मंगल	01-12-2023
बुध	08-01-2024
शनि	31-01-2024
गुरु	14-03-2024

## सूर्य-शुक्र

आरम्भ	14-03-2024
अन्त	14-05-2025
शुक्र	05-06-2024
सूर्य	28-06-2024
चंद्र	26-08-2024
मंगल	27-09-2024
बुध	03-12-2024
शनि	12-01-2025
गुरु	27-03-2025
राहु	14-05-2025

## चंद्र-चंद्र

आरम्भ	14-05-2025
अन्त	14-06-2027
चंद्र	28-08-2025
मंगल	23-10-2025
बुध	20-02-2026
शनि	01-05-2026
गुरु	03-01-2028
राहु	17-02-2028
शुक्र	06-05-2028
सूर्य	28-05-2028

## चंद्र-मंगल

आरम्भ	14-06-2027
अन्त	24-07-2028
मंगल	14-07-2027
बुध	16-09-2027
शनि	23-10-2027
गुरु	03-01-2028
राहु	17-02-2028
शुक्र	06-05-2028
सूर्य	28-05-2028
चंद्र	24-07-2028



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

चंद्र-बुध	चंद्र-शनि	चंद्र-गुरु	चंद्र-राहु	चंद्र-शुक्र
आरम्भ 24-07-2028	आरम्भ 03-12-2030	आरम्भ 23-04-2032	आरम्भ 13-12-2034	आरम्भ 13-08-2036
अन्त 03-12-2030	अन्त 23-04-2032	अन्त 13-12-2034	अन्त 13-08-2036	अन्त 14-07-2039
बुध 06-12-2028	शनि 19-01-2031	गुरु 10-10-2032	राहु 19-02-2035	शुक्र 08-03-2037
शनि 24-02-2029	गुरु 18-04-2031	राहु 25-01-2033	शुक्र 17-06-2035	सूर्य 06-05-2037
गुरु 26-07-2029	राहु 14-06-2031	शुक्र 31-07-2033	सूर्य 21-07-2035	चंद्र 01-10-2037
राहु 30-10-2029	शुक्र 20-09-2031	सूर्य 23-09-2033	चंद्र 13-10-2035	मंगल 19-12-2037
शुक्र 15-04-2030	सूर्य 18-10-2031	चंद्र 04-02-2034	मंगल 28-11-2035	बुध 05-06-2038
सूर्य 02-06-2030	चंद्र 28-12-2031	मंगल 16-04-2034	बुध 02-03-2036	शनि 11-09-2038
चंद्र 30-09-2030	मंगल 03-02-2032	बुध 15-09-2034	शनि 28-04-2036	गुरु 18-03-2039
मंगल 03-12-2030	बुध 23-04-2032	शनि 13-12-2034	गुरु 13-08-2036	राहु 14-07-2039

चंद्र-सूर्य	मंगल-मंगल	मंगल-बुध	मंगल-शनि	मंगल-गुरु
आरम्भ 14-07-2039	आरम्भ 13-05-2040	आरम्भ 16-12-2040	आरम्भ 21-03-2042	आरम्भ 16-12-2042
अन्त 13-05-2040	अन्त 16-12-2040	अन्त 21-03-2042	अन्त 16-12-2042	अन्त 13-05-2044
सूर्य 31-07-2039	मंगल 30-05-2040	बुध 26-02-2041	शनि 15-04-2042	गुरु 17-03-2043
चंद्र 11-09-2039	बुध 03-07-2040	शनि 10-04-2041	गुरु 01-06-2042	राहु 13-05-2043
मंगल 04-10-2039	शनि 23-07-2040	गुरु 30-06-2041	राहु 02-07-2042	शुक्र 21-08-2043
बुध 21-11-2039	गुरु 30-08-2040	राहु 20-08-2041	शुक्र 23-08-2042	सूर्य 18-09-2043
शनि 19-12-2039	राहु 23-09-2040	शुक्र 17-11-2041	सूर्य 07-09-2042	चंद्र 29-11-2043
गुरु 10-02-2040	शुक्र 04-11-2040	सूर्य 13-12-2041	चंद्र 15-10-2042	मंगल 06-01-2044
राहु 15-03-2040	सूर्य 16-11-2040	चंद्र 15-02-2042	मंगल 04-11-2042	बुध 27-03-2044
शुक्र 13-05-2040	चंद्र 16-12-2040	मंगल 21-03-2042	बुध 16-12-2042	शनि 13-05-2044

मंगल-राहु	मंगल-शुक्र	मंगल-सूर्य	मंगल-चंद्र	बुध-बुध
आरम्भ 13-05-2044	आरम्भ 03-04-2045	आरम्भ 23-10-2046	आरम्भ 04-04-2047	आरम्भ 13-05-2048
अन्त 03-04-2045	अन्त 23-10-2046	अन्त 04-04-2047	अन्त 13-05-2048	अन्त 16-01-2051
राहु 19-06-2044	शुक्र 23-07-2045	सूर्य 01-11-2046	चंद्र 30-05-2047	बुध 14-10-2048
शुक्र 21-08-2044	सूर्य 23-08-2045	चंद्र 24-11-2046	मंगल 29-06-2047	शनि 13-01-2049
सूर्य 08-09-2044	चंद्र 10-11-2045	मंगल 06-12-2046	बुध 01-09-2047	गुरु 04-07-2049
चंद्र 23-10-2044	मंगल 22-12-2045	बुध 31-12-2046	शनि 08-10-2047	राहु 20-10-2049
मंगल 16-11-2044	बुध 22-03-2046	शनि 15-01-2047	गुरु 19-12-2047	शुक्र 28-04-2050
बुध 06-01-2045	शनि 13-05-2046	गुरु 13-02-2047	राहु 02-02-2048	सूर्य 22-06-2050
शनि 05-02-2045	गुरु 21-08-2046	राहु 03-03-2047	शुक्र 21-04-2048	चंद्र 04-11-2050
गुरु 03-04-2045	राहु 23-10-2046	शुक्र 04-04-2047	सूर्य 13-05-2048	मंगल 16-01-2051



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

<b>बुध-शनि</b>		<b>बुध-गुरु</b>		<b>बुध-राहु</b>		<b>बुध-शुक्र</b>		<b>बुध-सूर्य</b>	
आरम्भ	16-01-2051	आरम्भ	13-08-2052	आरम्भ	10-08-2055	आरम्भ	30-06-2057	आरम्भ	19-10-2060
अन्त	13-08-2052	अन्त	10-08-2055	अन्त	30-06-2057	अन्त	19-10-2060	अन्त	29-09-2061
शनि	10-03-2051	गुरु	21-02-2053	राहु	26-10-2055	शुक्र	20-02-2058	सूर्य	07-11-2060
गुरु	19-06-2051	राहु	22-06-2053	शुक्र	08-03-2056	सूर्य	28-04-2058	चंद्र	25-12-2060
राहु	22-08-2051	शुक्र	21-01-2054	सूर्य	15-04-2056	चंद्र	12-10-2058	मंगल	20-01-2061
शुक्र	12-12-2051	सूर्य	22-03-2054	चंद्र	20-07-2056	मंगल	10-01-2059	बुध	15-03-2061
सूर्य	13-01-2052	चंद्र	21-08-2054	मंगल	09-09-2056	बुध	19-07-2059	शनि	16-04-2061
चंद्र	02-04-2052	मंगल	10-11-2054	बुध	27-12-2056	शनि	08-11-2059	गुरु	16-06-2061
मंगल	14-05-2052	बुध	01-05-2055	शनि	01-03-2057	गुरु	07-06-2060	राहु	24-07-2061
बुध	13-08-2052	शनि	10-08-2055	गुरु	30-06-2057	राहु	19-10-2060	शुक्र	29-09-2061

<b>बुध-चंद्र</b>		<b>बुध-मंगल</b>		<b>शनि-शनि</b>		<b>शनि-गुरु</b>		<b>शनि-राहु</b>	
आरम्भ	29-09-2061	आरम्भ	09-02-2064	आरम्भ	14-05-2065	आरम्भ	17-04-2066	आरम्भ	19-01-2068
अन्त	09-02-2064	अन्त	14-05-2065	अन्त	17-04-2066	अन्त	19-01-2068	अन्त	28-02-2069
चंद्र	27-01-2062	मंगल	14-03-2064	शनि	14-06-2065	गुरु	08-08-2066	राहु	04-03-2068
मंगल	01-04-2062	बुध	25-05-2064	गुरु	12-08-2065	राहु	18-10-2066	शुक्र	22-05-2068
बुध	15-08-2062	शनि	07-07-2064	राहु	19-09-2065	शुक्र	20-02-2067	सूर्य	14-06-2068
शनि	02-11-2062	गुरु	26-09-2064	शुक्र	24-11-2065	सूर्य	28-03-2067	चंद्र	09-08-2068
गुरु	03-04-2063	राहु	16-11-2064	सूर्य	12-12-2065	चंद्र	25-06-2067	मंगल	08-09-2068
राहु	08-07-2063	शुक्र	13-02-2065	चंद्र	28-01-2066	मंगल	12-08-2067	बुध	11-11-2068
शुक्र	23-12-2063	सूर्य	11-03-2065	मंगल	22-02-2066	बुध	21-11-2067	शनि	19-12-2068
सूर्य	09-02-2064	चंद्र	14-05-2065	बुध	17-04-2066	शनि	19-01-2068	गुरु	28-02-2069

<b>शनि-शुक्र</b>		<b>शनि-सूर्य</b>		<b>शनि-चंद्र</b>		<b>शनि-मंगल</b>		<b>शनि-बुध</b>	
आरम्भ	28-02-2069	आरम्भ	08-02-2071	आरम्भ	30-08-2071	आरम्भ	18-01-2073	आरम्भ	16-10-2073
अन्त	08-02-2071	अन्त	30-08-2071	अन्त	18-01-2073	अन्त	16-10-2073	अन्त	14-05-2075
शुक्र	16-07-2069	सूर्य	20-02-2071	चंद्र	09-11-2071	मंगल	08-02-2073	बुध	15-01-2074
सूर्य	25-08-2069	चंद्र	20-03-2071	मंगल	16-12-2071	बुध	22-03-2073	शनि	09-03-2074
चंद्र	01-12-2069	मंगल	04-04-2071	बुध	05-03-2072	शनि	16-04-2073	गुरु	18-06-2074
मंगल	23-01-2070	बुध	06-05-2071	शनि	21-04-2072	गुरु	03-06-2073	राहु	21-08-2074
बुध	15-05-2070	शनि	25-05-2071	गुरु	19-07-2072	राहु	03-07-2073	शुक्र	11-12-2074
शनि	19-07-2070	गुरु	29-06-2071	राहु	14-09-2072	शुक्र	24-08-2073	सूर्य	12-01-2075
गुरु	21-11-2070	राहु	22-07-2071	शुक्र	21-12-2072	सूर्य	08-09-2073	चंद्र	01-04-2075
राहु	08-02-2071	शुक्र	30-08-2071	सूर्य	18-01-2073	चंद्र	16-10-2073	मंगल	14-05-2075



## योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(प्रथम चक्र)

भोग्य दशा : धान्या ०वर्ष ८मास ११दिन

धान्या (३व)	० वर्ष -	०व४म	भ्रामरी (४व)	०व४म -	४व४म	भद्रिका (५व)	४व४म -	९व४म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु			भ्रामरी मं	04-04-1979	14-09-1979	भद्रिका बु	04-04-1983	14-12-1983
भ्रामरी मं			भद्रिकाबु	14-09-1979	04-04-1980	उल्का श	14-12-1983	13-10-1984
भद्रिकाबु			उल्का शा	04-04-1980	03-12-1980	सिद्धा शु	13-10-1984	03-10-1985
उल्का श			सिद्धा शु	03-12-1980	13-09-1981	संकटा रा	03-10-1985	13-11-1986
सिद्धा शु			संकटा रा	13-09-1981	04-08-1982	मंगला चं	13-11-1986	03-01-1987
संकटा रा	23-07-1978	03-01-1979	मंगला चं	04-08-1982	13-09-1982	पिंगला सू	03-01-1987	14-04-1987
मंगला चं	03-01-1979	02-02-1979	पिंगला सू	13-09-1982	03-12-1982	धान्या गु	14-04-1987	14-09-1987
पिंगला सू	02-02-1979	04-04-1979	धान्या गु	03-12-1982	04-04-1983	भ्रामरी मं	14-09-1987	03-04-1988

उल्का (६व)	९व४म -	१५व४म	सिद्धा (७व)	१५व४म -	२२व४म	संकटा (८व)	२२व४म -	३०व४म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	03-04-1988	04-04-1989	सिद्धा शु	04-04-1994	14-08-1995	संकटा रा	04-04-2001	13-01-2003
सिद्धा शु	04-04-1989	04-06-1990	संकटा रा	14-08-1995	04-03-1997	मंगला चं	13-01-2003	04-04-2003
संकटा रा	04-06-1990	04-10-1991	मंगला चं	04-03-1997	14-05-1997	पिंगला सू	04-04-2003	13-09-2003
मंगला चं	04-10-1991	04-12-1991	पिंगला सू	14-05-1997	03-10-1997	धान्या गु	13-09-2003	14-05-2004
पिंगला सू	04-12-1991	03-04-1992	धान्या गु	03-10-1997	04-05-1998	भ्रामरी मं	14-05-2004	04-04-2005
धान्या गु	03-04-1992	03-10-1992	भ्रामरी मं	04-05-1998	12-02-1999	भद्रिका बु	04-04-2005	14-05-2006
भ्रामरी मं	03-10-1992	04-06-1993	भद्रिकाबु	12-02-1999	02-02-2000	उल्का श	14-05-2006	13-09-2007
भद्रिकाबु	04-06-1993	04-04-1994	उल्का श	02-02-2000	04-04-2001	सिद्धा शु	13-09-2007	04-04-2009

मंगला (१व)	३०व४म -	३१व४म	पिंगला (२व)	३१व४म -	३३व४म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	04-04-2009	14-04-2009	पिंगला सू	04-04-2010	14-05-2010
पिंगला सू	14-04-2009	04-05-2009	धान्या गु	14-05-2010	14-07-2010
धान्या गु	04-05-2009	03-06-2009	भ्रामरी मं	14-07-2010	03-10-2010
भ्रामरी मं	03-06-2009	14-07-2009	भद्रिकाबु	03-10-2010	13-01-2011
भद्रिकाबु	14-07-2009	03-09-2009	उल्का श	13-01-2011	15-05-2011
उल्का श	03-09-2009	03-11-2009	सिद्धा शु	15-05-2011	04-10-2011
सिद्धा शु	03-11-2009	13-01-2010	संकटा रा	04-10-2011	14-03-2012
संकटा रा	13-01-2010	04-04-2010	मंगला चं	14-03-2012	



## योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(द्वितीय चक्र)

धान्या (3व)	33व8म -	36व8म	भ्रामरी (4व)	36व8म -	40व8म	भद्रिका (5व)	40व8म -	45व8म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	03-04-2012	04-07-2012	भ्रामरी मं	04-04-2015	13-09-2015	भद्रिका बु	04-04-2019	14-12-2019
भ्रामरी मं	04-07-2012	02-11-2012	भद्रिकाबु	13-09-2015	03-04-2016	उल्का श	14-12-2019	13-10-2020
भद्रिकाबु	02-11-2012	04-04-2013	उल्का श	03-04-2016	03-12-2016	सिद्धा शु	13-10-2020	03-10-2021
उल्का श	04-04-2013	03-10-2013	सिद्धा शु	03-12-2016	13-09-2017	संकटा रा	03-10-2021	13-11-2022
सिद्धा शु	03-10-2013	04-05-2014	संकटा रा	13-09-2017	03-08-2018	मंगला चं	13-11-2022	03-01-2023
संकटा रा	04-05-2014	03-01-2015	मंगला चं	03-08-2018	13-09-2018	पिंगला सू	03-01-2023	14-04-2023
मंगला चं	03-01-2015	02-02-2015	पिंगलासू	13-09-2018	03-12-2018	धान्या गु	14-04-2023	13-09-2023
पिंगलासू	02-02-2015	04-04-2015	धान्या गु	03-12-2018	04-04-2019	भ्रामरी मं	13-09-2023	03-04-2024

उल्का (6व)	45व8म -	51व8म	सिद्धा (7व)	51व8म -	58व8म	संकटा (8व)	58व8म -	66व8म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	03-04-2024	03-04-2025	सिद्धा शु	04-04-2030	14-08-2031	संकटा रा	03-04-2037	13-01-2039
सिद्धा शु	03-04-2025	04-06-2026	संकटा रा	14-08-2031	04-03-2033	मंगला चं	13-01-2039	04-04-2039
संकटा रा	04-06-2026	04-10-2027	मंगला चं	04-03-2033	14-05-2033	पिंगला सू	04-04-2039	13-09-2039
मंगला चं	04-10-2027	03-12-2027	पिंगलासू	14-05-2033	03-10-2033	धान्या गु	13-09-2039	14-05-2040
पिंगलासू	03-12-2027	03-04-2028	धान्या गु	03-10-2033	04-05-2034	भ्रामरी मं	14-05-2040	03-04-2041
धान्या गु	03-04-2028	03-10-2028	भ्रामरी मं	04-05-2034	12-02-2035	भद्रिकाबु	03-04-2041	14-05-2042
भ्रामरी मं	03-10-2028	03-06-2029	भद्रिकाबु	12-02-2035	02-02-2036	उल्का श	14-05-2042	13-09-2043
भद्रिकाबु	03-06-2029	04-04-2030	उल्का श	02-02-2036	03-04-2037	सिद्धा शु	13-09-2043	03-04-2045

मंगला (1व)	66व8म -	67व8म	पिंगला (2व)	67व8म -	69व8म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	03-04-2045	13-04-2045	पिंगला सू	04-04-2046	14-05-2046
पिंगला सू	13-04-2045	04-05-2045	धान्या गु	14-05-2046	14-07-2046
धान्या गु	04-05-2045	03-06-2045	भ्रामरी मं	14-07-2046	03-10-2046
भ्रामरी मं	03-06-2045	14-07-2045	भद्रिकाबु	03-10-2046	13-01-2047
भद्रिकाबु	14-07-2045	02-09-2045	उल्का श	13-01-2047	14-05-2047
उल्का श	02-09-2045	02-11-2045	सिद्धा शु	14-05-2047	03-10-2047
सिद्धा शु	02-11-2045	12-01-2046	संकटा रा	03-10-2047	14-03-2048
संकटा रा	12-01-2046	04-04-2046	मंगला चं	14-03-2048	



## योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(तृतीय चक्र)

धान्या (3व)	69व8म -	72व8म	भ्रामरी (4व)	72व8म -	76व8म	भद्रिका (5व)	76व8म -	81व8म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	03-04-2048	03-07-2048	भ्रामरी मं	04-04-2051	13-09-2051	भद्रिका बु	04-04-2055	13-12-2055
भ्रामरी मं	03-07-2048	02-11-2048	भद्रिकाबु	13-09-2051	03-04-2052	उल्का श	13-12-2055	13-10-2056
भद्रिकाबु	02-11-2048	03-04-2049	उल्का श	03-04-2052	02-12-2052	सिद्धा शु	13-10-2056	03-10-2057
उल्का श	03-04-2049	03-10-2049	सिद्धा शु	02-12-2052	13-09-2053	संकटा रा	03-10-2057	13-11-2058
सिद्धा शु	03-10-2049	04-05-2050	संकटा रा	13-09-2053	03-08-2054	मंगला चं	13-11-2058	02-01-2059
संकटा रा	04-05-2050	02-01-2051	मंगला चं	03-08-2054	13-09-2054	पिंगला सू	02-01-2059	14-04-2059
मंगला चं	02-01-2051	02-02-2051	पिंगलासू	13-09-2054	03-12-2054	धान्या गु	14-04-2059	13-09-2059
पिंगलासू	02-02-2051	04-04-2051	धान्या गु	03-12-2054	04-04-2055	भ्रामरी मं	13-09-2059	03-04-2060

उल्का (6व)	81व8म -	87व8म	सिद्धा (7व)	87व8म -	94व8म	संकटा (8व)	94व8म -	102व8म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	03-04-2060	03-04-2061	सिद्धा शु	03-04-2066	13-08-2067	संकटा रा	03-04-2073	12-01-2075
सिद्धा शु	03-04-2061	03-06-2062	संकटा रा	13-08-2067	04-03-2069	मंगला चं	12-01-2075	04-04-2075
संकटा रा	03-06-2062	03-10-2063	मंगला चं	04-03-2069	14-05-2069	पिंगला सू	04-04-2075	13-09-2075
मंगला चं	03-10-2063	03-12-2063	पिंगलासू	14-05-2069	03-10-2069	धान्या गु	13-09-2075	13-05-2076
पिंगलासू	03-12-2063	03-04-2064	धान्या गु	03-10-2069	04-05-2070	भ्रामरी मं	13-05-2076	03-04-2077
धान्या गु	03-04-2064	02-10-2064	भ्रामरी मं	04-05-2070	12-02-2071	भद्रिकाबु	03-04-2077	14-05-2078
भ्रामरी मं	02-10-2064	03-06-2065	भद्रिकाबु	12-02-2071	02-02-2072	उल्का श	14-05-2078	13-09-2079
भद्रिकाबु	03-06-2065	03-04-2066	उल्का श	02-02-2072	03-04-2073	सिद्धा शु	13-09-2079	03-04-2081

मंगला (1व)	102व8म -	103व8म	पिंगला (2व)	103व8म -	105व8म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	03-04-2081	13-04-2081	पिंगला सू	03-04-2082	14-05-2082
पिंगला सू	13-04-2081	03-05-2081	धान्या गु	14-05-2082	14-07-2082
धान्या गु	03-05-2081	03-06-2081	भ्रामरी मं	14-07-2082	03-10-2082
भ्रामरी मं	03-06-2081	13-07-2081	भद्रिकाबु	03-10-2082	12-01-2083
भद्रिकाबु	13-07-2081	02-09-2081	उल्का श	12-01-2083	14-05-2083
उल्का श	02-09-2081	02-11-2081	सिद्धा शु	14-05-2083	03-10-2083
सिद्धा शु	02-11-2081	12-01-2082	संकटा रा	03-10-2083	13-03-2084
संकटा रा	12-01-2082	03-04-2082	मंगला चं	13-03-2084	13-04-2084



## कालचक्र महा व अन्तर दशाएं

\* भोग्य दशा : धनु ३व ३मा ९दि \* जीव राशि : धनु \* देह राशि : मेष

धनु (10व)	०व ०मा	वृश्चिक (7व)	४०व ३म	तुला (16व)	६१व ३म	कन्या (9व)	७०व ३म
आरम्भ		आरम्भ	०२-११-१९८१	आरम्भ	०२-११-१९८८	आरम्भ	०१-११-२००४
अन्त		अन्त	०३-०६-१९८२	अन्त	०४-०३-१९९०	अन्त	०२-०८-२००५
३ मिथुन		८ वृश्चिक	०२-११-१९८१	१ मेष दे	०२-११-१९८८	१२ मीन	०१-११-२००४
४ कर्क		७ तुला	०३-०६-१९८२	२ वृष	०४-०३-१९९०	११ कुंभ	०२-०८-२००५
५ सिंह		६ कन्या	०२-०१-१९८३	३ मिथुन	०४-०७-१९९१	१० मकर	०३-०५-२००६
६ कन्या		५ सिंह	०३-०८-१९८३	४ कर्क	०२-११-१९९२	९ धनु जी	०१-०२-२००७
७ तुला		४ कर्क	०३-०३-१९८४	५ सिंह	०३-०३-१९९४	८ वृश्चिक	०२-११-२००७
८ वृश्चिक		३ मिथुन	०२-१०-१९८४	६ कन्या	०३-०७-१९९५	७ तुला	०२-०८-२००८
९ धनु जी		२ वृष	०३-०५-१९८५	७ तुला	०१-११-१९९६	६ कन्या	०३-०५-२००९
१० मकर		१ मेष दे	०२-१२-१९८५	८ वृश्चिक	०३-०३-१९९८	५ सिंह	०१-०२-२०१०
११ कुंभ	२३-०७-१९७८	१२ मीन	०३-०७-१९८६	९ धनु जी	०३-०७-१९९९	४ कर्क	०२-११-२०१०
१२ मीन	०४-०५-१९७९	११ कुंभ	०१-०२-१९८७	१० मकर	०१-११-२०००	३ मिथुन	०३-०८-२०११
१ मेष दे	०३-०३-१९८०	१० मकर	०२-०९-१९८७	११ कुंभ	०३-०३-२००२	२ वृष	०३-०५-२०१२
२ वृष	०१-०१-१९८१	९ धनु जी	०२-०४-१९८८	१२ मीन	०३-०७-२००३	१ मेष दे	०१-०२-२०१३

सिंह (५व)	८६व ३म	कर्क (२१व)	९३व ३म	मिथुन (९व)	१०३व ३म	वृष (१६व)	१०७व ३म
आरम्भ	०२-११-२०१३	आरम्भ	०२-११-२०१८	आरम्भ	०२-११-२०३९	आरम्भ	०१-११-२०४८
अन्त	०३-०४-२०१४	अन्त	०२-०८-२०२०	अन्त	०२-०८-२०४०	अन्त	०३-०३-२०५०
५ सिंह	०२-११-२०१३	४ कर्क	०२-११-२०१८	३ मिथुन	०२-११-२०३९	८ वृश्चिक	०१-११-२०४८
६ कन्या	०३-०४-२०१४	३ मिथुन	०२-०८-२०२०	४ कर्क	०२-०८-२०४०	७ तुला	०३-०३-२०५०
७ तुला	०२-०९-२०१४	२ वृष	०३-०५-२०२२	५ सिंह	०३-०५-२०४१	६ कन्या	०३-०७-२०५१
८ वृश्चिक	०१-०२-२०१५	१ मेष दे	०१-०२-२०२४	६ कन्या	०१-०२-२०४२	५ सिंह	०१-११-२०५२
९ धनु जी	०३-०७-२०१५	१२ मीन	०२-११-२०२५	७ तुला	०२-११-२०४२	४ कर्क	०३-०३-२०५४
१० मकर	०३-१२-२०१५	११ कुंभ	०३-०८-२०२७	८ वृश्चिक	०३-०८-२०४३	३ मिथुन	०३-०७-२०५५
११ कुंभ	०३-०५-२०१६	१० मकर	०३-०५-२०२९	९ धनु जी	०२-०५-२०४४	२ वृष	०१-११-२०५६
१२ मीन	०२-१०-२०१६	९ धनु जी	०१-०२-२०३१	१० मकर	३१-०१-२०४५	१ मेष दे	०३-०३-२०५८
१ मेष दे	०३-०३-२०१७	८ वृश्चिक	०१-११-२०३२	११ कुंभ	०१-११-२०४५	१२ मीन	०३-०७-२०५९
२ वृष	०२-०८-२०१७	७ तुला	०२-०८-२०३४	१२ मीन	०२-०८-२०४६	११ कुंभ	०१-११-२०६०
३ मिथुन	०१-०१-२०१८	६ कन्या	०३-०५-२०३६	१ मेष दे	०३-०५-२०४७	१० मकर	०३-०३-२०६२
४ कर्क	०३-०६-२०१८	५ सिंह	०१-०२-२०३८	२ वृष	०१-०२-२०४८	९ धनु जी	०३-०७-२०६३

मेष (७व)	१११व ३म	धनु (१०व)	१२१व ३म	मकर (४व)	१२८व ३म	कुंभ (४व)	१४४व ३म
आरम्भ	०१-११-२०६४	आरम्भ	०२-११-२०७१	आरम्भ	०१-११-२०८१	आरम्भ	०१-११-२०८५
अन्त	०२-०६-२०६५	अन्त	०१-०९-२०७२	अन्त	०३-०३-२०८२	अन्त	०३-०३-२०८६
१ मेष दे	०१-११-२०६४	३ मिथुन	०२-११-२०७१	४ कर्क	०१-११-२०८१	५ सिंह	०१-११-२०८५
२ वृष	०२-०६-२०६५	४ कर्क	०१-०९-२०७२	३ मिथुन	०३-०३-२०८२	६ कन्या	०३-०३-२०८६
३ मिथुन	०१-०१-२०६६	५ सिंह	०२-०७-२०७३	२ वृष	०३-०७-२०८२	७ तुला	०३-०७-२०८६
४ कर्क	०२-०८-२०६६	६ कन्या	०३-०५-२०७४	१ मेष दे	०१-११-२०८२	८ वृश्चिक	०१-११-२०८६
५ सिंह	०३-०३-२०६७	७ तुला	०३-०३-२०७५	१२ मीन	०३-०३-२०८३	९ धनु जी	०३-०३-२०८७
६ कन्या	०२-१०-२०६७	८ वृश्चिक	०१-०१-२०७६	११ कुंभ	०३-०७-२०८३	१० मकर	०३-०७-२०८७
७ तुला	०२-०५-२०६८	९ धनु जी	०१-११-२०७६	१० मकर	०२-११-२०८३	११ कुंभ	०२-११-२०८७
८ वृश्चिक	०१-१२-२०६८	१० मकर	०१-०९-२०७७	९ धनु जी	०२-०३-२०८४	१२ मीन	०२-०३-२०८८
९ धनु जी	०२-०७-२०६९	११ कुंभ	०३-०७-२०७८	८ वृश्चिक	०२-०७-२०८४	१ मेष दे	०२-०७-२०८८
१० मकर	३१-०१-२०७०	१२ मीन	०३-०५-२०७९	७ तुला	०१-११-२०८४	२ वृष	०१-११-२०८८
११ कुंभ	०२-०९-२०७०	१ मेष दे	०२-०३-२०८०	६ कन्या	०३-०३-२०८५	३ मिथुन	०३-०३-२०८९
१२ मीन	०३-०४-२०७१	२ वृष	०१-०१-२०८१	५ सिंह	०२-०७-२०८५	४ कर्क	०२-०७-२०८९

\* तिथियाँ दशा आरम्भ काल की दी गई हैं। \*



## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : धनु \* देह राशि : मेष

## धनु-कुंभ

आरम्भ	23-07-1978
अन्त	04-05-1979
सिंह	23-07-1978
कन्या	29-07-1978
तुला	23-08-1978
वृश्चिक	17-09-1978
धनु	13-10-1978
मकर	07-11-1978
कुंभ	03-12-1978
मीन	28-12-1978
मेष	22-01-1979
वृष	17-02-1979
मिथुन	14-03-1979
कर्क	08-04-1979

## धनु-मीन

आरम्भ	04-05-1979
अन्त	03-03-1980
मीन	04-05-1979
कुंभ	29-05-1979
मकर	23-06-1979
धनु	19-07-1979
वृश्चिक	13-08-1979
तुला	08-09-1979
कन्या	03-10-1979
सिंह	28-10-1979
कर्क	23-11-1979
मिथुन	18-12-1979
वृष	12-01-1980
मेष	07-02-1980

## धनु-मेष दे

आरम्भ	03-03-1980
अन्त	01-01-1981
मेष	03-03-1980
वृष	28-03-1980
मिथुन	23-04-1980
कर्क	18-05-1980
सिंह	13-06-1980
कन्या	08-07-1980
तुला	02-08-1980
वृश्चिक	28-08-1980
धनु	22-09-1980
मकर	17-10-1980
कुंभ	12-11-1980
मीन	07-12-1980

## धनु-वृष

आरम्भ	01-01-1981
अन्त	02-11-1981
वृश्चिक	01-01-1981
तुला	27-01-1981
कन्या	21-02-1981
सिंह	19-03-1981
कर्क	13-04-1981
मिथुन	08-05-1981
वृष	03-06-1981
मेष	28-06-1981
मीन	23-07-1981
कुंभ	18-08-1981
मकर	12-09-1981
धनु	07-10-1981

## वृश्चिक-वृश्चिक

आरम्भ	02-11-1981
अन्त	03-06-1982
वृश्चिक	02-11-1981
तुला	20-11-1981
कन्या	07-12-1981
सिंह	25-12-1981
कर्क	12-01-1982
मिथुन	30-01-1982
वृष	16-02-1982
मेष	06-03-1982
मीन	24-03-1982
कुंभ	11-04-1982
मकर	28-04-1982
धनु	16-05-1982

## वृश्चिक-तुला

आरम्भ	03-06-1982
अन्त	02-01-1983
मेष	03-06-1982
वृष	21-06-1982
मिथुन	08-07-1982
कर्क	26-07-1982
सिंह	13-08-1982
कन्या	31-08-1982
तुला	17-09-1982
वृश्चिक	05-10-1982
धनु	23-10-1982
मकर	10-11-1982
कुंभ	27-11-1982
मीन	15-12-1982

## वृश्चिक-कन्या

आरम्भ	02-01-1983
अन्त	03-08-1983
मीन	02-01-1983
कुंभ	20-01-1983
मकर	06-02-1983
धनु	24-02-1983
वृश्चिक	14-03-1983
तुला	01-04-1983
कन्या	18-04-1983
सिंह	06-05-1983
कर्क	24-05-1983
मिथुन	11-06-1983
वृष	29-06-1983
मेष	16-07-1983

## वृश्चिक-सिंह

आरम्भ	03-08-1983
अन्त	03-03-1984
सिंह	03-08-1983
कन्या	21-08-1983
तुला	08-09-1983
वृश्चिक	25-09-1983
धनु	13-10-1983
मकर	31-10-1983
कुंभ	18-11-1983
मीन	05-12-1983
वृष	23-12-1983
मिथुन	28-01-1984
कर्क	14-02-1984

## वृश्चिक-कर्क

आरम्भ	03-03-1984
अन्त	02-10-1984
कर्क	03-03-1984
मिथुन	21-03-1984
वृष	08-04-1984
मेष	25-04-1984
मीन	13-05-1984
कुंभ	31-05-1984
मकर	18-06-1984
धनु	05-07-1984
वृश्चिक	23-07-1984
तुला	10-08-1984
कन्या	28-08-1984
सिंह	14-09-1984

## वृश्चिक-मिथुन

आरम्भ	02-10-1984
अन्त	03-05-1985
मिथुन	02-10-1984
कर्क	20-10-1984
सिंह	07-11-1984
कन्या	24-11-1984
तुला	12-12-1984
वृश्चिक	30-12-1984
धनु	17-01-1985
मकर	03-02-1985
कुंभ	21-02-1985
मीन	11-03-1985
वृष	29-03-1985
मेष	15-04-1985

## वृश्चिक-वृष

आरम्भ	03-05-1985
अन्त	02-12-1985
वृश्चिक	03-05-1985
तुला	21-05-1985
कन्या	08-06-1985
सिंह	25-06-1985
कर्क	13-07-1985
मिथुन	31-07-1985
वृष	18-08-1985
मेष	04-09-1985
मीन	22-09-1985
कुंभ	10-10-1985
मकर	28-10-1985
धनु	14-11-1985

## वृश्चिक-मेष दे

आरम्भ	02-12-1985
अन्त	03-07-1986
मेष	02-12-1985
वृष	20-12-1985
मिथुन	07-01-1986
कर्क	25-01-1986
सिंह	11-02-1986
कन्या	01-03-1986
तुला	19-03-1986
वृश्चिक	06-04-1986
धनु	23-04-1986
मकर	11-05-1986
कुंभ	29-05-1986
मीन	16-06-1986

## वृश्चिक-मीन

आरम्भ	03-07-1986
अन्त	01-02-1987
मीन	03-07-1986
कुंभ	21-07-1986
मकर	08-08-1986
धनु	26-08-1986
वृश्चिक	12-09-1986
तुला	30-09-1986
कन्या	18-10-1986
सिंह	05-11-1986
कर्क	22-11-1986
मिथुन	10-12-1986
वृष	28-12-1986
मेष	15-01-1987

## वृश्चिक-कुंभ

आरम्भ	01-02-1987
अन्त	02-09-1988
सिंह	01-02-1987
कन्या	19-02-1987
तुला	09-03-1987
वृश्चिक	27-03-1987
धनु	13-04-1987
मकर	01-05-1987
कुंभ	19-05-1987
मीन	06-06-1987
वृष	23-06-1987
मेष	11-07-1987
मिथुन	29-07-1987
कर्क	16-08-1987

## वृश्चिक-मकर

आरम्भ	02-09-1988
अन्त	02-04-1988
मिथुन	20-09-1987
वृष	08-10-1987
मेष	26-10-1987
मीन	12-11-1987
कुंभ	30-11-1987
मकर	18-12-1987
धनु	05-01-1988
वृश्चिक	22-01-1988
तुला	09-02-1988
कन्या	27-02-1988
सिंह	16-03-1988





## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : धनु \* देह राशि : मेष

## वृश्चिक-धनु जी

आरम्भ	02-04-1988
अन्त	02-11-1988
मिथुन	02-04-1988
कक्ष	20-04-1988
सिंह	08-05-1988
कन्या	26-05-1988
तुला	13-06-1988
वृश्चिक	30-06-1988
धनु	18-07-1988
मकर	05-08-1988
कुंभ	23-08-1988
मीन	09-09-1988
मेष	27-09-1988
वृष	15-10-1988

## तुला-मेष दे

आरम्भ	02-11-1988
अन्त	04-03-1990
मेष	02-11-1988
वृष	12-12-1988
मिथुन	22-01-1989
कक्ष	03-03-1989
सिंह	13-04-1989
कन्या	23-05-1989
तुला	03-07-1989
वृश्चिक	13-08-1989
धनु	22-09-1989
मकर	02-11-1989
कुंभ	12-12-1989
मीन	22-01-1990

## तुला-वृष

आरम्भ	04-03-1990
अन्त	04-07-1991
वृश्चिक	04-03-1990
तुला	13-04-1990
कन्या	24-05-1990
सिंह	03-07-1990
कक्ष	13-08-1990
मिथुन	22-09-1990
वृष	02-11-1990
मेष	13-12-1990
धनु	03-03-1992
मकर	13-04-1992
कुंभ	23-05-1992
मीन	03-07-1992
मेष	12-08-1992
वृष	22-09-1992

## तुला-मिथुन

आरम्भ	04-07-1991
अन्त	02-11-1992
मिथुन	04-07-1991
कक्ष	13-08-1991
सिंह	23-09-1991
कन्या	02-11-1991
तुला	13-12-1991
वृश्चिक	22-01-1992
धनु	03-03-1992
मकर	13-04-1992
कुंभ	23-05-1992
मीन	03-07-1992
मेष	12-08-1992
वृष	22-09-1992

## तुला-कर्क

आरम्भ	02-11-1992
अन्त	03-03-1994
कर्क	02-11-1992
मिथुन	12-12-1992
वृष	22-01-1993
मेष	03-03-1993
मीन	13-04-1993
कुंभ	23-05-1993
मकर	03-07-1993
धनु	13-08-1993
वृश्चिक	22-09-1993
धनु	13-12-1993
कन्या	02-11-1993
सिंह	22-01-1994

## तुला-सिंह

आरम्भ	03-03-1994
अन्त	03-07-1995
सिंह	03-03-1994
कन्या	13-04-1994
तुला	24-05-1994
वृश्चिक	03-07-1994
धनु	13-08-1994
मकर	22-09-1994
कुंभ	02-11-1994
मीन	13-12-1994
मेष	22-01-1995
वृष	04-03-1995
मिथुन	13-04-1995
कर्क	24-05-1995

## तुला-कन्या

आरम्भ	03-07-1995
अन्त	01-11-1996
मीन	03-07-1995
कुंभ	13-08-1995
मकर	23-09-1995
धनु	02-11-1995
वृश्चिक	13-12-1995
तुला	22-01-1996
वृश्चिक	03-03-1996
कन्या	13-04-1996
तुला	22-01-1996
कन्या	03-03-1996
सिंह	13-04-1996
वृश्चिक	13-08-1996
धनु	22-09-1996
मकर	02-11-1997
कुंभ	12-12-1997
मीन	22-01-1998

## तुला-तुला

आरम्भ	01-11-1996
अन्त	03-03-1998
मेष	01-11-1996
वृष	12-12-1996
मिथुन	22-01-1997
कर्क	03-03-1997
सिंह	13-04-1997
कन्या	23-05-1997
तुला	03-07-1997
वृश्चिक	13-08-1997
धनु	22-09-1998
मकर	02-11-1998
कुंभ	13-03-1999
मीन	22-01-1999
कुंभ	04-03-1999
मकर	13-04-1999
धनु	24-05-1999
मीन	22-01-1999

## तुला-वृश्चिक

आरम्भ	03-03-1998
अन्त	03-07-1999
वृश्चिक	03-03-1998
तुला	13-04-1998
कन्या	24-05-1998
सिंह	03-07-1998
कन्या	02-11-1999
तुला	13-12-1999
वृश्चिक	22-01-2000
धनु	03-03-2000
मकर	13-04-2000
कुंभ	23-05-2000
मीन	03-07-2000
मेष	12-08-2000
वृष	22-09-2000

## तुला-धनु जी

आरम्भ	03-07-1999
अन्त	01-11-2000
मिथुन	03-07-1999
कर्क	13-08-1999
सिंह	23-09-1999
कन्या	02-11-1999
तुला	13-12-1999
वृश्चिक	22-01-2000
धनु	03-03-2000
मकर	13-04-2000
कुंभ	23-05-2000
मीन	03-07-2000
मेष	12-08-2000
वृष	22-09-2000

## तुला-मकर

आरम्भ	01-11-2000
अन्त	03-03-2002
कर्क	01-11-2000
मिथुन	12-12-2000
वृष	22-01-2001
मेष	03-03-2001
मीन	13-04-2001
कुंभ	23-05-2001
मकर	03-07-2001
धनु	13-08-2001
वृश्चिक	22-09-2001
तुला	02-11-2001
कन्या	12-12-2001
सिंह	22-01-2002

## तुला-कुंभ

आरम्भ	03-03-2002
अन्त	03-07-2003
सिंह	03-03-2002
कन्या	13-04-2002
तुला	24-05-2002
वृश्चिक	03-07-2002
धनु	13-08-2002
मकर	22-09-2002
कुंभ	02-11-2002
मीन	13-12-2002
मेष	22-01-2003
वृष	04-03-2003
मिथुन	13-04-2003
कर्क	24-05-2003

## तुला-मीन

आरम्भ	03-07-2003
अन्त	01-11-2004
मीन	03-07-2003
कुंभ	13-08-2003
मकर	23-09-2003
धनु	02-11-2003
वृश्चिक	13-12-2003
तुला	22-01-2004
वृश्चिक	03-03-2004
कन्या	13-04-2004
सिंह	13-04-2004
कन्या	18-03-2005
सिंह	10-04-2005
कर्क	03-05-2005
मिथुन	26-05-2005
वृष	18-06-2005
मेष	11-07-2005

## कन्या-मीन

आरम्भ	01-11-2004
अन्त	02-08-2005
सिंह	02-08-2004
कन्या	25-08-2005
तुला	17-09-2005
वृश्चिक	10-10-2005
धनु	02-11-2005
मकर	24-11-2005
कुंभ	17-12-2005
मीन	09-01-2006
मेष	01-02-2006
वृष	24-02-2006
मिथुन	19-03-2006
कर्क	10-04-2006





## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : धनु \* देह राशि : मेष

कन्या-मकर	कन्या-धनु जी	कन्या-वृश्चिक	कन्या-तुला	कन्या-कन्या
आरम्भ 03-05-2006	आरम्भ 01-02-2007	आरम्भ 02-11-2007	आरम्भ 02-08-2008	आरम्भ 03-05-2009
अन्त 01-02-2007	अन्त 02-11-2007	अन्त 02-08-2008	अन्त 03-05-2009	अन्त 01-02-2010
कर्क 03-05-2006	मिथुन 01-02-2007	वृश्चिक 02-11-2007	मेष 02-08-2008	मीन 03-05-2009
मिथुन 26-05-2006	कक्ष 24-02-2007	तुला 25-11-2007	वृष 25-08-2008	कुंभ 26-05-2009
वृष 18-06-2006	सिंह 19-03-2007	कन्या 18-12-2007	मिथुन 17-09-2008	मकर 18-06-2009
मेष 11-07-2006	कन्या 11-04-2007	सिंह 10-01-2008	कर्क 10-10-2008	धनु 10-07-2009
मीन 03-08-2006	तुला 04-05-2007	कर्क 01-02-2008	सिंह 01-11-2008	वृश्चिक 02-08-2009
कुंभ 25-08-2006	वृश्चिक 26-05-2007	मिथुन 24-02-2008	कन्या 24-11-2008	तुला 25-08-2009
मकर 17-09-2006	धनु 18-06-2007	वृष 18-03-2008	तुला 17-12-2008	कन्या 17-09-2009
धनु 10-10-2006	मकर 11-07-2007	मेष 10-04-2008	वृश्चिक 09-01-2009	सिंह 10-10-2009
वृश्चिक 02-11-2006	कुंभ 03-08-2007	मीन 03-05-2008	धनु 01-02-2009	कर्क 02-11-2009
तुला 25-11-2006	मीन 26-08-2007	कुंभ 26-05-2008	मकर 24-02-2009	मिथुन 24-11-2009
कन्या 18-12-2006	मेष 17-09-2007	मकर 17-06-2008	कुंभ 18-03-2009	वृष 17-12-2009
सिंह 09-01-2007	वृष 10-10-2007	धनु 10-07-2008	मीन 10-04-2009	मेष 09-01-2010

कन्या-सिंह	कन्या-कर्क	कन्या-मिथुन	कन्या-वृष	कन्या-मेष दे
आरम्भ 01-02-2010	आरम्भ 02-11-2010	आरम्भ 03-08-2011	आरम्भ 03-05-2012	आरम्भ 01-02-2013
अन्त 02-11-2010	अन्त 03-08-2011	अन्त 03-05-2012	अन्त 01-02-2013	अन्त 02-11-2013
सिंह 01-02-2010	कर्क 02-11-2010	मिथुन 03-08-2011	वृश्चिक 03-05-2012	मेष 01-02-2013
कन्या 24-02-2010	मिथुन 25-11-2010	कर्क 26-08-2011	तुला 26-05-2012	वृष 23-02-2013
तुला 19-03-2010	वृष 18-12-2010	सिंह 17-09-2011	कन्या 17-06-2012	मिथुन 18-03-2013
वृश्चिक 10-04-2010	मेष 09-01-2011	कन्या 10-10-2011	सिंह 10-07-2012	कर्क 10-04-2013
धनु 03-05-2010	मीन 01-02-2011	तुला 02-11-2011	कर्क 02-08-2012	सिंह 03-05-2013
मकर 26-05-2010	कुंभ 24-02-2011	वृश्चिक 25-11-2011	मिथुन 25-08-2012	कन्या 26-05-2013
कुंभ 18-06-2010	मकर 19-03-2011	धनु 18-12-2011	वृष 17-09-2012	तुला 18-06-2013
मीन 11-07-2010	धनु 11-04-2011	मकर 10-01-2012	मेष 10-10-2012	वृश्चिक 10-07-2013
मेष 03-08-2010	वृश्चिक 03-05-2011	कुंभ 01-02-2012	मीन 01-11-2012	धनु 02-08-2013
वृष 25-08-2010	तुला 26-05-2011	मीन 24-02-2012	कुंभ 24-11-2012	मकर 25-08-2013
मिथुन 17-09-2010	कन्या 18-06-2011	मेष 18-03-2012	मकर 17-12-2012	कुंभ 17-09-2013
कर्क 10-10-2010	सिंह 11-07-2011	वृष 10-04-2012	धनु 09-01-2013	मीन 10-10-2013

सिंह-सिंह	सिंह-कन्या	सिंह-तुला	सिंह-वृश्चिक	सिंह-धनु जी
आरम्भ 02-11-2013	आरम्भ 03-04-2014	आरम्भ 02-09-2014	आरम्भ 01-02-2015	आरम्भ 03-07-2015
अन्त 03-04-2014	अन्त 02-09-2014	अन्त 01-02-2015	अन्त 03-07-2015	अन्त 03-12-2015
सिंह 02-11-2013	मीन 03-04-2014	मेष 02-09-2014	वृश्चिक 01-02-2015	मिथुन 03-07-2015
कन्या 14-11-2013	कुंभ 15-04-2014	वृष 15-09-2014	तुला 14-02-2015	कर्क 16-07-2015
तुला 27-11-2013	मकर 28-04-2014	मिथुन 27-09-2014	कन्या 27-02-2015	सिंह 29-07-2015
वृश्चिक 10-12-2013	धनु 11-05-2014	कर्क 10-10-2014	सिंह 11-03-2015	कन्या 10-08-2015
धनु 22-12-2013	वृश्चिक 24-05-2014	सिंह 23-10-2014	कर्क 24-03-2015	तुला 23-08-2015
मकर 04-01-2014	तुला 05-06-2014	कन्या 04-11-2014	मिथुन 06-04-2015	वृश्चिक 05-09-2015
कुंभ 17-01-2014	कन्या 18-06-2014	तुला 17-11-2014	वृष 18-04-2015	धनु 17-09-2015
मीन 29-01-2014	सिंह 01-07-2014	वृश्चिक 30-11-2014	मेष 01-05-2015	मकर 30-09-2015
मेष 11-02-2014	कर्क 13-07-2014	धनु 12-12-2014	मीन 14-05-2015	कुंभ 13-10-2015
वृष 24-02-2014	मिथुन 26-07-2014	मकर 25-12-2014	कुंभ 26-05-2015	मीन 25-10-2015
मिथुन 08-03-2014	वृष 08-08-2014	कुंभ 07-01-2015	मकर 08-06-2015	मेष 07-11-2015
कर्क 21-03-2014	मेष 20-08-2014	मीन 19-01-2015	धनु 21-06-2015	वृष 20-11-2015



## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : धनु \* देह राशि : मेष

सिंह-मकर	सिंह-कुंभ	सिंह-मीन	सिंह-मेष दे	सिंह-वृष
आरम्भ 03-12-2015	आरम्भ 03-05-2016	आरम्भ 02-10-2016	आरम्भ 03-03-2017	आरम्भ 02-08-2017
अन्त 03-05-2016	अन्त 02-10-2016	अन्त 03-03-2017	अन्त 02-08-2017	अन्त 01-01-2018
कर्क 03-12-2015	सिंह 03-05-2016	मीन 02-10-2016	मेष 03-03-2017	वृश्चिक 02-08-2017
मिथुन 15-12-2015	कन्या 15-05-2016	कुंभ 15-10-2016	वृष 16-03-2017	तुला 15-08-2017
वृष 28-12-2015	तुला 28-05-2016	मकर 27-10-2016	मिथुन 28-03-2017	कन्या 28-08-2017
मेष 10-01-2016	वृश्चिक 10-06-2016	धनु 09-11-2016	कर्क 10-04-2017	सिंह 09-09-2017
मीन 22-01-2016	धनु 22-06-2016	वृश्चिक 22-11-2016	सिंह 23-04-2017	कर्क 22-09-2017
कुंभ 04-02-2016	मकर 05-07-2016	तुला 04-12-2016	कन्या 05-05-2017	मिथुन 05-10-2017
मकर 17-02-2016	कुंभ 18-07-2016	कन्या 17-12-2016	तुला 18-05-2017	वृष 17-10-2017
धनु 29-02-2016	मीन 30-07-2016	सिंह 30-12-2016	वृश्चिक 31-05-2017	मेष 30-10-2017
वृश्चिक 13-03-2016	मेष 12-08-2016	कर्क 11-01-2017	धनु 13-06-2017	मीन 12-11-2017
तुला 26-03-2016	वृष 25-08-2016	मिथुन 24-01-2017	मकर 25-06-2017	कुंभ 24-11-2017
कन्या 07-04-2016	मिथुन 07-09-2016	वृष 06-02-2017	कुंभ 08-07-2017	मकर 07-12-2017
सिंह 20-04-2016	कर्क 19-09-2016	मेष 18-02-2017	मीन 21-07-2017	धनु 20-12-2017

सिंह-मिथुन	सिंह-कर्क	कर्क-कर्क	कर्क-मिथुन	कर्क-वृष
आरम्भ 01-01-2018	आरम्भ 03-06-2018	आरम्भ 02-11-2018	आरम्भ 02-08-2020	आरम्भ 03-05-2022
अन्त 03-06-2018	अन्त 02-11-2018	अन्त 02-08-2020	अन्त 03-05-2022	अन्त 01-02-2024
मिथुन 01-01-2018	कर्क 03-06-2018	कर्क 02-11-2018	मिथुन 02-08-2020	वृश्चिक 03-05-2022
कर्क 14-01-2018	मिथुन 15-06-2018	मिथुन 25-12-2018	कर्क 24-09-2020	तुला 25-06-2022
सिंह 27-01-2018	वृष 28-06-2018	वृष 16-02-2019	सिंह 17-11-2020	कन्या 18-08-2022
कन्या 08-02-2018	मेष 11-07-2018	मेष 11-04-2019	कन्या 09-01-2021	सिंह 10-10-2022
तुला 21-02-2018	मीन 23-07-2018	मीन 03-06-2019	तुला 03-03-2021	कर्क 02-12-2022
वृश्चिक 06-03-2018	कुंभ 05-08-2018	कुंभ 26-07-2019	वृश्चिक 25-04-2021	मिथुन 24-01-2023
धनु 19-03-2018	मकर 18-08-2018	मकर 17-09-2019	धनु 18-06-2021	वृष 19-03-2023
मकर 31-03-2018	धनु 30-08-2018	धनु 10-11-2019	मकर 10-08-2021	मेष 11-05-2023
कुंभ 13-04-2018	वृश्चिक 12-09-2018	वृश्चिक 02-01-2020	कुंभ 02-10-2021	मीन 03-07-2023
मीन 26-04-2018	तुला 25-09-2018	तुला 24-02-2020	मीन 24-11-2021	कुंभ 26-08-2023
मेष 08-05-2018	कन्या 07-10-2018	कन्या 17-04-2020	मेष 17-01-2022	मकर 18-10-2023
वृष 21-05-2018	सिंह 20-10-2018	सिंह 10-06-2020	वृष 11-03-2022	धनु 10-12-2023

कर्क-मेष दे	कर्क-मीन	कर्क-कुंभ	कर्क-मकर	कर्क-धनु जी
आरम्भ 01-02-2024	आरम्भ 02-11-2025	आरम्भ 03-08-2027	आरम्भ 03-05-2029	आरम्भ 01-02-2031
अन्त 02-11-2025	अन्त 03-08-2027	अन्त 03-05-2029	अन्त 01-02-2031	अन्त 01-11-2032
मेष 01-02-2024	मीन 02-11-2025	सिंह 03-08-2027	कर्क 03-05-2029	मिथुन 01-02-2031
वृष 26-03-2024	कुंभ 25-12-2025	कन्या 25-09-2027	मिथुन 25-06-2029	कर्क 26-03-2031
मिथुन 18-05-2024	मकर 16-02-2026	तुला 17-11-2027	वृष 17-08-2029	सिंह 19-05-2031
कर्क 10-07-2024	धनु 10-04-2026	वृश्चिक 09-01-2028	मेष 10-10-2029	कन्या 11-07-2031
सिंह 01-09-2024	वृश्चिक 03-06-2026	धनु 03-03-2028	मीन 02-12-2029	तुला 02-09-2031
कन्या 25-10-2024	तुला 26-07-2026	मकर 25-04-2028	कुंभ 24-01-2030	वृश्चिक 25-10-2031
तुला 17-12-2024	कन्या 17-09-2026	कुंभ 17-06-2028	मकर 18-03-2030	धनु 18-12-2031
वृश्चिक 08-02-2025	सिंह 09-11-2026	मीन 10-08-2028	धनु 11-05-2030	मकर 09-02-2032
धनु 02-04-2025	कर्क 02-01-2027	मेष 02-10-2028	वृश्चिक 03-07-2030	कुंभ 02-04-2032
मकर 26-05-2025	मिथुन 24-02-2027	वृष 24-11-2028	तुला 25-08-2030	मीन 25-05-2032
कुंभ 18-07-2025	वृष 18-04-2027	मिथुन 16-01-2029	कन्या 17-10-2030	मेष 18-07-2032
मीन 09-09-2025	मेष 10-06-2027	कर्क 11-03-2029	सिंह 10-12-2030	वृष 09-09-2032



## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : धनु \* देह राशि : मेष

कर्क-वृश्चिक	कर्क-तुला	कर्क-कन्या	कर्क-सिंह	मिथुन-मिथुन
आरम्भ 01-11-2032	आरम्भ 02-08-2034	आरम्भ 03-05-2036	आरम्भ 01-02-2038	आरम्भ 02-11-2039
अन्त 02-08-2034	अन्त 03-05-2036	अन्त 01-02-2038	अन्त 02-11-2039	अन्त 02-08-2040
वृश्चिक 01-11-2032	मेष 02-08-2034	मीन 03-05-2036	सिंह 01-02-2038	मिथुन 02-11-2039
तुला 24-12-2032	वृष 25-09-2034	कुंभ 25-06-2036	कन्या 26-03-2038	कक्ष 25-11-2039
कन्या 16-02-2033	मिथुन 17-11-2034	मकर 17-08-2036	तुला 18-05-2038	सिंह 18-12-2039
सिंह 10-04-2033	कर्क 09-01-2035	धनु 09-10-2036	वृश्चिक 11-07-2038	कन्या 09-01-2040
कर्क 02-06-2033	सिंह 03-03-2035	वृश्चिक 02-12-2036	धनु 02-09-2038	तुला 01-02-2040
मिथुन 26-07-2033	कन्या 26-04-2035	तुला 24-01-2037	मकर 25-10-2038	वृश्चिक 24-02-2040
वृष 17-09-2033	तुला 18-06-2035	कन्या 18-03-2037	कुंभ 17-12-2038	धनु 18-03-2040
मेष 09-11-2033	वृश्चिक 10-08-2035	सिंह 10-05-2037	मीन 09-02-2039	मकर 10-04-2040
मीन 01-01-2034	धनु 02-10-2035	कर्क 03-07-2037	मेष 03-04-2039	कुंभ 03-05-2040
कुंभ 24-02-2034	मकर 25-11-2035	मिथुन 25-08-2037	वृष 26-05-2039	मीन 25-05-2040
मकर 18-04-2034	कुंभ 17-01-2036	वृष 17-10-2037	मिथुन 18-07-2039	मेष 17-06-2040
धनु 10-06-2034	मीन 10-03-2036	मेष 09-12-2037	कर्क 10-09-2039	वृष 10-07-2040

मिथुन-कर्क	मिथुन-सिंह	मिथुन-कन्या	मिथुन-तुला	मिथुन-वृश्चिक
आरम्भ 02-08-2040	आरम्भ 03-05-2041	आरम्भ 01-02-2042	आरम्भ 02-11-2042	आरम्भ 03-08-2043
अन्त 03-05-2041	अन्त 01-02-2042	अन्त 02-11-2042	अन्त 03-08-2043	अन्त 02-05-2044
कर्क 02-08-2040	सिंह 03-05-2041	मीन 01-02-2042	मेष 02-11-2042	वृश्चिक 03-08-2043
मिथुन 25-08-2040	कन्या 26-05-2041	कुंभ 24-02-2042	वृष 24-11-2042	तुला 25-08-2043
वृष 16-09-2040	तुला 17-06-2041	मकर 18-03-2042	मिथुन 17-12-2042	कन्या 17-09-2043
मेष 09-10-2040	वृश्चिक 10-07-2041	धनु 10-04-2042	कर्क 09-01-2043	सिंह 10-10-2043
मीन 01-11-2040	धनु 02-08-2041	वृश्चिक 03-05-2042	सिंह 01-02-2043	कर्क 02-11-2043
कुंभ 24-11-2040	मकर 25-08-2041	तुला 26-05-2042	कन्या 24-02-2043	मिथुन 25-11-2043
मकर 17-12-2040	कुंभ 17-09-2041	कन्या 18-06-2042	तुला 19-03-2043	वृष 18-12-2043
धनु 09-01-2041	मीन 10-10-2041	सिंह 10-07-2042	वृश्चिक 10-04-2043	मेष 09-01-2044
वृश्चिक 31-01-2041	मेष 01-11-2041	कर्क 02-08-2042	धनु 03-05-2043	मीन 01-02-2044
तुला 23-02-2041	वृष 24-11-2041	मिथुन 25-08-2042	मकर 26-05-2043	कुंभ 24-02-2044
कन्या 18-03-2041	मिथुन 17-12-2041	वृष 17-09-2042	कुंभ 18-06-2043	मकर 18-03-2044
सिंह 10-04-2041	कर्क 09-01-2042	मेष 10-10-2042	मीन 11-07-2043	धनु 10-04-2044

मिथुन-धनु जी	मिथुन-मकर	मिथुन-कुंभ	मिथुन-मीन	मिथुन-मेष दे
आरम्भ 02-05-2044	आरम्भ 31-01-2045	आरम्भ 01-11-2045	आरम्भ 02-08-2046	आरम्भ 03-05-2047
अन्त 31-01-2045	अन्त 01-11-2045	अन्त 02-08-2046	अन्त 03-05-2047	अन्त 01-02-2048
मिथुन 02-05-2044	कर्क 31-01-2045	सिंह 01-11-2045	मीन 02-08-2046	मेष 03-05-2047
कर्क 25-05-2044	मिथुन 23-02-2045	कन्या 24-11-2045	कुंभ 25-08-2046	वृष 26-05-2047
सिंह 17-06-2044	वृष 18-03-2045	तुला 17-12-2045	मकर 17-09-2046	मिथुन 18-06-2047
कन्या 10-07-2044	मेष 10-04-2045	वृश्चिक 09-01-2046	धनु 10-10-2046	कर्क 11-07-2047
तुला 02-08-2044	मीन 03-05-2045	धनु 01-02-2046	वृश्चिक 02-11-2046	सिंह 03-08-2047
वृश्चिक 25-08-2044	कुंभ 26-05-2045	मकर 23-02-2046	तुला 24-11-2046	कन्या 25-08-2047
धनु 16-09-2044	मकर 17-06-2045	कुंभ 18-03-2046	कन्या 17-12-2046	तुला 17-09-2047
मकर 09-10-2044	धनु 10-07-2045	मीन 10-04-2046	सिंह 09-01-2047	वृश्चिक 10-10-2047
कुंभ 01-11-2044	वृश्चिक 02-08-2045	मेष 03-05-2046	कर्क 01-02-2047	धनु 02-11-2047
मीन 24-11-2044	तुला 25-08-2045	वृष 26-05-2046	मिथुन 24-02-2047	मकर 25-11-2047
मेष 17-12-2044	कन्या 17-09-2045	मिथुन 18-06-2046	वृष 19-03-2047	कुंभ 17-12-2047
वृष 09-01-2045	सिंह 10-10-2045	कर्क 10-07-2046	मेष 10-04-2047	मीन 09-01-2048

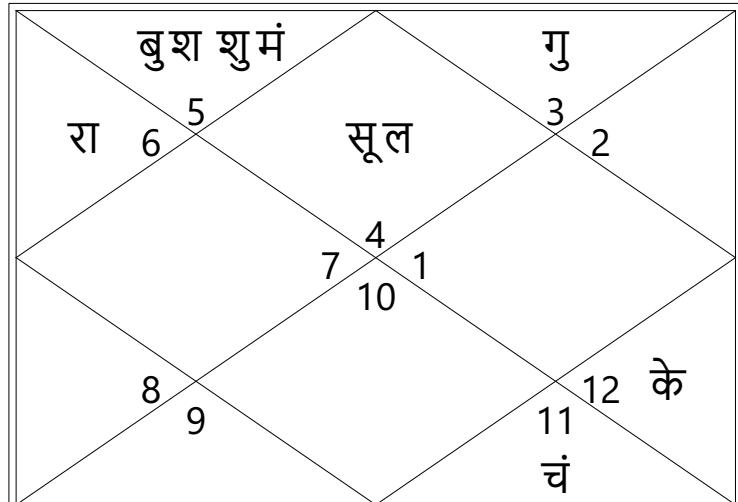


## जैमिनी पद्धति

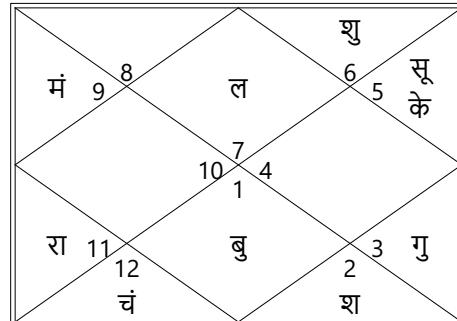
### चर कारक

आत्म	अमात्य	भ्रातृ	मातृ	पितृ	ज्ञाति	स्त्री
मंगल	गुरु	शुक्र	चंद्र	सूर्य	शनि	बुध
28:53	27:05	18:47	16:53	06:15	06:02	03:08

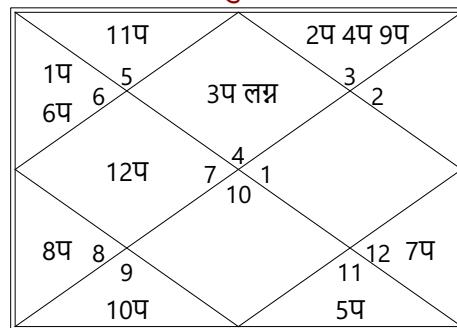
जन्म कुण्डली 23 जुलाई 1978 06:05:00 घंटे Raipur, Chhattisgarh, India



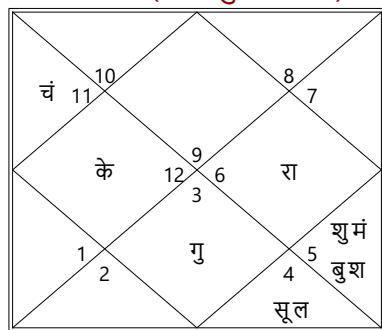
### नवांश



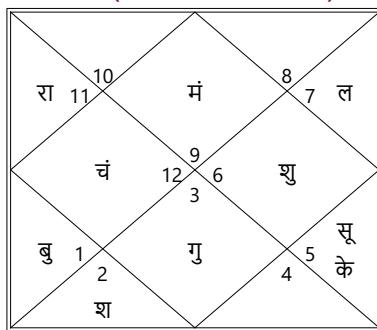
### पद कुण्डली



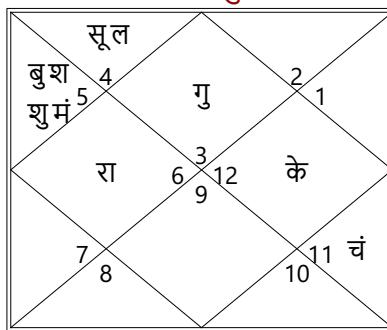
### कारकांश (जन्म कुण्डली में)



### स्वांश (कारकांश नवांश में)



### उपपद लग्न कुण्डली



### जैमिनी दृष्टियाँ

द्विस्वभाव राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ गु-रा-के चर व स्थिर राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ सू-चं

### विशेष गणनाएं

जैमिनी होरा लग्न	: कर्क 26:26:50
वर्णद लग्न	: सिंह
प्राणपद लग्न	: वृश्चिक 26:19:28
आरुढ़ लग्न	: कन्या
उपपद	: मिथुन
दध राशि	: वृष्ट, कुंभ
ब्रह्मा	: गुरु
महेश्वर	: शुक्र
रुद्र	: शनि



## जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कर्क (5व)	०व०म	मिथुन (२व)	५व०म	वृष (३व)	६व११म	मेष (४व)	९व११म
आरम्भ	23-07-1978	आरम्भ	23-07-1983	आरम्भ	22-07-1985	आरम्भ	22-07-1988
अन्त	23-07-1983	अन्त	22-07-1985	अन्त	22-07-1988	अन्त	22-07-1992
<b>३ मिथुन</b>	22-12-1978	<b>२ वृष</b>	22-09-1983	<b>१ मेष</b>	22-10-1985	<b>२ वृष</b>	21-11-1988
<b>२ वृष</b>	23-05-1979	<b>१ मेष</b>	22-11-1983	<b>१२ मीन</b>	21-01-1986	<b>३ मिथुन</b>	23-03-1989
<b>१ मेष</b>	22-10-1979	<b>१२ मीन</b>	22-01-1984	<b>११ कुंभ</b>	22-04-1986	<b>४ कर्क</b>	22-07-1989
<b>१२ मीन</b>	22-03-1980	<b>११ कुंभ</b>	22-03-1984	<b>१० मकर</b>	23-07-1986	<b>५ सिंह</b>	21-11-1989
<b>११ कुंभ</b>	22-08-1980	<b>१० मकर</b>	22-05-1984	<b>९ धनु</b>	22-10-1986	<b>६ कन्या</b>	23-03-1990
<b>१० मकर</b>	21-01-1981	<b>९ धनु</b>	22-07-1984	<b>८ वृश्चिक</b>	21-01-1987	<b>७ तुला</b>	23-07-1990
<b>९ धनु</b>	22-06-1981	<b>८ वृश्चिक</b>	21-09-1984	<b>७ तुला</b>	21-11-1984	<b>८ वृश्चिक</b>	21-11-1990
<b>८ वृश्चिक</b>	21-11-1981	<b>६ कन्या</b>	21-01-1985	<b>५ सिंह</b>	23-03-1985	<b>९ धनु</b>	23-03-1991
<b>७ तुला</b>	22-04-1982	<b>५ सिंह</b>	23-03-1985	<b>४ कर्क</b>	22-01-1988	<b>१० मकर</b>	23-07-1991
<b>६ कन्या</b>	22-09-1982	<b>४ कर्क</b>	23-05-1985	<b>३ मिथुन</b>	22-04-1988	<b>११ कुंभ</b>	22-11-1991
<b>५ सिंह</b>	21-02-1983	<b>३ मिथुन</b>	22-07-1985	<b>२ वृष</b>	22-07-1988	<b>१२ मीन</b>	22-03-1992
<b>४ कर्क</b>	23-07-1983			<b>१ मेष</b>	22-07-1992		

मीन (९व)	१३व११म	कुंभ (६व)	२२व११म	मकर (५व)	२९व०म	धनु (६व)	३३व११म
आरम्भ	22-07-1992	आरम्भ	22-07-2001	आरम्भ	23-07-2007	आरम्भ	22-07-2012
अन्त	22-07-2001	अन्त	23-07-2007	अन्त	22-07-2012	अन्त	22-07-2018
<b>१ मेष</b>	22-04-1993	<b>१२ मीन</b>	21-01-2002	<b>९ धनु</b>	22-12-2007	<b>८ वृश्चिक</b>	21-01-2013
<b>२ वृष</b>	21-01-1994	<b>१ मेष</b>	23-07-2002	<b>८ वृश्चिक</b>	22-05-2008	<b>७ तुला</b>	22-07-2013
<b>३ मिथुन</b>	22-10-1994	<b>२ वृष</b>	21-01-2003	<b>७ तुला</b>	21-10-2008	<b>६ कन्या</b>	21-01-2014
<b>४ कर्क</b>	23-07-1995	<b>३ मिथुन</b>	23-07-2003	<b>६ कन्या</b>	23-03-2009	<b>५ सिंह</b>	22-07-2014
<b>५ सिंह</b>	22-04-1996	<b>४ कर्क</b>	21-01-2004	<b>५ सिंह</b>	22-08-2009	<b>४ कर्क</b>	21-01-2015
<b>६ कन्या</b>	21-01-1997	<b>५ सिंह</b>	22-07-2004	<b>४ कर्क</b>	21-01-2010	<b>३ मिथुन</b>	23-07-2015
<b>७ तुला</b>	22-10-1997	<b>६ कन्या</b>	21-01-2005	<b>३ मिथुन</b>	22-06-2010	<b>२ वृष</b>	21-01-2016
<b>८ वृश्चिक</b>	23-07-1998	<b>७ तुला</b>	22-07-2005	<b>२ वृष</b>	21-11-2010	<b>१ मेष</b>	22-07-2016
<b>९ धनु</b>	23-04-1999	<b>८ वृश्चिक</b>	21-01-2006	<b>१ मेष</b>	22-04-2011	<b>१२ मीन</b>	21-01-2017
<b>१० मकर</b>	21-01-2000	<b>९ धनु</b>	23-07-2006	<b>१२ मीन</b>	22-09-2011	<b>११ कुंभ</b>	22-07-2017
<b>११ कुंभ</b>	21-10-2000	<b>१० मकर</b>	21-01-2007	<b>११ कुंभ</b>	21-02-2012	<b>१० मकर</b>	21-01-2018
<b>१२ मीन</b>	22-07-2001	<b>११ कुंभ</b>	23-07-2007	<b>१० मकर</b>	22-07-2012	<b>९ धनु</b>	22-07-2018

वृश्चिक (९व)	३९व११म	तुला (१०व)	४९व०म	कन्या (१व)	५८व११म	सिंह (१व)	५९व११म
आरम्भ	22-07-2018	आरम्भ	23-07-2027	आरम्भ	22-07-2037	आरम्भ	22-07-2038
अन्त	23-07-2027	अन्त	22-07-2037	अन्त	22-07-2038	अन्त	23-07-2039
<b>७ तुला</b>	22-04-2019	<b>८ वृश्चिक</b>	22-05-2028	<b>७ तुला</b>	21-08-2037	<b>६ कन्या</b>	22-08-2038
<b>६ कन्या</b>	21-01-2020	<b>९ धनु</b>	22-03-2029	<b>८ वृश्चिक</b>	21-09-2037	<b>७ तुला</b>	21-09-2038
<b>५ सिंह</b>	21-10-2020	<b>१० मकर</b>	21-01-2030	<b>९ धनु</b>	21-10-2037	<b>८ वृश्चिक</b>	22-10-2038
<b>४ कर्क</b>	22-07-2021	<b>११ कुंभ</b>	21-11-2030	<b>१० मकर</b>	21-11-2037	<b>९ धनु</b>	21-11-2038
<b>३ मिथुन</b>	22-04-2022	<b>१२ मीन</b>	21-09-2031	<b>११ कुंभ</b>	21-12-2037	<b>१० मकर</b>	21-12-2038
<b>२ वृष</b>	21-01-2023	<b>१ मेष</b>	22-07-2032	<b>१२ मीन</b>	21-01-2038	<b>११ कुंभ</b>	21-01-2039
<b>१ मेष</b>	22-10-2023	<b>२ वृष</b>	22-05-2033	<b>१ मेष</b>	20-02-2038	<b>१२ मीन</b>	20-02-2039
<b>१२ मीन</b>	22-07-2024	<b>३ मिथुन</b>	23-03-2034	<b>२ वृष</b>	23-03-2038	<b>१ मेष</b>	23-03-2039
<b>११ कुंभ</b>	22-04-2025	<b>४ कर्क</b>	21-01-2035	<b>३ मिथुन</b>	22-04-2038	<b>२ वृष</b>	22-04-2039
<b>१० मकर</b>	21-01-2026	<b>५ सिंह</b>	21-11-2035	<b>४ कर्क</b>	22-05-2038	<b>३ मिथुन</b>	23-05-2039
<b>९ धनु</b>	22-10-2026	<b>६ कन्या</b>	21-09-2036	<b>५ सिंह</b>	22-06-2038	<b>४ कर्क</b>	22-06-2039
<b>८ वृश्चिक</b>	23-07-2027	<b>७ तुला</b>	22-07-2037	<b>६ कन्या</b>	22-07-2038	<b>५ सिंह</b>	23-07-2039



## जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कर्क (5व)	61व0म	मिथुन (2व)	65व11म	वृष (3व)	67व11म	मेष (4व)	70व11म
आरम्भ	23-07-2039	आरम्भ	22-07-2044	आरम्भ	22-07-2046	आरम्भ	22-07-2049
अन्त	22-07-2044	अन्त	22-07-2046	अन्त	22-07-2049	अन्त	22-07-2053
3 मिथुन	22-12-2039	2 वृष	21-09-2044	1 मेष	22-10-2046	2 वृष	21-11-2049
2 वृष	22-05-2040	1 मेष	20-11-2044	12 मीन	21-01-2047	3 मिथुन	22-03-2050
1 मेष	21-10-2040	12 मीन	20-01-2045	11 कुंभ	22-04-2047	4 कर्क	22-07-2050
12 मीन	22-03-2041	11 कुंभ	22-03-2045	10 मकर	22-07-2047	5 सिंह	21-11-2050
11 कुंभ	21-08-2041	10 मकर	22-05-2045	9 धनु	22-10-2047	6 कन्या	23-03-2051
10 मकर	21-01-2042	9 धनु	22-07-2045	8 वृश्चिक	21-01-2048	7 तुला	22-07-2051
9 धनु	22-06-2042	8 वृश्चिक	21-09-2045	7 तुला	21-04-2048	8 वृश्चिक	21-11-2051
8 वृश्चिक	21-11-2042	7 तुला	21-11-2045	6 कन्या	22-07-2048	9 धनु	22-03-2052
7 तुला	22-04-2043	6 कन्या	21-01-2046	5 सिंह	21-10-2048	10 मकर	22-07-2052
6 कन्या	21-09-2043	5 सिंह	22-03-2046	4 कर्क	20-01-2049	11 कुंभ	20-11-2052
5 सिंह	21-02-2044	4 कर्क	22-05-2046	3 मिथुन	22-04-2049	12 मीन	22-03-2053
4 कर्क	22-07-2044	3 मिथुन	22-07-2046	2 वृष	22-07-2049	1 मेष	22-07-2053

मीन (9व)	74व11म	कुंभ (6व)	83व11म	मकर (5व)	89व11म	धनु (6व)	94व11म
आरम्भ	22-07-2053	आरम्भ	22-07-2062	आरम्भ	22-07-2068	आरम्भ	22-07-2073
अन्त	22-07-2062	अन्त	22-07-2068	अन्त	22-07-2073	अन्त	22-07-2079
1 मेष	22-04-2054	12 मीन	21-01-2063	9 धनु	21-12-2068	8 वृश्चिक	20-01-2074
2 वृष	21-01-2055	1 मेष	22-07-2063	8 वृश्चिक	22-05-2069	7 तुला	22-07-2074
3 मिथुन	22-10-2055	2 वृष	21-01-2064	7 तुला	21-10-2069	6 कन्या	21-01-2075
4 कर्क	22-07-2056	3 मिथुन	22-07-2064	6 कन्या	22-03-2070	5 सिंह	22-07-2075
5 सिंह	22-04-2057	4 कर्क	20-01-2065	5 सिंह	21-08-2070	4 कर्क	21-01-2076
6 कन्या	21-01-2058	5 सिंह	22-07-2065	4 कर्क	21-01-2071	3 मिथुन	21-07-2076
7 तुला	21-10-2058	6 कन्या	20-01-2066	3 मिथुन	22-06-2071	2 वृष	20-01-2077
8 वृश्चिक	22-07-2059	7 तुला	22-07-2066	2 वृष	21-11-2071	1 मेष	22-07-2077
9 धनु	21-04-2060	8 वृश्चिक	21-01-2067	1 मेष	21-04-2072	12 मीन	20-01-2078
10 मकर	20-01-2061	9 धनु	22-07-2067	12 मीन	20-09-2072	11 कुंभ	22-07-2078
11 कुंभ	21-10-2061	10 मकर	21-01-2068	11 कुंभ	20-02-2073	10 मकर	21-01-2079
12 मीन	22-07-2062	11 कुंभ	22-07-2068	10 मकर	22-07-2073	9 धनु	22-07-2079

वृश्चिक (9व)	100व11म	तुला (10व)	109व11म	कन्या (1व)	119व11म	सिंह (1व)	120व11म
आरम्भ	22-07-2079	आरम्भ	21-07-2088	आरम्भ	22-07-2098	आरम्भ	22-07-2099
अन्त	21-07-2088	अन्त	22-07-2098	अन्त	22-07-2099	अन्त	22-07-2100
7 तुला	21-04-2080	8 वृश्चिक	22-05-2089	7 तुला	21-08-2098	6 कन्या	21-08-2099
6 कन्या	20-01-2081	9 धनु	22-03-2090	8 वृश्चिक	21-09-2098	7 तुला	21-09-2099
5 सिंह	21-10-2081	10 मकर	20-01-2091	9 धनु	21-10-2098	8 वृश्चिक	21-10-2099
4 कर्क	22-07-2082	11 कुंभ	21-11-2091	10 मकर	21-11-2098	9 धनु	21-11-2099
3 मिथुन	22-04-2083	12 मीन	20-09-2092	11 कुंभ	21-12-2098	10 मकर	21-12-2099
2 वृष	21-01-2084	1 मेष	22-07-2093	12 मीन	20-01-2099	11 कुंभ	21-01-2100
1 मेष	21-10-2084	2 वृष	22-05-2094	1 मेष	20-02-2099	12 मीन	20-02-2100
12 मीन	22-07-2085	3 मिथुन	22-03-2095	2 वृष	22-03-2099	1 मेष	23-03-2100
11 कुंभ	22-04-2086	4 कर्क	21-01-2096	3 मिथुन	22-04-2099	2 वृष	22-04-2100
10 मकर	21-01-2087	5 सिंह	20-11-2096	4 कर्क	22-05-2099	3 मिथुन	22-05-2100
9 धनु	21-10-2087	6 कन्या	20-09-2097	5 सिंह	22-06-2099	4 कर्क	22-06-2100
8 वृश्चिक	21-07-2088	7 तुला	22-07-2098	6 कन्या	22-07-2099	5 सिंह	22-07-2100



## जैमिनी स्थिर दशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मिथुन (9व)	0वर्ष	कर्क (7व)	9वर्ष	सिंह (8व)	16वर्ष	कन्या (9व)	24वर्ष
आरम्भ	23-07-1978	आरम्भ	23-07-1987	आरम्भ	23-07-1994	आरम्भ	23-07-2002
अन्त	23-07-1987	अन्त	23-07-1994	अन्त	23-07-2002 <th>अन्त</th> <td>23-07-2011</td>	अन्त	23-07-2011
<b>3</b> मिथुन	23-04-1979	<b>4</b> कर्क	21-02-1988	<b>5</b> सिंह	23-03-1995	<b>12</b> मीन	22-04-2003
<b>4</b> कर्क	22-01-1980	<b>3</b> मिथुन	21-09-1988	<b>6</b> कन्या	22-11-1995	<b>11</b> कुंभ	21-01-2004
<b>5</b> सिंह	22-10-1980	<b>2</b> वृष	22-04-1989	<b>7</b> तुला	22-07-1996	<b>10</b> मकर	21-10-2004
<b>6</b> कन्या	22-07-1981	<b>1</b> मेष	21-11-1989	<b>8</b> वृश्चिक	23-03-1997	<b>9</b> धनु	22-07-2005
<b>7</b> तुला	22-04-1982	<b>12</b> मीन	22-06-1990	<b>9</b> धनु	21-11-1997	<b>8</b> वृश्चिक	22-04-2006
<b>8</b> वृश्चिक	21-01-1983	<b>11</b> कुंभ	21-01-1991	<b>10</b> मकर	23-07-1998	<b>7</b> तुला	21-01-2007
<b>9</b> धनु	22-10-1983	<b>10</b> मकर	22-08-1991	<b>11</b> कुंभ	23-03-1999	<b>6</b> कन्या	22-10-2007
<b>10</b> मकर	22-07-1984	<b>9</b> धनु	22-03-1992	<b>12</b> मीन	22-11-1999	<b>5</b> सिंह	22-07-2008
<b>11</b> कुंभ	22-04-1985	<b>8</b> वृश्चिक	21-10-1992	<b>1</b> मेष	22-07-2000	<b>4</b> कर्क	22-04-2009
<b>12</b> मीन	21-01-1986	<b>7</b> तुला	23-05-1993	<b>2</b> वृष	23-03-2001	<b>3</b> मिथुन	21-01-2010
<b>1</b> मेष	22-10-1986	<b>6</b> कन्या	22-12-1993	<b>3</b> मिथुन	21-11-2001	<b>2</b> वृष	22-10-2010
<b>2</b> वृष	23-07-1987	<b>5</b> सिंह	23-07-1994	<b>4</b> कर्क	23-07-2002	<b>1</b> मेष	23-07-2011

तुला (7व)	33वर्ष	वृश्चिक (8व)	39वर्ष	धनु (9व)	47वर्ष	मकर (7व)	57वर्ष
आरम्भ	23-07-2011	आरम्भ	22-07-2018	आरम्भ	22-07-2026	आरम्भ	23-07-2035
अन्त	22-07-2018	अन्त	22-07-2026	अन्त	23-07-2035	अन्त	22-07-2042
<b>1</b> मेष	21-02-2012	<b>8</b> वृश्चिक	23-03-2019	<b>3</b> मिथुन	22-04-2027	<b>4</b> कर्क	21-02-2036
<b>2</b> वृष	21-09-2012	<b>7</b> तुला	21-11-2019	<b>4</b> कर्क	21-01-2028	<b>3</b> मिथुन	21-09-2036
<b>3</b> मिथुन	22-04-2013	<b>6</b> कन्या	22-07-2020	<b>5</b> सिंह	21-10-2028	<b>2</b> वृष	22-04-2037
<b>4</b> कर्क	21-11-2013	<b>5</b> सिंह	22-03-2021	<b>6</b> कन्या	22-07-2029	<b>1</b> मेष	21-11-2037
<b>5</b> सिंह	22-06-2014	<b>4</b> कर्क	21-11-2021	<b>7</b> तुला	22-04-2030	<b>12</b> मीन	22-06-2038
<b>6</b> कन्या	21-01-2015	<b>3</b> मिथुन	22-07-2022	<b>8</b> वृश्चिक	21-01-2031	<b>11</b> कुंभ	21-01-2039
<b>7</b> तुला	22-08-2015	<b>2</b> वृष	23-03-2023	<b>9</b> धनु	22-10-2031	<b>10</b> मकर	22-08-2039
<b>8</b> वृश्चिक	22-03-2016	<b>1</b> मेष	21-11-2023	<b>10</b> मकर	22-07-2032	<b>9</b> धनु	22-03-2040
<b>9</b> धनु	21-10-2016	<b>12</b> मीन	22-07-2024	<b>11</b> कुंभ	22-04-2033	<b>8</b> वृश्चिक	21-10-2040
<b>10</b> मकर	22-05-2017	<b>11</b> कुंभ	22-03-2025	<b>12</b> मीन	21-01-2034	<b>7</b> तुला	22-05-2041
<b>11</b> कुंभ	21-12-2017	<b>10</b> मकर	21-11-2025	<b>1</b> मेष	22-10-2034	<b>6</b> कन्या	21-12-2041
<b>12</b> मीन	22-07-2018	<b>9</b> धनु	22-07-2026	<b>2</b> वृष	23-07-2035	<b>5</b> सिंह	22-07-2042

कुंभ (8व)	63वर्ष	मीन (9व)	71वर्ष	मेष (7व)	80वर्ष	वृष (8व)	87वर्ष
आरम्भ	22-07-2042	आरम्भ	22-07-2050	आरम्भ	22-07-2059	आरम्भ	22-07-2066
अन्त	22-07-2050	अन्त	22-07-2059	अन्त	22-07-2066 <th>अन्त</th> <td>22-07-2074</td>	अन्त	22-07-2074
<b>5</b> सिंह	23-03-2043	<b>12</b> मीन	22-04-2051	<b>1</b> मेष	20-02-2060	<b>8</b> वृश्चिक	23-03-2067
<b>6</b> कन्या	21-11-2043	<b>11</b> कुंभ	21-01-2052	<b>2</b> वृष	20-09-2060	<b>7</b> तुला	21-11-2067
<b>7</b> तुला	22-07-2044	<b>10</b> मकर	21-10-2052	<b>3</b> मिथुन	22-04-2061	<b>6</b> कन्या	22-07-2068
<b>8</b> वृश्चिक	22-03-2045	<b>9</b> धनु	22-07-2053	<b>4</b> कर्क	21-11-2061	<b>5</b> सिंह	22-03-2069
<b>9</b> धनु	21-11-2045	<b>8</b> वृश्चिक	22-04-2054	<b>5</b> सिंह	22-06-2062	<b>4</b> कर्क	21-11-2069
<b>10</b> मकर	22-07-2046	<b>7</b> तुला	21-01-2055	<b>6</b> कन्या	21-01-2063	<b>3</b> मिथुन	22-07-2070
<b>11</b> कुंभ	23-03-2047	<b>6</b> कन्या	22-10-2055	<b>7</b> तुला	22-08-2063	<b>2</b> वृष	23-03-2071
<b>12</b> मीन	21-11-2047	<b>5</b> सिंह	22-07-2056	<b>8</b> वृश्चिक	22-03-2064	<b>1</b> मेष	21-11-2071
<b>1</b> मेष	22-07-2048	<b>4</b> कर्क	22-04-2057	<b>9</b> धनु	21-10-2064	<b>12</b> मीन	22-07-2072
<b>2</b> वृष	22-03-2049	<b>3</b> मिथुन	21-01-2058	<b>10</b> मकर	22-05-2065	<b>11</b> कुंभ	22-03-2073
<b>3</b> मिथुन	21-11-2049	<b>2</b> वृष	21-10-2058	<b>11</b> कुंभ	21-12-2065	<b>10</b> मकर	21-11-2073
<b>4</b> कर्क	22-07-2050	<b>1</b> मेष	22-07-2059	<b>12</b> मीन	22-07-2066	<b>9</b> धनु	22-07-2074



## निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मीन (9व)	०व ०म	धनु (6व)	९व ०म	कन्या (1व)	१४व ११म	मिथुन (२व)	१६व ०म
आरम्भ	23-07-1978	आरम्भ	23-07-1987	आरम्भ	22-07-1993	आरम्भ	23-07-1994
अन्त	23-07-1987	अन्त	22-07-1993	अन्त	23-07-1994 <th>अन्त</th> <td>22-07-1996</td>	अन्त	22-07-1996
<b>12</b> मीन	23-07-1978	<b>३</b> मिथुन	23-07-1987	<b>१२</b> मीन	22-07-1993	<b>३</b> मिथुन	23-07-1994
<b>११</b> कुंभ	23-04-1979	<b>४</b> कक्ष	22-01-1988	<b>११</b> कुंभ	22-08-1993	<b>४</b> कक्ष	22-09-1994
<b>१०</b> मकर	22-01-1980	<b>५</b> सिंह	22-07-1988	<b>१०</b> मकर	21-09-1993	<b>५</b> सिंह	21-11-1994
<b>९</b> धनु	22-10-1980	<b>६</b> कन्या	21-01-1989	<b>९</b> धनु	22-10-1993	<b>६</b> कन्या	21-01-1995
<b>८</b> वृश्चिक	22-07-1981	<b>७</b> तुला	22-07-1989	<b>८</b> वृश्चिक	21-11-1993	<b>७</b> तुला	23-03-1995
<b>७</b> तुला	22-04-1982	<b>८</b> वृश्चिक	21-01-1990	<b>७</b> तुला	22-12-1993	<b>८</b> वृश्चिक	23-05-1995
<b>६</b> कन्या	21-01-1983	<b>९</b> धनु	23-07-1990	<b>६</b> कन्या	21-01-1994	<b>९</b> धनु	23-07-1995
<b>५</b> सिंह	22-10-1983	<b>१०</b> मकर	21-01-1991	<b>५</b> सिंह	20-02-1994	<b>१०</b> मकर	22-09-1995
<b>४</b> कक्ष	22-07-1984	<b>११</b> कुंभ	23-07-1991	<b>४</b> कक्ष	23-03-1994	<b>११</b> कुंभ	22-11-1995
<b>३</b> मिथुन	22-04-1985	<b>१२</b> मीन	22-01-1992	<b>३</b> मिथुन	22-04-1994	<b>१२</b> मीन	21-01-1996
<b>२</b> वृष	21-01-1986	<b>१</b> मेष	22-07-1992	<b>२</b> वृष	23-05-1994	<b>१</b> मेष	22-03-1996
<b>१</b> मेष	22-10-1986	<b>२</b> वृष	21-01-1993	<b>१</b> मेष	22-06-1994	<b>२</b> वृष	22-05-1996
मेष (४व)	१७व ११म	सिंह (१व)	२१व ११म	वृश्चिक (९व)	२२व ११म	कुंभ (६व)	३२व ०म
आरम्भ	22-07-1996	आरम्भ	22-07-2000	आरम्भ	22-07-2001 <th>आरम्भ</th> <td>23-07-2010</td>	आरम्भ	23-07-2010
अन्त	22-07-2000 <th>अन्त</th> <td>22-07-2001<th>अन्त</th><td>23-07-2010<th>अन्त</th><td>22-07-2016</td></td></td>	अन्त	22-07-2001 <th>अन्त</th> <td>23-07-2010<th>अन्त</th><td>22-07-2016</td></td>	अन्त	23-07-2010 <th>अन्त</th> <td>22-07-2016</td>	अन्त	22-07-2016
<b>१</b> मेष	22-07-1996	<b>५</b> सिंह	22-07-2000	<b>८</b> वृश्चिक	22-07-2001	<b>५</b> सिंह	23-07-2010
<b>२</b> वृष	21-11-1996	<b>६</b> कन्या	22-08-2000	<b>७</b> तुला	22-04-2002	<b>६</b> कन्या	21-01-2011
<b>३</b> मिथुन	23-03-1997	<b>७</b> तुला	21-09-2000	<b>६</b> कन्या	21-01-2003	<b>७</b> तुला	23-07-2011
<b>४</b> कक्ष	22-07-1997	<b>८</b> वृश्चिक	21-10-2000	<b>५</b> सिंह	22-10-2003	<b>८</b> वृश्चिक	21-01-2012
<b>५</b> सिंह	21-11-1997	<b>९</b> धनु	21-11-2000	<b>४</b> कक्ष	22-07-2004	<b>९</b> धनु	22-07-2012
<b>६</b> कन्या	23-03-1998	<b>१०</b> मकर	21-12-2000	<b>३</b> मिथुन	22-04-2005	<b>१०</b> मकर	21-01-2013
<b>७</b> तुला	23-07-1998	<b>११</b> कुंभ	21-01-2001	<b>२</b> वृष	21-01-2006	<b>११</b> कुंभ	22-07-2013
<b>८</b> वृश्चिक	21-11-1998	<b>१२</b> मीन	20-02-2001	<b>१</b> मेष	22-10-2006	<b>१२</b> मीन	21-01-2014
<b>९</b> धनु	23-03-1999	<b>१</b> मेष	23-03-2001	<b>१२</b> मीन	23-07-2007	<b>१</b> मेष	22-07-2014
<b>१०</b> मकर	23-07-1999	<b>२</b> वृष	22-04-2001	<b>११</b> कुंभ	22-04-2008	<b>२</b> वृष	21-01-2015
<b>११</b> कुंभ	22-11-1999	<b>३</b> मिथुन	22-05-2001	<b>१०</b> मकर	21-01-2009	<b>३</b> मिथुन	23-07-2015
<b>१२</b> मीन	22-03-2000	<b>४</b> कक्ष	22-06-2001	<b>९</b> धनु	22-10-2009	<b>४</b> कक्ष	21-01-2016
वृष (३व)	३७व ११म	कक्ष (५व)	४१व ०म	तुला (१०व)	४५व ११म	मकर (५व)	५५व ११म
आरम्भ	22-07-2016	आरम्भ	23-07-2019	आरम्भ	22-07-2024 <th>आरम्भ</th> <td>22-07-2034</td>	आरम्भ	22-07-2034
अन्त	23-07-2019	अन्त	22-07-2024	अन्त	22-07-2034 <th>अन्त</th> <td>23-07-2039</td>	अन्त	23-07-2039
<b>८</b> वृश्चिक	22-07-2016	<b>४</b> कक्ष	23-07-2019	<b>१</b> मेष	22-07-2024	<b>४</b> कक्ष	22-07-2034
<b>७</b> तुला	21-10-2016	<b>३</b> मिथुन	22-12-2019	<b>२</b> वृष	22-05-2025	<b>३</b> मिथुन	22-12-2034
<b>६</b> कन्या	21-01-2017	<b>२</b> वृष	22-05-2020	<b>३</b> मिथुन	23-03-2026	<b>२</b> वृष	23-05-2035
<b>५</b> सिंह	22-04-2017	<b>१</b> मेष	21-10-2020	<b>४</b> कक्ष	21-01-2027	<b>१</b> मेष	22-10-2035
<b>४</b> कक्ष	22-07-2017	<b>१२</b> मीन	22-03-2021	<b>५</b> सिंह	21-11-2027	<b>१२</b> मीन	22-03-2036
<b>३</b> मिथुन	22-10-2017	<b>११</b> कुंभ	22-08-2021	<b>६</b> कन्या	21-09-2028	<b>११</b> कुंभ	21-08-2036
<b>२</b> वृष	21-01-2018	<b>१०</b> मकर	21-01-2022	<b>७</b> तुला	22-07-2029	<b>१०</b> मकर	20-01-2037
<b>१</b> मेष	22-04-2018	<b>९</b> धनु	22-06-2022	<b>८</b> वृश्चिक	22-05-2030	<b>९</b> धनु	22-06-2037
<b>१२</b> मीन	22-07-2018	<b>८</b> वृश्चिक	21-11-2022	<b>९</b> धनु	23-03-2031	<b>८</b> वृश्चिक	21-11-2037
<b>११</b> कुंभ	22-10-2018	<b>७</b> तुला	22-04-2023	<b>१०</b> मकर	21-01-2032	<b>७</b> तुला	22-04-2038
<b>१०</b> मकर	21-01-2019	<b>६</b> कन्या	22-09-2023	<b>११</b> कुंभ	21-11-2032	<b>६</b> कन्या	21-09-2038
<b>९</b> धनु	22-04-2019	<b>५</b> सिंह	21-02-2024	<b>१२</b> मीन	21-09-2033	<b>५</b> सिंह	20-02-2039



## निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मिथुन (2व)	61व ०म	मिथुन (2व)	70व ११म	मिथुन (2व)	80व ११म	मिथुन (2व)	91व ११म
आरम्भ	23-07-2039	आरम्भ	22-07-2041	आरम्भ	22-03-2050	आरम्भ	21-11-2054
अन्त	22-07-2041	अन्त	22-03-2050	अन्त	21-11-2054	अन्त	22-05-2060
3 मिथुन	23-07-2039	3 मिथुन	22-07-2041	7 तुला	22-03-2050	7 तुला	21-11-2054
4 कर्क	21-09-2039	4 कर्क	22-05-2042	8 वृश्चिक	22-05-2050	8 वृश्चिक	21-09-2055
5 सिंह	21-11-2039	5 सिंह	23-03-2043	9 धनु	22-07-2050	9 धनु	22-07-2056
6 कन्या	21-01-2040	6 कन्या	21-01-2044	10 मकर	21-09-2050	10 मकर	22-05-2057
7 तुला	22-03-2040	7 तुला	20-11-2044	11 कुंभ	21-11-2050	11 कुंभ	22-03-2058
8 वृश्चिक	22-05-2040	8 वृश्चिक	21-09-2045	12 मीन	21-01-2051	12 मीन	21-01-2059
9 धनु	22-07-2040	9 धनु	22-07-2046	1 मेष	23-03-2051	8 वृश्चिक	21-11-2059
10 मकर	21-09-2040	10 मकर	23-05-2047	2 वृष	23-05-2051	7 तुला	22-12-2059
11 कुंभ	21-11-2040	11 कुंभ	22-03-2048	3 मिथुन	22-07-2051	6 कन्या	21-01-2060
12 मीन	20-01-2041	12 मीन	20-01-2049	4 कर्क	22-05-2052	5 सिंह	20-02-2060
1 मेष	22-03-2041	5 सिंह	21-11-2049	5 सिंह	22-03-2053	4 कर्क	22-03-2060
2 वृष	22-05-2041	6 कन्या	21-01-2050	6 कन्या	21-01-2054	3 मिथुन	21-04-2060
कन्या (1व)	97व ११म	कन्या (1व)	105व ११म	धनु (6व)	116व ११म	मेष (4व)	119व ११म
आरम्भ	22-05-2060	आरम्भ	21-09-2069	आरम्भ	21-01-2076	आरम्भ	22-03-2080
अन्त	21-09-2069	अन्त	21-01-2076	अन्त	22-03-2080	अन्त	21-12-2084
2 वृष	22-05-2060	2 वृष	21-09-2069	2 वृष	21-01-2076	12 मीन	22-03-2080
1 मेष	21-06-2060	3 मिथुन	22-07-2070	1 मेष	21-07-2076	1 मेष	21-07-2080
12 मीन	22-07-2060	4 कर्क	21-01-2071	2 वृष	20-11-2076	2 वृष	22-03-2081
11 कुंभ	21-06-2061	5 सिंह	22-07-2071	3 मिथुन	22-03-2077	3 मिथुन	20-11-2081
10 मकर	22-05-2062	6 कन्या	21-01-2072	4 कर्क	22-07-2077	4 कर्क	22-07-2082
9 धनु	22-04-2063	7 तुला	22-07-2072	5 सिंह	20-11-2077	5 सिंह	22-03-2083
8 वृश्चिक	22-03-2064	8 वृश्चिक	20-01-2073	6 कन्या	22-03-2078	6 कन्या	21-11-2083
7 तुला	20-02-2065	9 धनु	22-07-2073	7 तुला	22-07-2078	5 सिंह	21-07-2084
6 कन्या	20-01-2066	10 मकर	20-01-2074	8 वृश्चिक	21-11-2078	6 कन्या	21-08-2084
5 सिंह	21-12-2066	11 कुंभ	22-07-2074	9 धनु	22-03-2079	7 तुला	20-09-2084
4 कर्क	21-11-2067	12 मीन	21-01-2075	10 मकर	22-07-2079	8 वृश्चिक	21-10-2084
3 मिथुन	21-10-2068	1 मेष	22-07-2075	11 कुंभ	21-11-2079	9 धनु	20-11-2084
सिंह (1व)	125व ११म	सिंह (1व)	134व ११म	कुंभ (6व)	141व ११म	वृष (3व)	144व ०म
आरम्भ	21-12-2084	आरम्भ	20-02-2090	आरम्भ	22-07-2099	आरम्भ	21-01-2105
अन्त	20-02-2090	अन्त	22-07-2099	अन्त	21-01-2105	अन्त	21-01-2109
10 मकर	21-12-2084	10 मकर	20-02-2090	7 तुला	22-07-2099	6 कन्या	21-01-2105
11 कुंभ	20-01-2085	11 कुंभ	20-01-2091	8 वृश्चिक	21-01-2100	5 सिंह	22-04-2105
12 मीन	19-02-2085	12 मीन	21-12-2091	9 धनु	22-07-2100	4 कर्क	23-07-2105
1 मेष	22-03-2085	1 मेष	20-11-2092	10 मकर	21-01-2101	3 मिथुन	22-10-2105
2 वृष	21-04-2085	2 वृष	21-10-2093	11 कुंभ	23-07-2101	2 वृष	21-01-2106
3 मिथुन	22-05-2085	3 मिथुन	21-09-2094	12 मीन	21-01-2102	1 मेष	22-04-2106
4 कर्क	21-06-2085	8 वृश्चिक	22-07-2095	1 मेष	23-07-2102	12 मीन	23-07-2106
5 सिंह	22-07-2085	7 तुला	21-04-2096	2 वृष	21-01-2103	11 कुंभ	22-10-2106
6 कन्या	21-06-2086	6 कन्या	20-01-2097	3 मिथुन	23-07-2103	10 मकर	21-01-2107
7 तुला	22-05-2087	5 सिंह	21-10-2097	4 कर्क	22-01-2104	9 धनु	23-04-2107
8 वृश्चिक	21-04-2088	5 सिंह	22-07-2098	8 वृश्चिक	22-07-2104	8 वृश्चिक	23-07-2107
9 धनु	22-03-2089	6 कन्या	20-01-2099	7 तुला	22-10-2104	7 तुला	22-04-2108



## द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मीन (9व)	०व ०म*	धनु (6व)	९व ०म	कन्या (1व)	१४व ११म	मिथुन (2व)	१६व ०म
आरम्भ	23-07-1978	आरम्भ	23-07-1987	आरम्भ	22-07-1993	आरम्भ	23-07-1994
अन्त	23-07-1987	अन्त	22-07-1993	अन्त	23-07-1994 <th>अन्त</th> <td>22-07-1996</td>	अन्त	22-07-1996
<b>12</b> मीन	23-07-1978	<b>३</b> मिथुन	23-07-1987	<b>१२</b> मीन	22-07-1993	<b>३</b> मिथुन	23-07-1994
<b>११</b> कुंभ	23-04-1979	<b>४</b> कक्ष	22-01-1988	<b>११</b> कुंभ	22-08-1993	<b>४</b> कक्ष	22-09-1994
<b>१०</b> मकर	22-01-1980	<b>५</b> सिंह	22-07-1988	<b>१०</b> मकर	21-09-1993	<b>५</b> सिंह	21-11-1994
<b>९</b> धनु	22-10-1980	<b>६</b> कन्या	21-01-1989	<b>९</b> धनु	22-10-1993	<b>६</b> कन्या	21-01-1995
<b>८</b> वृश्चिक	22-07-1981	<b>७</b> तुला	22-07-1989	<b>८</b> वृश्चिक	21-11-1993	<b>७</b> तुला	23-03-1995
<b>७</b> तुला	22-04-1982	<b>८</b> वृश्चिक	21-01-1990	<b>७</b> तुला	22-12-1993	<b>८</b> वृश्चिक	23-05-1995
<b>६</b> कन्या	21-01-1983	<b>९</b> धनु	23-07-1990	<b>६</b> कन्या	21-01-1994	<b>९</b> धनु	23-07-1995
<b>५</b> सिंह	22-10-1983	<b>१०</b> मकर	21-01-1991	<b>५</b> सिंह	20-02-1994	<b>१०</b> मकर	22-09-1995
<b>४</b> कक्ष	22-07-1984	<b>११</b> कुंभ	23-07-1991	<b>४</b> कक्ष	23-03-1994	<b>११</b> कुंभ	22-11-1995
<b>३</b> मिथुन	22-04-1985	<b>१२</b> मीन	22-01-1992	<b>३</b> मिथुन	22-04-1994	<b>१२</b> मीन	21-01-1996
<b>२</b> वृष	21-01-1986	<b>१</b> मेष	22-07-1992	<b>२</b> वृष	23-05-1994	<b>१</b> मेष	22-03-1996
<b>१</b> मेष	22-10-1986	<b>२</b> वृष	21-01-1993	<b>१</b> मेष	22-06-1994	<b>२</b> वृष	22-05-1996
मेष (4व)	१७व ११म	सिंह (1व)	२१व ११म	वृश्चिक (9व)	२२व ११म	कुंभ (6व)	३२व ०म
आरम्भ	22-07-1996	आरम्भ	22-07-2000	आरम्भ	22-07-2001 <th>आरम्भ</th> <td>23-07-2010</td>	आरम्भ	23-07-2010
अन्त	22-07-2000 <th>अन्त</th> <td>22-07-2001<th>अन्त</th><td>23-07-2010<th>अन्त</th><td>22-07-2016</td></td></td>	अन्त	22-07-2001 <th>अन्त</th> <td>23-07-2010<th>अन्त</th><td>22-07-2016</td></td>	अन्त	23-07-2010 <th>अन्त</th> <td>22-07-2016</td>	अन्त	22-07-2016
<b>१</b> मेष	22-07-1996	<b>५</b> सिंह	22-07-2000	<b>८</b> वृश्चिक	22-07-2001	<b>५</b> सिंह	23-07-2010
<b>२</b> वृष	21-11-1996	<b>६</b> कन्या	22-08-2000	<b>७</b> तुला	22-04-2002	<b>६</b> कन्या	21-01-2011
<b>३</b> मिथुन	23-03-1997	<b>७</b> तुला	21-09-2000	<b>६</b> कन्या	21-01-2003	<b>७</b> तुला	23-07-2011
<b>४</b> कक्ष	22-07-1997	<b>८</b> वृश्चिक	21-10-2000	<b>५</b> सिंह	22-10-2003	<b>८</b> वृश्चिक	21-01-2012
<b>५</b> सिंह	21-11-1997	<b>९</b> धनु	21-11-2000	<b>४</b> कक्ष	22-07-2004	<b>९</b> धनु	22-07-2012
<b>६</b> कन्या	23-03-1998	<b>१०</b> मकर	21-12-2000	<b>३</b> मिथुन	22-04-2005	<b>१०</b> मकर	21-01-2013
<b>७</b> तुला	23-07-1998	<b>११</b> कुंभ	21-01-2001	<b>२</b> वृष	21-01-2006	<b>११</b> कुंभ	22-07-2013
<b>८</b> वृश्चिक	21-11-1998	<b>१२</b> मीन	20-02-2001	<b>१</b> मेष	22-10-2006	<b>१२</b> मीन	21-01-2014
<b>९</b> धनु	23-03-1999	<b>१</b> मेष	23-03-2001	<b>१२</b> मीन	23-07-2007	<b>१</b> मेष	22-07-2014
<b>१०</b> मकर	23-07-1999	<b>२</b> वृष	22-04-2001	<b>११</b> कुंभ	22-04-2008	<b>२</b> वृष	21-01-2015
<b>११</b> कुंभ	22-11-1999	<b>३</b> मिथुन	22-05-2001	<b>१०</b> मकर	21-01-2009	<b>३</b> मिथुन	23-07-2015
<b>१२</b> मीन	22-03-2000	<b>४</b> कक्ष	22-06-2001	<b>९</b> धनु	22-10-2009	<b>४</b> कक्ष	21-01-2016
वृष (3व)	३७व ११म	कक्ष (5व)	४१व ०म	तुला (10व)	४५व ११म	मकर (5व)	५५व ११म
आरम्भ	22-07-2016	आरम्भ	23-07-2019	आरम्भ	22-07-2024 <th>आरम्भ</th> <td>22-07-2034</td>	आरम्भ	22-07-2034
अन्त	23-07-2019	अन्त	22-07-2024	अन्त	22-07-2034 <th>अन्त</th> <td>23-07-2039</td>	अन्त	23-07-2039
<b>८</b> वृश्चिक	22-07-2016	<b>४</b> कक्ष	23-07-2019	<b>१</b> मेष	22-07-2024	<b>४</b> कक्ष	22-07-2034
<b>७</b> तुला	21-10-2016	<b>३</b> मिथुन	22-12-2019	<b>२</b> वृष	22-05-2025	<b>३</b> मिथुन	22-12-2034
<b>६</b> कन्या	21-01-2017	<b>२</b> वृष	22-05-2020	<b>३</b> मिथुन	23-03-2026	<b>२</b> वृष	23-05-2035
<b>५</b> सिंह	22-04-2017	<b>१</b> मेष	21-10-2020	<b>४</b> कक्ष	21-01-2027	<b>१</b> मेष	22-10-2035
<b>४</b> कक्ष	22-07-2017	<b>१२</b> मीन	22-03-2021	<b>५</b> सिंह	21-11-2027	<b>१२</b> मीन	22-03-2036
<b>३</b> मिथुन	22-10-2017	<b>११</b> कुंभ	22-08-2021	<b>६</b> कन्या	21-09-2028	<b>११</b> कुंभ	21-08-2036
<b>२</b> वृष	21-01-2018	<b>१०</b> मकर	21-01-2022	<b>७</b> तुला	22-07-2029	<b>१०</b> मकर	20-01-2037
<b>१</b> मेष	22-04-2018	<b>९</b> धनु	22-06-2022	<b>८</b> वृश्चिक	22-05-2030	<b>९</b> धनु	22-06-2037
<b>१२</b> मीन	22-07-2018	<b>८</b> वृश्चिक	21-11-2022	<b>९</b> धनु	23-03-2031	<b>८</b> वृश्चिक	21-11-2037
<b>११</b> कुंभ	22-10-2018	<b>७</b> तुला	22-04-2023	<b>१०</b> मकर	21-01-2032	<b>७</b> तुला	22-04-2038
<b>१०</b> मकर	21-01-2019	<b>६</b> कन्या	22-09-2023	<b>११</b> कुंभ	21-11-2032	<b>६</b> कन्या	21-09-2038
<b>९</b> धनु	22-04-2019	<b>५</b> सिंह	21-02-2024	<b>१२</b> मीन	21-09-2033	<b>५</b> सिंह	20-02-2039



## द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मिथुन (2व)	61व 0म	मिथुन (2व)	70व 11म	मिथुन (2व)	80व 11म	मिथुन (2व)	91व 11म
आरम्भ	23-07-2039	आरम्भ	22-07-2041	आरम्भ	22-03-2050	आरम्भ	21-11-2054
अन्त	22-07-2041	अन्त	22-03-2050	अन्त	21-11-2054	अन्त	22-05-2060
3 मिथुन	23-07-2039	3 मिथुन	22-07-2041	7 तुला	22-03-2050	7 तुला	21-11-2054
4 कर्क	21-09-2039	4 कर्क	22-05-2042	8 वृश्चिक	22-05-2050	8 वृश्चिक	21-09-2055
5 सिंह	21-11-2039	5 सिंह	23-03-2043	9 धनु	22-07-2050	9 धनु	22-07-2056
6 कन्या	21-01-2040	6 कन्या	21-01-2044	10 मकर	21-09-2050	10 मकर	22-05-2057
7 तुला	22-03-2040	7 तुला	20-11-2044	11 कुंभ	21-11-2050	11 कुंभ	22-03-2058
8 वृश्चिक	22-05-2040	8 वृश्चिक	21-09-2045	12 मीन	21-01-2051	12 मीन	21-01-2059
9 धनु	22-07-2040	9 धनु	22-07-2046	1 मेष	23-03-2051	8 वृश्चिक	21-11-2059
10 मकर	21-09-2040	10 मकर	23-05-2047	2 वृष	23-05-2051	7 तुला	22-12-2059
11 कुंभ	21-11-2040	11 कुंभ	22-03-2048	3 मिथुन	22-07-2051	6 कन्या	21-01-2060
12 मीन	20-01-2041	12 मीन	20-01-2049	4 कर्क	22-05-2052	5 सिंह	20-02-2060
1 मेष	22-03-2041	5 सिंह	21-11-2049	5 सिंह	22-03-2053	4 कर्क	22-03-2060
2 वृष	22-05-2041	6 कन्या	21-01-2050	6 कन्या	21-01-2054	3 मिथुन	21-04-2060
कन्या (1व)	97व 11म	कन्या (1व)	105व 11म	धनु (6व)	116व 11म	मेष (4व)	119व 11म
आरम्भ	22-05-2060	आरम्भ	21-09-2069	आरम्भ	21-01-2076	आरम्भ	22-03-2080
अन्त	21-09-2069	अन्त	21-01-2076	अन्त	22-03-2080	अन्त	21-12-2084
2 वृष	22-05-2060	2 वृष	21-09-2069	2 वृष	21-01-2076	12 मीन	22-03-2080
1 मेष	21-06-2060	3 मिथुन	22-07-2070	1 मेष	21-07-2076	1 मेष	21-07-2080
12 मीन	22-07-2060	4 कर्क	21-01-2071	2 वृष	20-11-2076	2 वृष	22-03-2081
11 कुंभ	21-06-2061	5 सिंह	22-07-2071	3 मिथुन	22-03-2077	3 मिथुन	20-11-2081
10 मकर	22-05-2062	6 कन्या	21-01-2072	4 कर्क	22-07-2077	4 कर्क	22-07-2082
9 धनु	22-04-2063	7 तुला	22-07-2072	5 सिंह	20-11-2077	5 सिंह	22-03-2083
8 वृश्चिक	22-03-2064	8 वृश्चिक	20-01-2073	6 कन्या	22-03-2078	6 कन्या	21-11-2083
7 तुला	20-02-2065	9 धनु	22-07-2073	7 तुला	22-07-2078	5 सिंह	21-07-2084
6 कन्या	20-01-2066	10 मकर	20-01-2074	8 वृश्चिक	21-11-2078	6 कन्या	21-08-2084
5 सिंह	21-12-2066	11 कुंभ	22-07-2074	9 धनु	22-03-2079	7 तुला	20-09-2084
4 कर्क	21-11-2067	12 मीन	21-01-2075	10 मकर	22-07-2079	8 वृश्चिक	21-10-2084
3 मिथुन	21-10-2068	1 मेष	22-07-2075	11 कुंभ	21-11-2079	9 धनु	20-11-2084
सिंह (1व)	125व 11म	सिंह (1व)	134व 11म	कुंभ (6व)	141व 11म	वृष (3व)	144व 0म
आरम्भ	21-12-2084	आरम्भ	20-02-2090	आरम्भ	22-07-2099	आरम्भ	21-01-2105
अन्त	20-02-2090	अन्त	22-07-2099	अन्त	21-01-2105	अन्त	21-01-2109
10 मकर	21-12-2084	10 मकर	20-02-2090	7 तुला	22-07-2099	6 कन्या	21-01-2105
11 कुंभ	20-01-2085	11 कुंभ	20-01-2091	8 वृश्चिक	21-01-2100	5 सिंह	22-04-2105
12 मीन	19-02-2085	12 मीन	21-12-2091	9 धनु	22-07-2100	4 कर्क	23-07-2105
1 मेष	22-03-2085	1 मेष	20-11-2092	10 मकर	21-01-2101	3 मिथुन	22-10-2105
2 वृष	21-04-2085	2 वृष	21-10-2093	11 कुंभ	23-07-2101	2 वृष	21-01-2106
3 मिथुन	22-05-2085	3 मिथुन	21-09-2094	12 मीन	21-01-2102	1 मेष	22-04-2106
4 कर्क	21-06-2085	8 वृश्चिक	22-07-2095	1 मेष	23-07-2102	12 मीन	23-07-2106
5 सिंह	22-07-2085	7 तुला	21-04-2096	2 वृष	21-01-2103	11 कुंभ	22-10-2106
6 कन्या	21-06-2086	6 कन्या	20-01-2097	3 मिथुन	23-07-2103	10 मकर	21-01-2107
7 तुला	22-05-2087	5 सिंह	21-10-2097	4 कर्क	22-01-2104	9 धनु	23-04-2107
8 वृश्चिक	21-04-2088	5 सिंह	22-07-2098	8 वृश्चिक	22-07-2104	8 वृश्चिक	23-07-2107
9 धनु	22-03-2089	6 कन्या	20-01-2099	7 तुला	22-10-2104	7 तुला	22-04-2108



## नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (10व)	०व ०म	वृश्चिक (9व)	९व ११म	धनु (6व)	१८व ११म	मकर (7व)	२५व ०म
आरम्भ	23-07-1978	आरम्भ	22-07-1988	आरम्भ	22-07-1997	आरम्भ	23-07-2003
अन्त	22-07-1988	अन्त	22-07-1997 <th>अन्त</th> <td>23-07-2003<th>अन्त</th><td>23-07-2010</td></td>	अन्त	23-07-2003 <th>अन्त</th> <td>23-07-2010</td>	अन्त	23-07-2010
1 मेष	23-07-1978	8 वृश्चिक	22-07-1988	3 मिथुन	22-07-1997	4 कर्क	23-07-2003
2 वृष	23-05-1979	7 तुला	22-04-1989	4 कर्क	21-01-1998	3 मिथुन	21-02-2004
3 मिथुन	22-03-1980	6 कन्या	21-01-1990	5 सिंह	23-07-1998	2 वृष	21-09-2004
4 कर्क	21-01-1981	5 सिंह	22-10-1990	6 कन्या	21-01-1999	1 मेष	22-04-2005
5 सिंह	21-11-1981	4 कर्क	23-07-1991	7 तुला	23-07-1999	12 मीन	21-11-2005
6 कन्या	22-09-1982	3 मिथुन	22-04-1992	8 वृश्चिक	21-01-2000	11 कुंभ	22-06-2006
7 तुला	23-07-1983	2 वृष	21-01-1993	9 धनु	22-07-2000	10 मकर	21-01-2007
8 वृश्चिक	22-05-1984	1 मेष	22-10-1993	10 मकर	21-01-2001	9 धनु	22-08-2007
9 धनु	23-03-1985	12 मीन	23-07-1994	11 कुंभ	22-07-2001	8 वृश्चिक	22-03-2008
10 मकर	21-01-1986	11 कुंभ	23-04-1995	12 मीन	21-01-2002	7 तुला	21-10-2008
11 कुंभ	21-11-1986	10 मकर	21-01-1996	1 मेष	23-07-2002	6 कन्या	22-05-2009
12 मीन	22-09-1987	9 धनु	21-10-1996	2 वृष	21-01-2003	5 सिंह	21-12-2009
कुंभ (6व)	३२व ०म	मीन (3व)	३७व ११म	मेष (4व)	४१व ०म	वृष (3व)	४५व ०म
आरम्भ	23-07-2010	आरम्भ	22-07-2016	आरम्भ	23-07-2019	आरम्भ	23-07-2023
अन्त	22-07-2016	अन्त	23-07-2019	अन्त	23-07-2023 <th>अन्त</th> <td>22-07-2026</td>	अन्त	22-07-2026
5 सिंह	23-07-2010	12 मीन	22-07-2016	1 मेष	23-07-2019	8 वृश्चिक	23-07-2023
6 कन्या	21-01-2011	11 कुंभ	21-10-2016	2 वृष	21-11-2019	7 तुला	22-10-2023
7 तुला	23-07-2011	10 मकर	21-01-2017	3 मिथुन	22-03-2020	6 कन्या	21-01-2024
8 वृश्चिक	21-01-2012	9 धनु	22-04-2017	4 कर्क	22-07-2020	5 सिंह	22-04-2024
9 धनु	22-07-2012	8 वृश्चिक	22-07-2017	5 सिंह	21-11-2020	4 कर्क	22-07-2024
10 मकर	21-01-2013	7 तुला	22-10-2017	6 कन्या	22-03-2021	3 मिथुन	21-10-2024
11 कुंभ	22-07-2013	6 कन्या	21-01-2018	7 तुला	22-07-2021	2 वृष	21-01-2025
12 मीन	21-01-2014	5 सिंह	22-04-2018	8 वृश्चिक	21-11-2021	1 मेष	22-04-2025
1 मेष	22-07-2014	4 कर्क	22-07-2018	9 धनु	23-03-2022	12 मीन	22-07-2025
2 वृष	21-01-2015	3 मिथुन	22-10-2018	10 मकर	22-07-2022	11 कुंभ	21-10-2025
3 मिथुन	23-07-2015	2 वृष	21-01-2019	11 कुंभ	21-11-2022	10 मकर	21-01-2026
4 कर्क	21-01-2016	1 मेष	22-04-2019	12 मीन	23-03-2023	9 धनु	22-04-2026
मिथुन (2व)	४७व ११म	कर्क (7व)	४९व ११म	सिंह (11व)	५७व ०म	कन्या (11व)	६७व ११म
आरम्भ	22-07-2026	आरम्भ	22-07-2028	आरम्भ	23-07-2035	आरम्भ	22-07-2046
अन्त	22-07-2028	अन्त	23-07-2035	अन्त	22-07-2046 <th>अन्त</th> <td>22-07-2057</td>	अन्त	22-07-2057
3 मिथुन	22-07-2026	4 कर्क	22-07-2028	5 सिंह	23-07-2035	12 मीन	22-07-2046
4 कर्क	21-09-2026	3 मिथुन	20-02-2029	6 कन्या	21-06-2036	11 कुंभ	22-06-2047
5 सिंह	21-11-2026	2 वृष	21-09-2029	7 तुला	22-05-2037	10 मकर	22-05-2048
6 कन्या	21-01-2027	1 मेष	22-04-2030	8 वृश्चिक	22-04-2038	9 धनु	22-04-2049
7 तुला	23-03-2027	12 मीन	21-11-2030	9 धनु	23-03-2039	8 वृश्चिक	22-03-2050
8 वृश्चिक	23-05-2027	11 कुंभ	22-06-2031	10 मकर	21-02-2040	7 तुला	20-02-2051
9 धनु	23-07-2027	10 मकर	21-01-2032	11 कुंभ	20-01-2041	6 कन्या	21-01-2052
10 मकर	21-09-2027	9 धनु	21-08-2032	12 मीन	21-12-2041	5 सिंह	21-12-2052
11 कुंभ	21-11-2027	8 वृश्चिक	22-03-2033	1 मेष	21-11-2042	4 कर्क	21-11-2053
12 मीन	21-01-2028	7 तुला	21-10-2033	2 वृष	22-10-2043	3 मिथुन	21-10-2054
1 मेष	22-03-2028	6 कन्या	22-05-2034	3 मिथुन	21-09-2044	2 वृष	21-09-2055
2 वृष	22-05-2028	5 सिंह	22-12-2034	4 कर्क	21-08-2045	1 मेष	21-08-2056



## नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (10व)	78व 11म	वृश्चिक (9व)	88व 11म	धनु (6व)	97व 11म	मकर (7व)	103व 11म
आरम्भ	22-07-2057	आरम्भ	22-07-2067	आरम्भ	21-07-2076	आरम्भ	22-07-2082
अन्त	22-07-2067	अन्त	21-07-2076	अन्त	22-07-2082	अन्त	22-07-2089
1 मेष	22-07-2057	8 वृश्चिक	22-07-2067	3 मिथुन	21-07-2076	4 कर्क	22-07-2082
2 वृष	22-05-2058	7 तुला	21-04-2068	4 कर्क	20-01-2077	3 मिथुन	20-02-2083
3 मिथुन	23-03-2059	6 कन्या	20-01-2069	5 सिंह	22-07-2077	2 वृष	21-09-2083
4 कर्क	21-01-2060	5 सिंह	21-10-2069	6 कन्या	20-01-2078	1 मेष	21-04-2084
5 सिंह	20-11-2060	4 कर्क	22-07-2070	7 तुला	22-07-2078	12 मीन	20-11-2084
6 कन्या	21-09-2061	3 मिथुन	22-04-2071	8 वृश्चिक	21-01-2079	11 कुंभ	21-06-2085
7 तुला	22-07-2062	2 वृष	21-01-2072	9 धनु	22-07-2079	10 मकर	20-01-2086
8 वृश्चिक	22-05-2063	1 मेष	21-10-2072	10 मकर	21-01-2080	9 धनु	21-08-2086
9 धनु	22-03-2064	12 मीन	22-07-2073	11 कुंभ	21-07-2080	8 वृश्चिक	22-03-2087
10 मकर	20-01-2065	11 कुंभ	22-04-2074	12 मीन	20-01-2081	7 तुला	21-10-2087
11 कुंभ	21-11-2065	10 मकर	21-01-2075	1 मेष	22-07-2081	6 कन्या	22-05-2088
12 मीन	21-09-2066	9 धनु	22-10-2075	2 वृष	20-01-2082	5 सिंह	21-12-2088
कुंभ (6व)	110व 11म	मीन (3व)	116व 11म	मेष (4व)	119व 11म	वृष (3व)	124व 0म
आरम्भ	22-07-2089	आरम्भ	22-07-2095	आरम्भ	22-07-2098	आरम्भ	23-07-2102
अन्त	22-07-2095	अन्त	22-07-2098	अन्त	23-07-2102	अन्त	23-07-2105
5 सिंह	22-07-2089	12 मीन	22-07-2095	1 मेष	22-07-2098	8 वृश्चिक	23-07-2102
6 कन्या	20-01-2090	11 कुंभ	21-10-2095	2 वृष	21-11-2098	7 तुला	22-10-2102
7 तुला	22-07-2090	10 मकर	21-01-2096	3 मिथुन	22-03-2099	6 कन्या	21-01-2103
8 वृश्चिक	20-01-2091	9 धनु	21-04-2096	4 कर्क	22-07-2099	5 सिंह	23-04-2103
9 धनु	22-07-2091	8 वृश्चिक	21-07-2096	5 सिंह	21-11-2099	4 कर्क	23-07-2103
10 मकर	21-01-2092	7 तुला	21-10-2096	6 कन्या	23-03-2100	3 मिथुन	22-10-2103
11 कुंभ	21-07-2092	6 कन्या	20-01-2097	7 तुला	22-07-2100	2 वृष	22-01-2104
12 मीन	20-01-2093	5 सिंह	21-04-2097	8 वृश्चिक	21-11-2100	1 मेष	22-04-2104
1 मेष	22-07-2093	4 कर्क	22-07-2097	9 धनु	23-03-2101	12 मीन	22-07-2104
2 वृष	20-01-2094	3 मिथुन	21-10-2097	10 मकर	23-07-2101	11 कुंभ	22-10-2104
3 मिथुन	22-07-2094	2 वृष	20-01-2098	11 कुंभ	21-11-2101	10 मकर	21-01-2105
4 कर्क	20-01-2095	1 मेष	22-04-2098	12 मीन	23-03-2102	9 धनु	22-04-2105
मिथुन (2व)	127व 0म	कर्क (7व)	129व 0म	सिंह (11व)	136व 0म	कन्या (11व)	146व 11म
आरम्भ	23-07-2105	आरम्भ	23-07-2107	आरम्भ	23-07-2114	आरम्भ	22-07-2125
अन्त	23-07-2107	अन्त	23-07-2114	अन्त	22-07-2125	अन्त	22-07-2136
3 मिथुन	23-07-2105	4 कर्क	23-07-2107	5 सिंह	23-07-2114	12 मीन	22-07-2125
4 कर्क	21-09-2105	3 मिथुन	21-02-2108	6 कन्या	22-06-2115	11 कुंभ	22-06-2126
5 सिंह	21-11-2105	2 वृष	21-09-2108	7 तुला	22-05-2116	10 मकर	23-05-2127
6 कन्या	21-01-2106	1 मेष	22-04-2109	8 वृश्चिक	22-04-2117	9 धनु	22-04-2128
7 तुला	23-03-2106	12 मीन	21-11-2109	9 धनु	23-03-2118	8 वृश्चिक	23-03-2129
8 वृश्चिक	23-05-2106	11 कुंभ	22-06-2110	10 मकर	21-02-2119	7 तुला	20-02-2130
9 धनु	23-07-2106	10 मकर	21-01-2111	11 कुंभ	22-01-2120	6 कन्या	21-01-2131
10 मकर	22-09-2106	9 धनु	22-08-2111	12 मीन	21-12-2120	5 सिंह	22-12-2131
11 कुंभ	22-11-2106	8 वृश्चिक	22-03-2112	1 मेष	21-11-2121	4 कर्क	21-11-2132
12 मीन	21-01-2107	7 तुला	22-10-2112	2 वृष	22-10-2122	3 मिथुन	22-10-2133
1 मेष	23-03-2107	6 कन्या	23-05-2113	3 मिथुन	22-09-2123	2 वृष	21-09-2134
2 वृष	23-05-2107	5 सिंह	22-12-2113	4 कर्क	22-08-2124	1 मेष	22-08-2135



## नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कर्क (5व)	०व ०म	मिथुन (2व)	५व ०म	वृष (3व)	६व ११म	मेष (4व)	९व ११म
आरम्भ	23-07-1978	आरम्भ	23-07-1983	आरम्भ	22-07-1985	आरम्भ	22-07-1988
अन्त	23-07-1983	अन्त	22-07-1985	अन्त	22-07-1988	अन्त	22-07-1992
4 कर्क	23-07-1978	3 मिथुन	23-07-1983	8 वृश्चिक	22-07-1985	1 मेष	22-07-1988
3 मिथुन	22-12-1978	4 कर्क	22-09-1983	7 तुला	22-10-1985	2 वृष	21-11-1988
2 वृष	23-05-1979	5 सिंह	22-11-1983	6 कन्या	21-01-1986	3 मिथुन	23-03-1989
1 मेष	22-10-1979	6 कन्या	22-01-1984	5 सिंह	22-04-1986	4 कर्क	22-07-1989
12 मीन	22-03-1980	7 तुला	22-03-1984	4 कर्क	23-07-1986	5 सिंह	21-11-1989
11 कुंभ	22-08-1980	8 वृश्चिक	22-05-1984	3 मिथुन	22-10-1986	6 कन्या	23-03-1990
10 मकर	21-01-1981	9 धनु	22-07-1984	2 वृष	21-01-1987	7 तुला	23-07-1990
9 धनु	22-06-1981	10 मकर	21-09-1984	1 मेष	23-04-1987	8 वृश्चिक	21-11-1990
8 वृश्चिक	21-11-1981	11 कुंभ	21-11-1984	12 मीन	23-07-1987	9 धनु	23-03-1991
7 तुला	22-04-1982	12 मीन	21-01-1985	11 कुंभ	22-10-1987	10 मकर	23-07-1991
6 कन्या	22-09-1982	1 मेष	23-03-1985	10 मकर	22-01-1988	11 कुंभ	22-11-1991
5 सिंह	21-02-1983	2 वृष	23-05-1985	9 धनु	22-04-1988	12 मीन	22-03-1992
<b>मीन (9व)</b>	<b>१३व ११म</b>	<b>कुंभ (6व)</b>	<b>२२व ११म</b>	<b>मकर (5व)</b>	<b>२९व ०म</b>	<b>धनु (6व)</b>	<b>३३व ११म</b>
आरम्भ	22-07-1992	आरम्भ	22-07-2001	आरम्भ	23-07-2007	आरम्भ	22-07-2012
अन्त	22-07-2001	अन्त	23-07-2007	अन्त	22-07-2012	अन्त	22-07-2018
12 मीन	22-07-1992	5 सिंह	22-07-2001	4 कर्क	23-07-2007	3 मिथुन	22-07-2012
11 कुंभ	22-04-1993	6 कन्या	21-01-2002	3 मिथुन	22-12-2007	4 कर्क	21-01-2013
10 मकर	21-01-1994	7 तुला	23-07-2002	2 वृष	22-05-2008	5 सिंह	22-07-2013
9 धनु	22-10-1994	8 वृश्चिक	21-01-2003	1 मेष	21-10-2008	6 कन्या	21-01-2014
8 वृश्चिक	23-07-1995	9 धनु	23-07-2003	12 मीन	23-03-2009	7 तुला	22-07-2014
7 तुला	22-04-1996	10 मकर	21-01-2004	11 कुंभ	22-08-2009	8 वृश्चिक	21-01-2015
6 कन्या	21-01-1997	11 कुंभ	22-07-2004	10 मकर	21-01-2010	9 धनु	23-07-2015
5 सिंह	22-10-1997	12 मीन	21-01-2005	9 धनु	22-06-2010	10 मकर	21-01-2016
4 कर्क	23-07-1998	1 मेष	22-07-2005	8 वृश्चिक	21-11-2010	11 कुंभ	22-07-2016
3 मिथुन	23-04-1999	2 वृष	21-01-2006	7 तुला	22-04-2011	12 मीन	21-01-2017
2 वृष	21-01-2000	3 मिथुन	23-07-2006	6 कन्या	22-09-2011	1 मेष	22-07-2017
1 मेष	21-10-2000	4 कर्क	21-01-2007	5 सिंह	21-02-2012	2 वृष	21-01-2018
<b>वृश्चिक (9व)</b>	<b>३९व ११म</b>	<b>तुला (10व)</b>	<b>४९व ०म</b>	<b>कन्या (1व)</b>	<b>५८व ११म</b>	<b>सिंह (1व)</b>	<b>५९व ११म</b>
आरम्भ	22-07-2018	आरम्भ	23-07-2027	आरम्भ	22-07-2037	आरम्भ	22-07-2038
अन्त	23-07-2027	अन्त	22-07-2037	अन्त	22-07-2038	अन्त	23-07-2039
8 वृश्चिक	22-07-2018	1 मेष	23-07-2027	12 मीन	22-07-2037	5 सिंह	22-07-2038
7 तुला	22-04-2019	2 वृष	22-05-2028	11 कुंभ	21-08-2037	6 कन्या	22-08-2038
6 कन्या	21-01-2020	3 मिथुन	22-03-2029	10 मकर	21-09-2037	7 तुला	21-09-2038
5 सिंह	21-10-2020	4 कर्क	21-01-2030	9 धनु	21-10-2037	8 वृश्चिक	22-10-2038
4 कर्क	22-07-2021	5 सिंह	21-11-2030	8 वृश्चिक	21-11-2037	9 धनु	21-11-2038
3 मिथुन	22-04-2022	6 कन्या	21-09-2031	7 तुला	21-12-2037	10 मकर	21-12-2038
2 वृष	21-01-2023	7 तुला	22-07-2032	6 कन्या	21-01-2038	11 कुंभ	21-01-2039
1 मेष	22-10-2023	8 वृश्चिक	22-05-2033	5 सिंह	20-02-2038	12 मीन	20-02-2039
12 मीन	22-07-2024	9 धनु	23-03-2034	4 कर्क	23-03-2038	1 मेष	23-03-2039
11 कुंभ	22-04-2025	10 मकर	21-01-2035	3 मिथुन	22-04-2038	2 वृष	22-04-2039
10 मकर	21-01-2026	11 कुंभ	21-11-2035	2 वृष	22-05-2038	3 मिथुन	23-05-2039
9 धनु	22-10-2026	12 मीन	21-09-2036	1 मेष	22-06-2038	4 कर्क	22-06-2039



## नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कर्क (5व)	61व 0म	कर्क (5व)	67व 11म	मिथुन (2व)	77व 11म	वृष (3व)	86व 11म
आरम्भ	23-07-2039	आरम्भ	22-07-2044	आरम्भ	22-03-2048	आरम्भ	21-10-2056
अन्त	22-07-2044	अन्त	22-03-2048	अन्त	20-11-2056	अन्त	21-04-2060
<b>4</b> कर्क	23-07-2039	<b>4</b> कर्क	22-07-2044	<b>1</b> मेष	22-03-2048	<b>7</b> तुला	21-10-2056
<b>3</b> मिथुन	22-12-2039	<b>3</b> मिथुन	20-02-2045	<b>2</b> वृष	22-05-2048	<b>6</b> कन्या	20-01-2057
<b>2</b> वृष	22-05-2040	<b>2</b> वृष	21-09-2045	<b>3</b> मिथुन	22-07-2048	<b>5</b> सिंह	22-04-2057
<b>1</b> मेष	21-10-2040	<b>1</b> मेष	22-04-2046	<b>4</b> कर्क	22-05-2049	<b>4</b> कर्क	22-07-2057
<b>12</b> मीन	22-03-2041	<b>5</b> सिंह	21-11-2046	<b>5</b> सिंह	22-03-2050	<b>3</b> मिथुन	21-10-2057
<b>11</b> कुंभ	21-08-2041	<b>6</b> कन्या	21-01-2047	<b>6</b> कन्या	21-01-2051	<b>2</b> वृष	21-01-2058
<b>10</b> मकर	21-01-2042	<b>7</b> तुला	23-03-2047	<b>7</b> तुला	21-11-2051	<b>1</b> मेष	22-04-2058
<b>9</b> धनु	22-06-2042	<b>8</b> वृश्चिक	23-05-2047	<b>8</b> वृश्चिक	21-09-2052	<b>12</b> मीन	22-07-2058
<b>8</b> वृश्चिक	21-11-2042	<b>9</b> धनु	22-07-2047	<b>9</b> धनु	22-07-2053	<b>11</b> कुंभ	21-10-2058
<b>7</b> तुला	22-04-2043	<b>10</b> मकर	21-09-2047	<b>10</b> मकर	22-05-2054	<b>10</b> मकर	21-01-2059
<b>6</b> कन्या	21-09-2043	<b>11</b> कुंभ	21-11-2047	<b>11</b> कुंभ	23-03-2055	<b>9</b> धनु	22-04-2059
<b>5</b> सिंह	21-02-2044	<b>12</b> मीन	21-01-2048	<b>12</b> मीन	21-01-2056	<b>8</b> वृश्चिक	22-07-2059
<b>वृष (3व)</b>	94व 11म	<b>मेष (4व)</b>	97व 11म	<b>मेष (4व)</b>	103व 11म	<b>कुंभ (6व)</b>	110व 11म
आरम्भ	21-04-2060	आरम्भ	23-03-2067	आरम्भ	20-11-2072	आरम्भ	21-01-2080
अन्त	23-03-2067	अन्त	20-11-2072	अन्त	21-01-2080	अन्त	21-06-2085
<b>7</b> तुला	21-04-2060	<b>6</b> कन्या	23-03-2067	<b>6</b> कन्या	20-11-2072	<b>12</b> मीन	21-01-2080
<b>6</b> कन्या	20-01-2061	<b>7</b> तुला	22-07-2067	<b>12</b> मीन	22-07-2073	<b>1</b> मेष	21-07-2080
<b>5</b> सिंह	21-10-2061	<b>8</b> वृश्चिक	21-11-2067	<b>11</b> कुंभ	22-04-2074	<b>2</b> वृष	20-01-2081
<b>4</b> कर्क	22-07-2062	<b>9</b> धनु	22-03-2068	<b>10</b> मकर	21-01-2075	<b>3</b> मिथुन	22-07-2081
<b>3</b> मिथुन	22-04-2063	<b>10</b> मकर	22-07-2068	<b>9</b> धनु	22-10-2075	<b>4</b> कर्क	20-01-2082
<b>2</b> वृष	21-01-2064	<b>11</b> कुंभ	20-11-2068	<b>5</b> सिंह	21-07-2076	<b>4</b> कर्क	22-07-2082
<b>1</b> मेष	21-10-2064	<b>12</b> मीन	22-03-2069	<b>6</b> कन्या	20-01-2077	<b>3</b> मिथुन	21-12-2082
<b>1</b> मेष	22-07-2065	<b>1</b> मेष	22-07-2069	<b>7</b> तुला	22-07-2077	<b>2</b> वृष	22-05-2083
<b>2</b> वृष	21-11-2065	<b>2</b> वृष	22-03-2070	<b>8</b> वृश्चिक	20-01-2078	<b>1</b> मेष	21-10-2083
<b>3</b> मिथुन	22-03-2066	<b>3</b> मिथुन	21-11-2070	<b>9</b> धनु	22-07-2078	<b>12</b> मीन	22-03-2084
<b>4</b> कर्क	22-07-2066	<b>4</b> कर्क	22-07-2071	<b>10</b> मकर	21-01-2079	<b>11</b> कुंभ	21-08-2084
<b>5</b> सिंह	21-11-2066	<b>5</b> सिंह	22-03-2072	<b>11</b> कुंभ	22-07-2079	<b>10</b> मकर	20-01-2085
<b>मकर (5व)</b>	116व 11म	<b>धनु (6व)</b>	119व 11म	<b>वृश्चिक (9व)</b>	121व 11म	<b>कन्या (1व)</b>	133व 0म
आरम्भ	21-06-2085	आरम्भ	20-01-2091	आरम्भ	21-10-2097	आरम्भ	23-05-2103
अन्त	20-01-2091	अन्त	21-10-2097	अन्त	23-05-2103	अन्त	22-11-2111
<b>9</b> धनु	21-06-2085	<b>6</b> कन्या	20-01-2091	<b>5</b> सिंह	21-10-2097	<b>10</b> मकर	23-05-2103
<b>8</b> वृश्चिक	20-11-2085	<b>7</b> तुला	22-07-2091	<b>1</b> मेष	22-07-2098	<b>9</b> धनु	22-04-2104
<b>7</b> तुला	22-04-2086	<b>8</b> वृश्चिक	21-01-2092	<b>2</b> वृष	22-05-2099	<b>8</b> वृश्चिक	23-03-2105
<b>6</b> कन्या	21-09-2086	<b>9</b> धनु	21-07-2092	<b>3</b> मिथुन	23-03-2100	<b>7</b> तुला	21-02-2106
<b>5</b> सिंह	20-02-2087	<b>10</b> मकर	20-01-2093	<b>6</b> कन्या	21-01-2101	<b>6</b> कन्या	21-01-2107
<b>4</b> कर्क	22-07-2087	<b>11</b> कुंभ	22-07-2093	<b>5</b> सिंह	20-02-2101	<b>5</b> सिंह	22-12-2107
<b>3</b> मिथुन	20-02-2088	<b>12</b> मीन	20-01-2094	<b>4</b> कर्क	23-03-2101	<b>4</b> कर्क	21-11-2108
<b>2</b> वृष	20-09-2088	<b>1</b> मेष	22-07-2094	<b>3</b> मिथुन	22-04-2101	<b>3</b> मिथुन	22-10-2109
<b>1</b> मेष	21-04-2089	<b>2</b> वृष	20-01-2095	<b>2</b> वृष	23-05-2101	<b>2</b> वृष	22-09-2110
<b>3</b> मिथुन	22-07-2089	<b>8</b> वृश्चिक	22-07-2095	<b>1</b> मेष	22-06-2101	<b>6</b> कन्या	22-08-2111
<b>4</b> कर्क	20-01-2090	<b>7</b> तुला	21-04-2096	<b>12</b> मीन	23-07-2101	<b>7</b> तुला	22-09-2111
<b>5</b> सिंह	22-07-2090	<b>6</b> कन्या	20-01-2097	<b>11</b> कुंभ	22-06-2102	<b>8</b> वृश्चिक	22-10-2111



## लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कर्क (5व)	०व ०म	मेष (4व)	५व ०म	मकर (5व)	९व ०म	तुला (10व)	१३व ११म
आरम्भ	23-07-1978	आरम्भ	23-07-1983	आरम्भ	23-07-1987	आरम्भ	22-07-1992
अन्त	23-07-1983	अन्त	23-07-1987	अन्त	22-07-1992	अन्त	23-07-2002
<b>4</b> कर्क	23-07-1978	<b>1</b> मेष	23-07-1983	<b>4</b> कर्क	23-07-1987	<b>1</b> मेष	22-07-1992
<b>3</b> मिथुन	22-12-1978	<b>2</b> वृष	22-11-1983	<b>3</b> मिथुन	22-12-1987	<b>2</b> वृष	23-05-1993
<b>2</b> वृष	23-05-1979	<b>3</b> मिथुन	22-03-1984	<b>2</b> वृष	22-05-1988	<b>3</b> मिथुन	23-03-1994
<b>1</b> मेष	22-10-1979	<b>4</b> कक	22-07-1984	<b>1</b> मेष	21-10-1988	<b>4</b> कक	21-01-1995
<b>12</b> मीन	22-03-1980	<b>5</b> सिंह	21-11-1984	<b>12</b> मीन	23-03-1989	<b>5</b> सिंह	22-11-1995
<b>11</b> कुंभ	22-08-1980	<b>6</b> कन्या	23-03-1985	<b>11</b> कुंभ	22-08-1989	<b>6</b> कन्या	21-09-1996
<b>10</b> मकर	21-01-1981	<b>7</b> तुला	22-07-1985	<b>10</b> मकर	21-01-1990	<b>7</b> तुला	22-07-1997
<b>9</b> धनु	22-06-1981	<b>8</b> वृश्चिक	21-11-1985	<b>9</b> धनु	22-06-1990	<b>8</b> वृश्चिक	23-05-1998
<b>8</b> वृश्चिक	21-11-1981	<b>9</b> धनु	23-03-1986	<b>8</b> वृश्चिक	21-11-1990	<b>9</b> धनु	23-03-1999
<b>7</b> तुला	22-04-1982	<b>10</b> मकर	23-07-1986	<b>7</b> तुला	23-04-1991	<b>10</b> मकर	21-01-2000
<b>6</b> कन्या	22-09-1982	<b>11</b> कुंभ	21-11-1986	<b>6</b> कन्या	22-09-1991	<b>11</b> कुंभ	21-11-2000
<b>5</b> सिंह	21-02-1983	<b>12</b> मीन	23-03-1987	<b>5</b> सिंह	21-02-1992	<b>12</b> मीन	21-09-2001

मिथुन (2व)	२४व ०म	मीन (9व)	२५व ११म	धनु (6व)	३४व ११म	कन्या (1व)	४१व ०म
आरम्भ	23-07-2002	आरम्भ	22-07-2004	आरम्भ	22-07-2013	आरम्भ	23-07-2019
अन्त	22-07-2004	अन्त	22-07-2013	अन्त	23-07-2019	अन्त	22-07-2020
<b>3</b> मिथुन	23-07-2002	<b>12</b> मीन	22-07-2004	<b>3</b> मिथुन	22-07-2013	<b>12</b> मीन	23-07-2019
<b>4</b> कक	21-09-2002	<b>11</b> कुंभ	22-04-2005	<b>4</b> कक	21-01-2014	<b>11</b> कुंभ	22-08-2019
<b>5</b> सिंह	21-11-2002	<b>10</b> मकर	21-01-2006	<b>5</b> सिंह	22-07-2014	<b>10</b> मकर	22-09-2019
<b>6</b> कन्या	21-01-2003	<b>9</b> धनु	22-10-2006	<b>6</b> कन्या	21-01-2015	<b>9</b> धनु	22-10-2019
<b>7</b> तुला	23-03-2003	<b>8</b> वृश्चिक	23-07-2007	<b>7</b> तुला	23-07-2015	<b>8</b> वृश्चिक	21-11-2019
<b>8</b> वृश्चिक	23-05-2003	<b>7</b> तुला	22-04-2008	<b>8</b> वृश्चिक	21-01-2016	<b>7</b> तुला	22-12-2019
<b>9</b> धनु	23-07-2003	<b>6</b> कन्या	21-01-2009	<b>9</b> धनु	22-07-2016	<b>6</b> कन्या	21-01-2020
<b>10</b> मकर	22-09-2003	<b>5</b> सिंह	22-10-2009	<b>10</b> मकर	21-01-2017	<b>5</b> सिंह	21-02-2020
<b>11</b> कुंभ	22-11-2003	<b>4</b> कक	23-07-2010	<b>11</b> कुंभ	22-07-2017	<b>4</b> कक	22-03-2020
<b>12</b> मीन	21-01-2004	<b>3</b> मिथुन	22-04-2011	<b>12</b> मीन	21-01-2018	<b>3</b> मिथुन	22-04-2020
<b>1</b> मेष	22-03-2004	<b>2</b> वृष	21-01-2012	<b>1</b> मेष	22-07-2018	<b>2</b> वृष	22-05-2020
<b>2</b> वृष	22-05-2004	<b>1</b> मेष	21-10-2012	<b>2</b> वृष	21-01-2019	<b>1</b> मेष	21-06-2020

वृष (3व)	४१व ११म	कुंभ (6व)	४५व ०म	वृश्चिक (9व)	५०व ११म	सिंह (1व)	५९व ११म
आरम्भ	22-07-2020	आरम्भ	23-07-2023	आरम्भ	22-07-2029	आरम्भ	22-07-2038
अन्त	23-07-2023	अन्त	22-07-2029	अन्त	22-07-2038	अन्त	23-07-2039
<b>8</b> वृश्चिक	22-07-2020	<b>5</b> सिंह	23-07-2023	<b>8</b> वृश्चिक	22-07-2029	<b>5</b> सिंह	22-07-2038
<b>7</b> तुला	21-10-2020	<b>6</b> कन्या	21-01-2024	<b>7</b> तुला	22-04-2030	<b>6</b> कन्या	22-08-2038
<b>6</b> कन्या	21-01-2021	<b>7</b> तुला	22-07-2024	<b>6</b> कन्या	21-01-2031	<b>7</b> तुला	21-09-2038
<b>5</b> सिंह	22-04-2021	<b>8</b> वृश्चिक	21-01-2025	<b>5</b> सिंह	22-10-2031	<b>8</b> वृश्चिक	22-10-2038
<b>4</b> कक	22-07-2021	<b>9</b> धनु	22-07-2025	<b>4</b> कक	22-07-2032	<b>9</b> धनु	21-11-2038
<b>3</b> मिथुन	21-10-2021	<b>10</b> मकर	21-01-2026	<b>3</b> मिथुन	22-04-2033	<b>10</b> मकर	21-12-2038
<b>2</b> वृष	21-01-2022	<b>11</b> कुंभ	22-07-2026	<b>2</b> वृष	21-01-2034	<b>11</b> कुंभ	21-01-2039
<b>1</b> मेष	22-04-2022	<b>12</b> मीन	21-01-2027	<b>1</b> मेष	22-10-2034	<b>12</b> मीन	20-02-2039
<b>12</b> मीन	22-07-2022	<b>1</b> मेष	23-07-2027	<b>12</b> मीन	23-07-2035	<b>1</b> मेष	23-03-2039
<b>11</b> कुंभ	22-10-2022	<b>2</b> वृष	21-01-2028	<b>11</b> कुंभ	21-04-2036	<b>2</b> वृष	22-04-2039
<b>10</b> मकर	21-01-2023	<b>3</b> मिथुन	22-07-2028	<b>10</b> मकर	20-01-2037	<b>3</b> मिथुन	23-05-2039
<b>9</b> धनु	22-04-2023	<b>4</b> कक	20-01-2029	<b>9</b> धनु	21-10-2037	<b>4</b> कक	22-06-2039



## लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (4व)	61व 0म	मेष (4व)	68व 11म	मकर (5व)	75व 11म	तुला (10व)	77व 11म
आरम्भ	23-07-2039	आरम्भ	22-07-2043	आरम्भ	21-01-2050	आरम्भ	22-03-2056
अन्त	22-07-2043	अन्त	21-01-2050	अन्त	22-03-2056	अन्त	22-07-2061
1 मेष	23-07-2039	1 मेष	22-07-2043	10 मकर	21-01-2050	3 मिथुन	22-03-2056
2 वृष	21-11-2039	2 वृष	22-03-2044	9 धनु	22-06-2050	3 मिथुन	21-12-2056
3 मिथुन	22-03-2040	3 मिथुन	20-11-2044	8 वृश्चिक	21-11-2050	2 वृष	22-05-2057
4 कर्क	22-07-2040	4 कर्क	22-07-2045	7 तुला	22-04-2051	1 मेष	21-10-2057
5 सिंह	21-11-2040	5 सिंह	22-03-2046	6 कन्या	21-09-2051	12 मीन	22-03-2058
6 कन्या	22-03-2041	6 कन्या	21-11-2046	5 सिंह	20-02-2052	11 कुंभ	22-08-2058
7 तुला	22-07-2041	4 कर्क	22-07-2047	4 कर्क	22-07-2052	10 मकर	21-01-2059
8 वृश्चिक	21-11-2041	3 मिथुन	22-12-2047	3 मिथुन	20-02-2053	9 धनु	22-06-2059
9 धनु	23-03-2042	2 वृष	22-05-2048	2 वृष	21-09-2053	8 वृश्चिक	21-11-2059
10 मकर	22-07-2042	1 मेष	21-10-2048	1 मेष	22-04-2054	7 तुला	21-04-2060
11 कुंभ	21-11-2042	12 मीन	22-03-2049	1 मेष	22-07-2054	6 कन्या	20-09-2060
12 मीन	23-03-2043	11 कुंभ	21-08-2049	2 वृष	23-05-2055	5 सिंह	20-02-2061
कर्क (5व)	84व 11म	धनु (6व)	87व 11म	कन्या (1व)	93व 11म	कन्या (1व)	104व 11म
आरम्भ	22-07-2061	आरम्भ	22-07-2068	आरम्भ	20-11-2072	आरम्भ	22-03-2077
अन्त	22-07-2068	अन्त	20-11-2072	अन्त	22-03-2077	अन्त	22-05-2084
4 कर्क	22-07-2061	7 तुला	22-07-2068	8 वृश्चिक	20-11-2072	8 वृश्चिक	22-03-2077
3 मिथुन	20-02-2062	8 वृश्चिक	20-01-2069	7 तुला	21-12-2072	7 तुला	20-02-2078
2 वृष	21-09-2062	9 धनु	22-07-2069	6 कन्या	20-01-2073	6 कन्या	21-01-2079
1 मेष	22-04-2063	10 मकर	20-01-2070	5 सिंह	20-02-2073	5 सिंह	21-12-2079
12 मीन	22-07-2063	11 कुंभ	22-07-2070	4 कर्क	22-03-2073	4 कर्क	20-11-2080
11 कुंभ	21-04-2064	12 मीन	21-01-2071	3 मिथुन	21-04-2073	3 मिथुन	21-10-2081
10 मकर	20-01-2065	1 मेष	22-07-2071	2 वृष	22-05-2073	2 वृष	21-09-2082
9 धनु	21-10-2065	2 वृष	21-01-2072	1 मेष	21-06-2073	3 मिथुन	22-07-2083
3 मिथुन	22-07-2066	12 मीन	22-07-2072	12 मीन	22-07-2073	4 कर्क	21-09-2083
4 कर्क	21-01-2067	11 कुंभ	21-08-2072	11 कुंभ	22-06-2074	5 सिंह	21-11-2083
5 सिंह	22-07-2067	10 मकर	20-09-2072	10 मकर	22-05-2075	6 कन्या	21-01-2084
6 कन्या	21-01-2068	9 धनु	21-10-2072	9 धनु	21-04-2076	7 तुला	22-03-2084
मिथुन (2व)	114व 11म	मिथुन (2व)	120व 11म	कुंभ (6व)	124व 0म	सिंह (1व)	134व 11म
आरम्भ	22-05-2084	आरम्भ	21-09-2089	आरम्भ	20-01-2097	आरम्भ	22-10-2102
अन्त	21-09-2089	अन्त	20-01-2097	अन्त	22-10-2102	अन्त	22-04-2106
8 वृश्चिक	22-05-2084	8 वृश्चिक	21-09-2089	12 मीन	20-01-2097	8 वृश्चिक	22-10-2102
9 धनु	21-07-2084	9 धनु	22-07-2090	1 मेष	22-07-2097	9 धनु	22-11-2102
10 मकर	20-09-2084	10 मकर	22-05-2091	2 वृष	20-01-2098	10 मकर	22-12-2102
11 कुंभ	20-11-2084	11 कुंभ	22-03-2092	3 मिथुन	22-07-2098	11 कुंभ	21-01-2103
12 मीन	20-01-2085	12 मीन	20-01-2093	4 कर्क	20-01-2099	12 मीन	21-02-2103
1 मेष	22-03-2085	5 सिंह	22-07-2093	8 वृश्चिक	22-07-2099	1 मेष	23-03-2103
2 वृष	22-05-2085	6 कन्या	20-01-2094	7 तुला	22-04-2100	2 वृष	23-04-2103
3 मिथुन	22-07-2085	7 तुला	22-07-2094	6 कन्या	21-01-2101	3 मिथुन	23-05-2103
4 कर्क	22-05-2086	8 वृश्चिक	20-01-2095	5 सिंह	22-10-2101	4 कर्क	23-06-2103
5 सिंह	22-03-2087	9 धनु	22-07-2095	5 सिंह	23-07-2102	5 सिंह	23-07-2103
6 कन्या	21-01-2088	10 मकर	21-01-2096	6 कन्या	22-08-2102	6 कन्या	22-06-2104
7 तुला	20-11-2088	11 कुंभ	21-07-2096	7 तुला	22-09-2102	7 तुला	23-05-2105



## शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कर्क (9व)	०व ०म	सिंह (9व)	९व ०म	कन्या (9व)	१७व ११म	तुला (9व)	२६व ११म
आरम्भ	23-07-1978	आरम्भ	23-07-1987	आरम्भ	22-07-1996	आरम्भ	22-07-2005
अन्त	23-07-1987	अन्त	22-07-1996	अन्त	22-07-2005	अन्त	22-07-2014
4 कर्क	23-07-1978	5 सिंह	23-07-1987	6 कन्या	22-07-1996	7 तुला	22-07-2005
3 मिथुन	23-04-1979	6 कन्या	22-04-1988	5 सिंह	22-04-1997	8 वृश्चिक	22-04-2006
2 वृष	22-01-1980	7 तुला	21-01-1989	4 कर्क	21-01-1998	9 धनु	21-01-2007
1 मेष	22-10-1980	8 वृश्चिक	22-10-1989	3 मिथुन	22-10-1998	10 मकर	22-10-2007
12 मीन	22-07-1981	9 धनु	23-07-1990	2 वृष	23-07-1999	11 कुंभ	22-07-2008
11 कुंभ	22-04-1982	10 मकर	23-04-1991	1 मेष	22-04-2000	12 मीन	22-04-2009
10 मकर	21-01-1983	11 कुंभ	22-01-1992	12 मीन	21-01-2001	1 मेष	21-01-2010
9 धनु	22-10-1983	12 मीन	21-10-1992	11 कुंभ	22-10-2001	2 वृष	22-10-2010
8 वृश्चिक	22-07-1984	1 मेष	22-07-1993	10 मकर	23-07-2002	3 मिथुन	23-07-2011
7 तुला	22-04-1985	2 वृष	22-04-1994	9 धनु	22-04-2003	4 कर्क	22-04-2012
6 कन्या	21-01-1986	3 मिथुन	21-01-1995	8 वृश्चिक	21-01-2004	5 सिंह	21-01-2013
5 सिंह	22-10-1986	4 कर्क	22-10-1995	7 तुला	21-10-2004	6 कन्या	22-10-2013
वृश्चिक (9व)		35व 11म	धनु (9व)	45व ०म	मकर (9व)		53व 11म
आरम्भ	22-07-2014	आरम्भ	23-07-2023	आरम्भ	22-07-2032	आरम्भ	22-07-2041
अन्त	23-07-2023	अन्त	22-07-2032	अन्त	22-07-2041	अन्त	22-07-2050
8 वृश्चिक	22-07-2014	9 धनु	23-07-2023	10 मकर	22-07-2032	11 कुंभ	22-07-2041
7 तुला	22-04-2015	10 मकर	22-04-2024	9 धनु	22-04-2033	12 मीन	22-04-2042
6 कन्या	21-01-2016	11 कुंभ	21-01-2025	8 वृश्चिक	21-01-2034	1 मेष	21-01-2043
5 सिंह	21-10-2016	12 मीन	21-10-2025	7 तुला	22-10-2034	2 वृष	22-10-2043
4 कर्क	22-07-2017	1 मेष	22-07-2026	6 कन्या	23-07-2035	3 मिथुन	22-07-2044
3 मिथुन	22-04-2018	2 वृष	22-04-2027	5 सिंह	21-04-2036	4 कर्क	22-04-2045
2 वृष	21-01-2019	3 मिथुन	21-01-2028	4 कर्क	20-01-2037	5 सिंह	21-01-2046
1 मेष	22-10-2019	4 कर्क	21-10-2028	3 मिथुन	21-10-2037	6 कन्या	22-10-2046
12 मीन	22-07-2020	5 सिंह	22-07-2029	2 वृष	22-07-2038	7 तुला	22-07-2047
11 कुंभ	22-04-2021	6 कन्या	22-04-2030	1 मेष	22-04-2039	8 वृश्चिक	21-04-2048
10 मकर	21-01-2022	7 तुला	21-01-2031	12 मीन	21-01-2040	9 धनु	20-01-2049
9 धनु	22-10-2022	8 वृश्चिक	22-10-2031	11 कुंभ	21-10-2040	10 मकर	21-10-2049
मीन (9व)		71व 11म	मेष (9व)	80व ११म	वृष (9व)		89व ११म
आरम्भ	22-07-2050	आरम्भ	22-07-2059	आरम्भ	22-07-2068	आरम्भ	22-07-2077
अन्त	22-07-2059	अन्त	22-07-2068	अन्त	22-07-2077	अन्त	22-07-2086
12 मीन	22-07-2050	1 मेष	22-07-2059	2 वृष	22-07-2068	3 मिथुन	22-07-2077
11 कुंभ	22-04-2051	2 वृष	21-04-2060	1 मेष	21-04-2069	4 कर्क	22-04-2078
10 मकर	21-01-2052	3 मिथुन	20-01-2061	12 मीन	20-01-2070	5 सिंह	21-01-2079
9 धनु	21-10-2052	4 कर्क	21-10-2061	11 कुंभ	21-10-2070	6 कन्या	22-10-2079
8 वृश्चिक	22-07-2053	5 सिंह	22-07-2062	10 मकर	22-07-2071	7 तुला	21-07-2080
7 तुला	22-04-2054	6 कन्या	22-04-2063	9 धनु	21-04-2072	8 वृश्चिक	21-04-2081
6 कन्या	21-01-2055	7 तुला	21-01-2064	8 वृश्चिक	20-01-2073	9 धनु	20-01-2082
5 सिंह	22-10-2055	8 वृश्चिक	21-10-2064	7 तुला	21-10-2073	10 मकर	21-10-2082
4 कर्क	22-07-2056	9 धनु	22-07-2065	6 कन्या	22-07-2074	11 कुंभ	22-07-2083
3 मिथुन	22-04-2057	10 मकर	22-04-2066	5 सिंह	22-04-2075	12 मीन	21-04-2084
2 वृष	21-01-2058	11 कुंभ	21-01-2067	4 कर्क	21-01-2076	1 मेष	20-01-2085
1 मेष	21-10-2058	12 मीन	22-10-2067	3 मिथुन	21-10-2076	2 वृष	21-10-2085



## त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : राहु २व ९म १७दि

जन्मकालीन दशा : रा-ल-ल-ल-ल

## राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु		
गुरु		
शनि		
बुध		
केतु		
शुक्र	23-07-1978	21-01-1979
सूर्य	21-01-1979	28-08-1979
चन्द्र	28-08-1979	27-08-1980
मंगल	27-08-1980	10-05-1981

## गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	10-05-1981	11-10-1982
शनि	11-10-1982	19-06-1984
बुध	19-06-1984	23-12-1985
केतु	23-12-1985	07-08-1986
शुक्र	07-08-1986	18-05-1988
सूर्य	18-05-1988	28-11-1988
चन्द्र	28-11-1988	19-10-1989
मंगल	19-10-1989	03-06-1990
राहु	03-06-1990	09-01-1992

## शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	09-01-1992	10-01-1994
बुध	10-01-1994	28-10-1995
केतु	28-10-1995	24-07-1996
शुक्र	24-07-1996	03-09-1998
सूर्य	03-09-1998	22-04-1999
चन्द्र	22-04-1999	11-05-2000
मंगल	11-05-2000	05-02-2001
राहु	05-02-2001	31-12-2002
गुरु	31-12-2002	08-09-2004

## बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	08-09-2004	18-04-2006
केतु	18-04-2006	15-12-2006
शुक्र	15-12-2006	04-11-2008
सूर्य	04-11-2008	30-05-2009
चन्द्र	30-05-2009	10-05-2010
मंगल	10-05-2010	06-01-2011
राहु	06-01-2011	18-09-2012
गुरु	18-09-2012	24-03-2014
शनि	24-03-2014	09-01-2016

## केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	09-01-2016	17-04-2016
शुक्र	17-04-2016	26-01-2017
सूर्य	26-01-2017	21-04-2017
चन्द्र	21-04-2017	10-09-2017
मंगल	10-09-2017	19-12-2017
राहु	19-12-2017	31-08-2018
गुरु	31-08-2018	16-04-2019
शनि	16-04-2019	11-01-2020
बुध	11-01-2020	08-09-2020

## शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-09-2020	29-11-2022
सूर्य	29-11-2022	30-07-2023
चन्द्र	30-07-2023	08-09-2024
मंगल	08-09-2024	19-06-2025
राहु	19-06-2025	20-06-2027
गुरु	20-06-2027	30-03-2029
शनि	30-03-2029	10-05-2031
बुध	10-05-2031	30-03-2033
केतु	30-03-2033	08-01-2034

## सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	08-01-2034	22-03-2034
चन्द्र	22-03-2034	22-07-2034
मंगल	22-07-2034	15-10-2034
राहु	15-10-2034	22-05-2035
गुरु	22-05-2035	03-12-2035
शनि	03-12-2035	21-07-2036
बुध	21-07-2036	13-02-2037
केतु	13-02-2037	09-05-2037
शुक्र	09-05-2037	08-01-2038

## चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	08-01-2038	30-07-2038
मंगल	30-07-2038	19-12-2038
राहु	19-12-2038	19-12-2039
गुरु	19-12-2039	08-11-2040
शनि	08-11-2040	28-11-2041
बुध	28-11-2041	08-11-2042
केतु	08-11-2042	30-03-2043
शुक्र	30-03-2043	09-05-2044
सूर्य	09-05-2044	08-09-2044

## मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	08-09-2044	16-12-2044
राहु	16-12-2044	29-08-2045
गुरु	29-08-2045	13-04-2046
शनि	13-04-2046	08-01-2047
बुध	08-01-2047	07-09-2047
केतु	07-09-2047	15-12-2047
शुक्र	15-12-2047	24-09-2048
सूर्य	24-09-2048	18-12-2048
चन्द्र	18-12-2048	09-05-2049



## त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : राहु २व ९म १७दि  
 जन्मकालीन दशा : रा-ल-ल-ल-ल

## राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	09-05-2049	26-02-2051
गुरु	26-02-2051	02-10-2052
शनि	02-10-2052	27-08-2054
बुध	27-08-2054	09-05-2056
केतु	09-05-2056	20-01-2057
शुक्र	20-01-2057	20-01-2059
सूर्य	20-01-2059	27-08-2059
चन्द्र	27-08-2059	27-08-2060
मंगल	27-08-2060	09-05-2061

## गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	09-05-2061	11-10-2062
शनि	11-10-2062	19-06-2064
बुध	19-06-2064	22-12-2065
केतु	22-12-2065	07-08-2066
शुक्र	07-08-2066	17-05-2068
सूर्य	17-05-2068	28-11-2068
चन्द्र	28-11-2068	18-10-2069
मंगल	18-10-2069	03-06-2070
राहु	03-06-2070	08-01-2072

## शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	08-01-2072	10-01-2074
बुध	10-01-2074	27-10-2075
केतु	27-10-2075	23-07-2076
शुक्र	23-07-2076	02-09-2078
सूर्य	02-09-2078	21-04-2079
चन्द्र	21-04-2079	11-05-2080
मंगल	11-05-2080	05-02-2081
राहु	05-02-2081	31-12-2082
गुरु	31-12-2082	08-09-2084

## बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	08-09-2084	17-04-2086
केतु	17-04-2086	14-12-2086
शुक्र	14-12-2086	03-11-2088
सूर्य	03-11-2088	29-05-2089
चन्द्र	29-05-2089	09-05-2090
मंगल	09-05-2090	06-01-2091
राहु	06-01-2091	18-09-2092
गुरु	18-09-2092	24-03-2094
शनि	24-03-2094	08-01-2096

## केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	08-01-2096	16-04-2096
शुक्र	16-04-2096	25-01-2097
सूर्य	25-01-2097	21-04-2097
चन्द्र	21-04-2097	10-09-2097
मंगल	10-09-2097	18-12-2097
राहु	18-12-2097	31-08-2098
गुरु	31-08-2098	15-04-2099
शनि	15-04-2099	10-01-2100
बुध	10-01-2100	08-09-2100

## शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-09-2100	29-11-2102
सूर्य	29-11-2102	31-07-2103
चन्द्र	31-07-2103	08-09-2104
मंगल	08-09-2104	19-06-2105
राहु	19-06-2105	20-06-2107
गुरु	20-06-2107	30-03-2109
शनि	30-03-2109	10-05-2111
बुध	10-05-2111	30-03-2113
केतु	30-03-2113	08-01-2114

## सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	08-01-2114	22-03-2114
चन्द्र	22-03-2114	22-07-2114
मंगल	22-07-2114	15-10-2114
राहु	15-10-2114	22-05-2115
गुरु	22-05-2115	03-12-2115
शनि	03-12-2115	22-07-2116
बुध	22-07-2116	14-02-2117
केतु	14-02-2117	10-05-2117
शुक्र	10-05-2117	08-01-2118

## चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	08-01-2118	30-07-2118
मंगल	30-07-2118	19-12-2118
राहु	19-12-2118	19-12-2119
गुरु	19-12-2119	08-11-2120
शनि	08-11-2120	29-11-2121
बुध	29-11-2121	09-11-2122
केतु	09-11-2122	31-03-2123
शुक्र	31-03-2123	09-05-2124
सूर्य	09-05-2124	08-09-2124

## मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	08-09-2124	17-12-2124
राहु	17-12-2124	29-08-2125
गुरु	29-08-2125	14-04-2126
शनि	14-04-2126	08-01-2127
बुध	08-01-2127	07-09-2127
केतु	07-09-2127	15-12-2127
शुक्र	15-12-2127	24-09-2128
सूर्य	24-09-2128	19-12-2128
चन्द्र	19-12-2128	10-05-2129



## त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : राहु १व ४म २३दि

जन्मकालीन दशा : रा-ल-ल-ल-ल

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु		
गुरु		
शनि		
बुध		
केतु		
शुक्र	23-07-1978	22-10-1978
सूर्य	22-10-1978	08-02-1979
चन्द्र	08-02-1979	10-08-1979
मंगल	10-08-1979	16-12-1979

## गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	16-12-1979	01-09-1980
शनि	01-09-1980	06-07-1981
बुध	06-07-1981	08-04-1982
केतु	08-04-1982	31-07-1982
शुक्र	31-07-1982	20-06-1983
सूर्य	20-06-1983	26-09-1983
चन्द्र	26-09-1983	06-03-1984
मंगल	06-03-1984	28-06-1984
राहु	28-06-1984	16-04-1985

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	16-04-1985	17-04-1986
बुध	17-04-1986	11-03-1987
केतु	11-03-1987	24-07-1987
शुक्र	24-07-1987	12-08-1988
सूर्य	12-08-1988	06-12-1988
चन्द्र	06-12-1988	17-06-1989
मंगल	17-06-1989	30-10-1989
राहु	30-10-1989	12-10-1990
गुरु	12-10-1990	16-08-1991

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	16-08-1991	04-06-1992
केतु	04-06-1992	03-10-1992
शुक्र	03-10-1992	13-09-1993
सूर्य	13-09-1993	25-12-1993
चन्द्र	25-12-1993	16-06-1994
मंगल	16-06-1994	15-10-1994
राहु	15-10-1994	21-08-1995
गुरु	21-08-1995	23-05-1996
शनि	23-05-1996	16-04-1997

## केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	16-04-1997	04-06-1997
शुक्र	04-06-1997	24-10-1997
सूर्य	24-10-1997	06-12-1997
चन्द्र	06-12-1997	15-02-1998
मंगल	15-02-1998	06-04-1998
राहु	06-04-1998	12-08-1998
गुरु	12-08-1998	03-12-1998
शनि	03-12-1998	17-04-1999
बुध	17-04-1999	16-08-1999

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	16-08-1999	25-09-2000
सूर्य	25-09-2000	24-01-2001
चन्द्र	24-01-2001	15-08-2001
मंगल	15-08-2001	04-01-2002
राहु	04-01-2002	05-01-2003
गुरु	05-01-2003	25-11-2003
शनि	25-11-2003	15-12-2004
बुध	15-12-2004	25-11-2005
केतु	25-11-2005	16-04-2006

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	16-04-2006	22-05-2006
चन्द्र	22-05-2006	22-07-2006
मंगल	22-07-2006	03-09-2006
राहु	03-09-2006	21-12-2006
गुरु	21-12-2006	29-03-2007
शनि	29-03-2007	22-07-2007
बुध	22-07-2007	03-11-2007
केतु	03-11-2007	16-12-2007
शुक्र	16-12-2007	15-04-2008

## चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	15-04-2008	26-07-2008
मंगल	26-07-2008	05-10-2008
राहु	05-10-2008	05-04-2009
गुरु	05-04-2009	15-09-2009
शनि	15-09-2009	27-03-2010
बुध	27-03-2010	15-09-2010
केतु	15-09-2010	25-11-2010
शुक्र	25-11-2010	16-06-2011
सूर्य	16-06-2011	16-08-2011

## मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	16-08-2011	05-10-2011
राहु	05-10-2011	09-02-2012
गुरु	09-02-2012	02-06-2012
शनि	02-06-2012	15-10-2012
बुध	15-10-2012	13-02-2013
केतु	13-02-2013	03-04-2013
शुक्र	03-04-2013	23-08-2013
सूर्य	23-08-2013	05-10-2013
चन्द्र	05-10-2013	15-12-2013



## त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : राहु १व ४म २३दि  
 जन्मकालीन दशा : रा-ल-ल-ल-ल

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	15-12-2013	09-11-2014
गुरु	09-11-2014	28-08-2015
शनि	28-08-2015	09-08-2016
बुध	09-08-2016	15-06-2017
केतु	15-06-2017	21-10-2017
शुक्र	21-10-2017	21-10-2018
सूर्य	21-10-2018	08-02-2019
चन्द्र	08-02-2019	10-08-2019
मंगल	10-08-2019	15-12-2019

## गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	15-12-2019	31-08-2020
शनि	31-08-2020	06-07-2021
बुध	06-07-2021	08-04-2022
केतु	08-04-2022	30-07-2022
शुक्र	30-07-2022	20-06-2023
सूर्य	20-06-2023	25-09-2023
चन्द्र	25-09-2023	06-03-2024
मंगल	06-03-2024	27-06-2024
राहु	27-06-2024	15-04-2025

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	15-04-2025	17-04-2026
बुध	17-04-2026	10-03-2027
केतु	10-03-2027	23-07-2027
शुक्र	23-07-2027	12-08-2028
सूर्य	12-08-2028	06-12-2028
चन्द्र	06-12-2028	16-06-2029
मंगल	16-06-2029	29-10-2029
राहु	29-10-2029	11-10-2030
गुरु	11-10-2030	16-08-2031

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	16-08-2031	04-06-2032
केतु	04-06-2032	03-10-2032
शुक्र	03-10-2032	13-09-2033
सूर्य	13-09-2033	25-12-2033
चन्द्र	25-12-2033	16-06-2034
मंगल	16-06-2034	14-10-2034
राहु	14-10-2034	21-08-2035
गुरु	21-08-2035	23-05-2036
शनि	23-05-2036	15-04-2037

## केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	15-04-2037	04-06-2037
शुक्र	04-06-2037	24-10-2037
सूर्य	24-10-2037	06-12-2037
चन्द्र	06-12-2037	15-02-2038
मंगल	15-02-2038	05-04-2038
राहु	05-04-2038	11-08-2038
गुरु	11-08-2038	03-12-2038
शनि	03-12-2038	17-04-2039
बुध	17-04-2039	16-08-2039

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	16-08-2039	24-09-2040
सूर्य	24-09-2040	24-01-2041
चन्द्र	24-01-2041	15-08-2041
मंगल	15-08-2041	04-01-2042
राहु	04-01-2042	04-01-2043
गुरु	04-01-2043	25-11-2043
शनि	25-11-2043	15-12-2044
बुध	15-12-2044	24-11-2045
केतु	24-11-2045	16-04-2046

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	16-04-2046	22-05-2046
चन्द्र	22-05-2046	22-07-2046
मंगल	22-07-2046	03-09-2046
राहु	03-09-2046	21-12-2046
गुरु	21-12-2046	29-03-2047
शनि	29-03-2047	22-07-2047
बुध	22-07-2047	03-11-2047
केतु	03-11-2047	15-12-2047
शुक्र	15-12-2047	15-04-2048

## चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	15-04-2048	25-07-2048
मंगल	25-07-2048	04-10-2048
राहु	04-10-2048	05-04-2049
गुरु	05-04-2049	14-09-2049
शनि	14-09-2049	26-03-2050
बुध	26-03-2050	15-09-2050
केतु	15-09-2050	25-11-2050
शुक्र	25-11-2050	16-06-2051
सूर्य	16-06-2051	15-08-2051

## मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	15-08-2051	04-10-2051
राहु	04-10-2051	09-02-2052
गुरु	09-02-2052	02-06-2052
शनि	02-06-2052	15-10-2052
बुध	15-10-2052	12-02-2053
केतु	12-02-2053	03-04-2053
शुक्र	03-04-2053	23-08-2053
सूर्य	23-08-2053	05-10-2053
चन्द्र	05-10-2053	15-12-2053



## त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : राहु १व ४म २३दि  
 जन्मकालीन दशा : रा-ल-ल-ल-ल

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	15-12-2053	08-11-2054
गुरु	08-11-2054	28-08-2055
शनि	28-08-2055	09-08-2056
बुध	09-08-2056	15-06-2057
केतु	15-06-2057	21-10-2057
शुक्र	21-10-2057	21-10-2058
सूर्य	21-10-2058	08-02-2059
चन्द्र	08-02-2059	09-08-2059
मंगल	09-08-2059	15-12-2059

## गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	15-12-2059	31-08-2060
शनि	31-08-2060	05-07-2061
बुध	05-07-2061	07-04-2062
केतु	07-04-2062	30-07-2062
शुक्र	30-07-2062	20-06-2063
सूर्य	20-06-2063	25-09-2063
चन्द्र	25-09-2063	05-03-2064
मंगल	05-03-2064	27-06-2064
राहु	27-06-2064	15-04-2065

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	15-04-2065	16-04-2066
बुध	16-04-2066	10-03-2067
केतु	10-03-2067	23-07-2067
शुक्र	23-07-2067	12-08-2068
सूर्य	12-08-2068	05-12-2068
चन्द्र	05-12-2068	16-06-2069
मंगल	16-06-2069	29-10-2069
राहु	29-10-2069	11-10-2070
गुरु	11-10-2070	15-08-2071

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	15-08-2071	04-06-2072
केतु	04-06-2072	02-10-2072
शुक्र	02-10-2072	12-09-2073
सूर्य	12-09-2073	25-12-2073
चन्द्र	25-12-2073	15-06-2074
मंगल	15-06-2074	14-10-2074
राहु	14-10-2074	20-08-2075
गुरु	20-08-2075	22-05-2076
शनि	22-05-2076	15-04-2077

## केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	15-04-2077	04-06-2077
शुक्र	04-06-2077	24-10-2077
सूर्य	24-10-2077	05-12-2077
चन्द्र	05-12-2077	14-02-2078
मंगल	14-02-2078	05-04-2078
राहु	05-04-2078	11-08-2078
गुरु	11-08-2078	03-12-2078
शनि	03-12-2078	17-04-2079
बुध	17-04-2079	15-08-2079

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	15-08-2079	24-09-2080
सूर्य	24-09-2080	24-01-2081
चन्द्र	24-01-2081	15-08-2081
मंगल	15-08-2081	04-01-2082
राहु	04-01-2082	04-01-2083
गुरु	04-01-2083	25-11-2083
शनि	25-11-2083	14-12-2084
बुध	14-12-2084	24-11-2085
केतु	24-11-2085	15-04-2086

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	15-04-2086	22-05-2086
चन्द्र	22-05-2086	22-07-2086
मंगल	22-07-2086	02-09-2086
राहु	02-09-2086	21-12-2086
गुरु	21-12-2086	28-03-2087
शनि	28-03-2087	22-07-2087
बुध	22-07-2087	02-11-2087
केतु	02-11-2087	15-12-2087
शुक्र	15-12-2087	15-04-2088

## चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	15-04-2088	25-07-2088
मंगल	25-07-2088	04-10-2088
राहु	04-10-2088	05-04-2089
गुरु	05-04-2089	14-09-2089
शनि	14-09-2089	26-03-2090
बुध	26-03-2090	14-09-2090
केतु	14-09-2090	24-11-2090
शुक्र	24-11-2090	15-06-2091
सूर्य	15-06-2091	15-08-2091

## मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	15-08-2091	04-10-2091
राहु	04-10-2091	09-02-2092
गुरु	09-02-2092	01-06-2092
शनि	01-06-2092	14-10-2092
बुध	14-10-2092	12-02-2093
केतु	12-02-2093	03-04-2093
शुक्र	03-04-2093	23-08-2093
सूर्य	23-08-2093	04-10-2093
चन्द्र	04-10-2093	14-12-2093



## षोडशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य २व ६म २१दि  
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

## सूर्य (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
मंगल		
गुरु		
शनि		
केतु		
चन्द्र		
बुध	23-07-1978	01-06-1979
शुक्र	01-06-1979	14-02-1981

## मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	14-02-1981	13-05-1982
गुरु	13-05-1982	16-09-1983
शनि	16-09-1983	26-02-1985
केतु	26-02-1985	16-09-1986
चन्द्र	16-09-1986	13-05-1988
बुध	13-05-1988	14-02-1990
शुक्र	14-02-1990	26-12-1991
सूर्य	26-12-1991	14-02-1993

## गुरु (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	14-02-1993	31-07-1994
शनि	31-07-1994	24-02-1996
केतु	24-02-1996	30-10-1997
चन्द्र	30-10-1997	16-08-1999
बुध	16-08-1999	12-07-2001
शुक्र	12-07-2001	18-07-2003
सूर्य	18-07-2003	11-10-2004
मंगल	11-10-2004	14-02-2006

## शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	14-02-2006	24-10-2007
केतु	24-10-2007	15-08-2009
चन्द्र	15-08-2009	21-07-2011
बुध	21-07-2011	09-08-2013
शुक्र	09-08-2013	11-10-2015
सूर्य	11-10-2015	07-02-2017
मंगल	07-02-2017	21-07-2018
गुरु	21-07-2018	14-02-2020

## केतु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	14-02-2020	23-01-2022
चन्द्र	23-01-2022	17-02-2024
बुध	17-02-2024	30-04-2026
शुक्र	30-04-2026	27-08-2028
सूर्य	27-08-2028	29-01-2030
मंगल	29-01-2030	19-08-2031
गुरु	19-08-2031	24-04-2033
शनि	24-04-2033	14-02-2035

## चन्द्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	14-02-2035	30-04-2037
बुध	30-04-2037	03-09-2039
शुक्र	03-09-2039	26-02-2042
सूर्य	26-02-2042	03-09-2043
मंगल	03-09-2043	30-04-2045
गुरु	30-04-2045	14-02-2047
शनि	14-02-2047	19-01-2049
केतु	19-01-2049	14-02-2051

## बुध (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	14-02-2051	12-08-2053
शुक्र	12-08-2053	01-04-2056
सूर्य	01-04-2056	11-11-2057
मंगल	11-11-2057	15-08-2059
गुरु	15-08-2059	11-07-2061
शनि	11-07-2061	30-07-2063
केतु	30-07-2063	10-10-2065
चन्द्र	10-10-2065	14-02-2068

## शुक्र (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	14-02-2068	30-11-2070
सूर्य	30-11-2070	14-08-2072
मंगल	14-08-2072	25-06-2074
गुरु	25-06-2074	01-07-2076
शनि	01-07-2076	03-09-2078
केतु	03-09-2078	31-12-2080
चन्द्र	31-12-2080	26-06-2083
बुध	26-06-2083	13-02-2086

## सूर्य (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	13-02-2086	01-03-2087
मंगल	01-03-2087	20-04-2088
गुरु	20-04-2088	14-07-2089
शनि	14-07-2089	11-11-2090
केतु	11-11-2090	13-04-2092
चन्द्र	13-04-2092	20-10-2093
बुध	20-10-2093	31-05-2095
शुक्र	31-05-2095	13-02-2097



## द्वादशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध ३व ०म १०दि  
 जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

## बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध		
राहु		
मंगल		
शनि		
चन्द्र		
सूर्य	23-07-1978	08-04-1979
गुरु	08-04-1979	24-04-1980
केतु	24-04-1980	03-08-1981

## राहु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	03-08-1981	07-08-1983
मंगल	07-08-1983	15-11-1985
शनि	15-11-1985	02-06-1988
चन्द्र	02-06-1988	26-03-1991
सूर्य	26-03-1991	02-03-1992
गुरु	02-03-1992	17-05-1993
केतु	17-05-1993	06-11-1994
बुध	06-11-1994	03-08-1996

## मंगल (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	03-08-1996	03-03-1999
शनि	03-03-1999	19-01-2002
चन्द्र	19-01-2002	29-03-2005
सूर्य	29-03-2005	21-04-2006
गुरु	21-04-2006	02-09-2007
केतु	02-09-2007	03-05-2009
बुध	03-05-2009	24-04-2011
राहु	24-04-2011	03-08-2013

## शनि (19व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	03-08-2013	23-10-2016
चन्द्र	23-10-2016	16-05-2020
सूर्य	16-05-2020	24-07-2021
गुरु	24-07-2021	02-02-2023
केतु	02-02-2023	14-12-2024
बुध	14-12-2024	28-02-2027
राहु	28-02-2027	14-09-2029
मंगल	14-09-2029	02-08-2032

## चन्द्र (21व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	02-08-2032	11-07-2036
सूर्य	11-07-2036	02-11-2037
गुरु	02-11-2037	11-07-2039
केतु	11-07-2039	03-08-2041
बुध	03-08-2041	10-01-2044
राहु	10-01-2044	02-11-2046
मंगल	02-11-2046	09-01-2050
शनि	09-01-2050	02-08-2053

## सूर्य (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	02-08-2053	09-01-2054
गुरु	09-01-2054	03-08-2054
केतु	03-08-2054	11-04-2055
बुध	11-04-2055	02-02-2056
राहु	02-02-2056	09-01-2057
मंगल	09-01-2057	01-02-2058
शनि	01-02-2058	11-04-2059
चन्द्र	11-04-2059	02-08-2060

## गुरु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	02-08-2060	23-04-2061
केतु	23-04-2061	12-03-2062
बुध	12-03-2062	29-03-2063
राहु	29-03-2063	11-06-2064
मंगल	11-06-2064	23-10-2065
शनि	23-10-2065	04-05-2067
चन्द्र	04-05-2067	09-01-2069
सूर्य	09-01-2069	02-08-2069

## केतु (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	02-08-2069	01-09-2070
बुध	01-09-2070	11-12-2071
राहु	11-12-2071	01-06-2073
मंगल	01-06-2073	01-02-2075
शनि	01-02-2075	14-12-2076
चन्द्र	14-12-2076	06-01-2079
सूर्य	06-01-2079	14-09-2079
गुरु	14-09-2079	02-08-2080

## बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	02-08-2080	04-02-2082
राहु	04-02-2082	02-11-2083
मंगल	02-11-2083	23-10-2085
शनि	23-10-2085	06-01-2088
चन्द्र	06-01-2088	15-06-2090
सूर्य	15-06-2090	07-04-2091
गुरु	07-04-2091	23-04-2092
केतु	23-04-2092	02-08-2093



## द्विसप्ततिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र २व म ४दि  
 जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र		
शनि		
राहु		
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल		
बुध	23-07-1978	13-07-1979
गुरु	13-07-1979	27-08-1980

## शनि (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	27-08-1980	12-10-1981
राहु	12-10-1981	27-11-1982
सूर्य	27-11-1982	12-01-1984
चन्द्र	12-01-1984	26-02-1985
मंगल	26-02-1985	13-04-1986
बुध	13-04-1986	29-05-1987
गुरु	29-05-1987	13-07-1988
शुक्र	13-07-1988	28-08-1989

## राहु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	28-08-1989	12-10-1990
सूर्य	12-10-1990	27-11-1991
चन्द्र	27-11-1991	11-01-1993
मंगल	11-01-1993	26-02-1994
बुध	26-02-1994	13-04-1995
गुरु	13-04-1995	28-05-1996
शुक्र	28-05-1996	13-07-1997
शनि	13-07-1997	28-08-1998

## सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	28-08-1998	13-10-1999
चन्द्र	13-10-1999	26-11-2000
मंगल	26-11-2000	11-01-2002
बुध	11-01-2002	26-02-2003
गुरु	26-02-2003	12-04-2004
शुक्र	12-04-2004	28-05-2005
शनि	28-05-2005	13-07-2006
राहु	13-07-2006	28-08-2007

## चन्द्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	28-08-2007	12-10-2008
मंगल	12-10-2008	27-11-2009
बुध	27-11-2009	12-01-2011
गुरु	12-01-2011	26-02-2012
शुक्र	26-02-2012	12-04-2013
शनि	12-04-2013	28-05-2014
राहु	28-05-2014	13-07-2015
सूर्य	13-07-2015	27-08-2016

## मंगल (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	27-08-2016	12-10-2017
बुध	12-10-2017	27-11-2018
गुरु	27-11-2018	12-01-2020
शुक्र	12-01-2020	26-02-2021
शनि	26-02-2021	13-04-2022
राहु	13-04-2022	28-05-2023
सूर्य	28-05-2023	12-07-2024
चन्द्र	12-07-2024	27-08-2025

## बुध (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	27-08-2025	12-10-2026
गुरु	12-10-2026	27-11-2027
शुक्र	27-11-2027	11-01-2029
शनि	11-01-2029	26-02-2030
राहु	26-02-2030	13-04-2031
सूर्य	13-04-2031	28-05-2032
चन्द्र	28-05-2032	13-07-2033
मंगल	13-07-2033	27-08-2034

## गुरु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	27-08-2034	12-10-2035
शुक्र	12-10-2035	26-11-2036
शनि	26-11-2036	11-01-2038
राहु	11-01-2038	26-02-2039
सूर्य	26-02-2039	12-04-2040
चन्द्र	12-04-2040	28-05-2041
मंगल	28-05-2041	13-07-2042
बुध	13-07-2042	28-08-2043

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	28-08-2043	11-10-2044
शनि	11-10-2044	26-11-2045
राहु	26-11-2045	11-01-2047
सूर्य	11-01-2047	26-02-2048
चन्द्र	26-02-2048	12-04-2049
मंगल	12-04-2049	28-05-2050
बुध	28-05-2050	13-07-2051
गुरु	13-07-2051	27-08-2052



## द्विसप्तति समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र २व १म ४दि  
 जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

## शनि (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	27-08-2052	12-10-2053
राहु	12-10-2053	27-11-2054
सूर्य	27-11-2054	11-01-2056
चन्द्र	11-01-2056	25-02-2057
मंगल	25-02-2057	12-04-2058
बुध	12-04-2058	28-05-2059
गुरु	28-05-2059	12-07-2060
शुक्र	12-07-2060	27-08-2061

## राहु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	27-08-2061	12-10-2062
सूर्य	12-10-2062	27-11-2063
चन्द्र	27-11-2063	11-01-2065
मंगल	11-01-2065	26-02-2066
बुध	26-02-2066	12-04-2067
गुरु	12-04-2067	27-05-2068
शुक्र	27-05-2068	12-07-2069
शनि	12-07-2069	27-08-2070

## सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	27-08-2070	12-10-2071
चन्द्र	12-10-2071	26-11-2072
मंगल	26-11-2072	11-01-2074
बुध	11-01-2074	26-02-2075
गुरु	26-02-2075	12-04-2076
शुक्र	12-04-2076	28-05-2077
शनि	28-05-2077	12-07-2078
राहु	12-07-2078	27-08-2079

## चन्द्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	27-08-2079	11-10-2080
मंगल	11-10-2080	26-11-2081
बुध	26-11-2081	11-01-2083
गुरु	11-01-2083	26-02-2084
शुक्र	26-02-2084	12-04-2085
शनि	12-04-2085	28-05-2086
राहु	28-05-2086	13-07-2087
सूर्य	13-07-2087	26-08-2088

## मंगल (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	26-08-2088	11-10-2089
बुध	11-10-2089	26-11-2090
गुरु	26-11-2090	11-01-2092
शुक्र	11-01-2092	25-02-2093
शनि	25-02-2093	12-04-2094
राहु	12-04-2094	28-05-2095
सूर्य	28-05-2095	12-07-2096
चन्द्र	12-07-2096	27-08-2097

## बुध (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	27-08-2097	12-10-2098
गुरु	12-10-2098	26-11-2099
शुक्र	26-11-2099	11-01-2101
शनि	11-01-2101	26-02-2102
राहु	26-02-2102	13-04-2103
सूर्य	13-04-2103	28-05-2104
चन्द्र	28-05-2104	13-07-2105
मंगल	13-07-2105	28-08-2106

## गुरु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	28-08-2106	13-10-2107
शुक्र	13-10-2107	27-11-2108
शनि	27-11-2108	12-01-2110
राहु	12-01-2110	26-02-2111
सूर्य	26-02-2111	12-04-2112
चन्द्र	12-04-2112	28-05-2113
मंगल	28-05-2113	13-07-2114
बुध	13-07-2114	28-08-2115

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	28-08-2115	12-10-2116
शनि	12-10-2116	27-11-2117
राहु	27-11-2117	12-01-2119
सूर्य	12-01-2119	27-02-2120
चन्द्र	27-02-2120	13-04-2121
मंगल	13-04-2121	28-05-2122
बुध	28-05-2122	13-07-2123
गुरु	13-07-2123	27-08-2124

## शनि (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	27-08-2124	12-10-2125
राहु	12-10-2125	27-11-2126
सूर्य	27-11-2126	12-01-2128
चन्द्र	12-01-2128	26-02-2129
मंगल	26-02-2129	13-04-2130
बुध	13-04-2130	29-05-2131
गुरु	29-05-2131	12-07-2132
शुक्र	12-07-2132	27-08-2133



## षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : राहु ४व १०म ६दि  
 जन्मकालीन दशा : रा-ल-ल-ल-ल

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु		
गुरु	23-07-1978	03-01-1979
सूर्य	03-01-1979	03-01-1980
मंगल	03-01-1980	03-01-1981
चन्द्र	03-01-1981	10-08-1981
बुध	10-08-1981	17-03-1982
शुक्र	17-03-1982	22-10-1982
शनि	22-10-1982	29-05-1983

## गुरु (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	29-05-1983	27-01-1985
सूर्य	27-01-1985	28-09-1986
मंगल	28-09-1986	28-05-1988
चन्द्र	28-05-1988	29-05-1989
बुध	29-05-1989	29-05-1990
शुक्र	29-05-1990	29-05-1991
शनि	29-05-1991	28-05-1992
राहु	28-05-1992	29-05-1993

## सूर्य (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	29-05-1993	27-01-1995
मंगल	27-01-1995	27-09-1996
चन्द्र	27-09-1996	27-09-1997
बुध	27-09-1997	27-09-1998
शुक्र	27-09-1998	28-09-1999
शनि	28-09-1999	27-09-2000
राहु	27-09-2000	27-09-2001
गुरु	27-09-2001	29-05-2003

## मंगल (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	29-05-2003	27-01-2005
चन्द्र	27-01-2005	27-01-2006
बुध	27-01-2006	27-01-2007
शुक्र	27-01-2007	27-01-2008
शनि	27-01-2008	27-01-2009
राहु	27-01-2009	27-01-2010
गुरु	27-01-2010	28-09-2011
सूर्य	28-09-2011	28-05-2013

## चन्द्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	28-05-2013	03-01-2014
बुध	03-01-2014	10-08-2014
शुक्र	10-08-2014	17-03-2015
शनि	17-03-2015	22-10-2015
राहु	22-10-2015	28-05-2016
गुरु	28-05-2016	28-05-2017
सूर्य	28-05-2017	29-05-2018
मंगल	29-05-2018	29-05-2019

## बुध (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	29-05-2019	03-01-2020
शुक्र	03-01-2020	09-08-2020
शनि	09-08-2020	16-03-2021
राहु	16-03-2021	21-10-2021
गुरु	21-10-2021	22-10-2022
सूर्य	22-10-2022	22-10-2023
मंगल	22-10-2023	21-10-2024
चन्द्र	21-10-2024	28-05-2025

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	28-05-2025	02-01-2026
शनि	02-01-2026	10-08-2026
राहु	10-08-2026	17-03-2027
गुरु	17-03-2027	16-03-2028
सूर्य	16-03-2028	16-03-2029
मंगल	16-03-2029	16-03-2030
चन्द्र	16-03-2030	22-10-2030
बुध	22-10-2030	29-05-2031

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	29-05-2031	03-01-2032
राहु	03-01-2032	09-08-2032
गुरु	09-08-2032	09-08-2033
सूर्य	09-08-2033	10-08-2034
मंगल	10-08-2034	10-08-2035
चन्द्र	10-08-2035	16-03-2036
बुध	16-03-2036	21-10-2036
शुक्र	21-10-2036	28-05-2037

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	28-05-2037	02-01-2038
गुरु	02-01-2038	03-01-2039
सूर्य	03-01-2039	03-01-2040
मंगल	03-01-2040	02-01-2041
चन्द्र	02-01-2041	09-08-2041
बुध	09-08-2041	16-03-2042
शुक्र	16-03-2042	21-10-2042
शनि	21-10-2042	29-05-2043



## षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : राहु ४व १०म ६दि  
 जन्मकालीन दशा : रा-ल-ल-ल-ल

## गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	29-05-2043	26-01-2045
सूर्य	26-01-2045	27-09-2046
मंगल	27-09-2046	28-05-2048
चन्द्र	28-05-2048	28-05-2049
बुध	28-05-2049	28-05-2050
शुक्र	28-05-2050	29-05-2051
शनि	29-05-2051	28-05-2052
राहु	28-05-2052	28-05-2053

## सूर्य (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	28-05-2053	27-01-2055
मंगल	27-01-2055	27-09-2056
चन्द्र	27-09-2056	27-09-2057
बुध	27-09-2057	27-09-2058
शुक्र	27-09-2058	27-09-2059
शनि	27-09-2059	27-09-2060
राहु	27-09-2060	27-09-2061
गुरु	27-09-2061	28-05-2063

## मंगल (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	28-05-2063	26-01-2065
चन्द्र	26-01-2065	26-01-2066
बुध	26-01-2066	27-01-2067
शुक्र	27-01-2067	27-01-2068
शनि	27-01-2068	26-01-2069
राहु	26-01-2069	26-01-2070
गुरु	26-01-2070	27-09-2071
सूर्य	27-09-2071	28-05-2073

## चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	28-05-2073	02-01-2074
बुध	02-01-2074	09-08-2074
शुक्र	09-08-2074	16-03-2075
शनि	16-03-2075	21-10-2075
राहु	21-10-2075	28-05-2076
गुरु	28-05-2076	28-05-2077
सूर्य	28-05-2077	28-05-2078
मंगल	28-05-2078	28-05-2079

## बुध (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	28-05-2079	03-01-2080
शुक्र	03-01-2080	09-08-2080
शनि	09-08-2080	16-03-2081
राहु	16-03-2081	21-10-2081
गुरु	21-10-2081	21-10-2082
सूर्य	21-10-2082	21-10-2083
मंगल	21-10-2083	21-10-2084
चन्द्र	21-10-2084	28-05-2085

## शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	28-05-2085	02-01-2086
शनि	02-01-2086	09-08-2086
राहु	09-08-2086	16-03-2087
गुरु	16-03-2087	15-03-2088
सूर्य	15-03-2088	16-03-2089
मंगल	16-03-2089	16-03-2090
चन्द्र	16-03-2090	21-10-2090
बुध	21-10-2090	28-05-2091

## शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	28-05-2091	02-01-2092
राहु	02-01-2092	09-08-2092
गुरु	09-08-2092	09-08-2093
सूर्य	09-08-2093	09-08-2094
मंगल	09-08-2094	09-08-2095
चन्द्र	09-08-2095	15-03-2096
बुध	15-03-2096	21-10-2096
शुक्र	21-10-2096	28-05-2097

## राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	28-05-2097	02-01-2098
गुरु	02-01-2098	02-01-2099
सूर्य	02-01-2099	02-01-2100
मंगल	02-01-2100	03-01-2101
चन्द्र	03-01-2101	10-08-2101
बुध	10-08-2101	17-03-2102
शुक्र	17-03-2102	22-10-2102
शनि	22-10-2102	29-05-2103

## गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	29-05-2103	27-01-2105
सूर्य	27-01-2105	28-09-2106
मंगल	28-09-2106	28-05-2108
चन्द्र	28-05-2108	29-05-2109
बुध	29-05-2109	29-05-2110
शुक्र	29-05-2110	29-05-2111
शनि	29-05-2111	28-05-2112
राहु	28-05-2112	29-05-2113



## षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु ०व ८म ११दि  
 जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

## गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु		
मंगल		
बुध		
शनि		
शुक्र		
राहु	23-07-1978	03-01-1979
चन्द्र	03-01-1979	02-02-1979
सूर्य	02-02-1979	04-04-1979

## मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	04-04-1979	14-09-1979
बुध	14-09-1979	04-04-1980
शनि	04-04-1980	03-12-1980
शुक्र	03-12-1980	13-09-1981
राहु	13-09-1981	04-08-1982
चन्द्र	04-08-1982	13-09-1982
सूर्य	13-09-1982	03-12-1982
गुरु	03-12-1982	04-04-1983

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	04-04-1983	14-12-1983
शनि	14-12-1983	13-10-1984
शुक्र	13-10-1984	03-10-1985
राहु	03-10-1985	13-11-1986
चन्द्र	13-11-1986	03-01-1987
सूर्य	03-01-1987	14-04-1987
गुरु	14-04-1987	14-09-1987
मंगल	14-09-1987	03-04-1988

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	03-04-1988	04-04-1989
शुक्र	04-04-1989	04-06-1990
राहु	04-06-1990	04-10-1991
चन्द्र	04-10-1991	04-12-1991
सूर्य	04-12-1991	03-04-1992
गुरु	03-04-1992	03-10-1992
मंगल	03-10-1992	04-06-1993
बुध	04-06-1993	04-04-1994

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	04-04-1994	14-08-1995
राहु	14-08-1995	04-03-1997
चन्द्र	04-03-1997	14-05-1997
सूर्य	14-05-1997	03-10-1997
गुरु	03-10-1997	04-05-1998
मंगल	04-05-1998	12-02-1999
बुध	12-02-1999	02-02-2000
शनि	02-02-2000	04-04-2001

## राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	04-04-2001	13-01-2003
चन्द्र	13-01-2003	04-04-2003
सूर्य	04-04-2003	13-09-2003
गुरु	13-09-2003	14-05-2004
मंगल	14-05-2004	04-04-2005
बुध	04-04-2005	14-05-2006
शनि	14-05-2006	13-09-2007
शुक्र	13-09-2007	04-04-2009

## चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	04-04-2009	14-04-2009
सूर्य	14-04-2009	04-05-2009
गुरु	04-05-2009	03-06-2009
मंगल	03-06-2009	14-07-2009
बुध	14-07-2009	03-09-2009
शनि	03-09-2009	03-11-2009
शुक्र	03-11-2009	13-01-2010
राहु	13-01-2010	04-04-2010

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	04-04-2010	14-05-2010
गुरु	14-05-2010	14-07-2010
मंगल	14-07-2010	03-10-2010
बुध	03-10-2010	13-01-2011
शनि	13-01-2011	15-05-2011
शुक्र	15-05-2011	04-10-2011
राहु	04-10-2011	14-03-2012
चन्द्र	14-03-2012	03-04-2012

## गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	03-04-2012	04-07-2012
मंगल	04-07-2012	02-11-2012
बुध	02-11-2012	04-04-2013
शनि	04-04-2013	03-10-2013
शुक्र	03-10-2013	04-05-2014
राहु	04-05-2014	03-01-2015
चन्द्र	03-01-2015	02-02-2015
सूर्य	02-02-2015	04-04-2015



## षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु ०८ ८म ११दि  
 भोग्य दशा : गु-ल-ल-ल-ल

## मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	०४-०४-२०१५	१३-०९-२०१५
बुध	१३-०९-२०१५	०३-०४-२०१६
शनि	०३-०४-२०१६	०३-१२-२०१६
शुक्र	०३-१२-२०१६	१३-०९-२०१७
राहु	१३-०९-२०१७	०३-०८-२०१८
चन्द्र	०३-०८-२०१८	१३-०९-२०१८
सूर्य	१३-०९-२०१८	०३-१२-२०१८
गुरु	०३-१२-२०१८	०४-०४-२०१९

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	०४-०४-२०१९	१४-१२-२०१९
शनि	१४-१२-२०१९	१३-१०-२०२०
शुक्र	१३-१०-२०२०	०३-१०-२०२१
राहु	०३-१०-२०२१	१३-११-२०२२
चन्द्र	१३-११-२०२२	०३-०१-२०२३
सूर्य	०३-०१-२०२३	१४-०४-२०२३
गुरु	१४-०४-२०२३	१३-०९-२०२३
मंगल	१३-०९-२०२३	०३-०४-२०२४

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	०३-०४-२०२४	०३-०४-२०२५
शुक्र	०३-०४-२०२५	०४-०६-२०२६
राहु	०४-०६-२०२६	०४-१०-२०२७
चन्द्र	०४-१०-२०२७	०३-१२-२०२७
सूर्य	०३-१२-२०२७	०३-०४-२०२८
गुरु	०३-०४-२०२८	०३-१०-२०२८
मंगल	०३-१०-२०२८	०३-०६-२०२९
बुध	०३-०६-२०२९	०४-०४-२०३०

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	०४-०४-२०३०	१४-०८-२०३१
राहु	१४-०८-२०३१	०४-०३-२०३३
चन्द्र	०४-०३-२०३३	१४-०५-२०३३
सूर्य	१४-०५-२०३३	०३-१०-२०३३
गुरु	०३-१०-२०३३	०४-०५-२०३४
मंगल	०४-०५-२०३४	१२-०२-२०३५
बुध	१२-०२-२०३५	०२-०२-२०३६
शनि	०२-०२-२०३६	०३-०४-२०३७

## राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	०३-०४-२०३७	१३-०१-२०३९
चन्द्र	१३-०१-२०३९	०४-०४-२०३९
सूर्य	०४-०४-२०३९	१३-०९-२०३९
गुरु	१३-०९-२०३९	१४-०५-२०४०
मंगल	१४-०५-२०४०	०३-०४-२०४१
बुध	०३-०४-२०४१	१४-०५-२०४२
शनि	१४-०५-२०४२	१३-०९-२०४३
शुक्र	१३-०९-२०४३	०३-०४-२०४५

## चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	०३-०४-२०४५	१३-०४-२०४५
सूर्य	१३-०४-२०४५	०४-०५-२०४५
गुरु	०४-०५-२०४५	०३-०६-२०४५
मंगल	०३-०६-२०४५	१४-०७-२०४५
बुध	१४-०७-२०४५	०२-०९-२०४५
शनि	०२-०९-२०४५	०२-११-२०४५
शुक्र	०२-११-२०४५	१२-०१-२०४६
राहु	१२-०१-२०४६	०४-०४-२०४६

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	०४-०४-२०४६	१४-०५-२०४६
गुरु	१४-०५-२०४६	१४-०७-२०४६
मंगल	१४-०७-२०४६	०३-१०-२०४६
बुध	०३-१०-२०४६	१३-०१-२०४७
शनि	१३-०१-२०४७	१४-०५-२०४७
शुक्र	१४-०५-२०४७	०३-१०-२०४७
राहु	०३-१०-२०४७	१४-०३-२०४८
चन्द्र	१४-०३-२०४८	०३-०४-२०४८

## गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	०३-०४-२०४८	०३-०७-२०४८
मंगल	०३-०७-२०४८	०२-११-२०४८
बुध	०२-११-२०४८	०३-०४-२०४९
शनि	०३-०४-२०४९	०३-१०-२०४९
शुक्र	०३-१०-२०४९	०४-०५-२०५०
राहु	०४-०५-२०५०	०२-०१-२०५१
चन्द्र	०२-०१-२०५१	०२-०२-२०५१
सूर्य	०२-०२-२०५१	०४-०४-२०५१

## मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	०४-०४-२०५१	१३-०९-२०५१
बुध	१३-०९-२०५१	०३-०४-२०५२
शनि	०३-०४-२०५२	०२-१२-२०५२
शुक्र	०२-१२-२०५२	१३-०९-२०५३
राहु	१३-०९-२०५३	०३-०८-२०५४
चन्द्र	०३-०८-२०५४	१३-०९-२०५४
सूर्य	१३-०९-२०५४	०३-१२-२०५४
गुरु	०३-१२-२०५४	०४-०४-२०५५

Mrs. Ahuja



षट्त्रिंशत्समा दशाएं ३

## षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु ०व ८उ ११क  
 जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	04-04-2055	13-12-2055
शनि	13-12-2055	13-10-2056
शुक्र	13-10-2056	03-10-2057
राहु	03-10-2057	13-11-2058
चन्द्र	13-11-2058	02-01-2059
सूर्य	02-01-2059	14-04-2059
गुरु	14-04-2059	13-09-2059
मंगल	13-09-2059	03-04-2060

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	03-04-2060	03-04-2061
शुक्र	03-04-2061	03-06-2062
राहु	03-06-2062	03-10-2063
चन्द्र	03-10-2063	03-12-2063
सूर्य	03-12-2063	03-04-2064
गुरु	03-04-2064	02-10-2064
मंगल	02-10-2064	03-06-2065
बुध	03-06-2065	03-04-2066

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	03-04-2066	13-08-2067
राहु	13-08-2067	04-03-2069
चन्द्र	04-03-2069	14-05-2069
सूर्य	14-05-2069	03-10-2069
गुरु	03-10-2069	04-05-2070
मंगल	04-05-2070	12-02-2071
बुध	12-02-2071	02-02-2072
शनि	02-02-2072	03-04-2073

## राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	03-04-2073	12-01-2075
चन्द्र	12-01-2075	04-04-2075
सूर्य	04-04-2075	13-09-2075
गुरु	13-09-2075	13-05-2076
मंगल	13-05-2076	03-04-2077
बुध	03-04-2077	14-05-2078
शनि	14-05-2078	13-09-2079
शुक्र	13-09-2079	03-04-2081

## चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	03-04-2081	13-04-2081
सूर्य	13-04-2081	03-05-2081
गुरु	03-05-2081	03-06-2081
मंगल	03-06-2081	13-07-2081
बुध	13-07-2081	02-09-2081
शनि	02-09-2081	02-11-2081
शुक्र	02-11-2081	12-01-2082
राहु	12-01-2082	03-04-2082

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	03-04-2082	14-05-2082
गुरु	14-05-2082	14-07-2082
मंगल	14-07-2082	03-10-2082
बुध	03-10-2082	12-01-2083
शनि	12-01-2083	14-05-2083
शुक्र	14-05-2083	03-10-2083
राहु	03-10-2083	13-03-2084
चन्द्र	13-03-2084	03-04-2084

## गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	03-04-2084	03-07-2084
मंगल	03-07-2084	02-11-2084
बुध	02-11-2084	03-04-2085
शनि	03-04-2085	03-10-2085
शुक्र	03-10-2085	04-05-2086
राहु	04-05-2086	02-01-2087
चन्द्र	02-01-2087	02-02-2087
सूर्य	02-02-2087	03-04-2087

## मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	03-04-2087	13-09-2087
बुध	13-09-2087	03-04-2088
शनि	03-04-2088	02-12-2088
शुक्र	02-12-2088	12-09-2089
राहु	12-09-2089	03-08-2090
चन्द्र	03-08-2090	12-09-2090
सूर्य	12-09-2090	03-12-2090
गुरु	03-12-2090	03-04-2091

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	03-04-2091	13-12-2091
शनि	13-12-2091	12-10-2092
शुक्र	12-10-2092	03-10-2093
राहु	03-10-2093	12-11-2094
चन्द्र	12-11-2094	02-01-2095
सूर्य	02-01-2095	14-04-2095
गुरु	14-04-2095	13-09-2095
मंगल	13-09-2095	03-04-2096



## पंचोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य २व ९म १७दि  
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

## सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
बुध		
शनि		
मंगल		
शुक्र		
चन्द्र	23-07-1978	19-04-1979
गुरु	19-04-1979	10-05-1981

## बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	10-05-1981	19-12-1982
शनि	19-12-1982	12-09-1984
मंगल	12-09-1984	22-07-1986
शुक्र	22-07-1986	15-07-1988
चन्द्र	15-07-1988	22-08-1990
गुरु	22-08-1990	13-11-1992
सूर्य	13-11-1992	10-05-1994

## शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	10-05-1994	22-03-1996
मंगल	22-03-1996	22-03-1998
शुक्र	22-03-1998	09-05-2000
चन्द्र	09-05-2000	15-08-2002
गुरु	15-08-2002	08-01-2005
सूर्य	08-01-2005	15-08-2006
बुध	15-08-2006	09-05-2008

## मंगल (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	09-05-2008	01-07-2010
शुक्र	01-07-2010	13-10-2012
चन्द्र	13-10-2012	19-03-2015
गुरु	19-03-2015	13-10-2017
सूर्य	13-10-2017	01-07-2019
बुध	01-07-2019	10-05-2021
शनि	10-05-2021	10-05-2023

## शुक्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	10-05-2023	17-10-2025
चन्द्र	17-10-2025	20-05-2028
गुरु	20-05-2028	15-02-2031
सूर्य	15-02-2031	14-12-2032
बुध	14-12-2032	08-12-2034
शनि	08-12-2034	25-01-2037
मंगल	25-01-2037	10-05-2039

## चन्द्र (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-05-2039	08-02-2042
गुरु	08-02-2042	08-01-2045
सूर्य	08-01-2045	18-12-2046
बुध	18-12-2046	25-01-2049
शनि	25-01-2049	03-05-2051
मंगल	03-05-2051	06-10-2053
शुक्र	06-10-2053	09-05-2056

## गुरु (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	09-05-2056	10-06-2059
सूर्य	10-06-2059	30-06-2061
बुध	30-06-2061	22-09-2063
शनि	22-09-2063	15-02-2066
मंगल	15-02-2066	11-09-2068
शुक्र	11-09-2068	10-06-2071
चन्द्र	10-06-2071	09-05-2074

## सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	09-05-2074	22-09-2075
बुध	22-09-2075	18-03-2077
शनि	18-03-2077	23-10-2078
मंगल	23-10-2078	10-07-2080
शुक्र	10-07-2080	09-05-2082
चन्द्र	09-05-2082	18-04-2084
गुरु	18-04-2084	09-05-2086

## बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	09-05-2086	18-12-2087
शनि	18-12-2087	11-09-2089
मंगल	11-09-2089	22-07-2091
शुक्र	22-07-2091	14-07-2093
चन्द्र	14-07-2093	22-08-2095
गुरु	22-08-2095	13-11-2097
सूर्य	13-11-2097	09-05-2099



## शताब्दीका महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध २व ३म २८दि  
 जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

## बुध (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध		
गुरु		
मंगल		
शनि	23-07-1978	21-11-1978
सूर्य	21-11-1978	23-05-1979
चन्द्र	23-05-1979	21-11-1979
शुक्र	21-11-1979	21-11-1980

## गुरु (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	21-11-1980	20-11-1984
मंगल	20-11-1984	20-11-1988
शनि	20-11-1988	21-11-1994
सूर्य	21-11-1994	21-11-1995
चन्द्र	21-11-1995	20-11-1996
शुक्र	20-11-1996	21-11-1998
बुध	21-11-1998	20-11-2000

## मंगल (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	20-11-2000	20-11-2004
शनि	20-11-2004	21-11-2010
सूर्य	21-11-2010	21-11-2011
चन्द्र	21-11-2011	20-11-2012
शुक्र	20-11-2012	21-11-2014
बुध	21-11-2014	20-11-2016
गुरु	20-11-2016	20-11-2020

## शनि (30व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	20-11-2020	20-11-2029
सूर्य	20-11-2029	22-05-2031
चन्द्र	22-05-2031	20-11-2032
शुक्र	20-11-2032	21-11-2035
बुध	21-11-2035	21-11-2038
गुरु	21-11-2038	20-11-2044
मंगल	20-11-2044	20-11-2050

## सूर्य (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	20-11-2050	20-02-2051
चन्द्र	20-02-2051	22-05-2051
शुक्र	22-05-2051	21-11-2051
बुध	21-11-2051	21-05-2052
गुरु	21-05-2052	22-05-2053
मंगल	22-05-2053	22-05-2054
शनि	22-05-2054	21-11-2055

## चन्द्र (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	21-11-2055	20-02-2056
शुक्र	20-02-2056	21-08-2056
बुध	21-08-2056	19-02-2057
गुरु	19-02-2057	19-02-2058
मंगल	19-02-2058	20-02-2059
शनि	20-02-2059	21-08-2060
सूर्य	21-08-2060	20-11-2060

## शुक्र (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	20-11-2060	20-11-2061
बुध	20-11-2061	20-11-2062
गुरु	20-11-2062	20-11-2064
मंगल	20-11-2064	20-11-2066
शनि	20-11-2066	20-11-2069
सूर्य	20-11-2069	22-05-2070
चन्द्र	22-05-2070	20-11-2070

## बुध (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	20-11-2070	21-11-2071
गुरु	21-11-2071	20-11-2073
मंगल	20-11-2073	21-11-2075
शनि	21-11-2075	20-11-2078
सूर्य	20-11-2078	22-05-2079
चन्द्र	22-05-2079	20-11-2079
शुक्र	20-11-2079	20-11-2080

## गुरु (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	20-11-2080	20-11-2084
मंगल	20-11-2084	20-11-2088
शनि	20-11-2088	20-11-2094
सूर्य	20-11-2094	20-11-2095
चन्द्र	20-11-2095	20-11-2096
शुक्र	20-11-2096	20-11-2098
बुध	20-11-2098	21-11-2100



## चतुर्शीतिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल २व ९म १७दि  
 जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

## मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल		
बुध		
गुरु		
शुक्र		
शनि		
सूर्य	23-07-1978	23-08-1979
चन्द्र	23-08-1979	10-05-1981

## बुध (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	10-05-1981	26-01-1983
गुरु	26-01-1983	13-10-1984
शुक्र	13-10-1984	01-07-1986
शनि	01-07-1986	18-03-1988
सूर्य	18-03-1988	04-12-1989
चन्द्र	04-12-1989	23-08-1991
मंगल	23-08-1991	10-05-1993

## गुरु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	10-05-1993	26-01-1995
शुक्र	26-01-1995	13-10-1996
शनि	13-10-1996	01-07-1998
सूर्य	01-07-1998	18-03-2000
चन्द्र	18-03-2000	04-12-2001
मंगल	04-12-2001	23-08-2003
बुध	23-08-2003	10-05-2005

## शुक्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	10-05-2005	26-01-2007
शनि	26-01-2007	13-10-2008
सूर्य	13-10-2008	01-07-2010
चन्द्र	01-07-2010	18-03-2012
मंगल	18-03-2012	04-12-2013
बुध	04-12-2013	22-08-2015
गुरु	22-08-2015	10-05-2017

## शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	10-05-2017	26-01-2019
सूर्य	26-01-2019	13-10-2020
चन्द्र	13-10-2020	01-07-2022
मंगल	01-07-2022	18-03-2024
बुध	18-03-2024	04-12-2025
गुरु	04-12-2025	22-08-2027
शुक्र	22-08-2027	09-05-2029

## सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	09-05-2029	26-01-2031
चन्द्र	26-01-2031	13-10-2032
मंगल	13-10-2032	01-07-2034
बुध	01-07-2034	18-03-2036
गुरु	18-03-2036	04-12-2037
शुक्र	04-12-2037	22-08-2039
शनि	22-08-2039	09-05-2041

## चन्द्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	09-05-2041	26-01-2043
मंगल	26-01-2043	13-10-2044
बुध	13-10-2044	01-07-2046
गुरु	01-07-2046	18-03-2048
शुक्र	18-03-2048	04-12-2049
शनि	04-12-2049	22-08-2051
सूर्य	22-08-2051	09-05-2053

## मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	09-05-2053	25-01-2055
बुध	25-01-2055	13-10-2056
गुरु	13-10-2056	01-07-2058
शुक्र	01-07-2058	18-03-2060
शनि	18-03-2060	04-12-2061
सूर्य	04-12-2061	22-08-2063
चन्द्र	22-08-2063	09-05-2065

## बुध (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	09-05-2065	25-01-2067
गुरु	25-01-2067	12-10-2068
शुक्र	12-10-2068	01-07-2070
शनि	01-07-2070	18-03-2072
सूर्य	18-03-2072	04-12-2073
चन्द्र	04-12-2073	22-08-2075
मंगल	22-08-2075	09-05-2077



## शनि की साढ़ेसाती का विचार

ज्योतिष तत्व प्रकाश के अनुसार -

**द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरः।  
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुःखैर्युतो भवेत्॥**

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से गोचर में जब शनि द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थानों में भ्रमण करता है, तो साढ़े-सात वर्ष के समय को शनि की साढ़ेसाती कहते हैं।

आपकी जन्म राशि कुंभ है, अतः शनि जब मकर, कुंभ व मीन राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की साढ़ेसाती कहलायेगी।

एक साढ़ेसाती तीन द्वैया से मिलकर बनती है। क्योंकि शनि एक राशि में लगभग ढाई वर्षों तक चलता है।

प्रायः जीवन में तीन बार साढ़ेसाती आती है।

निम्नलिखित सारणी में प्रत्येक साढ़ेसाती के प्रारम्भ और समाप्ति का समय दर्शाया जा रहा है।

साढ़ेसाती चक्र	शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	सर्व
<b>प्रथम चक्र की साढ़े साती</b>						
प्रथम द्वैया (जन्म राशि से द्वादश)	मकर	20-03-1990	20-06-1990	0-3-0	5	26
	मकर (व)	14-12-1990	05-03-1993	2-2-21		
<b>द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)</b>						
द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)	कुंभ	05-03-1993	15-10-1993	0-7-10	1	21
	कुंभ (व)	09-11-1993	02-06-1995	1-6-23		
<b>तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)</b>						
तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)	मीन	02-06-1995	09-08-1995	0-2-7	1	25
	मीन (व)	16-02-1996	17-04-1998	2-2-1		
<b>द्वितीय चक्र की साढ़ेसाती</b>						
प्रथम द्वैया (जन्म राशि से द्वादश)	मकर	24-01-2020	29-04-2022	2-3-5	5	26
	मकर (व)	12-07-2022	17-01-2023	0-6-5		
<b>द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)</b>						
द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)	कुंभ	29-04-2022	12-07-2022	0-2-13	1	21
	कुंभ (व)	17-01-2023	29-03-2025	2-2-12		
<b>तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)</b>						
तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)	मीन	29-03-2025	02-06-2027	2-2-3	1	25
	मीन (व)	20-10-2027	23-02-2028	0-4-3		
<b>तृतीय चक्र की साढ़ेसाती</b>						
प्रथम द्वैया (जन्म राशि से द्वादश)	मकर	06-03-2049	09-07-2049	0-4-3	5	26
	मकर (व)	04-12-2049	24-02-2052	2-2-20		
<b>द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)</b>						
द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)	कुंभ	24-02-2052	14-05-2054	2-2-20	1	21
	कुंभ (व)	01-09-2054	05-02-2055	0-5-4		
<b>तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)</b>						
तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)	मीन	14-05-2054	01-09-2054	0-3-17	1	25
	मीन (व)	05-02-2055	07-04-2057	2-2-2		

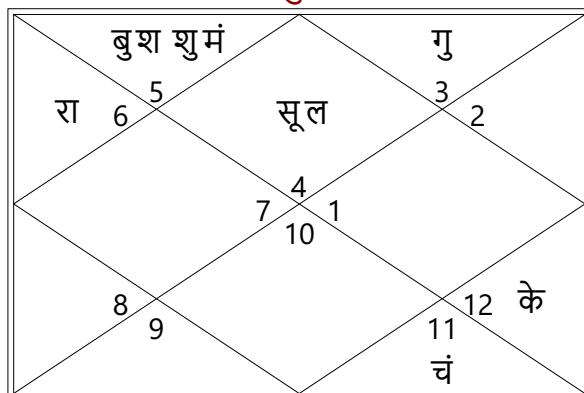


## कृष्णमूर्ति पद्धति

23 जुलाई 1978 • 06:05 घंटे • Raipur, Chhattisgarh, India

ग्रह	व/अ	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
लग्न		कर्क	12:32:17	पुष्य	3	चं	श	मं	बु
सूर्य		कर्क	05:22:59	पुष्य	1	चं	श	श	गु
चन्द्र		कुंभ	16:59:14	शतभिषा	4	श	रा	शु	श
मंगल		सिंह	28:59:20	उत्तराफाल्गुनी	1	सू	सू	मं	के
बुध		सिंह	03:14:15	मघा	1	सू	के	सू	गु
गुरु	(अ)	मिथुन	27:11:06	पुनर्वसु	3	बु	गु	शु	चं
शुक्र		सिंह	18:53:19	पूर्वाफाल्गुनी	2	सू	शु	रा	श
शनि		सिंह	06:07:58	मघा	2	सू	के	रा	श
राहु		कन्या	04:55:50	उत्तराफाल्गुनी	3	बु	सू	श	गु
केतु		मीन	04:55:50	उत्तराभाद्रपद	1	गु	श	श	रा
यूरेनस		तुला	18:51:20	स्वाति	4	शु	रा	चं	बु
नैपच्यून (व)		वृश्चिक	22:24:57	ज्येष्ठा	2	मं	बु	चं	रा
प्लूटो		कन्या	20:39:59	हस्त	4	बु	चं	शु	शु

## जन्म कुण्डली



## कस्प कुण्डली



## भाव विवरण

भाव कस्प	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
1. प्रथम	कर्क	12:32:17	पुष्य	3	चं	श	मं	बु
2. द्वितीय	सिंह	08:10:11	मघा	3	सू	के	गु	बु
3. तृतीय	कन्या	07:20:57	उत्तराफाल्गुनी	4	बु	सू	के	रा
4. चतुर्थ	तुला	09:32:14	स्वाति	1	शु	रा	गु	के
5. पंचम	वृश्चिक	12:07:44	अनुराधा	3	मं	श	मं	मं
6. षष्ठ	धनु	13:09:00	मूल	4	गु	के	बु	श
7. सप्तम	मकर	12:32:17	श्रवण	1	श	चं	बु	श
8. अष्टम	कुंभ	08:10:11	शतभिषा	1	श	रा	रा	शु
9. नवम	मीन	07:20:57	उत्तराभाद्रपद	2	गु	श	के	के
10. दशम	मेष	09:32:14	अश्विनी	3	मं	के	श	श
11. एकादश	वृष	12:07:44	रोहिणी	1	शु	चं	रा	रा
12. द्वादश	मिथुन	13:09:00	आर्द्रा	2	बु	रा	बु	शु



## कृष्णमूर्ति पद्धति

## भावों के कारक ग्रह

भाव	भाव स्थित ग्रहों के नक्षत्र में ग्रह	भाव स्थित ग्रह	भाव कस्प स्वामी के नक्षत्र में ग्रह	भाव कस्प स्वामी
1. प्रथम	सूके	बु.श		चं
2. द्वितीय	शु.चं	मं.शु.रा	मं.रा	सू
3. तृतीय				बु
4. चतुर्थ			शु	शु
5. पंचम				मं
6. षष्ठ			गु	गु
7. सप्तम			सू.के	श
8. अष्टम	बु.श	चं.के	सू.के	श
9. नवम			गु	गु
10. दशम				मं
11. एकादश			शु	शु
12. द्वादश	मं.रा.गु	सू.गु		बु

## ग्रहों द्वारा अभिसूचित भाव

ग्रह	ग्रहों से अभिप्राय भाव			
	अत्यधिक बली कारक	बली कारक	सामान्य कारक	निर्बल कारक
सूर्य			1 12	2 7 8
चन्द्र			2 8	1
मंगल		2	12	5 10
बुध			1 8	3 12
गुरु	12		6 9	
शुक्र	2		4 11	
शनि		8	1	7
राहु		2	12	
केतु		8	1	7

## स्वामी ग्रह

वारेश	:	सूर्य	फॉरच्यूना	:	कुंभ 23:09:44
लग्नेश	:	चन्द्र	भोग्य दशा	:	राहु 4व.-0म.-23दि.
लग्न नक्षत्र स्वामी	:	शनि	के.पी. आयनांश	:	-23:27:41
लग्न नक्षत्र उपस्वामी	:	मंगल			
चन्द्र राशि स्वामी	:	शनि			
चन्द्र नक्षत्र स्वामी	:	राहु			
चन्द्र नक्षत्र उपस्वामी	:	शुक्र			

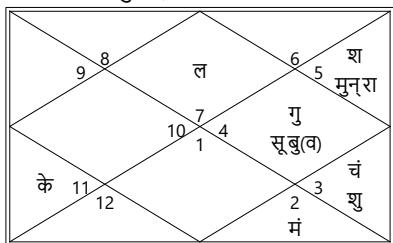
Mrs. Ahuja



वर्षफल कुण्डलियां - 1

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:1

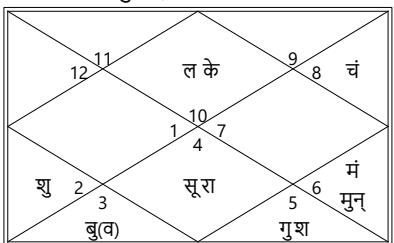
23 जुलाई 1979 12:12 घंटे



लग्र 06:32 मंगल 25:26 शुक्र 27:08  
सूर्य 06:15 बुध 19:44 शनि 17:50  
चन्द्र 27:27 गुरु 21:51 राहु 15:23  
वर्षश सूर्य मुन्धा सिंह 12:26:28

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:2

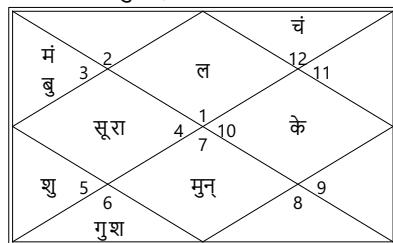
22 जुलाई 1980 18:24 घंटे



लग्र 01:25 मंगल 13:08 शुक्र 26:39  
सूर्य 06:15 बुध 21:37 शनि 29:34  
चन्द्र 01:51 गुरु 16:13 राहु 26:48  
वर्षश मंगल मुन्धा कन्या 12:26:29

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:3

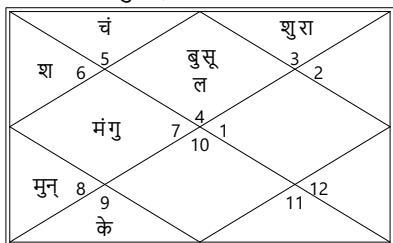
23 जुलाई 1981 00:41 घंटे



लग्र 25:51 मंगल 09:23 शुक्र 04:14  
सूर्य 06:15 बुध 18:07 शनि 11:14  
चन्द्र 15:18 गुरु 11:08 राहु 08:05  
वर्षश शुक्र मुन्धा तुला 12:26:31

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:4

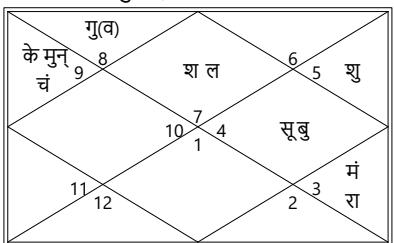
23 जुलाई 1982 06:37 घंटे



लग्र 19:38 मंगल 00:04 शुक्र 09:14  
सूर्य 06:15 बुध 03:35 शनि 22:51  
चन्द्र 07:28 गुरु 07:45 राहु 19:41  
वर्षश मंगल मुन्धा वृश्चिक 12:26:28

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:5

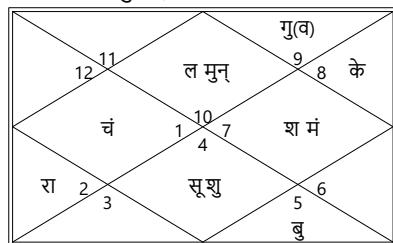
23 जुलाई 1983 12:47 घंटे



लग्र 14:27 मंगल 22:24 शुक्र 13:31  
सूर्य 06:15 बुध 20:49 शनि 04:29  
चन्द्र 17:56 गुरु 07:30 राहु 01:12  
वर्षश बुध मुन्धा धनु 12:26:28

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:6

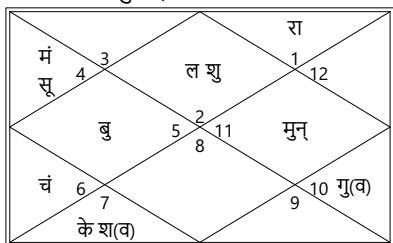
22 जुलाई 1984 19:02 घंटे



लग्र 11:40 मंगल 24:30 शुक्र 16:21  
सूर्य 06:15 बुध 01:38 शनि 16:08  
चन्द्र 21:56 गुरु 11:40 राहु 11:27  
वर्षश शनि मुन्धा मकर 12:26:29

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:7

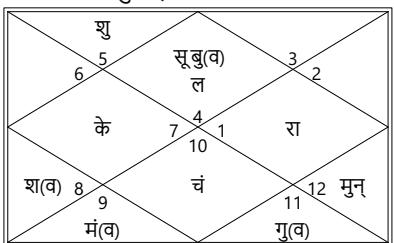
23 जुलाई 1985 01:03 घंटे



लग्र 02:00 मंगल 04:49 शुक्र 24:24  
सूर्य 06:15 बुध 00:33 शनि 27:49  
चन्द्र 07:44 गुरु 19:59 राहु 21:18  
वर्षश शुक्र मुन्धा कुम्भ 12:26:28

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:8

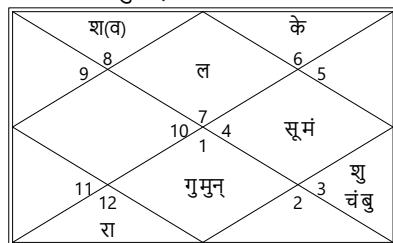
23 जुलाई 1986 07:14 घंटे



लग्र 27:58 मंगल 20:26 शुक्र 19:08  
सूर्य 06:15 बुध 06:54 शनि 09:34  
चन्द्र 28:30 गुरु 29:00 राहु 01:07  
वर्षश गुरु मीन 12:26:28

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:9

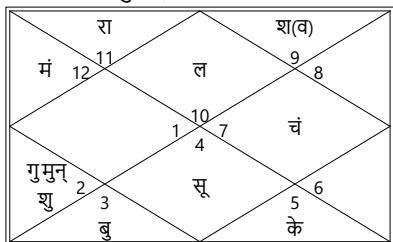
23 जुलाई 1987 13:19 घंटे



लग्र 21:46 मंगल 16:55 शुक्र 27:45  
सूर्य 06:15 बुध 16:39 शनि 21:25  
चन्द्र 08:36 गुरु 04:49 राहु 11:03  
वर्षश बुध मेष 12:26:27

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:10

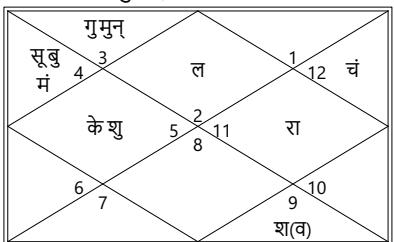
22 जुलाई 1988 19:28 घंटे



लग्र 18:38 मंगल 10:04 शुक्र 25:38  
सूर्य 06:15 बुध 23:26 शनि 03:22  
चन्द्र 11:51 गुरु 06:24 राहु 21:21  
वर्षश मंगल मुन्धा वृष्टि 12:26:27

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:11

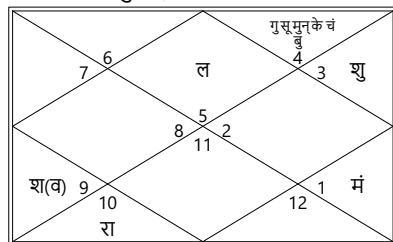
23 जुलाई 1989 01:45 घंटे



लग्र 13:02 मंगल 28:54 शुक्र 04:48  
सूर्य 06:15 बुध 11:25 शनि 15:27  
चन्द्र 00:05 गुरु 04:35 राहु 02:15  
वर्षश बुध मुन्धा मिथुन 12:26:29

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:12

23 जुलाई 1990 07:44 घंटे



लग्र 04:45 मंगल 13:13 शुक्र 09:48  
सूर्य 06:15 बुध 26:24 शनि 27:40  
चन्द्र 19:04 गुरु 00:31 राहु 13:31  
वर्षश चन्द्र मुन्धा कर्क 12:26:27

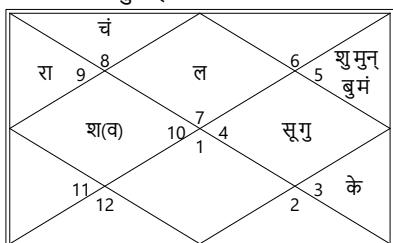
Mrs. Ahuja



वर्षफल कुण्डलियां - 2

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:13

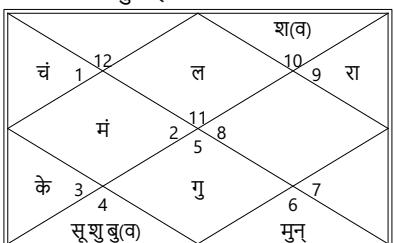
23 जुलाई 1991 13:56 घंटे



लग्र	29:56	मंगल	11:04	शुक्र	12:05
सूर्य	06:15	बुध	03:12	शनि	10:02
चन्द्र	29:08	गुरु	25:13	राहु	25:13
वर्षश	सूर्य	मुन्धा	सिंह	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:14

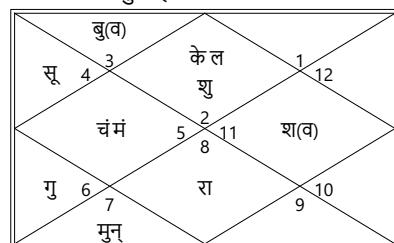
22 जुलाई 1992 20:15 घंटे



लग्र	02:36	मंगल	03:22	शुक्र	16:59
सूर्य	06:15	बुध	23:26	शनि	22:32
चन्द्र	02:39	गुरु	19:36	राहु	06:30
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कन्या	12:26:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:15

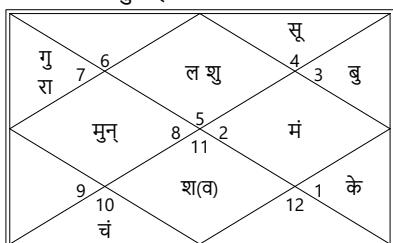
23 जुलाई 1993 02:18 घंटे



लग्र	21:09	मंगल	23:44	शुक्र	24:48
सूर्य	06:15	बुध	24:47	शनि	05:09
चन्द्र	22:20	गुरु	14:41	राहु	17:14
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	तुला	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:16

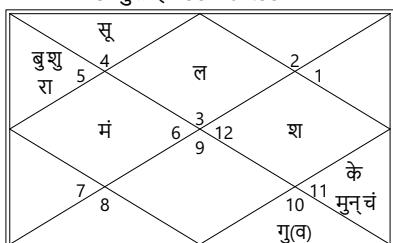
23 जुलाई 1994 08:28 घंटे



लग्र	14:46	मंगल	19:38	शुक्र	19:28
सूर्य	06:15	बुध	16:59	शनि	17:53
चन्द्र	09:51	गुरु	11:38	राहु	27:34
वर्षश	गुरु	मुन्धा	वृषभि	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:19

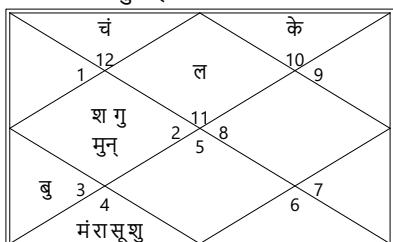
23 जुलाई 1997 02:59 घंटे



लग्र	00:59	मंगल	22:59	शुक्र	05:23
सूर्य	06:15	बुध	00:35	शनि	26:27
चन्द्र	14:30	गुरु	25:23	राहु	26:59
वर्षश	बुध	मुन्धा	कुम्भ	12:26:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:22

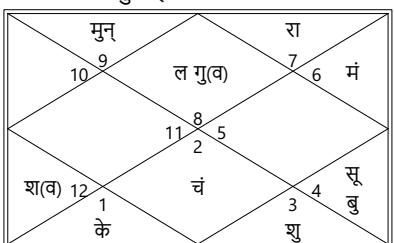
22 जुलाई 2000 21:24 घंटे



लग्र	24:15	मंगल	00:02	शुक्र	17:36
सूर्य	06:15	बुध	17:44	शनि	04:50
चन्द्र	14:28	गुरु	10:29	राहु	00:43
वर्षश	गुरु	मुन्धा	वृष	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:17

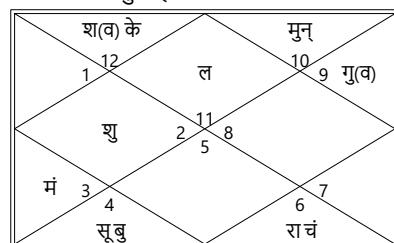
23 जुलाई 1995 14:36 घंटे



लग्र	08:41	मंगल	07:22	शुक्र	28:23
सूर्य	06:15	बुध	00:47	शनि	00:42
चन्द्र	19:21	गुरु	11:53	राहु	07:40
वर्षश	गुरु	मुन्धा	धनु	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:18

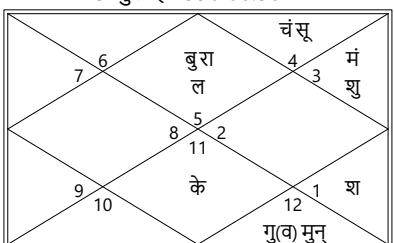
22 जुलाई 1996 20:44 घंटे



लग्र	11:23	मंगल	04:04	शुक्र	24:45
सूर्य	06:15	बुध	18:33	शनि	13:34
चन्द्र	23:12	गुरु	16:42	राहु	16:48
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मकर	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:20

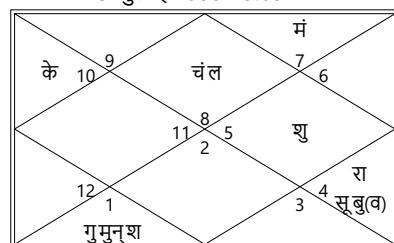
23 जुलाई 1998 08:58 घंटे



लग्र	21:35	मंगल	17:24	शुक्र	10:23
सूर्य	06:15	बुध	01:55	शनि	09:18
चन्द्र	00:59	गुरु	04:10	राहु	07:51
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:21

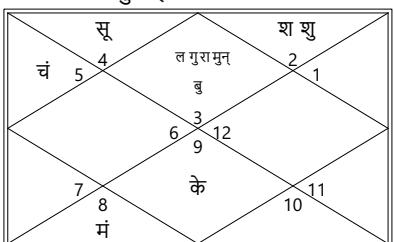
23 जुलाई 1999 15:05 घंटे



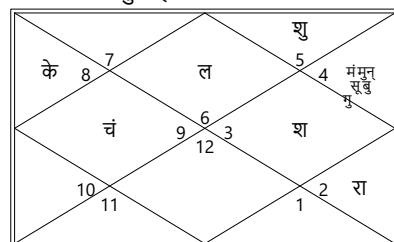
लग्र	15:12	मंगल	13:23	शुक्र	10:27
सूर्य	06:15	बुध	11:40	शनि	22:06
चन्द्र	09:30	गुरु	09:26	राहु	19:11
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मेष	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:23

23 जुलाई 2001 03:28 घंटे



लग्र	07:37	मंगल	21:17	शुक्र	25:12
सूर्य	06:15	बुध	21:15	शनि	17:28
चन्द्र	05:48	गुरु	08:17	राहु	12:20
वर्षश	बुध	मुन्धा	मिथुन	12:26:27	



लग्र	00:56	मंगल	12:13	शुक्र	19:48
सूर्य	06:15	बुध	08:41	शनि	00:00
चन्द्र	21:50	गुरु	03:59	राहु	23:22
वर्षश	बुध	मुन्धा	कर्क	12:26:28	

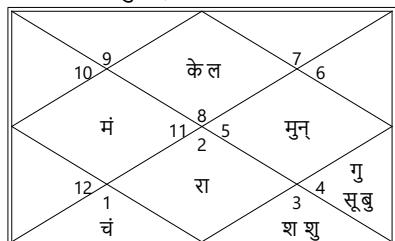
Mrs. Ahuja



वर्षफल कुण्डलियां - 2

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:25

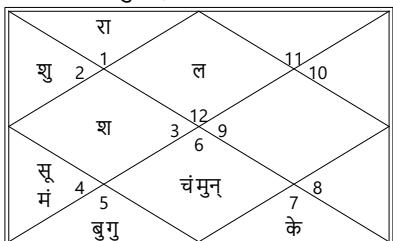
23 जुलाई 2003 15:49 घंटे



लग्र	24:51	मंगल	15:59	शुक्र	29:01
सूर्य	06:15	बुध	24:35	शनि	12:25
चन्द्र	29:29	गुरु	28:33	राहु	03:39
वर्षश	मंगल	मुन्या	सिंह	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:26

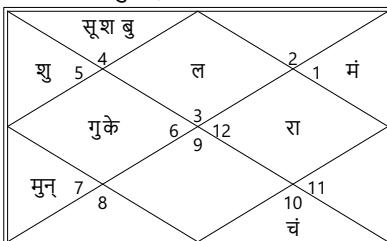
23 जुलाई 2004 21:58 घंटे



लग्र	05:23	मंगल	24:14	शुक्र	23:58
सूर्य	06:15	बुध	02:55	शनि	24:43
चन्द्र	05:59	गुरु	22:56	राहु	13:10
वर्षश	बुध	मुन्या	कन्या	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:27

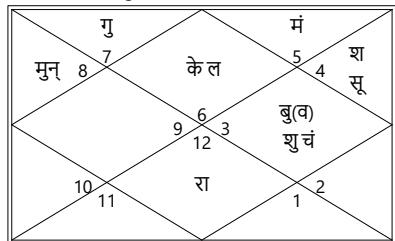
23 जुलाई 2005 04:12 घंटे



लग्र	17:32	मंगल	02:55	शुक्र	05:57
सूर्य	06:15	बुध	26:32	शनि	06:53
चन्द्र	27:34	गुरु	18:09	राहु	22:52
वर्षश	शुक्र	मुन्या	तुला	12:26:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:28

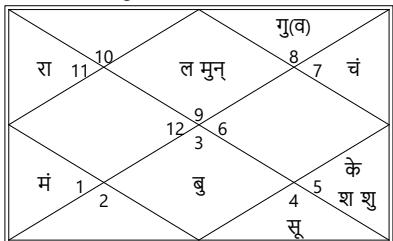
23 जुलाई 2006 10:12 घंटे



लग्र	08:53	मंगल	06:18	शुक्र	10:58
सूर्य	06:15	बुध	28:38	शनि	18:56
चन्द्र	13:08	गुरु	15:27	राहु	03:02
वर्षश	बुध	मुन्या	वृषभ	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:29

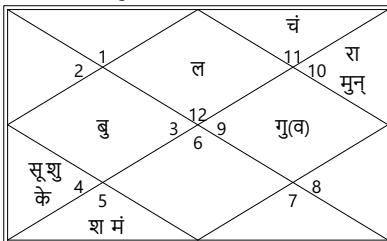
23 जुलाई 2007 16:18 घंटे



लग्र	01:19	मंगल	26:09	शुक्र	08:38
सूर्य	06:15	बुध	16:20	शनि	00:52
चन्द्र	19:09	गुरु	16:17	राहु	13:47
वर्षश	शनि	मुन्या	धनु	12:26:26	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:30

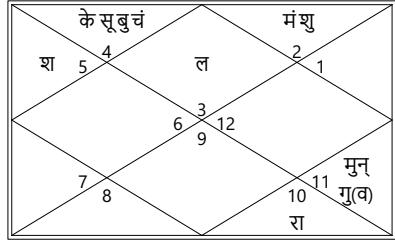
23 जुलाई 2008 22:36 घंटे



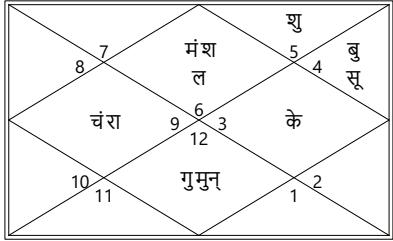
लग्र	17:47	मंगल	18:43	शुक्र	18:14
सूर्य	06:15	बुध	28:03	शनि	12:42
चन्द्र	27:36	गुरु	21:48	राहु	24:36
वर्षश	गुरु	मुन्या	मकर	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:31

23 जुलाई 2009 04:39 घंटे



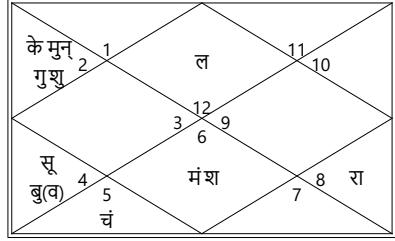
लग्र	23:34	मंगल	13:34	शुक्र	25:37
सूर्य	06:15	बुध	16:08	शनि	24:26
चन्द्र	18:25	गुरु	00:52	राहु	06:13
वर्षश	शनि	मुन्या	कुम्भ	12:26:27	



लग्र	16:59	मंगल	01:53	शुक्र	20:06
सूर्य	06:15	बुध	29:17	शनि	06:07
चन्द्र	04:15	गुरु	09:23	राहु	17:57
वर्षश	गुरु	मीन	12:26:27		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:32

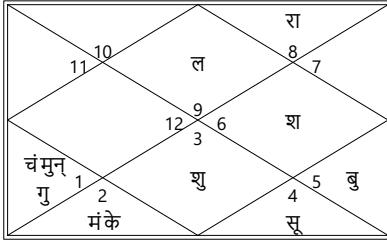
23 जुलाई 2010 10:47 घंटे



लग्र	03:12	मंगल	12:18	शुक्र	06:30
सूर्य	06:15	बुध	19:32	शनि	10:56
चन्द्र	09:35	गुरु	11:59	राहु	19:32
वर्षश	शनि	मुन्या	मिथुन	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:33

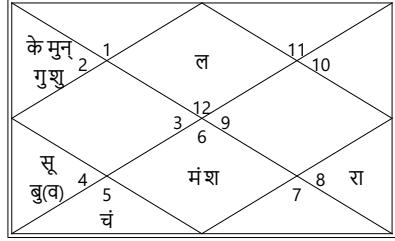
23 जुलाई 2011 16:58 घंटे



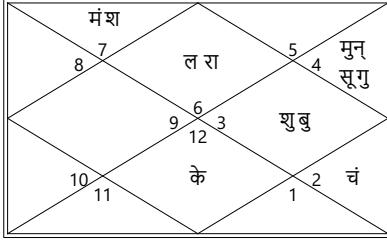
लग्र	10:37	मंगल	28:35	शुक्र	29:38
सूर्य	06:15	बुध	02:46	शनि	17:44
चन्द्र	09:12	गुरु	14:03	राहु	28:46
वर्षश	शनि	मुन्या	मेष	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:34

23 जुलाई 2012 23:08 घंटे



लग्र	28:04	मंगल	16:33	शुक्र	23:18
सूर्य	06:15	बुध	16:14	शनि	29:20
चन्द्र	19:30	गुरु	14:34	राहु	09:18
वर्षश	शुक्र	मुन्या	वृष	12:26:27	



लग्र	26:15	मंगल	04:27	शुक्र	11:33
सूर्य	06:15	बुध	19:23	शनि	22:35
चन्द्र	25:14	गुरु	07:27	राहु	29:23
वर्षश	बुध	मुन्या	कर्क	12:26:27	

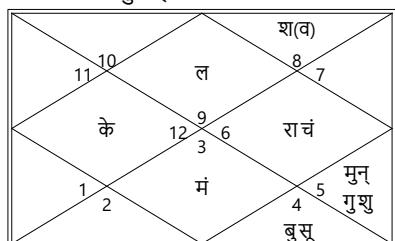
Mrs. Ahuja



वर्षफल कुण्डलियां - 4

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:37

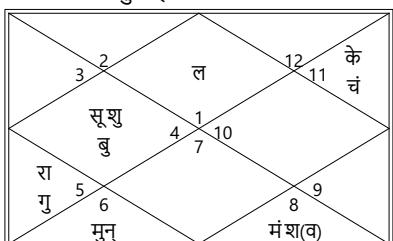
23 जुलाई 2015 17:35 घंटे



लग्र	19:13	मंगल	25:10	शुक्र	06:37
सूर्य	06:15	बुध	05:54	शनि	04:17
चन्द्र	28:55	गुरु	01:55	राहु	08:57
वर्षश	गुरु	मुन्धा	सिंह	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:38

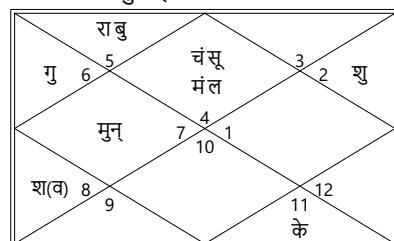
22 जुलाई 2016 23:53 घंटे



लग्र	12:09	मंगल	02:18	शुक्र	18:51
सूर्य	06:15	बुध	22:36	शनि	16:03
चन्द्र	11:31	गुरु	26:20	राहु	19:14
वर्षश	बुध	मुन्धा	कन्या	12:26:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:39

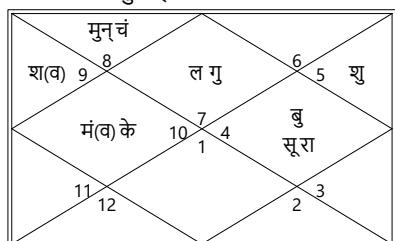
23 जुलाई 2017 05:57 घंटे



लग्र	10:41	मंगल	07:31	शुक्र	26:02
सूर्य	06:15	बुध	02:20	शनि	27:56
चन्द्र	00:54	गुरु	21:46	राहु	00:12
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	तुला	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:40

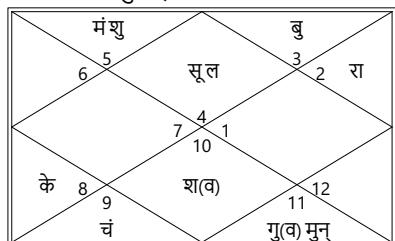
23 जुलाई 2018 12:01 घंटे



लग्र	04:11	मंगल	11:05	शुक्र	20:23
सूर्य	06:15	बुध	28:59	शनि	09:57
चन्द्र	16:14	गुरु	19:28	राहु	11:48
वर्षश	बुध	मुन्धा	वृषभ	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:43

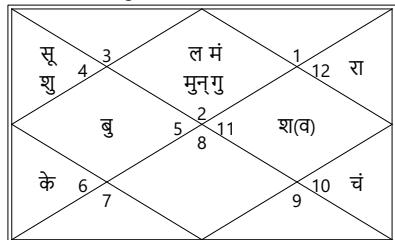
23 जुलाई 2021 06:30 घंटे



लग्र	18:03	मंगल	01:34	शुक्र	07:04
सूर्य	06:15	बुध	25:27	शनि	16:47
चन्द्र	21:53	गुरु	06:24	राहु	15:33
वर्षश	शनि	मुन्धा	कुम्भ	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:46

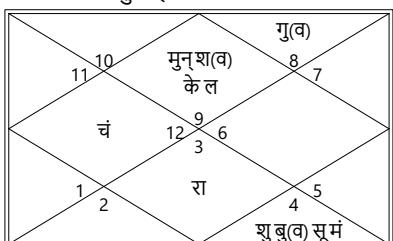
23 जुलाई 2024 00:57 घंटे



लग्र	00:17	मंगल	07:08	शुक्र	19:28
सूर्य	06:15	बुध	03:10	शनि	24:47
चन्द्र	24:54	गुरु	18:29	राहु	14:47
वर्षश	शनि	मुन्धा	वृष	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:41

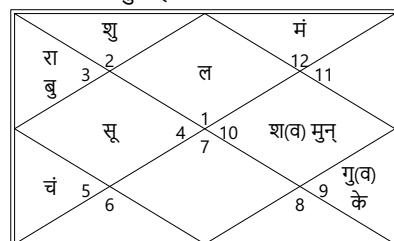
23 जुलाई 2019 18:12 घंटे



लग्र	28:20	मंगल	19:34	शुक्र	00:16
सूर्य	06:15	बुध	03:01	शनि	22:05
चन्द्र	19:09	गुरु	20:56	राहु	23:24
वर्षश	शनि	मुन्धा	धनु	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:42

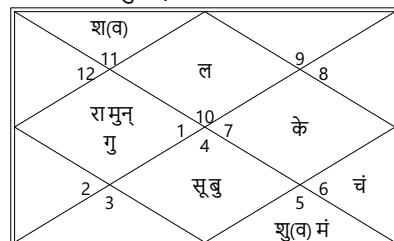
23 जुलाई 2020 00:19 घंटे



लग्र	19:34	मंगल	19:42	शुक्र	22:43
सूर्य	06:15	बुध	16:15	शनि	04:21
चन्द्र	02:59	गुरु	27:07	राहु	04:40
वर्षश	शनि	मुन्धा	मकर	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:45

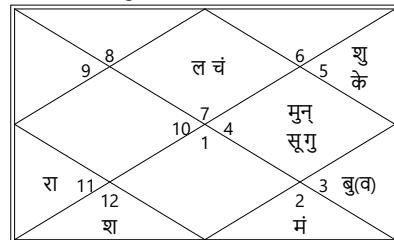
23 जुलाई 2023 18:39 घंटे



लग्र	05:27	मंगल	13:48	शुक्र	04:24
सूर्य	06:15	बुध	27:47	शनि	12:01
चन्द्र	09:26	गुरु	18:30	राहु	04:53
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मेष	12:26:25	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:48

23 जुलाई 2026 13:12 घंटे



लग्र	20:01	मंगल	22:55	शुक्र	20:39
सूर्य	06:15	बुध	22:06	शनि	20:30
चन्द्र	27:05	गुरु	10:48	राहु	06:00
वर्षश	बुध	मुन्धा	कर्क	12:26:26	

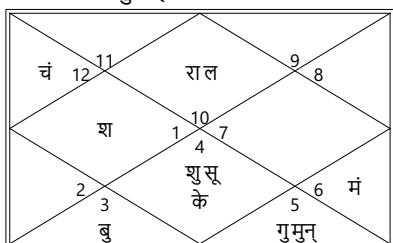
Mrs. Ahuja



वर्षफल कुण्डलियां - 5

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:49

23 जुलाई 2027 19:26 घंटे



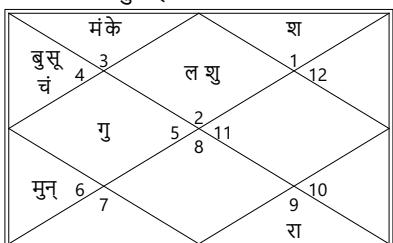
लग्र	18:25	मंगल	10:35	शुक्र	00:54
सूर्य	06:15	बुध	17:53	शनि	03:22
चन्द्र	00:04	गुरु	05:13	राहु	17:14
वर्षश	सूर्य	मुन्धा	सिंह	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:50

23 जुलाई 2028 01:38 घंटे

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:50

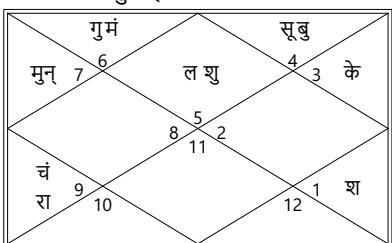
23 जुलाई 2028 01:38 घंटे



लग्र	11:06	मंगल	07:05	शुक्र	22:14
सूर्य	06:15	बुध	03:06	शनि	16:12
चन्द्र	16:04	गुरु	29:44	राहु	28:58
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	कन्या	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:51

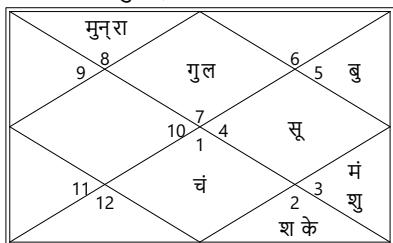
23 जुलाई 2029 07:48 घंटे



लग्र	05:32	मंगल	26:53	शुक्र	07:37
सूर्य	06:15	बुध	20:27	शनि	28:59
चन्द्र	05:15	गुरु	25:25	राहु	10:20
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	तुला	12:26:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:52

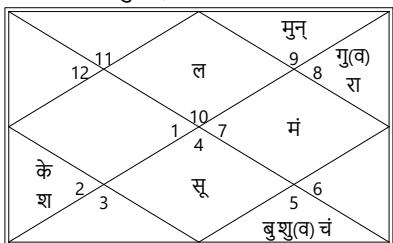
23 जुलाई 2030 13:51 घंटे



लग्र	28:49	मंगल	20:14	शुक्र	12:44
सूर्य	06:15	बुध	01:29	शनि	11:40
चन्द्र	17:24	गुरु	23:34	राहु	21:09
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृषभ	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:53

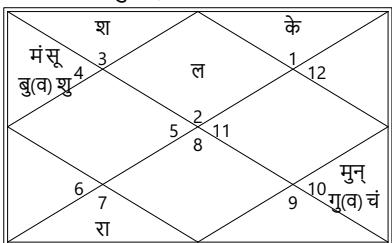
23 जुलाई 2031 19:57 घंटे



लग्र	27:13	मंगल	19:15	शुक्र	01:57
सूर्य	06:15	बुध	00:49	शनि	24:16
चन्द्र	21:00	गुरु	25:41	राहु	01:20
वर्षश	मंगल	मुन्धा	धनु	12:26:26	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:54

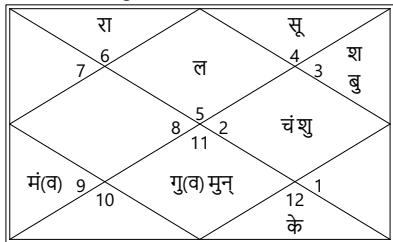
23 जुलाई 2032 02:11 घंटे



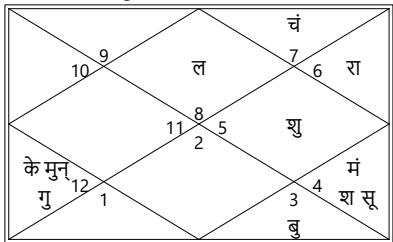
लग्र	19:28	मंगल	02:44	शुक्र	20:06
सूर्य	06:15	बुध	07:42	शनि	06:45
चन्द्र	07:21	गुरु	02:28	राहु	11:17
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मकर	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:55

23 जुलाई 2033 08:17 घंटे



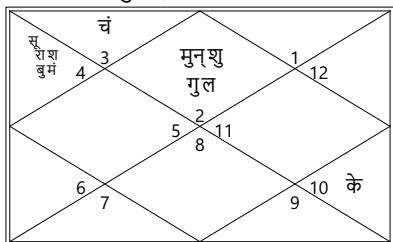
लग्र	12:12	मंगल	06:05	शुक्र	26:55
सूर्य	06:15	बुध	16:47	शनि	19:06
चन्द्र	26:54	गुरु	11:49	राहु	21:12
वर्षश	गुरु	मुन्धा	कुम	12:26:27	



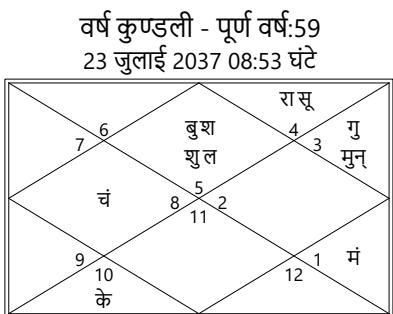
लग्र	05:02	मंगल	14:52	शुक्र	20:54
सूर्य	06:15	बुध	23:02	शनि	01:20
चन्द्र	07:04	गुरु	19:25	राहु	01:14
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन	12:26:25	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:58

23 जुलाई 2036 02:43 घंटे



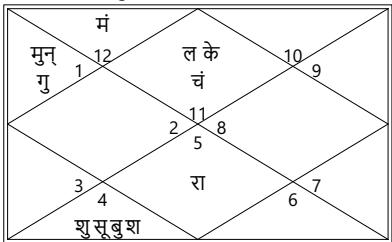
लग्र	27:11	मंगल	26:52	शुक्र	21:49
सूर्य	06:15	बुध	26:07	शनि	25:28
चन्द्र	28:32	गुरु	22:19	राहु	22:48
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	वृष	12:26:26	



लग्र	20:30	मंगल	08:57	शुक्र	08:10
सूर्य	06:15	बुध	03:11	शनि	07:22
चन्द्र	18:51	गुरु	19:05	राहु	04:31
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मिथुन	12:26:26	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:59

23 जुलाई 2037 08:53 घंटे



लग्र	14:05	मंगल	08:59	शुक्र	13:20
सूर्य	06:15	बुध	24:00	शनि	19:10
चन्द्र	27:05	गुरु	14:11	राहु	15:47
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कर्क	12:26:26	

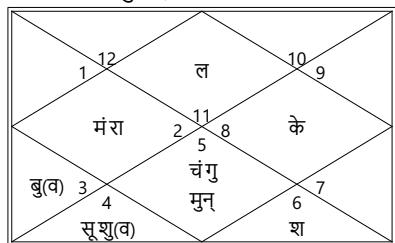
Mrs. Ahuja



वर्षफल कुण्डलियां - 6

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:61

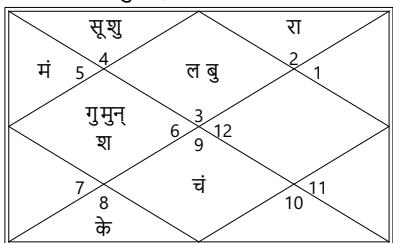
23 जुलाई 2039 21:10 घंटे



लग्र	19:52	मंगल	00:17	शुक्र	29:17
सूर्य	06:15	बुध	25:23	शनि	00:53
चन्द्र	03:10	गुरु	08:34	राहु	27:01
वर्षश	गुरु	मुन्धा	सिंह	12:26:26	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:62

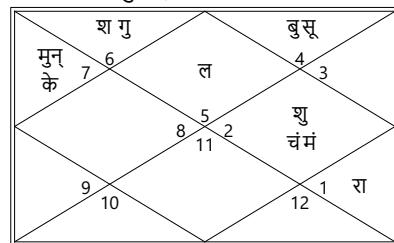
23 जुलाई 2040 03:25 घंटे



लग्र	06:55	मंगल	21:32	शुक्र	20:43
सूर्य	06:15	बुध	16:50	शनि	12:32
चन्द्र	19:28	गुरु	03:12	राहु	07:44
वर्षश	बुध	मुन्धा	कन्या	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:63

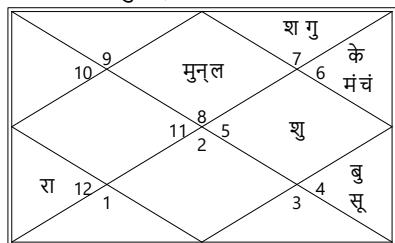
23 जुलाई 2041 09:33 घंटे



लग्र	29:42	मंगल	17:00	शुक्र	27:22
सूर्य	06:15	बुध	00:18	शनि	24:09
चन्द्र	10:27	गुरु	29:10	राहु	17:40
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	तुला	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:64

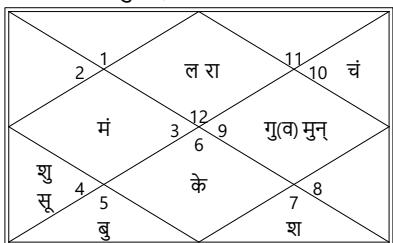
23 जुलाई 2042 15:36 घंटे



लग्र	21:48	मंगल	04:57	शुक्र	21:07
सूर्य	06:15	बुध	18:08	शनि	05:46
चन्द्र	16:51	गुरु	27:46	राहु	26:55
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृषभि	12:26:26	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:65

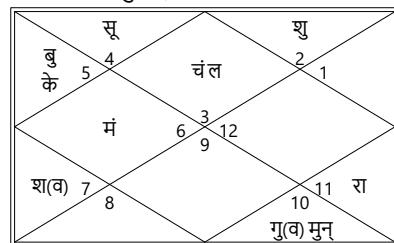
23 जुलाई 2043 21:47 घंटे



लग्र	01:57	मंगल	01:41	शुक्र	02:09
सूर्य	06:15	बुध	00:22	शनि	17:25
चन्द्र	24:38	गुरु	00:28	राहु	06:46
वर्षश	गुरु	मुन्धा	धनु	12:26:26	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:66

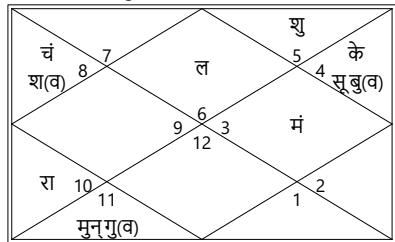
23 जुलाई 2043 21:47 घंटे



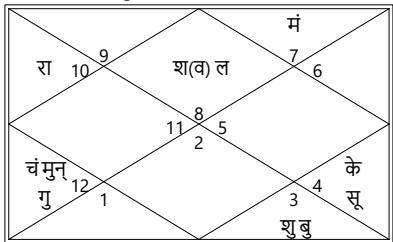
लग्र	14:37	मंगल	20:06	शुक्र	21:28
सूर्य	06:15	बुध	02:05	शनि	29:06
चन्द्र	11:03	गुरु	07:43	राहु	17:16
वर्षश	शनि	मुन्धा	मकर	12:26:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:67

23 जुलाई 2045 10:06 घंटे



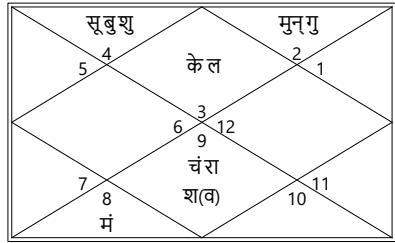
लग्र	07:30	मंगल	15:11	शुक्र	08:42
सूर्य	06:15	बुध	12:26	शनि	10:52
चन्द्र	01:53	गुरु	17:01	राहु	28:29
वर्षश	बुध	मुन्धा	कुम्भ	12:26:26	



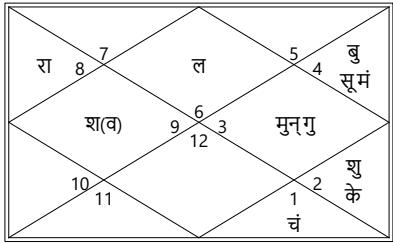
लग्र	29:45	मंगल	09:17	शुक्र	13:55
सूर्य	06:15	बुध	17:59	शनि	22:43
चन्द्र	06:42	गुरु	24:05	राहु	09:58
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन	12:26:26	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:70

23 जुलाई 2048 04:33 घंटे



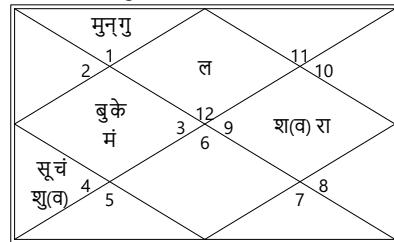
लग्र	22:08	मंगल	11:57	शुक्र	21:20
सूर्य	06:15	बुध	08:13	शनि	16:46
चन्द्र	02:25	गुरु	26:02	राहु	02:46
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	वृषभि	12:26:26	



लग्र	15:53	मंगल	10:10	शुक्र	27:50
सूर्य	06:15	बुध	24:15	शनि	29:00
चन्द्र	23:11	गुरु	22:33	राहु	13:33
वर्षश	बुध	मुन्धा	मिथुन	12:26:26	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:71

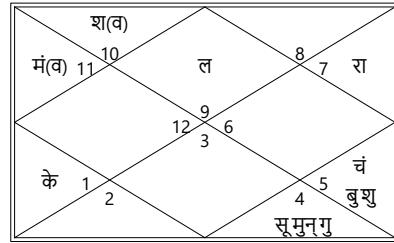
23 जुलाई 2049 10:42 घंटे



लग्र	12:38	मंगल	27:55	शुक्र	26:24
सूर्य	06:15	बुध	20:54	शनि	04:41
चन्द्र	15:30	गुरु	26:55	राहु	21:27
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मेष	12:26:25	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:72

23 जुलाई 2050 16:47 घंटे



लग्र	07:55	मंगल	01:42	शुक्र	21:19
सूर्य	06:15	बुध	02:51	शनि	11:23
चन्द्र	26:53	गुरु	17:32	राहु	23:07
वर्षश	चन्द्र	मुन्धा	कर्क	12:26:25	



## जन्मकालिक पंचांगादि विवरण

वेद सर्वग्रन्थों में आद्य ग्रन्थ हैं। जगत के सब शास्त्रों की उत्पत्ति का आधार वेद ही हैं। वेद शब्द की उत्पत्ति विद् धातु से हुई है जिसका अर्थ है, ज्ञान। ज्योतिष शास्त्र द्वारा जीवात्मा के ज्ञान के साथ-साथ परमात्मा का ज्ञान भी सहज प्राप्त हो सकता है। इसीलिये ज्योतिष को वेद के चक्षु कहते हैं। त्रिकालज्ञ महषिर्यों ने हजारों वर्ष पूर्व अपने तपोबल व योगबल द्वारा ग्रहों के गुण, धर्म, रंग, रूप, स्वभाव आदि का चराचर जगत पर पढ़ने वाले शुभाशुभ परिणामों का वर्णन ज्योतिष फलित शास्त्रों में विस्तार पूर्वक किया है। प्रत्येक व्यक्ति के जन्म के स्थान, दिन व समय के अनुसार उस क्षण ब्रह्माण्ड में ग्रह-राशि-नक्षत्रों की स्थिति के चित्रण को 'जन्म कुण्डली' कहा जाता है। जन्म के समय पूर्व क्षितिज में जो राशि उदित होती है उसे 'लग्न' कहते हैं। चन्द्र जिस राशि में होता है उसे 'जन्म राशि' और जिस नक्षत्र में होता है उसे 'जन्म नक्षत्र' कहा जाता है। आपके जन्म के समय पंचांग के विभिन्न अंगों का विवरण नीचे दिया गया है।

### अवकहडा चक्र

लग्न	:	कर्क
चन्द्र राशि	:	कुंभ
चन्द्र राशि स्वामी	:	शनि
जन्मकालीन नक्षत्र	:	शतभिषा
नक्षत्र चरण	:	4
नामाक्षर	:	सू
राशि पाया	:	लौह
नक्षत्र पाया	:	ताँबा
वर्ण	:	शूद्र
वश्य	:	मानव
नाड़ी	:	आदि
योनि	:	अश्व
गण	:	राक्षस

### जन्मकालीन पंचांगादि

विक्रम संवत्	:	2035
मास	:	श्रावण
जन्मकालीन तिथि	:	कृष्ण चतुर्थी
जन्मकालीन योग	:	सौभाग्य
जन्मकालीन करण	:	बव
आधुनिक जन्म वार	:	रविवार
ज्योतिषिय जन्म वार	:	रविवार

### घात चक्र

घात मास	:	चैत्र
घात तिथि	:	3/8/12
घात वार	:	गुरुवार
घात नक्षत्र	:	आर्द्रा
घात योग	:	गंड
घात करण	:	किंस्तुष्ट
घात प्रहर	:	3
घात चन्द्र	:	मिथुन



## कुण्डली फल

ज्योतिष शास्त्र के ज्ञान से मनुष्य को श्रेष्ठ लाभ यह है कि उसे पूर्वजन्म के शुभाशुभ कर्मों का ज्ञान, वर्तमान जन्म में शुभकर्म करने की आवश्यकता, मानवीय जन्म का उद्देश्य, ईश्वरीय व मानवीय शक्ति में अन्तर, कर्म और भोग की मर्यादा, प्रारब्ध और प्रयत्न की सीमा व दोनों का परस्पर सम्बन्ध, अनुकूल व प्रतिकूल समय का ज्ञान व संकट समय मन में धैर्य रख उस पर विजय प्राप्त करने की शक्ति प्राप्त होती है। इस शक्ति से मन में सन्तोष, सन्तोष से चिन्ता का नाश, चिन्ता-नाश से धर्म की प्राप्ति, धर्म से धैर्य व शक्ति की प्राप्ति और शक्ति से ईश्वर के प्रति भक्ति व विश्वास क्रमशः प्राप्त करते हुए व संसारिक आपत्तियों को सहर्ष स्वीकार करने की क्षमता प्राप्त होती है।

### प्रकृति एवं स्वभाव

- 1 - आप अत्यंत संवेदनशील होंगी - दूसरों की कही जरा सी बात पर घंटों सोचते रहने की प्रवृत्ति होगी।
- 2 - आपा अत्यधिक भावुक होंगी - भावनाओं में बहकर कई बार अव्यवहारिक निर्णय लेंगी।
- 3 - आप अत्यधिक कल्पनाशील तथा परिवर्तनशील विचारों की होंगी।
- 4 - आप नारियल की तरह उपर से कठोर किंतु भीतर से बेहद कोमल होंगी।
- 5 - आप कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान और पूज्यजनों-गुरुजनों के प्रति श्रद्धावान होंगी।
- 6 - आपको पानी से, जलाशयों और झरनों, बाग-बगीचों से बड़ा मोह होगा।
- 7 - आपकी गान विद्या में स्वाभाविक रुचि होगी और संगीत सुनने में अति आनंदित होंगी।
- 8 - आपकी चित्त वृत्ति अस्थिर किंतु किंचित मात्रा में अंतर्दृष्टि से संपन्न होगी।
- 9 - आप को अपने परिवार से, विशेष रूप से माँ से अगाध लगाव होगा। प्रेम-पात्रों के प्रति निष्ठावान होंगी।
- 10 - आपको अपमान से बड़ा डर लेगा, उपर से एक मजबूत किलेबंदी करेंगी जिससे कि आपके मर्म को चोट न लगे।
- 11 - आप कभी महा कठोर, महा सक्षम होने का आभास देंगी तो कई परिस्थितियों में बच्चों की तरह घबरायी हुयी, असहाय दिखेंगी।
- 12 - आपको मिष्ठान्न विशेष प्रिय होगा।
- 13 - आपको यात्रायें प्रिय होंगी, जन्मभूमि एवं देश से लगाव होने के बावजूद भी प्रवासी एवं भ्रमणशील होंगी।
- 14 - आप देखने में खुली हुयी और स्पष्टवादी होंगी किंतु वास्तव में आप ऐसी नहीं होंगी, आप दूसरों से बहुत सी बातें छिपा लेंगी।
- 15 - आप पुरुषवर्ग के प्रति आर्कषित होंगी किंतु बाहर से प्रदर्शित नहीं करेंगी।
- 16 - आपके व्यक्तित्व में कम या अधिक मात्रा में जो दुरुर्ण सम्भव हैं वे हैं - परिवर्तनशीलता, अतिसंवेदनशीलता, निष्क्रियता, स्वार्थपरता व क्रोधीमिजाज।



## शास्त्रों के अनुसार फल

आप चन्द्रमा के समान मुख वाली, शुभ आकृति, लम्बी गर्दन, नसें प्रकट, रुखा और अधिक रोमयुक्त शरीर, लम्बे पैर, जंघा, पीठ, मुख और कमर विस्तृत, उँची नाक, स्थूल हाथ, विशाल मस्तक, शुभ नेत्र, आलसी, बांये हाथ में चिन्ह, सौम्य मूर्ति, पैर व मुँह गर्दन, में तिल का चिन्ह, सीने पर या बगल में दाग सम्भव है। धार्मिक कार्यों में रुचि, दान में तत्पर, प्रियभाषी, विद्वान किन्तु अन्य विद्वानों से द्वेष रखने की प्रवृत्ति, पुष्प, चंदन और मित्रों से प्रीति, मिष्ठान भोजी, विलक्षण बुद्धि, भ्रमणशील, निभय, शिल्प विद्या में ज्ञान, अभिमान में प्रसिद्धि पाने वाली, धनादि में हास-वृद्धि अर्थात् आर्थिक स्थिति में ऊँच नीच, पर द्रव्य और पाप कर्म में आसक्त, छिपकर पापकर्म करने में रुचि, थोड़े द्रव्य युक्त, दूसरे के धन की इच्छा, पुत्र धन से युक्त, अल्प संतति, किसी उँचे स्थान से पतन का भय, जल भय इत्यादि फल प्राप्त होते हैं।

## आधुनिक मत से फल

आप मानवीय गुणों से भरपूर, उदार हृदय, करुणा से ओत-प्रोत, लोगों का परम हितैषी तथा प्रगति-शील प्रकृति की हैं। अपने उद्देश्य के प्रति पूर्ण ईमानदार तथा प्रतिबद्ध, अडिग इच्छा शक्ति वाली और हर बात में निश्चित मत रखने वाली हैं। आप अपने नये क्रांतिकारी विचारों, परम्परा से अलग प्रवृत्तियों तथा आमजनों का भला करने की उत्कृष्ट भावना के कारण पहचानी जाती हैं। आप के मन की थाह पा लेना बड़ा कठिन है, दीर्घकालीन संपर्कों के बावजूद मित्रगण भी आपको पूरी तरह नहीं समझ पायेंगे। आप दार्शनिक विचारों वाली, गंभीर प्रकृति का तथा कोमल हृदय की हैं। बुद्धिमान और अच्छी स्मरणशक्ति की स्वामिनी हैं। चतुराई से अपना काम निकाल लेने की योग्यता होती है। एकांत, ध्यान एवं उपासना में रुचि होती है। किसी भी व्यक्ति से विनम्रतापूर्वक मिलती हैं तथा उसके गुणों की प्रशंसा करती हैं किंतु उस व्यक्ति के आँख से ओझल होते ही उसका उपहास उड़ाती हैं। आप गोपनीयता को अधिक महत्व देती हैं - मन में क्या भावनायें हैं, इसका आभास जल्दी किसी को नहीं लग पाता। अपनी योजनाओं को छिपाकर क्रियान्वित करना, आपकी विशेषता है। आप को जल्दी गुस्सा नहीं आता मगर जब किसी समय आपको गुस्सा आता है तो आप रौद्र रूप धारण कर लेती हैं।

## शारीरिक लक्षण

- 1 - आपकी उँचाई मध्यम होती है।
- 2 - चेहरा गोलाकार, गाल भरे हुये तथा देखने में बाल्टी जैसा लगता है। चेहरा न लम्बोतरा होता है न चौड़ा, बल्कि अंडाकार व व्यवस्थित होता है।
- 3 - हाथ-पैर और शरीर के अधोभाग अपेक्षाकृत स्थूल तथा परिपुष्ट होते हैं।
- 4 - उम्र के साथ-साथ बड़ा पेट तथा मोटापे की प्रवृत्ति होती है।
- 5 - चाल कुछ तेज होती है। आपका कंठ-स्वर मधुर होता है।



## महत्त्वपूर्ण जानकारी

**आपका मूल वाक्य है**  
मैं महसूस करती हूँ ।

**सबसे बड़ा गुण है**  
विश्वसनीयता ।

**सबसे बड़ी कमी है**  
लापरवाही ।

**महत्वाकांक्षा है**  
सामाजिक सम्मान तथा आर्थिक सुरक्षा ।

**शुभ दिन**  
सोमवार, मंगलवार तथा शुक्रवार ।

**शुभ रंग**  
सफेद, लाल तथा पीला शुभ हैं। नीला तथा हरा रंग ठीक नहीं हैं ।

**शुभ अंक**  
2, 7, 9 सर्वाधिक शुभ हैं। 1, 3, 4, 6 मध्यम शुभ हैं। 5, 8 अशुभ हैं ।

**शुभ रक्त**  
मोती, लाल मूँगा, पीला पुखराज ।

**शुभ उपरात्र**  
चन्द्रमणि ।

**अशुभ मास तारीखें**  
प्रतिवर्ष अगस्त का महीना, प्रतिमास 5, 10, 15, 30 तारीखें और मंगलवार का दिन अशुभ है।

**अशुभ तिथि**  
तृतीया, अष्टमी और त्रयोदशी तिथि जातक के लिए अनिष्ट होता है।

**शुभ राशि**  
वृष, मिथुन, कन्या, तुला और मकर राशि वाले मित्रता तथा मेष, कर्क, सिंह और वृश्चिक राशि वाले शत्रुता करते हैं।

**शुभ दिवस**  
शनिवार शुभदायी होता है।

**अरिष्ट समय**  
यवनाचार्य के मतानुसार आश्विन मास, कृष्णपक्ष, द्वितीया तिथि, गुरुवार, सन्ध्या समय एवं कृतिका नक्षत्र अनिष्टकर होते हैं।



## ग्रह फल

सूर्य



### सूर्य प्रथम भाव में

**शुभ फल :** साधारणतया लग्न में रवि प्रगति तथा भाग्योदय का पोषक होता है। जन्मलग्न में सूर्य होने से जातिका लम्बे ऊँचे कद की, सुहावनी आँखों वाली, उन्नत नासिका और विशाल ललाट वाली होती है। जातिका बलवान, नीरोग होती है - पित्त प्रकृति की होती है। उदर उष्ण रहता है। जातिका स्वाभिमानी, आत्मविश्वासी, दृढ़निश्चय वाली, ऊँचे विचारों की, स्वाभिमानी होती है। उदार हृदय की, हल्के कामों का तिरस्कार करने वाली, कठोर, न्यायी और प्रामाणिक होती है। जातिका मेधावी, तीक्ष्ण बुद्धि, अल्पभाषी, जन्म से ही सुखी तथा प्रवासी या परदेश में जाने वाली होती है। सब कामों में यशस्वी, स्वतंत्रता से ऊँची जगह पाने वाली होती है। सुशील, ज्ञान और आचार में मग्न, सदाचारी होती है। कम खाने वाली, शूरवीर, युद्ध में आगे होकर लड़ने वाली होती है। लग्नस्थित सूर्य की जातिका बाग-बगीचों की शौकीन होती है।

स्त्री राशि का रवि संसारिक रूप से सुखदायी होता है।

लग्नस्थ सूर्य कर्क राशि की होने से जातिका ज्ञानी और रोगी होती है।

जल राशि (4, 8, 12) में होने से जातिका परूषों में अधिक आसक्त होती है।

कर्क में रवि होने से जातिका अपनी घर-गृहस्थी में मग्न रहती है। साधरण धनी, पुरुषसुख युक्त तथा सन्तति सम्पन्न होती है, किन्तु यशस्वी नहीं होती। क्योंकि ऊँची अधिकारी नहीं होती है।

दक्षिणायन रवि (कर्क से धनु राशि तक) भाग्यवान् बनाता है। दैवी वृत्तियाँ बढ़ोत्री पाती हैं।

**अशुभ फल :** जिसके जन्मलग्न में सूर्य हो वह जातिका परूषों से दूषित, दुष्ट संतान वाली, बाजार और वाटिका में टहलने वाली और पुरुषों में आसक्त रहने वाली होती है। कार्य करने में आलसी, कूर और क्षमा न करने वाली होती है। शरीर वात-पित्त की व्याधि से पीड़ित होती है। अतः कृशकाय होगी। बाल अवस्था में रोगी होती है। जातिका की आँखों के विकार होते हैं। नेत्र रुक्खे होते हैं। रवि लग्न में रोगी बनाता है, चक्षुरोगी, सिर दर्द, वायु विकार, रक्तविकार, गुल्मरोग, वस्ति संबंधित रोग एवं बहुमूत्रता जैसे रोग प्रदान करता है। परदेश में जाती है और विदेश में व्यापार से धन की क्षति होती है। अस्थिर सम्पत्ति वाली अर्थात् धन का सुख कभी उत्तम रहता है और कभी धन का कष्ट भी बढ़कर रहता है। रवि लग्न में हो तो संतति कम होती है। दैववशात् पूत्र और पौत्र नहीं होते। लग्नस्थित सूर्य की जातिका आसाक्त, परूषों से दूषित होती है। नीच लोगों की नौकरी करती है। जातिका एक जगह घर बसाकर नहीं रहती है और हमेशा भटकती फिरती है।

जन्मलग्न कर्क में सूर्य होने से जातिका स्फोटाक्ष होती है।

लग्नस्थ सूर्य यदि कर्कराशि का होने से जातिका रोगी होती है। इसके आँखों में फोला पड़ता है।

कर्क राशि में रवि होने से यशस्वी नहीं होती क्योंकि ऊँची अधिकारी नहीं होती है।



ॐ

चन्द्र

ॐ

## चन्द्र अष्टम भाव में

**शुभ फल :** जातिका स्वाभिमानी होगी। बुद्धिमान् और तेजस्वी होगी। दानी, विनोदशील और विद्वान् होगी। धर्म और शास्त्रों की प्रेमी, अध्यात्मज्ञानी, योगी, कल्पना शक्ति से युक्त होगी। आठवें स्थान का चन्द्रमा व्यापार से लाभ करता है। मृत्युपत्र द्वारा अथवा वारिस के अधिकार से अथवा विवाह के द्वारा विशेष लाभ होगा। चन्द्र उच्च का अथवा स्वगृह में होने से ये लाभ होते हैं। पापग्रह से युक्त होने से ये लाभ नहीं होते। मेष, सिंह, धनु राशियों में अष्टमभाव का चन्द्र होने से किसी न किसी मार्ग से धन मिलता है।

मेष, सिंह, धनु, मिथुन, तुला अथवा कुम्भ में चन्द्र होने से पति अच्छा मिलेगा किन्तु कुछ कलहकारक होगा।

**अशुभ फल :** आठवें भाव का चन्द्रमा कष्टकारी होगा। जातिका वाचाल, सन्देहशील, आत्माभिमानी, उद्विग्न, चिन्ता युक्त, एवं ईर्ष्यालु होगी। जातिका क्रोधी, कामी, विकार ग्रस्त, प्रमेह रोगी होगी। स्थिरबुद्धि नहीं होगी। चित्त उद्वेग के कारण व्याकुल रहेगा। बन्धन से दुखी होगी। दुराग्रही, निर्दय और दीन, कष्ट युक्त-प्रगल्भ और पापी होगी। देशत्याग कर देने वाली और दयाहीन होगी। राजा और चोरों से संत्रास और भय होगा। युद्ध करने के लिए उत्सुक रहेगी। महारोगों का भय अर्थात् साध्य या असाध्य राजरोगों का भय लगा रहेगा। शरीर से रोगी रहेगी। जल तत्व प्रधान होने के कारण कफ व्याधियों से ग्रस्त रहेगी। शरीर में वायुप्रधान रोग होंगे। जातिका के घर में उत्तमोत्तम अनुभवी डाक्टरों, वैद्यों या हकीमों का आना जाना बना रहेगा। शत्रुमूलक बड़ी-बड़ी व्याधियाँ, भय और आपत्तियाँ सदैव लगी रहेगी। चन्द्रमा स्वगृही हो, शुक्र अथवा गुरु के घर में हो अथवा बुध की राशि में हो और स्वयं पूर्णवलवान होने से जातिका को श्वास-कास आदि नानाविधि दुःख होंगे और सदा दुःखी रहेगी। "वारिभूता महाव्याधयः" अर्थात् जलोदर आदि जलजन्य (जल तत्व सम्बन्धित) रोग होने की सम्भावना रहेगी। नेत्रों के रोग होते हैं शीतज्वर की पीड़ा होगी। अपान विकार (गैस्टिक ट्रॉबल) होने की सम्भावना रहेगी। क्षण-क्षण में मूर्छा रोग होगा। 'वारिभूता भीतयः' अर्थात् जल में झूबकर मर जाने का भय भी होगा। तालाब, कुएं आदि में झूबकर मर जाने का भय रहेगा। जल से भय और अपान विकार (गैस्टिक ट्रॉबल) एवं जल तत्व सम्बन्धित रोग होने की सम्भावना रहेगी। बलवान् शत्रु आक्रमण करें - ऐसा सन्देह भी बना रहेगा। जातिका बेकार घूमने वाली होगी। वाहन सुख थोड़ा मिलेगा। विवाह के कारण बन्धुओं का त्याग करना पड़ेगा। दुर्जनों द्वारा पीड़ित होगी। देश त्याग करना पड़ेगा।

कृष्ण पक्ष में दिन में जन्म होने से आठवें स्थान में स्थित चन्द्रमा माता के समान रक्षा करता है। हीनबली चन्द्र के होने से जातिका मध्यमायु होगी।



## मंगल



## मंगल द्वितीय भाव में

**शुभ फल :** सहिष्णु, खेती करने वाली, पतली देह तथा सदा सुखी रहेगी। नित्यप्रवास, परदेशवासी होगी। विक्रिय कुशल, उद्यमी, जातिका धातुओं की व्यापारी होगी। सत्यवक्ता तथा पुत्रवान् होगी। बिलंडिंग के काम, मशीनों की सामग्री, पशुओं का व्यापार, खेती, लकड़ी तथा कोयले का व्यापार, वैद्यक, नाविक, इन व्यवसायों में धन प्राप्ति होगी।

मेष, सिंह और धनु राशि में होने से मशीनरी-लकड़ी-कोयला व्यवसाय से लाभ होगा।

द्वितीय मंगल मेष, सिंह, धनु में होने से एकदम धन प्राप्ति की इच्छा होगी। अतएव लाटरी, सट्टा-जूआ आदि की ओर रुचि होगी।

परपुरूषों से धनलाभ होगा, परन्तु यह धन इसी व्यसन में नष्ट हो जायेगा।

मंगल पर शुभग्रह की दृष्टि होने से या ग्रह बलवान होने से अच्छा धन लाभ होगा।

सत्यवक्ता तथा पुत्रवान् होगी। 'पुत्रवान् होना' यह फल पुरुष राशि का है।

**अशुभफल :** द्वितीय भाव में स्थित मंगल अनिष्टकर और अरिष्टकर होता है। द्वितीय स्थान मंगल होने से जातिका कटुभाषी होगी। निर्धनता, पराजय, बुद्धि हीनता के कारण पारिवारिक पक्ष से क्लेश प्राप्त करेगी। कुटुम्ब का सुख नहीं होगा। धन का सुख नहीं होगा। धन का दुरुपयोग कर नष्ट कर देगी। धनभावगत भौम हो तो जातिका कुत्सित अन्नभोक्ता होगी। निकृष्टान्न भोजी होगी। द्वितीयभाव में मंगल होने से या तो चेहरा अच्छा न हो या बोलने में प्रवीण न हो। आंख और कान की बीमारियों की संभावना रहेगी। रक्त विकार, शिर में पीड़ा, मस्तक में किसी चीज से लगा निशान होगा। आंख अथवा मुख पर शस्त्रघातादि की सम्भावना रहेगी। अपने पति के लिये घातक होगी तथा दूसरों के पतियों में आसक्त रहा करेगी। धनभाव में भौम होने से जातिका निर्धन होगी। यवन के अनुसार जातिका नित्य ही ऋणग्रस्त होगी। द्वितीय मंगल होने से जातिका दुष्टों की बैरी, निर्दयी, क्रोधी होगी। असज्जनाश्रित, कुत्सित आदमियों की नौकरी में रहे। क्रिया कर्म में रुचि न रखने वाली होगी। विलंब से काम करने वाली होगी। जातिका नीच लोगों के साथ रहने वाली और मूर्ख होगी। दूसरों से धन लेने वाली होगी। विद्वत्ता नहीं होगी।

धनस्थान में कूरग्रह (मंगल) होने से तथा सौम्यग्रह की उस पर दृष्टि या युति न होने से मुख, आँख, दाहिना कन्धा अथवा कान इन भागों पर जख्म होगा।

मंगल अगर पुरुष राशि में हो तो जातिका कटु-तिक्तरसप्रिय, निकृष्ट भोजन संतुष्टि होगी।

मंगल स्वराशि(1,8) में या अग्नि राशि(1,5,9) में होने से पति की मृत्यु होगी। ऐसा युवावस्था में होगा। बच्चों के लिए, घर-गृहस्थी चलाने के लिए दूसरा ब्याह करना पड़ेगा।



## बुध



## बुध द्वितीय भाव में

**शुभ फल :** घनभावगत बुध के शुभ तथा अशुभ-दोनों प्रकार के फल शास्त्रकारों ने कहे हैं। दूसरे स्थान में बुध जातिका को निरोगिता, चेहरा सौम्य, मधुर और सुन्दर वाणी, नेत्र और मस्तक पर तिलक जैसा चिन्ह दिया करता है। घनभाव का बुध शुभयोग में होने से बहुत बलवान् होता है। जातिका सुशील, गुणी, उदार, सदाचारी होगी। स्वभाव नम्र होगा। घनस्य बुध प्रभावान्वित जातिका बुद्धिमान् होगी। वाणी निर्मल होगी, जातिका मीठा बोलेगी। जातिका बोलने में चतुर, वाचाल तथा निर्दोष वाणी बोलने वाली होगी। दूसरे भाव में स्थित बुध जातिका को विचारक एवं वक्ता बनायेगा। सभा में जातिका का भाषण सिंहतुल्य तेजस्वी तथा प्रभावशाली होगा। नीतिमान्-अन्तर्ज्ञानी, शास्त्रचर्चा में प्रवीण, कविता करने वाली होगी। जातिका की दानशक्ति भी असीमित होगी और इसकी दानशक्ति की प्रशंसा विद्वान् भी करेंगे। जातिका मितव्ययी, संग्रही होगी। सत्कार्यकारक, उद्योगप्रिय, न्याय करने में कुशल होगी। साहसी, अपने ही भुजबल से प्रतापी होगी। शास्त्रीयज्ञान, व्यापार और शिक्षा विषयक व्यवहार में प्रवीण होगी। कार्यशक्ति तीव्र होगी। 15 वें वर्ष बहुत ज्ञान प्राप्त होगा। जातिका संगीत को जानने वाली होगी। खान पान का सुख अच्छा मिलेगा। भोजन में मिष्ठान प्राप्त होते रहेंगे। घन भावगत बुध जातिका को घनवान् बनाता है। जातिका अपनी बुद्धि से घनार्जन करने वाली होगी। चतुरता से घनोपार्जन करके कोट्याधीश -करोड़ों रुपयों की मालिक होगी। स्त्री-घन प्राप्त होगा। 'षट्ट्रिशकैर्धनकृतिम्'। 36 वें वर्ष घनलाभ होगा। अकस्मात् घन प्राप्ति होगी। जातिका घन-धान्य से युक्त, सुन्दर वस्त्र अलंकारादि की प्राप्ति करेगी। एक बार घन नष्ट हुआ तो फिर प्राप्त होगा। लेखन-वाचन-दलाल-लिपिक का काम-हिसाब का काम आदि व्यवसायों में घन प्राप्त करेगी। जातिका प्रायः उन्हीं व्यवसायों में जाती जिनमें बोली का (भाषण कला का) महत्व रहेगा। वकील का पेशा करने वाली होगी। व्यापारी वर्ग को घनस्थान में बुध के होने से अच्छा घन मिलेगा। घनभाव के बुध के प्रभाव से प्रोफेसर-प्रिन्सिपल-डाइरेक्टर आदि अफसरों को अच्छा वेतन मिलेगा। द्रव्य तथा पुरुषों की उपभोक्ता होगी। भ्रमर की भाँति सर्वप्रकार के भोगों की उपभोक्ता होगी। जातिका सत्कर्म, शुभकर्म करने वाली, सुखी तथा राजमान्य होगी। घनभाव में बुध होने से पिता की भक्त, गुरु भक्त होगी। द्वितीयभाव में बुध होने से जातिका कुशल तथा सभी की मित्र होगी।

शुभफल पुरुष राशियों में बुध के होने से अधिक मिलेंगे।

सिंहराशि में बुध होने से तीन पीढ़ियों की सम्पत्ति प्राप्त होगी।

**अशुभ फल :** जातिका को हमेशा त्वचा के रोग होते रहेंगे। वक्तुत्व शक्ति में दोष संभव है।

पापग्रह साथ अथवा पापग्रह की राशि में या नीचराशि में होने से विद्याभ्यास नहीं होता। स्वभाव कूरर होता है। वातरोग होते हैं।



२

## बृहस्पति

२

## बृहस्पति द्वादश भाव में

**शुभ फल :** बारहवें स्थान में बृहस्पति के स्थित होने से जातिका संसार में पूज्य, धार्मिक आचरण करने वाली होती है। जातिका मितभाषी, योगाभ्यासी, परोपकारी, उदार, शास्त्रज्ञ, सदाचारी, विरक्त स्वभाव की होती है। आध्यात्म और गूढ़शास्त्रों में रुचि होती है। पुरानी रीतियों के बारे में आदर होता है। निर्भीक प्रकृति की ओर सुखी होती है। द्वादशस्थान का सम्बन्ध परोपकार तथा विश्वप्रेम से है। अतः बड़े-बड़े दान देने की प्रवृत्ति भी होती है। मरणान्तर सद्गति प्राप्त करने वाली होती है। स्वर्गलोक प्राप्त होता है। मितव्ययी, द्रव्य व्यय अच्छे कामों में, धर्म में खर्च करती है। वैद्य, धर्मगुरु, वेदज्ञानी, लोकसेवक, सम्पादक आदि के लिए यह गुरु शुभ है। देशत्याग, अज्ञातवास तथा दूरप्रदेशों में प्रवास से कीर्ति तथा लाभ प्राप्त होते हैं। शत्रु द्वारा लाभ होता है। आयु का मध्य तथा उत्तराधि अच्छा जाता है। अन्न की कमी नहीं होती। वस्त्र, गौएँ, धन, सोना और सम्पत्ति प्राप्त होती है। सेवा करने में चतुर होती है। भ्रमणशील (प्रवासी) होती है। विदेश-यात्रा तथा प्रवास संभव है। पिता के धन से धनी होती है। पिता के भाई सुखी रहते हैं। गणित जानने वाली होती है। पुत्र संतति थोड़ी होती है। गुरु से विपुल धन प्राप्त होता है। गुरु विजय प्राप्त कराता है।

गुरु के बलवान् होने से दानाध्यक्ष, सार्वजनिक संस्थाओं में कार्यकर्ता, अस्पताल, धार्मिक संस्थाएँ आदि के व्यवस्थापक के रूप में लाभ होता है।

गुरु के एकांतवास में होने वाले कार्यों में यश, लाभ और कीर्ति प्राप्त होती है।

**अशुभफल :** बारहवें भाव का बृहस्पति शुभ नहीं होता। जातिका दुबली पतली और पीड़ा युक्त होती है। जातिका उद्वेग, चिंता, पाप और कोप से युक्त होती है। निर्लज्ज, मानहीन और अपमानित होती है। चित्त उद्विग्न रहने से क्रोध बहुत आता है। दुर्बुद्धि, दुष्ट तथा दुष्टों की सहायता करने वाली होती है। अधिक अहंकारी होती है। गुरु तथा बंधुजनों का उपकार करने में शिथिलता होती है। व्यर्थ ही खर्च की अधिकता और सदा दूसरे के धन का अपहरण करने में बुद्धि व्यग्र रहती है। भाई-बंधुओं की बैरी और गुरुजरों से द्वेष करने वाली होती है। किसी सार्वजनिक संस्था के आश्रय से जीवन बिताने वाली होती है। जातिका से दूसरे लोग द्वेष करते हैं। लोगों के साथ द्वेष करने वाली होती है। बुरे शब्द बोलने वाली, संतानहीन, पापी, आलसी और सेवक (नौकर) होती है। अपने कुल का परित्याग करके अन्य कुल में जाने वाली होती है। जातिका नेत्ररोगी होती है। हृदयरोग, गुप्त रोग, क्षयरोग होता है। गंगूथिव्रण होता है। जातिका का धन चोर ले जाते हैं। जातिका नीचों की सेवा करने वाली, लोगों से झगड़ने वाली होती है। जातिका को वाहन, भूषण, वस्त्र, धोड़े, चामर आदि की चिन्ता होती है। जातिका बढ़-चढ़कर खर्च करती है। ब्राह्मण से सहवास और संगम करती है। अपने लोगों से झगड़े होते हैं, दुःख होता है। चार्वाकमतानुयायी होती है। चार्वाकमत संक्षेप में 'खाओ पीओ मौज उड़ाओ' है। परलोक को नहीं मानती है। राजा से (सरकार से) भय होता है। बोलने में अल्हड़, सेवक और भाग्यहीन होती है। उचित दान नहीं करने वाली होती है। जातिका के शत्रु बहुत होते हैं। कल्याण और पृथ्वी पर यश नहीं होता है।



♀

## शुक्र

♀

## शुक्र द्वितीय भाव में

**शुभ फल :** शास्त्रकारों ने प्रायः शुभफल बताये हैं क्योंकि नैसर्गिक कुण्डली में शुक्र धनस्थान का स्वामी है। द्वितीय स्थान में स्थित शुक्र के प्रभाव से जातिका सुन्दर दाँत वाली, शोभन मुख, बुद्धिमान, मधुरभाषी होती है। मुख से मधुर वचन बोलने वाली, नीतिपूर्ण बात कहने वाली और मिलनसार होती है। जातिका की बुद्धि कुशाग्र और धार्मिक भावपूर्ण होती है। घर में परम्परा से चली हुई देवताओं की पूजा चालू रखती है। विद्यावान् और बहुश्रुत होती है। कई प्रकार की विद्याओं को जानती है। विद्वान्, बन्धुमान्य, नृपपूज्य, यशस्वी, गुरुभक्त और कृतज्ञ होती है। धर्म, नम्रता, सौंदर्य, दया, परोपकार इन गुणों वाली होती है। दान-पुण्य आदि करने वाली, दयालु, कीर्तिमान, सुशील, राजपूजित होती है। सदाचार भरे चरित्रों से जातिका का उज्ज्वल यश विश्व में फैलता है। विदेशों में यशस्वी होती है। रुचि अच्छे खाने-पीने की ओर होती है। मिष्ठानभोजी, उत्तम भोजन, खाना-पीना अच्छा मिलता है। विविध खेलों और मनोरंजनों में भाग लेती है। अपनी विलासी प्रकृति और सुन्दर देह के कारण सुन्दर पुरुषों की प्रिय बनी रहती है। जातिका का चित्त पुरुषों की ओर रहता है। जातिका के कुटुम्ब में सभी कुछ सुन्दर अर्थात् उत्तम होता है। वस्त्र, अलंकार, धन और वाहन सभी उत्तम होते हैं। वस्त्र तथा धनादि से भंडार परिपूर्ण रहता है। उत्तम वस्त्र, अलंकार, जवाहरात आदि की शौकीन होती है। उत्तम, विविध रंगों के स्वच्छ वस्त्र पहनती है। श्रृंगारसाधन बहुत प्रिय होते हैं। जातिका को विविध रीतियों से धन का संचय होता है। विद्या द्वारा या स्त्री से धन प्राप्त करती है। पैतृक सम्पत्ति बहुत मिलती है। चाँदी और सीसा के व्यापार से और धनी होती है। जौहरी, रत्नों की पारखी होती है। क्रय-विक्रय का व्यापार करने वाली होती है। जातिका का कोश भरपूर होता है। मित्रों से व्यवसाय में अच्छा लाभ होता है। जातिका का कुटुम्ब बड़ा होता है। बांधवों में सुखी और बहुपालक होती है। 32 वें वर्ष उत्तम पुरुष तथा भूमि का लाभ होता है। द्वितीय स्थान के शुक्र का सामान्य फल है कि धनार्जन में स्थिरत नहीं, किन्तु धनाभाव भी नहीं। विवाह के बाद भग्योदय होता है। पति भी धनार्जन करता है या ससुराल से धन मिलता है। आयु का पूर्वार्ध कष्टमय, मध्यकाल में सुख-समृद्धि।

शुक्र पर चंद्र की शुभ दृष्टि होने से पुरुषों और अन्य लोगों से लाभ होता है।

मेष, सिंह या धनुराशि में शुक्र होने से नौकरी से धनलाभ होता है-पैतृक सम्पत्ति मिलती है किन्तु स्थायी नहीं होती। जातिका सट्टा, लाटरी, रेस आदि की शौकीन होती है। सहसा धनसंचय करना चाहती है किन्तु असफल रहती है।

**अशुभ फल :** वस्त्र, अलंकार, मनोरंजन आदि में खूब खर्च करती है। द्वितीय स्थान का शुक्र द्विभार्या योग करता है। जातिका मित्र को दिलभर शराब पिलाकर अपने काम बना लेती है।

शुक्र के साथ शनि हो तो दारिद्र्य और धननाश का योग होता है।

पापग्रह से युक्त होने से मनुष्य शराबी होता है।



५

## शनि

६

## शनि द्वितीय भाव में

**शुभ फल :** धन भाव में शनि के होने से जातिका मधुरभाषी तथा न्यायशील होती है। परिवार को छोड़कर, स्वदेश में ही दूर-दूर स्थानों में शहरों तथा नगरों में अथवा परदेश में जाकर सब अभीष्ट वस्तुओं का लाभ करती है। उत्तम-उत्तम वस्तुएँ प्राप्त होती है। जातिका जीवन के उत्तरार्द्ध में अपना निवास स्थान छोड़कर किसी दूसरे स्थान पर चली जाती है और वहाँ पर धन, सवारी तथा सुख के साधन प्राप्त करती है। राजा की कृपापात्र होकर राजसम्मान पाती है। जातिका मितव्यवी, होशियार तथा दीर्घदर्शी होने से सम्पत्ति का विनियोग बड़े-बड़े सुरक्षित व्यवसायों के विकास में करती है। इससे सम्पत्ति में अच्छी वृद्धि होती है। देशान्तर में दो या दो से अधिक विवाह संभाव होते हैं। व्यवसायों के लिए पूँजी देने का काम (फाइनेंसर) अनुकूल होती है। व्यवसाय की वृष्टि से धनभाव का शनि निम्नलिखित व्यवसायों में लाभदायक है:- लकड़ी, कोयला, लोहा, खनिजपदार्थ, धातु, पत्थर, चूना, बालू आदि। शनि प्रभावित जातिका लोहे का व्यापार करें तो अत्यधिक लाभ उठाते हैं। शत्रुभय नहीं होता है। मठाधीश हो सकती है। ग्रन्थकारों ने स्वदेश में अशुभफलों का होना तथा देशान्तर में शुभफलों का होना बतलाया है।

शनि शुभ सम्बन्ध में और विशेषतः 'तुला' में होने से पैतृक सम्पत्ति अच्छी देता है।

शनि मेष, मिथुन, सिंह तथा धनु में होने से दो विवाह की संभावना होती है। संतति, धन तथा सम्मान खूब, किन्तु धनसंचय नहीं होता। घरबार पर, जमीनों की खरीदारी में धन का खर्च होता है। जातिका को भोजनभट्ट होने से असन्तोष ही रहता है। मिष्ठभाषण से जातिका अपना काम आसानी से निकाल लेती है। जातिका पति से विमुख रहती है अतः घर में परस्पर छठा-आठवाँ चलता रहता है। लोगों के लिए धन व्यय करती है अतः लोग मुट्ठी में रहते हैं। जातिका की आजीविका ठीक चलती रहती है।

मेष, सिंह तथा धनु तथा मिथुन, तुला तथा कुंभ में शनि होने से उत्तर की ओर लाभ होता है।

शनि शुभ सम्बन्ध में होने से लोकापयोगी कार्य, कम्पनियाँ, शेयर, सट्टा आदि में अच्छा लाभ होता है।

अदुभूत चित्ताकर्षक चीजों तथा पुरानी चीजों के व्यापार से लाभ होता है।

**अशुभ फल :** अशुभ शनि दूसरे घर में होने से जातिका का चेहरा देखने में अच्छा नहीं होता है। वृष्टि चंचल होती है। शनि द्वितीय भाव में होने से जातिका आचारहीन, साधुद्वेषी, गुणहीन तथा लोभी होती है। जातिका अशान्त और उद्विग्न और नास्तिक प्रकृति की होती है। बिना किसी प्रसंग के, व्यर्थ ही मित्रों से तीखे वचन बोलती है अर्थात् व्यर्थ ही कट्टभाषण करती है। जातिका अच्छा बोलने वाली नहीं होती है-जातिका के वचन निष्ठुर अर्थात् कर्णकटु होते हैं। जातिका संग्रही तथा चौर्यकर्मपरायण होती है। जातिका झूठ बोलने वाली, चपल, तथा ठग होती है। बुरे कामों से धन मिलता है। आंख पर किसी लकड़ी से लगने के कारण घाव या चोट का निशान होता है। आँखों के रोग होते हैं। द्वितीय भाव में शनि होने से जातिका को मुख के रोग और दन्तरोग होते हैं। धनभाव में शनि के होने से जातिका वात, पित्त, कफ तथा अस्थिरोग से पीड़ित होती है। शनि द्वितीयभाव में होने से जातिका का मुख विकृत होता है। शनि पीड़ित और निर्बल होने से जीवन भर दरिद्री रहना पड़ता है। आर्थिक कष्ट होता रहता है। उदर निर्वाह भी बहुत कष्ट से होता है। व्यापार या व्यवसाय से हमेशा नुकसान होता है। बहुत श्रम करने पर भी लाभ नहीं होता है। धनभाव के शनि से धनहानि होती है तथा व्यापार में नुकसान होता है। द्वितीयभाव का शनि दुःख देकर धन का नाश करता है। राजा के कोप से निर्धन होती है। जातिका पराकाष्ठा की स्वार्थी होती है जो अपनी स्वार्थसिद्धि के लिए दूसरों से मारकाट करने के लिए एकदम तैयार हो जाती है। जातिका के परिवार के लोग, बन्धु वर्ग इसका परित्याग कर देते हैं। दूसरों के घर रहती है। अपने परिवार से किसी प्रकार का भी सुख प्राप्त नहीं करती है। जातिका नीच विद्या का अभ्यास करती है। जातिका के बहन की सन्तति जीवित नहीं रहती, गर्भपात होता है। घर और बच्चों की हानि होती है। जातिका अन्याय मार्ग पर चलती है और धनहीन होती है। विपत्तियों से पीड़ित होती है। लोगों से कष्ट होता है। जातिका के छोटे भाई नहीं होते हैं। भाइयों का सुख नहीं मिलता है। कोई उपभोग

Mrs. Ahuja



प्राप्त नहीं होता। शनि धनभाव में होने से जातिका के दो विवाह होते हैं। खेती कम रहती है। अपने मित्रों से हानि उठाती है।

तुला के अतिरिक्त द्वितीय भाव में किसी अन्य राशियों में शनि स्थित होने से जातिका व्यसनों से पीड़ित होती है। शनि पापग्रह से युक्त होने से पुरुषों को ठगने वाली होती है।



॥

## राहु

॥

## राहु तृतीय भाव में

**शुभ फल :** तीसरे स्थान का राहु अरिष्टनाशक और दुःखनाशक माना गया है। तीसरे स्थान के राहु से व्यक्ति दृढ़ शरीर नीरोग, बलवान् होती है। बाहुबल बहुत होता है। जातिका पराक्रमी, साहसी, उद्योगी, प्रतापी, दृढ़विवेकी, प्रवासी, विद्वान् एवं भाग्यवान् होती है। तृतीय भावगत राहु प्रभावान्वित जातिका त्वरितबुद्धि और चपल होती है। संसार में कीर्तिमान होती है। यशस्वी, प्रतिष्ठित और दानी होती है। सर्वदा सब से मैत्री और सभी के साथ सम्भाव से आदर पूर्ण व्यवहार करती है। किसी से भेदभाव नहीं करती और शुद्ध अंतस्करण से व्यवहार करती है। भाग्योदय द्वारा द्रव्य लाभ सहज ही होता है और यत्न करने की विशेष आवश्यकता नहीं रहती है। जातिका लक्षाधीश, सुखी और चिरकाल तक धन पाने वाली होती है। जातिका का उत्तम भाग्य होता है। वह भाइयों को सहयोग प्रदान करती है। कोई प्रकार के सुखों का उपभोग करती है। विलास आदि का सुख प्राप्त होता है। वाहन और नौकर प्राप्त होते हैं। राजबल से युक्त, राजा द्वारा सम्मानित होती है। योगाभ्यासी होती है। शत्रुओं के ऐश्वर्य का नाश करती है। स्वयं शुभ मार्ग पर चलती है। मित्रसुख सम्पन्न होती है। जातिका परदेश में जाती है। जातिका के घर में तिल, निष्ठाव, मूंग, कोदव आदि धान्य होते हैं। निष्ठाव एक प्रकार की दाल है।

राहु बलवान् होने से शत्रुओं का नाशक, शत्रुभय रहित होती है।

शुभफल का अनुभव स्त्री राशियों में प्राप्त होता है।

**अशुभ फल :** तृतीयभाव में राहु होने से शरीर में व्यंग रहता है। जातिका अभिमानी, भीरु, संशयी वृत्ति का, आलसी होती है। भाइयों का विरोध करने वाली होती है। जातिका के भाइयों की मृत्यु होती है। इस स्थान के राहु से किसी भाई का संसार नहीं चलेगा, किसी की अपघात से मृत्यु होगी। कोई लापता होगा। किसी से अदालत में मुकदमें लड़ने पड़ेंगे। इस तरह तृतीयभावस्थ राहु भ्रातृ सुख का बाधक है। इस स्थान का राहु पहले पुत्र का भी मारक है। इस स्थान के राहु से दो भाई एक स्थान पर नहीं रह सकते। पशुओं की मृत्यु होती है। पशुधन नष्ट होता है। जातिका मानसिक रोगों से युक्त होती है। बहुत स्वप्न आते हैं।

स्त्रीराशि का तृतीयस्थ राहु भाइयों को मारक नहीं होता।

बहनों को मारक होता है।



४

केतु

५

### केतु नवम भाव में

**शुभ फल :** नवम में केतु होने से जातिका पराक्रमी, सदा शस्त्रधारण करने वाली होती है। जातिका को कांति, कीर्ति, बुद्धि, उदारता, दयालुता, धार्मिकता प्राप्त होती है। तपस्या और दान से हर्ष आनन्द की वृद्धि होती है। नवमस्थान में केतु होने से जातिका के क्लेशों का नाश होता है। सदा म्लेच्छों से लाभ और कष्टों का नाश होता है। म्लेच्छों या विदेशियों द्वारा भाग्य की वृद्धि, भाग्योदय होता है। नवें भाव में होने से जातिका समाज में विशेष आदरणीय नहीं होती पर सुखी और भाग्यवान होती है। दुष्टों के साथ मित्रता रखने के कारण अनैतिक धन्यों से धन लाभ करती है। पुत्रसुख और धन का लाभ होता है। यह राजा अथवा राजमंत्री होती है।

**अशुभ फल :** केतु नवम होने से बचपन में पिता को कष्ट होता है। पिता के सुख से हीन होती है। धर्म नष्ट होता है। धर्मातर करने में रुचि होती है। तीर्थयात्रा की इच्छा नहीं होती। जातिका की तपस्या और दान आदि धर्मिक-कृत्यों में सदा उपहास होता है। अर्थात् जातिका का तप और दान दंभ (ढ़ोंग) समझा जाता है। अर्थात् जातिका की तपश्चर्या तथा दान शास्त्रविधि के अनुसार न होने से उपहासास्पद होती है। भाग्योदय में विघ्न होता है। अच्छे लोगों से निन्दित होती है। सहोदर भाइयों को कष्ट होता है। जातिका को सगे भाइयों से पीड़ा होती है। पुत्र प्राप्ति की इच्छा रहती है। अर्थात् पुत्र संतान का अभाव रहता है। बन्धु और पुत्र के विषय में चिंतित होती है। विधर्मी से लाभ पाने की इच्छा होती है। भुजाओं में अनेक प्रकार के रोग होते हैं।





## भावेश फल

### लग्नेश - अष्टम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लग्नेश व्ययगे चाष्टे शिल्पविद्याविशारदः ।  
द्वृयती चौरो महाक्रोधी परभार्यातिभोगकृत ॥

यवन जातक के अनुसार -

प्रथमभावपतिमृतिगो मृतिं विदधते कृपणं धनवंचकम् ।  
विविधकष्टयुतं शुभदृष्टिं भवति मानवः सृकृतीवान् सुधीः ॥

गर्ग संहिता के अनुसार -

लग्नपतौ त्वष्टमगे कृपणो धनसंचयी सुदीर्घयुः ।  
कूरे खचरे कुरः सौम्ये वपुषा भवेत् सौम्यः ॥

लग्नेश अष्टम स्थान में होने से शिल्प विद्या में निपुण, जुआरी, चोर, बहुत क्रोधी, परपुरुषों में बहुत आसक्त होती है। जातिका की अल्प आयु में मृत्यु होती है, वह कंजूस, पैसे के मामलों में धोखा देने वाली, बहुत कष्टों से युक्त होती है। अष्टम स्थान पर शुभ ग्रह (चन्द्र, बुध, शुक्र या गुरु) की दृष्टि हो तो यह बुद्धिमान होकर अच्छे कार्य करती है। धन का संग्रह करने वाली, दीर्घायु होती है। शरीरसुख कम मिलता है, कष्ट होते हैं, सट्टा, जुआ, गड़ा धन आदि के पीछे लगता है। बुरे काम करती है।  
अनुभवः लग्नेश चन्द्र होने के कारण जातिका को कष्ट, मृत्यु शीघ्र होगी।

### धनेश - लग्न में

लोमेश संहिता के अनुसार -

धनेशो च तनौपुत्रे स्वकुटुम्बस्य पालकः ।  
धनवान् निष्ठुरः कामी परकार्येषु तत्परः ॥

मानसागरी के अनुसार -

द्रव्यपतिर्लग्नगतः कृपणं व्यवसायिनं सुकर्मणम् ।  
धनिनं श्रीपतिविदितं करोति नरमतुलभोगयुतम् ॥

यवन जातक के अनुसार -

द्रव्याधिपे लग्नगते धनी स्यात् व्यापारवृत्तिः कृपणेऽतिभोगी ।  
सुखान्वितो भूपतिसल्कृतो भवेत् सुकर्मकृत् सुन्दरनेत्रपति ॥

धनेश लग्न में होने से जातिका अपने परिवार का पालन करने वाली, धनवान, कठोर, कामुक किन्तु दूसरों के काम करने के लिए तैयार रहती है। कंजूस, व्यापारी, अच्छे काम करने वाली, धनवान, श्रीमानों में प्रसिद्ध तथा बहुत उपभोग प्राप्त करने वाली होती है। सुखी, राजा (सरकार) द्वारा सम्मानित, अच्छे काम करने वाली होती है। पति तथा आखें सुन्दर होती हैं।

अनुभवः धनेश रवि होने के कारण धन व परिवार की चिन्ता रहती है, मानसिक सुख नहीं मिलता, धन प्राप्ति के लिए बहुत प्रयत्न करने पर भी मन की इच्छानुसार प्राप्ति नहीं होती।



### तृतीयेश - धनस्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

गुदाभंजनिकः स्थूलो परभार्याधने रुचिः।

स्वल्पारंभी सुखी न स्यात् तृतीयेशो धने गते॥

यवन जातक के अनुसार -

यदि धनगे सहजेशो भिक्षुर्धनाल्पजीवितः पुरुषः।

बन्धुविरोधी क्रौरैः सौम्ये: पुनरीक्ष्वरः खचरैः॥

गर्ग संहिता के अनुसार -

यही वर्णन है सबलः अधिक बतलाया है।

तृतीयेश धनस्थान में होने से जातिका मोटी, थोड़ा काम करने वाली, परपुरुष तथा परधन में रुचि लेने वाली होती है, गुदा में कष्ट रहता है, सुखी नहीं होती। तृतीयेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) हो तो जातिका भिखारी, निर्धन, अल्प आयु वाली तथा बन्धु से विरोध करने वाली होती है, शुभग्रह हो तो वह अधिकारी बनती है। सबलः अर्थात बलवान होती है। परिवार में झगड़े होते हैं, भाइयों के लिए धन खर्च होता है, धन का संग्रह नहीं हो पाता। काफी कष्ट होता है।

अनुभवः तृतीयेश ब्रुध होने के कारण ऊपर वर्णित अधिकांश शुभ फल सही सिद्ध होते हैं।

### चतुर्थेश - धन स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सर्वसम्पद्यतो मानी साहसो कु (भूमि) सुखन्वितः।

कुटुम्बैः संयुतो भोगी सुखेशो च द्वितीयगो॥।

यवन जातक के अनुसार -

सुखपतौ धनगे खलखेचरैः पितृविरोधकरः कृपणः शुचिः।

शुभ खगैः पितृभक्तिधनाश्रयः शुभयुतः श्रुतिशास्त्रविशारदः॥।

चतुर्थेश धनस्थान में होने से जातिका सब सम्पति से युक्त, अभिमानी, साहसी, जमीन-जायदाद के सुख से युक्त, परिवार से सुकृत तथा उपभोग प्राप्त करने वाली होती है। कुटुम्ब व सम्बन्धियों का सुख अच्छा मिलता है, साहूकार होती है, धन का संग्रह करती है। चतुर्थेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) हो तो पिता से विरोध होता है, कंजूस तथा पवित्र रहती है। चतुर्थेश शुभ ग्रह हो तो पिता की भक्त, धनवान तथा इसके साथ शुभग्रह हो तो वेदशास्त्रों की पंडित होती है। पिता का पालन करती है किन्तु पिता को जातिका का धन नहीं मिलता।

अनुभवः चतुर्थेश शुक्र होने के कारण जातिका पिता की भक्त, धनवान तथा इसके साथ शुभग्रह हो तो वेदशास्त्रों की पंडित होती है। पिता का पालन करती है किन्तु पिता को जातिका का धन नहीं मिलता।



### पंचमेश - धनस्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सुतेशो चायुषि वित्ते बहुमैत्रो न सशयः।  
उदरव्याधिसंयुक्तः क्रोधयुक्तो धनान्वितः॥

यवन जातक के अनुसार -

सुतेशो गते द्रव्यभावे नरः स्यात् कुलेशाप्तवितः कुटुम्बे विरोधी।  
भवेद्वानिकारी जनो भोगसक्तः शुभैर्जीवपुत्रो भवेद् द्रव्यनाथ॥

पंचमेश धन स्थान में होने से जातिका को बहुत मित्र मिलते हैं, पेट की बीमारी होती है, क्रोधी तथा धनी होती है। पिता से संपत्ति मिलती है किन्तु कुटुम्ब से विरोध तथा उसकी हानि करती है, उपभोगों में आसक्त होती है, शुभग्रह युक्त हो (चन्द्र, बुध, शुक्र तथा गुरु) तो जातिका के पुत्र होते हैं, वह धनवान होती है। पंचमेश पापग्रह हो (रवि, मंगल तथा शनि) तो वह निर्धन होती है, कवि या गायक होती है, दुःख सहन करना पड़ता है तथा अपने स्थान में बड़े प्रयत्न से स्थिरता मिलती है। जातिका विद्वान तथा हमेशा ज्ञान प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील रहती है, बुद्धिजीवी होकर कीर्ति प्राप्त करती है।

### षष्ठेश - व्यय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

षष्ठेशऽष्टमरिः फस्थे रोगी शत्रुमनीषिणाम्।  
परजायाभिगामि च जीवहिंसासुतत्परः॥

यवन जातक के अनुसार -

व्ययगते च चतुष्पदवाजिनां रिपुपतौ धनधान्यसुखक्षयः।  
गमनबुद्धिनिरन्तरमेष यद्विननिशं च धनाय कृतोद्यमः॥

गर्ग जातक के अनुसार -

षष्ठपतौ द्वादशगे चतुष्पदधनधान्ययुतः।  
चपलो मदान्धे लक्ष्याल्हादपरो नरो भवति॥

षष्ठेश व्यय स्थान में होने से जातिका रोगी, विद्वानों की शत्रु, परपुरुष से सम्बन्ध रखने वाली तथा प्राणियों की हिंसा करने वाली होती है। पशु व धन की हानि होती है, आने जाने में धनहानि होती है, देवभक्त होती है। चौपाये पशु, घोड़े आदि तथा धनधान्य व सुख का नाश होता है, हमेशा घूमने की इच्छा रहती है। रात दिन धन कमाने का प्रयत्न करती है। जातिका चंचल, घमंड से अंध, धन और चैन में मग्न, चौपाये पशु तथा धनधान्य से युक्त होती है। जातिका को राजा (सरकार) से दण्ड मिलता है, बहुत संकट आते हैं, बहुत धनहानि होती है।

अनुभव: षष्ठेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।



### सप्तमेश - धनस्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

दूयनेशो नवर्मे वित्ते नानापुरुषभिः समागमः।  
आरम्भी दीर्घसूत्री च पुरुषषु चितं हि केवलम्॥

यवन जातक के अनुसार -

मदपतौ धनगे वनिता खला भवति वित्तवती सुखवर्जिता।  
स्वपतिवाक्यविलोपकरी मदान्मतिमती स्वयमात्मजवर्जिता॥

सप्तमेश धनस्थान में होने से जातिका बहुत पुरुषों से सम्बन्ध बनाती है, किसी भी काम को आरम्भ कर दीर्घसूत्री (लम्बी बातें सोचने वाली) होती है, मन पुरुषों में ही लगा रहता है। पति दुष्ट, पुत्रों को चाहनेवाली, पैसा हाथ में रखनेवाली होती है, यह घर में पति संग नहीं पाती। जातिका का पति घमंड से पति के कहने के विरुद्ध कार्य करने वाला, पुत्रहीन, दुखी किन्तु बुद्धिमान व धनवान होता है। पति मोटा, पुत्रहीन होता है, पैसा पति के हाथ में रहता है। हमेशा दुखी रहती है। जातिका को कुटुम्ब से स्वेह होता है, व्यापार में धन लगाया जाता है, पति से धन मिलता है। परपुरुष से सम्पर्क रहता है।

**अनुभव :** सप्तमेश शनि होने के कारण ऊपर वर्णित फल अनुभव में नहीं ओते हैं।

### अष्टमेश - धन स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

अष्टमेशो धने बन्धौ बलहीनः प्रजायते।  
धनं तस्य भवेत् स्वल्पं गतं वित्तं न लभ्यते॥

यवन जातक के अनुसार -

निधनपे धनगे चलजीवितो बहुलशास्त्रयुतोपि च तस्करः।  
खलखगैश्च शुभैर्न गदान्वितो नृपतितो मरणं हि सुनिश्चितम्॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवन जातक जैसा वर्णन है।

अष्टमेश धनस्थान में होने से जातिका बलहीन होती है, इसे धन कम मिलता है तथा गया हुआ धन फिर नहीं मिलता। हमेशा भ्रमण कर जीविका कमाती है, बहुत शास्त्र जानती है किन्तु चोर होती है। अष्टमेश पापग्रह हो तो रोगी होती है तथा राजा के दण्ड से मृत्यु निश्चित रूप से होती है।

**अनुभव :** अष्टमेश शनि होने के कारण जातिका बहुत शास्त्र जानती है किन्तु चोर होती है।



### नवमेश - व्यय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

भाग्येशो मातुले रिःफे भाग्यहीनो भवेद् धूरवम्।

मातुलस्य सुखं न स्यात् ज्येष्ठभ्रातुः सुखं तथा॥

यवन जातक के अनुसार -

व्ययगतः सुकृताधिपतिर्यदा भवति मानयुतः परदेशगः।

मतियुतः स च सुन्दरदेहयुग् यदि खलाच्च खगादिह धूर्तकः॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवन जातक जैसा वर्णन है, केवल मानी विद्यावान् कुमति इतना अलग बतलाया है।

नवमेश व्यय स्थान में होने से जातिका भाग्यहीन होती है, मामा तथा बड़े भाई का सुख नहीं मिलता।

अभिमानी, बुद्धिमान तथा सुन्दर होती है। जातिका विदेश जा सकती है।

अनुभव : नवमेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

### दशमेश - धन स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

धने मदे च सहजे कर्मेशो यदि सस्थितः।

मनस्वी गुणवान् कामी सत्यधर्मसमन्वितः॥

यवन जातक के अनुसार -

भवति वित्तगते गगनाधिपे जनकमातुसुखं शुभखेचरेः।

कठिनदुष्टवचस्तनुभुग्रः सुतनुकर्मकरो धनवान् भवेत्॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

वित्तस्थे गगनपतौ मात्रा पालितः सुतो भवति।

लोभी मातरि दुष्टो स्वल्पग्रासः सुतनुकर्मा॥।

दशमेश धन स्थान में होने से जातिका अभिमानी, गुणवान, कामुक, सत्य और धर्म से युक्त होती है।

माता-पिता का सुख मिलता है, सुन्दर काम करने वाली, धनवान किन्तु बोलने में कठोर होती है। माता द्वारा पालन किया जाता है किन्तु वह माता के साथ दुष्ट व लोभी का व्यवहार करती है। वह कम खाती है तथा सुन्दर व अच्छे काम करने वाली होती है। राजकीय या साहुकारी नौकरी से धनलाभ होगा व परिवार का सुख मिलेगा। अच्छी वक्ता होगी।

अनुभव : दशमेश मंगल होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव नहीं होते हैं।



## लाभेश - धन स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लाभेशो द्वितीये पुत्रे नानासुखसमन्वितः।

पुत्रवान् धर्मिकश्चैव सर्वसिद्धिप्रदायकः॥

यवन जातक के अनुसार -

चपलजीवितमल्पसुखं तथा भवपतिर्धनभावगतो यदि।

खलखगेत्वतितस्करतायुतः शुभखगे धनवानति जीवति॥

गर्ग जातक के अनुसार -

वित्तगते लाभपतावुत्पन्नभुगल्पभाजनोल्पायुः।

अष्टकपाली चौरः कूररे सौम्ये च धनकलितः॥

लाभेश धन स्थान में होने से जातिका को बहुत प्रकार के सुख मिलते हैं, जातिका के पुत्र होते हैं, सब सफलता मिलती है, धार्मिक होती है। अल्पायु, अल्पसुख होती है। लाभेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) हो तो जातिका चौर होती है, शुभग्रह (चन्द्र, बुध, शुक्र तथा गुरु) हो तो धनवान व दीर्घायु होती है। जितना मिले उतना खाने वाली होती है, इसके पास बरतन आदि कम होते हैं। धन की रक्षा व वृद्धि करती है, साहूकार होती है। सुखी होती है।

**अनुभव :** लाभेश शुक्र होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

## व्ययेश - धन स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

व्ययेशो द्वितीये रन्धे विष्णुभक्तिसमन्वितः।

**धार्मिकः** प्रियवादी च गुणैस्सर्वैः समन्वितः॥

यवन जातक के अनुसार -

कृपणता कटुवाग् धनभावगे व्ययपतौ विकलश्च विनष्टधीः।

धरणिजे विधनं नृपतस्करादपि च पापकरश्च चतुष्पदे॥

गर्ग जातक के अनुसार -

**यवनजातक जैसा वर्णन है, सिर्फ पटुवागनिष्टलाभलयः इतना शब्द अधिक है।**

व्ययेश द्वितीय स्थान में होने से जातिका ईश्वर भक्त, धार्मिक, मीठा बोलने वाली तथा सब गुणों से युक्त होती है। कंजूस, कटु बोलने वाली, दुर्बल, बुद्धिहीन होती है, व्ययेश मंगल धनस्थान में हो तो राजदण्ड या चोरी से धन नष्ट होता है, पशुओं के बारे में पापकर्म करती है। परिवार के लिए बहुत खर्च होगा, कर्ज होगा तथा मृत्युपर्यन्त वह चुकाया नहीं जा सकेगा।



## मंगली-दोष विचार

1. अगस्त्य संहिता के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।  
भार्या भर्तु विनाशाय भर्तुश्च स्त्री विनाशनम्॥

2. मानसागरी के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।  
कन्या भर्तुविनाशाय भर्तुः कन्या विनश्यति॥

3. बृहत् ज्योतिषसार के अनुसार -

लग्रे व्यये चतुर्थे च सप्तमे वा अष्टमे कुजः।  
भर्तरं नाशयेद् भार्या भर्ताभार्या विनाशयेत्॥

4. भावदीपिका के अनुसार -

लग्रे व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।  
स्त्रीणां भर्तु विनाशः स्यात् पुंसां भार्या विनश्यति॥

5. बृहत् पाराशर होरा के अनुसार -

लग्रे व्यये सुखे वापि सप्तमे वा अष्टमे कुजे।  
शुभ द्वग् योग हीने च पतिं हन्ति न संशयम्॥

उपरोक्त श्लोकों का भावार्थ यह है कि जन्म लग्र से प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या द्वादश स्थान में मंगल स्थित होने पर मंगल दोष या कुज दोष होता है।

कुछ आचार्यों के अनुसार लग्र के अतिरिक्त चन्द्र लग्र, शुक्र या सप्तमेश से इन्हीं स्थानों में मंगल स्थित होने पर भी मंगली दोष होता है।

शास्त्रोक्ति है -

लग्रेन्दु शुक्राद् दुःस्थाने यद्यस्ति द्विति संभवः।  
तद्वशापाक समये दोषमाहर्मनीषिणः॥

यदि मंगल लग्र, चंद्रमा या शुक्र से दुःस्थान में स्थित हो तो उसकी दशा में अशुभ फल प्राप्त होते हैं।

सामान्यतः मंगल दोष को लग्र व चन्द्र से देखा जाता है।

**Mrs. Ahuja** की कुण्डली में मंगल लग्र से द्वितीय भाव में स्थित है और चन्द्र लग्र से सप्तम भाव में स्थित है। अतः **Mrs. Ahuja** जन्म लग्र से मांगलिक नहीं हैं मगर चन्द्र लग्र से मांगलिक हैं।



## मंगली दोष का फल

मंगली दोष वैवाहिक जीवन को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करता है - विवाह में विप्लव, विलम्ब, व्यवधान या धोखा, विवाहोपरान्त दम्पति में से किसी एक अथवा दोनों को शारीरिक, मानसिक अथवा आर्थिक कष्ट, पारस्परिक मन-मुटाव, आरोप-प्रत्यारोप तथा विवाह-विच्छेद। अगर दोष अत्यधिक प्रबल हुआ तो दोनों अथवा किसी एक की मृत्यु हो सकती है।

फिर भी मंगली दोष से भयभीत या आतंकित नहीं होना चाहिये। प्रयास यह करना चाहिये कि मंगली का विवाह मंगली से ही हो क्योंकि मंगल-दोष साम्य होने से वह प्रभावहीन हो जाता है तथा दोनों सुखी रहते हैं।

**दम्पत्योर्जन्मकाले व्ययधनहिबुके सप्तमे लग्नरस्ते। लग्नाच्चन्द्राच्च शुक्रादपि भवति यदा भूमिपुत्रो द्वयोर्वै॥  
तत्साम्यात्पुत्रमित्रप्रचुरधनपतां दंपती दीर्घ-काला। जीवेतामेकहा न भवति मश्तिरिति प्राहुरत्रात्रिमुख्याः॥**

अर्थात् यदि वर और कन्या के जन्मांग में मंगल द्वितीय, द्वादश, चतुर्थ, सप्तम अथवा अष्टम भाव में लग, चंद्रमा अथवा शुक्र से सम्भाव में स्थित हो तो समता का मंगल दोष होने के कारण वह प्रभावहीन हो जाता है। परस्पर सुख, धनधार्य, संतानि, स्वास्थ्य एवं मित्रादि की उपलब्धि रहती है।

**कुज दोष वत्ति देया कुजदोषवते किल। नास्ति दोषो न चानिष्टं दम्पत्यो सुखवर्धनम्॥**  
मंगल दोष वाली कन्या का विवाह मंगल दोष वाले वर के साथ करने से मंगल का अनिष्ट दोष नहीं होता तथा वर-वधू के मध्य दाम्पत्य-सुख बढ़ता है।

## मंगली दोष परिहार के उपाय

मंगली दोष की शान्ति के लिये प्रमुख उपाय हैं -

\* मंगलवार का व्रत रखें। दिन में नमक के बिना तरल भोज्य पदार्थ (चाय, काफी, दूध, लस्सी, फलों के रस) लें। सायंकाल थाली में रोली से त्रिकोण बनाएँ तथा पंचोपचार (लाल चंदन, लाल पुष्प, धूप, दीप तथा नैवेद्य) से पूजन करें। तत्पश्चात् सूर्यास्त से पूर्व ही गेहूँ की रोटी, घी, गुड़ ग्रहण करें।

\* मंगल दोष अधिक प्रबल हो तो मंगल चंडिका स्तोत्र का 108 दिन तक नित्यप्रति 21 बार जप करें।  
प्रातः काल पूर्वाभिमुख होकर बैठें व पंचमुखी दीप प्रज्वलित करके अपने इष्ट तथा मंगल ग्रह का पंचोपचार से पूजन करें, फिर निम्नलिखित जप करें -

**रक्ष रक्ष जगन्मातर्देवि मंगलचंडिके ।  
हारिके विपदां राशो हर्षमंगलकारिके ॥  
हर्षमंगलदक्षे च हर्षमंगलदायिके ।  
शुभे मंगलदक्षे च शुभे मंगलचंडिके ॥  
मंगले मंगलाहें च सर्वमंगलमंगले ।  
सदा मंगलदे देवि सर्वेषां मंगलालये ॥**



## साढ़ेसाती फल

प्राचीन काल से सामान्य भारतीय जनमानस में यह धारणा प्रचलित है कि शनि की साढ़ेसाती बहुधा मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दृष्टि से दुखदायी एवं कष्टप्रद होती है। शनि की साढ़ेसाती सुनते ही लोग चिन्तित और भयभीत हो जाते हैं। साढ़ेसाती में असन्तोष, निराशा, आलस्य, मानसिक तनाव, विवाद, रोग-रिपु-ऋण से कष्ट, चोरों व अग्नि से हानि और घर-परिवार में बड़ों-बुजुर्गों की मृत्यु जैसे अशुभ फल होते हैं। शास्त्र शनि की साढ़ेसाती का फल इस प्रकार बतलाते हैं-

**कल्याणं खलु यच्छति रविसुतो राशौ चतुर्थै में व्याधि बन्धुविरोधदेशगमनं क्लेशं च चिन्ताधिकम् ॥**

**राशौ द्वादशशीर्षजन्महृदये पादौ द्वितीये शनिनानाक्लेशकरोऽपि दुर्जनभयं पुत्रान् पश्चन् पीडनम् ॥**

**हानिःस्यान्मरणं विदेशगमनं सौख्यं च साधारणम् रामारिध्यविनाशनं प्रकुरुत तुर्याष्टमै वाथवा ॥**

अर्थात् चन्द्र राशि से चौथे या आठवें स्थान में शनि आने पर रोग, भाइयों से लड़ाई विदेश में प्रवास, कष्ट, चिन्ता ये फल मिलते हैं। चन्द्र राशि से बारहवें, पहले या दूसरे स्थान में गोचर के शनि से (साढ़ेसाती में) सिर, हृदय, पैर में पीड़ा होती है, दुष्टों से भय होता है, पुत्रों और पशुओं को कष्ट होता है।

अनुभव में पाया गया है कि सम्पूर्ण साढ़े-सात साल पीड़ा दायक नहीं होते। बल्कि साढ़ेसाती के समय में कई लोगों को अत्यधिक शुभ फल जैसे विवाह, सन्तान का जन्म, नौकरी-व्यवसाय में उन्नति, चुनाव में विजय, विदेश यात्रा, इत्यादिभी मिलते हैं।

### प्रथम चक्र की साढ़े साती का फल

(20-03-1990 से 17-04-1998 तक)

शनि के साढ़ेसाती का प्रथम चक्र अत्यन्त प्रबल होता है इस अवधि में आपको शारीरिक कष्ट, अवरोध एवं अनेकप्रकार से क्षति उठानी पड़ सकती है। माता-पिता को भी शनि पीड़ित करता है।

### द्वितीय चक्र की साढ़े साती का फल

(24-01-2020 से 23-02-2028 तक)

द्वितीय आवृत्ति में शनि अपेक्षाकृत मध्यम प्रभाव डालता है। इस अवधि में आपकी अपने श्रम व संघर्ष से उत्तेजित होगी। मानसिक अशान्ति अवश्य बनी रह सकती है किन्तु भौतिक उन्नति निश्चित होगी। माता-पिता या अन्य बुजुर्गों का वियोग सहन करना पड़ सकता है।

### तृतीय चक्र की साढ़ेसाती का फल

(06-03-2049 से 07-04-2057 तक)

तृतीय आवृत्ति में शनि अनेक कठोर फल देता है। इस अवधि में मारक का प्रभाव अधिक होने के कारण आपको प्रबल शारीरिक कष्ट हो सकता है। इस आक्रमण से सौभाग्यशाली ही सुरक्षित रह पाते हैं।



## साड़ेसाती की प्रथम, द्वितीय व तृतीय फैया का फल

यह सामान्यतः पाया गया है कि साड़ेसाती की तीन फैया में से एक शुभ, एक मध्यम तथा एक अशुभ फलदायी होती है। इसका निर्णय शनि के अष्टक वर्ग तथा सर्वाष्टक वर्ग में प्राप्त शुभ रेखाओं की संख्या के आधार पर किया जाता है। यदि शनि अष्टक वर्ग में चार रेखायें तथा सर्वाष्टक वर्ग में 28 रेखायें हैं तो शनि मिश्रित फलदायी होता है। इससे कम है तो अशुभ तथा अधिक होने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं। यदि जन्म कुण्डली में शनि बलवान् (उच्च, स्वक्षेत्रीय आदि) या योगकारक हो या चन्द्रराशि का स्वामी हो तो जातक के लिए शनि का दुष्प्रभाव औरों की अपेक्षा बहुत कम होता है।

### साड़ेसाती की प्रथम फैया का फल

प्रथम चक्र 20-03-1990 से 20-06-1990 तक व 14-12-1990 से 05-03-1993 तक

द्वितीय चक्र 24-01-2020 से 29-04-2022 तक व 12-07-2022 से 17-01-2023 तक

तृतीय चक्र 06-03-2049 से 09-07-2049 तक व 04-12-2049 से 24-02-2052 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से बारहवें भ्रमण करता है तथा दूसरे, छठे, नवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। प्रथम फैया में शनि का निवास सिर पर रहता है। मानसिक-शारीरिक सुख में कमी आती है। नेत्रों की व्याधि, चश्में आदि का प्रयोग सम्भव है। अचानक आर्थिक हानि होती है। अवांक्षित अतिरिक्त व्यय, अपव्यय होता है। जातक आर्थिक रूप से व्यथित रहता है आय की अपेक्षा व्यय अधिक होता है। कुटुम्ब से वियोग हो सकता है। परिवार में अशान्ति रहती है। पिता को कष्ट होता है। पिता से तनाव होता है। भाय पतन का भय रहता है। कार्यों में परेशानियाँ एवं विलम्ब होता है। प्रयासों के सुफल नहीं मिलते। लोगों से सहयोग नहीं मिलता। राजकीय लोगों से पीड़ा सम्भव है। आध्यात्मिकता में रुचि जाग्रत होती है। दुर्घटनाओं का भय होता है। व्यर्थ भ्रमण होता है। दूर की यात्रा करनी पड़ती है, जिसमें कष्ट उठाना पड़ता है। यह शनि पंचम से अष्टम होता है, अतः सन्तान के लिए भी यह समय कष्टप्रद होता है।

### साड़ेसाती की द्वितीय फैया का फल

प्रथम चक्र 05-03-1993 से 15-10-1993 तक व 09-11-1993 से 02-06-1995 तक

द्वितीय चक्र 29-04-2022 से 12-07-2022 तक व 17-01-2023 से 29-03-2025 तक

तृतीय चक्र 24-02-2052 से 14-05-2054 तक व 01-09-2054 से 05-02-2055 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि पर भ्रमण करता है तथा तीसरे, सातवें, दसवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। शनि इस फैया में उदर भाग में रहता है। अतः शरीर के सम्पूर्ण मध्य भाग में रोग व्याधि सम्भव होती है। शारीरिक तेज प्रभावित होता है। बुद्धि काम नहीं करती, गलत निर्णय होते हैं। भाईयों से तथा व्यापार में सांदीर से विवाद होता है। पत्नी को शारीरिक कष्ट अथवा पत्नी से गड़ा होता है। आर्थिक चिन्ताएँ निरन्तर रहती हैं। मानसिक स्तर पर प्रबल उद्देलन रहता है। व्यर्थ का भय व्यथित करता है। कोई कार्य मनोनुकूल नहीं होता, अपूर्ण कार्य दुःखी करते हैं, व्यवधान प्रबल रहते हैं। पारिवारिक तथा व्यवसायिक जीवन अस्त-व्यस्त रहता है। किसी सम्बन्धी को मारक कष्ट होता है। दूर स्थानों की यात्राएँ, शत्रुओं से कष्ट, आत्मिय जनों से अलगाव व्याधि, सम्पत्ति क्षति व सामाजिक पतन, मित्रों का अभाव एवं कार्यों में अवरोध इस चरण के फल हैं।

### साड़ेसाती की तृतीय फैया का फल

प्रथम चक्र 02-06-1995 से 02-06-1995 तक व 16-02-1996 से 17-04-1998 तक

द्वितीय चक्र 29-03-2025 से 02-06-2027 तक व 20-10-2027 से 23-02-2028 तक

तृतीय चक्र 14-05-2054 से 01-09-2054 तक व 05-02-2055 से 07-04-2057 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से दूसरे भ्रमण करता है तथा चौथे, आठवें, यारहवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। उत्तरती साड़ेसाती में शनि पैरों पर रहता है, अतः इस अवधि में पैरों में कष्ट होता है। शारीरिक दृष्टि से निर्बलता आती है। दैहिक रूप से जड़ता का अनुभव होता है, शरीर में आलस्य रहता है। आनन्द बाधित होता है। व्यर्थ के विवाद उत्पन्न होते हैं। आत्मियों से अकारण संघर्ष होता है उन्हें गम्भीर व्याधि अथवा किसी को मरण तुल्य कष्ट होता है। सुखों का नाश होता है, पदाधिकार पर संकट आता है। व्यय अत्यधिक होता है। पैसा आता है किन्तु उसी गति से व्यय भी होता है। निम्न श्रेणी के लोगों से कष्ट मिलता है। अष्टम पर दृष्टि होने से आयु प्रभावित होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से गृह सुख, मातृसुख, वाहन सुख आदि तथा भौतिक सुख-सुविधाओं में बाधा आती है।



## लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि का फल

### शनि की चतुर्थ स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र से तक व से तक

द्वितीय चक्र 06-06-2000 से 23-07-2002 तक व 08-01-2003 से 07-04-2003 तक

तृतीय चक्र 08-08-2029 से 05-10-2029 तक व 17-04-2030 से 30-05-2032 तक

चन्द्र राशि से शनि चतुर्थ स्थान में भ्रमण करता है तो छठे, दसवें एवं चन्द्र लग्न पर पूर्ण दृष्टि रहती है। स्थान परिवर्तन या स्थानान्तरण होता है। आवासीय सूख की क्षति होती है। हृदय सम्बन्धी कष्ट या अनियमित रक्तचाप सम्बन्ध होता है। सम्बन्धियों से वियोग होता है। पारिवारिक सूख में कमी आती है। जनता एवं राज्य दोनों द्वारा विरोध होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि छठे भाव पर रहती है। अतः शत्रुओं एवं रोगों से कष्ट होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि दशम पर रहती है। अतः कार्य क्षेत्र में अवरोध आता है। शनि की दशम दृष्टि चन्द्र लग्न पर रहती है। अतः मन में घबड़ाहट रहती है।

### शनि के सप्तम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र से 03-11-1979 तक व 14-03-1980 से 14-03-1980 तक

द्वितीय चक्र 01-11-2006 से 10-01-2007 तक व 15-07-2007 से 09-09-2009 तक

तृतीय चक्र 27-08-2036 से 22-10-2038 तक व 05-04-2039 से 12-07-2039 तक

जन्म राशि से शनि सप्तम स्थान में भ्रमण करता है तो नवम, चन्द्र लग्न एवं चतुर्थ पर पूर्ण दृष्टि रहती है। पत्नी को शारीरिक कष्ट होता है अथवा पत्नी या व्यापार के भागीदारी से गम्भीर मतभेद होते हैं। जातक मूत्र-जनन तन्त्र सम्बन्धी रोगों से कष्ट पाता है। मानसिक चिन्ताएं बढ़ती हैं। नवम पर दृष्टि होने से भाग्य में गतिरोध आता है, पिता को कष्ट होता है, मान सम्मान पर अंच आती है तथा कार्यक्षेत्र में उथल पूथल होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से माता का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। वाहन सम्बन्धी कष्ट होते हैं। घर छोड़ना पड़ता है, दीर्घ प्रवास होता है, यात्रायें होती हैं और यात्रा में कष्ट होता है।

### शनि के अष्टम स्थान की दैया का फल

प्रथम चक्र 03-11-1979 से 14-03-1980 तक व 27-07-1980 से 06-10-1982 तक

द्वितीय चक्र 09-09-2009 से 15-11-2011 तक व 16-05-2012 से 04-08-2012 तक

तृतीय चक्र 22-10-2038 से 05-04-2039 तक व 12-07-2039 से 27-01-2041 तक

जन्म राशि से शनि अष्टम स्थान में भ्रमण करता है तो दसवें, दूसरे एवं पंचम भाव पर पूर्ण दृष्टि रहती है। आयु बल प्रभावित होता है। दीर्घावधि की बीमारी या दुर्घटना की संभावना रहती है। अपमानित होने का भय रहता है। राजकीय लोगों से पीड़ा का भय रहता है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन का योग बनता है। कार्य व्यापार पर आघात लगता है। धन सम्पत्ति की हानि होती है। सन्तान को कष्ट होता है या सन्तान वियोग की संभावना बनती है।

### शनि के दशम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 21-12-1984 से 31-05-1985 तक व 16-09-1985 से 16-12-1987 तक

द्वितीय चक्र 02-11-2014 से 26-01-2017 तक व 20-06-2017 से 26-10-2017 तक

तृतीय चक्र 11-12-2043 से 23-06-2044 तक व 30-08-2044 से 07-12-2046 तक

शनि राशि से दसवें भ्रमण करता है तो बारहवें, चतुर्थ एवं सप्तम भावों को भी अपनी पूर्ण दृष्टि से प्रभावित करता है। कार्यक्षेत्र में अवरोध आता है। आजीविका क्षेत्र में उत्थान पतन या व्यतिक्रम होता है। किसी ऐसे कार्य (व्यापार) में प्रवृत्ति हो जिसमें असफलता हो या ऐसा दुष्कर्म बन जाए जिसके कारण अप्रतिष्ठा हो, सम्मान भंग हो। अनावश्यक आर्थिक व्यय के प्रसंग आते हैं। पत्नी से मतभेद या अलगाव संभव है। घर सम्पत्ति के बारे में चिन्ता उत्पन्न होती है।



## शनि की साढ़ेसाती तथा ढैया के उपाय

शनि की साढ़ेसाती या ढैया के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय करें -

### **1. मन्त्र**

(क) महामृत्युंजय मंत्र का सवा लाख जप (नित्य 10 माला, 125 दिन) करें -

ॐ त्रयम्बकम् यजामहे सुगच्छि पुष्टिवर्द्धनं उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।

(ख) शनि के निम्नदत्त मंत्र का 21 दिन में 23 हजार जप करें -

ॐ शत्रोदेवीरभिष्ठय आपो भवन्तु पीतये । शंयोरभिस्त्वन्तु नः । ॐ शं शनैश्चराय नमः ।

(ग) पौराणिक शनि मंत्र -

ॐ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥

### **2. स्तोत्र**

- शनि के निम्नलिखित स्तोत्र का 11 बार पाठ करें या दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें।

कोणस्थः पिंगलो बध्नुः कृष्णो रौद्रोऽन्तको यमः । सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः ॥

तानि शनि-नामानि जपेदश्वत्यसन्निधौ । शनैश्चरकृता पीडा न कदाचिद् भविष्यति ॥

साढ़ेसाती पीडानाशक स्तोत्र - पिप्पलाद उवाच -

नमस्ते कोणसंस्थय पिङ्गलाय नमोस्तुते । नमस्ते बधूरूपाय कृष्णाय च नमोस्तु ते ॥

नमस्ते रौद्ररद्धाय नमस्ते चान्तकाय च । नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो ॥

नमस्ते यमदसंज्ञाय शनैश्चर नमोस्तुते । प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च ॥

### **3. रत्न / धातु**

शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल या नाव की सतह की कील का बना छल्ला मध्यमा में धारण करें।

आपकी कुण्डली में शनि है।

न्यूनतम 4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में अंगूठी बनवा कर मध्यमा में धारण करने से लाभ होगा।

### **4. क्रत**

शनिवार का व्रत रखें। व्रत के दिन शनिदेव की पूजा (कवच, स्तोत्र, मन्त्र जप) करें। शनिवार व्रतकथा पढ़ना भी लाभकारी रहता है। व्रत में दूध, लस्सी तथा फलों के रस ग्रहण करें, सांयकाल हनुमान जी या भैरव जी का दर्शन करें। काले उड़द की खिचड़ी (काला नमक मिला सकते हैं) या उड़द की दाल का मीठा हलवा ग्रहण करें।

### **5. औषधि**

प्रति शनिवार सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध मिले हुए जल से स्नान करें।

### **6. दान**

शनि की प्रसन्नता के लिये उड़द, तेल, इन्द्रनील (नीलम), तिल, कुलथी, भैंस, लोह, दक्षिणा और श्याम वस्त्र दान करें।

### **7. अन्य उपाय**

(क) शनिवार को सांयकाल पीपल वृक्ष के चारों ओर 7 बार कच्चा सूत लपेटें, इस समय शनि के किसी मंत्र का जपे करते रहें। फिर पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करें, तथा ज्ञात-अज्ञात अपराधों के लिए क्षमा माँगें। (ख) शनिवार को अपने हाथ की नाप का 19 हाथ काला धागा माला बनाकर पहनें। (ग) टोटका - शनिवार के दिन उड़द, तिल, तेल, गुड़ मिलाकर लड्डू बना लें और जहाँ हल न चला हो वहां गाड़ दें। (घ) शनि की शान्ति के लिए बिछू की जड़ शनिवार को काले डोरे में लपेट कर धारण करें।



## रत्न परामर्श

रत्न धारण करने से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संभावित परिवर्तन किए जा सकते हैं। यह एक प्रचीन विद्या है। मणि माला नामक ग्रन्थ में रत्नों के बारे में कहा गया है -

**माणिक्यं तरणे: सुजात्यममलं मुक्ताफलं शीतगोमहियस्य च विद्वुमो निगदितः सौम्यस्य गारुत्मतं ।  
देवेज्यस्य च पुष्परागमसुराचार्ण्यसय वत्रं शनेर्नालं निर्मलमन्ययोश्च गदिते गोमेदवैदूर्यकं ॥**

"ग्रहों के विपरीत होने पर उन्हें शान्त करने के लिए रत्न पहने जाते हैं। सूर्य के विपरीत होने पर निर्दोष माणिक, चन्द्र के विपरीत होने पर उत्तम मोती, मंगल के लिए मूँगा, बुध के लिए पत्रा, बृहस्पति के लिए पुखराज, शुक्र के लिए हीरा, शनि को शान्त करने के लिए नीलम, राहु के लिए गोमेद एंव केतु के विपरीत होने पर लसुनिया धारण करना चाहिए।"- मणि माला भाग 2, 79

**धन्यं यशस्यमायुष्यं श्रीमद् व्यसनसूदनं । हर्षणं काम्यमोजस्यं रत्नाभरणधारणं ॥**

**ग्रहदृष्टिहरं पुष्टिकरं दुःखप्रणाशनं । पापदौर्भाग्यशमनं रत्नाभरणधारणं ॥**

"रत्न जडित आभूषण को धारण करने पर सम्मान, यश, लम्बी आयु, धन, सुख और धन में वृद्धि होती है तथा सभी प्रकार की अभिलाषाओं की पूर्ति होती है। ऐसा करने से ग्रह के विपरीत प्रभाव कम होते हैं, शरीर पुष्ट होता है तथा दुःख, पाप एंव दुर्भाग्य का नाश होता है।" - मणि माला, भाग 2, 121-122

### जीवन रत्न

लग्नेश का रत्न धारण करना सदा शुभफल देने वाला होता है। यह स्वास्थ्य, प्राणशक्ति, कार्य में सिद्धि तथा कुशलता प्रदान करता है। यह जीवन के बाकी क्षेत्रों में भी सहायता प्रदान करता है। आपका लग्नेश चन्द्र है अतः चन्द्र का रत्न धारण करना आपके लिए शुभकारी होगा। चन्द्र के लिए रत्न हैं - मोती, चन्द्रकांता।

"मोती धारण करने से उम्र और धन में वृद्धि होती है तथा सारे पापों का नाश होता है।"

"वह मोती जो सभी प्रकार से उत्तम है, अपने मालिक को सारी बुराईयों से रक्षा करता है तथा उसे सभी प्रकार की हानियों से बचाता है।"

"जिस घर में उत्तम मोती रहता है, सदा चंचल रहने वाली धन की देवी लक्ष्मी भी उसी घर में अपना निवास स्थान बना लेती है।" - मणि माला, भाग 1, 307, 309, 310

"मोती मधुर, अतिशीतल, नेत्ररोगों, विष तथा यक्ष्मा रोग का नाश करने वाला, दुर्बल शरीर को बल तथा पुष्टि देने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 2, 63

"मोती बहुमूल्य, पुत्र, धन, यश प्रदान करने वाले तथा रोगों एंव दुःख का नाश करने वाले तथा राजाओं को इच्छित वस्तु प्रदान करने वाले जाने गए हैं।" - बृहत संहिता

**धारण करने की विधि** - चन्द्र के रत्न को चांदी में जडित किया जाना चाहिए। रत्न जडित अंगूठी को अनामिका में सोमवार को संध्या के समय धारण करें।

चन्द्र के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ सों सोमाय नमः।



## पुण्य रत्न

पंचमेश का रत्न पुण्य प्रदान करता है तथा यह सृजनात्मक शक्ति तथा सन्तान के लिए भी शुभकारी है। आपका पंचमेश मंगल है, अतः मंगल का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। मंगल के लिए रत्न है मूँगा।

"स्वच्छ, कोमल, शीतल तथा विशिष्ट लाल रंग का मूँगा शुभ, हितकारी धनधान्य प्रदान करने वाला तथा विष का नाश करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 1, 356

"मूँगा खट्टा तथा मधुर, कफ-पित्त दोष का नाश करने वाला, बलकारी, शरीर को शोभा देने वाला तथा घारण करने वाली स्त्रियों का मंगल करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 2, 66

**धारण करने की विधि** - मंगल के रत्न को चांदी में जड़ित किया जाना चाहिए। किन्तु यदि इसे साहस, बल, तथा शारीरिक उष्णता बढ़ाने के लिए धारण करने के लिए इसे स्वर्ण में भी जड़ित किया जा सकता है। रत्न जड़ित अंगूठी को अनामिका अथवा कनिष्ठा में मंगलवार को सूर्योदय के एक घंटे पश्चात धारण करें।

मंगल के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ अं अंगारकाय नमः।

## भाग्य रत्न

नवमेश के लिए रत्न भाग्य प्रदान करता है। आपका नवमेश बृहस्पति है, अतः बृहस्पति का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। बृहस्पति के लिए रत्न है - पुखराज, पीला टोपाज, सिटराइन।

"पुखराज खट्टा, शीतल, वायु का नाश करने वाला, जठराग्री की वृद्धि करने वाला तथा घारण करने पर यश, घन तथा बुद्धि की वृद्धि करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 2, 65

**धारण करने की विधि** - बृहस्पति के रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को तर्जनी में गुरुवार को सूर्योदय से एक घन्टा पहले धारण करें।

बृहस्पति के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ बृं बृहस्पतये नमः।

## सामान्य निर्देश

साधारणतया सदा उच्च कोटि के रत्न धारण किए जाने चाहिए। उपरत्न व कम शक्ति के रत्न कम मंहगे होते हुए भी अच्छे फल देते हैं मगर फलदायक होने के लिए इनका बड़ा आकार का होना आवश्यक है। रत्न को प्रभावकारी करने के लिए, धारण करने से पहले उसे कच्चे टूंड और शुद्ध जल से धोना चाहिए। इसके पश्चात इसे हाथ में लेकर ध्यान केन्द्रित करते हुए दिए गए मंत्र का 108 बार जाप करें। पुरुषों को रत्न दाएं हाथ पर तथा स्त्रियों का बाएं हाथ पर धारण करना चाहिए। रत्न को अंगूठी में अथवा बाजू में पहनना चाहिए। इन्हें गले में भी पहना जा सकता है पर इससे लगातार शरीर से सम्पर्क नहीं रहता। रत्न का शरीर से सम्पर्क अति आवश्यक है।



## कुण्डली में शुभ योग

### संख्या - केदार योग

सब ग्रह जब चार स्थानों में होते हैं, तब 'केदार' योग बनता है।

**फल :** केदारयोगज जातक बहुतों का उपकारक, किसान, सत्यवादी, सुखी, चंचल स्वभाव वाला तथा धनी होता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 36, श्लोक 17, 47) मतान्तर से धनवान, कृषि से लाभ, सुस्त, बुद्धिमान, उपकारी, नौकरी से लाभान्वित, पूर्व आयु में कष्ट बाद में कष्ट, रहित जीवन, माता-पिता का सुख बहुधा दीर्घजीवी होते हैं।

### कल्पद्रुम योग

केमद्रुम योग उपस्थित हो किन्तु लग्र से केन्द्र में ग्रह हों तो कल्पद्रुम योग बनता है।

**फल :** केमद्रुम योग के अशुभ फल नहीं होते तथा जातक को सभी सुख प्राप्त होते हैं।

### केमद्रुम भंग योग

यदि चन्द्र से द्वितीय तथा द्वादश स्थान में सूर्य, राहु और केतु के अलावा कोई भी ग्रह न हो तो 'केमद्रुम' योग बनता है।

**फल :** किन्तु चन्द्रमा से केन्द्र में ग्रह होने से केमद्रुम योग भंग हो जाता है। यह योग केमद्रुम योग के अशुभ फलों को भंग कर देता है।

### केमद्रुम भंग योग

यदि चन्द्र से द्वितीय तथा द्वादश स्थान में सूर्य, राहु और केतु के अलावा कोई भी ग्रह न हो तो 'केमद्रुम' योग बनता है किन्तु सभी ग्रह चन्द्रमा को दैखें तो केमद्रुम योग भंग हो जाता है।

**फल :** यह योग केमद्रुम योग के अशुभ फलों को भंग कर देता है।

### केमद्रुम भंग योग

यदि चन्द्र से द्वितीय तथा द्वादश स्थान में सूर्य, राहु और केतु के अलावा कोई भी ग्रह न हो तो 'केमद्रुम' योग बनता है किन्तु यदि चन्द्रमा किसी शुभ ग्रह के साथ हो या बृहस्पति से दृष्ट हो तो केमद्रुम योग भंग हो जाता है।

**फल :** फलण् यह योग केमद्रुम योग के अशुभ फलों को भंग कर देता है।

### उभयचर योग

सूर्य से द्वितीय, द्वादश दोनों में चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य ग्रहों के रहने से उभयचर योग होता है।

**फल :** फल : (1) 'पाप' उभयचरोत्पन्न जातक रोगप्रस्त, दरिद्री, अस्वतन्त्र कर्म करने वाला होता है। 'शुभ' उभयचरोत्पन्न जातक राजा तुल्य धनी, ऐश्वर्यशाली, बलवान्, सुखी, सुशील, दयावान् बनाते हैं। (2) जातक समस्त कार्यभार को सहन करने वाला, कल्याण से युत (पाठान्तर से सुन्दर समदृष्टि वाला), समान शरीर वाला, अधिक बलवान्, अधिक ऊँची देह से रहित, समस्त वस्तु व साधनों से पूर्ण, विद्यावान्, सुन्दर ऐश्वर्य



से युत, अधिक नौकर व धन से युत, अपने बन्धु बान्धवों का रक्षक, राजा के सदश, पूर्ण उत्साही, प्रसन्न चित्त व सुख भोग करने वाला होता है। योगजनक ग्रह : सूर्य, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि।

### शुभ कर्तरी योग

लग्न से द्वितीय, द्वादश दोनों में शुभ ग्रहों के रहने से शुभ कर्तरी योग होता है।

**फल :** बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 37, श्लोक 1) शुभयोगोत्पन्न जातक वाग्मी, सौन्दर्यशील तथा गुणयुक्त होता है और पापयोगोत्पन्न कामुक पापकर्मकारी तथा परधनापहारक होता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 37, श्लोक 2) जो व्यक्ति शुभ कर्तरी योग में उत्पन्न होता है वह दीर्घायु, सुखी लक्ष्मीवान् और वैभव से युक्त होता है। उसे शत्रुओं तथा रोगों से भय नहीं होता अर्थात् न तो उसके शत्रु होते हैं न रोग होते हैं।

### भारती योग

पंचमेश जिस नवांश में हो उसका स्वामी यदि उच्च राशि में हो तथा नवमेश के साथ हो या वही ग्रह स्वयं नवमेश हो तो 'भारती योग' होता है।

**फल :** जातक विश्व प्रसिद्ध और विख्यात् विद्वान, धार्मिक, संगीत और रोमांस में रुचि, आर्कषक तथा सम्मोहक नेत्र होते हैं।

### केन्द्र त्रिकोण राज योग

लग्नेश का सम्बन्ध केन्द्र (4, 7, 10) या त्रिकोण (5, 9) भावों के स्वामियों से हो तो 'राजयोग' बनता है।

**फल :** ग्रहों के योग चार प्रकार से बनते हैं - 1. जब दो ग्रह परस्पर देखते हों। 2. जब एक ग्रह दूसरे को देखता हो। 3. जब दो ग्रहों में राशि परिवर्तन हो। 4. जब दो ग्रह एक ही राशि में हों। राजसी स्वभाव, सम्मान तथा सभी प्रकार के वैभव से युक्त होता है। योगजनक ग्रह: के स्वामीण्सूर्य, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, चन्द्रमा।

### केन्द्र त्रिकोण राज योग

यदि चतुर्थेश (केन्द्र) का सम्बन्ध पंचमेश या नवमेश (त्रिकोण) से हो तो राजयोग होता है।

**फल :** सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है।

### राज योग

पंचमेश का सप्तमेश या दशमेश से परस्पर सम्बन्ध हो तो राजयोग बनता है।

**फल :** सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है।

### राज योग

सुखेश व कर्मेश, पंचमेश या नवमेश के साथ संयुक्त हो तो राज योग होता है। (बृहत्पाराशर होराशास्त्र, अध्याय 40, श्लोक 37)

**फल :** राजा या राजसी पद प्राप्त होता है। सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। आधुनिक संदर्भ



में उच्च राजकीय पद मिलता है।

### हर्ष योग

**यदि** छठे घर का मालिक दुःस्थान (6, 8 या 12) में स्थित हो तो हर्ष योग होता है।

**फल :** जातक भाग्यवान्, दृढ़ शरीर वाला, सुखी, खोगी, शक्तिशाली और पाप भीरु होता है। विष्वात और प्रधान व्यक्तियों का प्यारा होता है। और उसे धन, पुत्र, मित्र का पूर्ण सुख मिलता है। हर्ष योग वाले व्यक्ति यशस्वी होते हैं और उनके चेहरे पर शोभा रहती है।

### जैमिनी राजयोग

चन्द्र और शुक्र की युति हो या चन्द्र शुक्र से वृष्ट हो तो राजयोग होता है। (के- एन-राव)

**फल :** जातक को प्रसिद्धि, प्रतिष्ठा तथा सफलता मिलती है।

### जैमिनी राजयोग

चन्द्र यदि कई ग्रहों व द्वारा वृष्ट हो तो राजयोग होता है। (के- एन-राव)

**फल :** जातक को प्रसिद्धि, सफलता तथा प्रतिष्ठा मिलती है।

### धन योग

लग्न के स्वामी का यदि द्वितीय या पंचम या नवम् या एकादश भाव के स्वामी से सम्बन्ध हो तो धन योग होता है। (डॉ- के- एस- चरक)

**फल :** जातक धनवान होगा।

### धन योग

यदि पंचम भाव के स्वामी का नवम् अथवा एकादश भाव के स्वामी के साथ सम्बन्ध हो तो धन योग होता है। (डॉ- के- एस- चरक)

**फल :** जातक धनवान होता है।

### कर्मजीव योग

लग्न से या सूर्य से दशम स्थान चन्द्र से युत हो या वृष्ट हो तो कर्मजीव योग होता है। (बृहत् जातक)

**फल :** जातक के ग्रहों की यह स्थिति चन्द्र से सम्बन्धित व्यवसायों, कृषि से सम्बन्धित जलीय उत्पादों से सम्बन्धित, मूँगाप्पोतीण्सीप आदि से सम्बन्धित व्यवसायों के लिए सहायक होती है। जातक महिला पर निर्भर करता है।

### कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्र या सूर्य से दशम स्थान का स्वामी यदि मंगल हो तो कर्मजीव योग होता है। (बृहत् जातक)

**फल :** ग्रहों की स्थिति मंगल से सम्बन्धित व्यवसायों खनिज तत्वों, अग्नि तत्वों (पटाखे, रसोई, इंजन चालक,



अग्नि और ताप से सम्बन्धित कार्य (शस्त्रों, रोमांचकारी कार्यों और बाहुबल कार्यों में सहायक होती है।

### कर्मजीव योग

**लग्न**, सूर्य या चन्द्र से दशम स्थान के स्वामी बुध से युत हो या दृष्ट हों तो यह योग होता है। (अन्य कर्मजीव योग से यह योग कम अंश का है) (बहुत जातक)

**फल** : यह योग बुध से सम्बन्धित व्यवसाय जैसे मैकेनिक, चित्रकार, मूर्तिकार, नक्काश, वास्तुकार एवं इत्र निर्माता हेतु सहायक होता है।

### कर्मजीव योग

नवमांश का स्वामी बृहस्पति दशमेश हो तो यह योग होता है। (बहुत जातक 10/3)

**फल** : जातक को सम्पदा और उपजीविका शिक्षित वर्ग के सम्पर्क से, ज्ञान से, कानून, धर्म, मन्दिरों, दानण्णुण्ण एवं साधना, तीर्थ यात्रा, आध्यात्मिक अनुसरण आदि से प्राप्त होती है। जातक को धनार्जन अगली पीढ़ी से, बच्चों से हो सकती है।

### कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्र या सूर्य से दशमेश शुक्र से दृष्ट हो या युत हो तो यह योग होता है। (बहुत जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह योग कम अंश का होता है)

**फल** : ग्रहों की स्थिति शुक्र से सम्बन्धित व्यवसायों में सहायक होती है। जैसे रत, चांदी, गाय, भैंस, मूल्यवान वस्तु, आनन्दित करने वाला या सौदर्य सम्बन्धी कार्य।

### कर्मजीव योग

**लग्न**, सूर्य या चन्द्र से दशमेश की यदि शनि से युत हो अथवा दृष्ट हो तो कर्मजीव योग होता है। (बहुत जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह योग कम अंश का होता है)

**फल** : जातक को यह ग्रह स्थिति शनि से जुड़े व्यवसाय से जोड़ती है - जैसे परिश्रमी कार्य, भर वहन करना अथवा निम्न स्तर के व्यापार जो परिवार के मान के विरुद्ध हों।

### ब्रह्म योग

नवमेश से बृहस्पति केन्द्र में हो और शुक्र एकादशेश से केन्द्र में हो और बुध लग्नेश से केन्द्र में हो या दशमेश से केन्द्र में हो तो ब्रह्म योग होता है। (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

**फल** : जातक उत्तम प्रकार के भोजनादि का (शाही भोजन का) शौकीन होता है। भोग विलास की वस्तुओं का शौकीन होता है। जातक का सम्मान ज्ञानी तथा आध्यात्मिक व्यक्ति के रूप में होता है। जातक सुशिक्षित, नैतिक तथा दानी होता है तथा दीर्घायु होता है।

### देहास्थूल्य योग

लग्न में जलीय राशि हो तथा शुभ ग्रह से युत हो अथवा लग्नेश जलीय ग्रह हो तब यह योग होता है। (सर्वथ चिन्तामणि 2/87)

**फल**



## सुमुख योग

द्वितीयेश यदि केन्द्र में हो शुभ ग्रहों से दृष्ट हो या शुभ ग्रह द्वितीय भाव में हों तो सुमुख योग होता है।  
(सर्वार्थ चिन्तामणि 3/26)

फल : जातक खुश मिजाज और आकर्षक चेहरे वाला होता है।

## भ्रातृवृद्धि योग

तृतीयेश या मंगल या तृतीय स्थान शुभ ग्रहों से दृष्ट हो या युत हो और शक्तिशाली हो तो यह योग होता है।  
(सर्वार्थ चिन्तामणि 4/16)

फल : जातक भाईयों या आश्रितों द्वारा अच्छा भाग्य बनेगा जो कि बेहद सम्पन्न होंगे।

## विचित्र सौध प्रकार योग

चतुर्थेश और दशमेश एक साथ शनि और मंगल से युत हो तो विचित्र सौध प्रकार योग होता है। (सर्वार्थ चिन्तामणि 4/62)

फल : जातक अनेक प्रासादों, हवेलियों का स्वामी होता है।

## बंधु पूज्य योग

चतुर्थ भाव या चतुर्थेश (बृहस्पति) गुरु से युत हों या गुरु से दृष्ट हों तो यह योग होता है। (सर्वार्थ चिन्तामणि 4/65)

फल : जातक परिवार एवं मित्रजनों से आदर प्राप्त करता है।

## मातृदीर्घायुर योग

नवमांश का स्वामी राशि का स्वामी चतुर्थेश के साथ बली होकर लग्न या चन्द्र चन्द्र से केन्द्र में हो तो मातृदीर्घायुर योग होता है। (सर्वार्थ चिन्तामणि 4/132)

फल : जातक की माता दीर्घजीवी होगी।

## औरसपुत्र योग

बृहस्पति, लग्न, सूर्य अथवा चन्द्रमा को देखें तो औरसपुत्र योग होता है। (सारावली 35/26)

फल : जातक को वैद्य पत्नी द्वारा स्वयं की वैद्य संतान होगी।

## सत्कलत्र योग

सप्तमेश या शुक्र, बृहस्पति या बुध से युत हों या दृष्ट हों तो यह योग होता है। (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक का जीवन साथी (पत्नी) कुलीन और नैतिक चरित्र वाला होता है।

## अरिष्ट भंग योग



राहु लग्न से तृतीय भाव में हो या षष्ठम भाव में हो या एकादश भाव में हो तो अरिष्ट भंग योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग, जो कि नवजात शिशु की मौत का संकेत देता है, को निरस्त या भंग करता है ।

### पूर्णायु योग

लग्न और होरा लग्न दोनों चर राशि में हो या एक द्विस्वभाव राशि में और द्वास्री राशि में हों तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की पूर्णायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है ।

### पूर्णायु योग

षष्ठमेश या द्वादशेश षष्ठम भाव में हों या द्वादश भाव में या अष्टम भाव में हों या लग्न में हों तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की पूर्णायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है ।

### राज सम्बन्ध योग

लग्न से दशमेश यदि अमात्यकारक से युत या वृष्ट हो या स्वयं अमात्यकारक दशम भाव में स्थित हो या दशमेश से युत हो तो यह योग होता है । (बृहत्-पाराशर होरा शास्त्र - 42/1)

फल : जातक राज सभा का प्रमुख होता है । आधुनिक सन्दर्भ में सरकार उच्च पद प्राप्त करता है ।

### मंगल बुध योग

मंगल तथा बुध की किसी भी भाव में युति होने पर यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक दवा बनाने के व्यवसाय से जुड़ होता है, किसी विधवा अथवा निम्न महिला के प्रति झुकाव रखता है । धातु तथा कला में पारंगत तथा पहलवान अथवा मुक्केबाज होता है । वह ज्यादा धनवान नहीं होता परन्तु वाक्चातुर्य से भरा होता है ।

### बुध शुक्र योग

बुध तथा शुक्र की युति यदि किसी भाव में हो तो यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक वक्ता, ईमानदार, वेदों का ज्ञाता, अत्यन्त धनी, एक अच्छा मूर्तिकार, संगीत में निपुण, सही प्रकार के वस्त्र धारण करने वाला, भूमि का मालिक, हमेशा प्रसन्न रहने वाला होता है ।

### मंगल बुध शुक्र शनि योग

मंगल, बुध, शुक्र तथा शनि यदि एक ही भाव में स्थित हों तो यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक युद्ध कला में निपुण, लेखक, पहलवान, स्वस्थ, प्रख्यात और पालतु कुत्ते रखने वाला होगा ।



## कुण्डली में सम योग

### आश्रय योग - रज्जुयोग

यदि लग्र चर राशि में हों तथा कई ग्रह चर राशि में हों तो रज्जुयोग होता है।

फल : जातक महत्वाकांक्षी होता है तथा नाम प्रसिद्ध, और यश के लिए जगह-जगह धूमता है, यात्रा प्रिय, शीघ्र निर्णय लेने वाला और अधिक ग्रहणशील होता है। बौद्धिक रूप से गतिशील और खुले दिमाग का होता है। यद्यपि कभी-कभी अत्यधिक परिवर्तनशील स्वभाव, अनिर्णय, अस्थिर मन, अविश्वसनीय और किसी एक कार्य में संलग्न रहने में असमर्थ होता है। जातक लगातार संघर्ष में रहता है और सामान्यतः स्थिर सम्पत्ति बनाने में सफलता नहीं मिलती।

### सम योग

सूर्य से पणकर स्थान (2, 5, 8, 11) में चन्द्रमा हो तो सम योग होता है।

फल : यदि सम योग में उत्पन्न हो तो द्रव्य, सवारी, यश, सुख, सम्पत्ति, ज्ञान, बुद्धि, निपुणता, विद्या, उदारता और सुख योग, इनका मध्यम फल प्राप्त हो। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 14, 18)

### चन्द्रमंगल योग

चन्द्रमा मंगल की युति या परस्पर वृष्टि हो तो 'चन्द्रमंगल योग' होता है।

फल : विभिन्न प्रकार से धर्नाजन होता है। योगजनक ग्रह: चन्द्रमा, मंगल

### बहुस्त्री योग

लग्रेश और सप्तमेश साथ हो या आपस में एक दूसरे से वृष्टि हों तो यह योग होता है। (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक के कई पति / पत्नी होंगे।

### मध्यायु योग

लग्र और चन्द्र दोनों द्विस्वभाव राशि में या एक चर राशि में और दूसरा स्थिर राशि में हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की मध्यायु 70 वर्ष तक को दर्शाता है।

### मूकबधिरांध योग

शुक्र या मंगल द्वितीय या द्वादश भाव में हों तो मूकबधिरांध योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14)

फल : जातक को कर्ण रोग हो सकता है।

### मंगल शनि योग

मंगल तथा शनि की युति किसी भाव में होने पर यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)



**फल :** जातक दुःखी, झगड़ालू, दण्डनीय, धोखेबाज, बोलने में चतुर, हथियारों के उपयोग में लीन, अपने परिवार के विश्वास से अलग पथ अपनाने वाला होता है तथा उसे विष या किसी प्रकार की चोट से खतरा रहता है।

### बुध शनि योग

बुध तथा शनि यदि किसी भाव में युत हो तो यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

**फल :** जातक का शारीरिक गठन अनाकर्षक होता है। वह ज्ञानी, धनी, बहुत से लोगों का पालन करने वाला, झगड़ालू, चंचल मन का, विभिन्न कलाओं में दक्ष, अपने से बड़ों की आज्ञा की अवहेलना करने वाला तथा धोखेबाज होता है।

### शुक्र शनि योग

शुक्र तथा शनि यदि किसी भाव में युत हों तो यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

**फल :** जातक योद्धा, घुमक्कड़, अच्छा मूर्तिकार, लेखक या चित्रकार, कसरती पशुओं के समूह की देखभाल करने वाला निकट की कमजोर दृष्टि वाला काम सम्बन्धों के सामान्य तरीकों से विचलित होकर आनन्दित होने वाला होता है तथा जातक का विवाह उसकी आर्थिक समृद्धि की कुंजी साबित होता है।



## कुण्डली में अशुभ योग

### केमद्रुम योग

यदि चन्द्र से द्वितीय तथा द्वादश स्थान में सूर्य, राहु और केतु के अलावा कोई भी ग्रह न हो तो 'केमद्रुम' योग बनता है।

**फल :** जिस मनुष्य का केमद्रुम योग में जन्म होता है तो वह राजा के वंश में उत्पन्न होने पर भी स्त्री अन्न पान (दूध आदि) गृह (घर), वस्त्र व मित्रों से हीन, (अर्थात् स्त्री अन्नादि का अभाव) दरिद्रता दुःख रोग व दीनता के विकार से युत, मजदूरी करने वाला, दुष्ट प्रकृति वाला व सबसे विरुद्ध व्यवहार करने वाला होता है।। केमद्रुम योग में जन्म लेने वाला मनुष्य आर्थिक रूप से विपत्र, मानसिक व आर्थिक रूप से अस्थिर, स्वतंत्र व्यापार में एक बार पूँजी ड्रबने का भय, कंजूस और ऋण लेने की प्रवृत्ति तथा कुण्डली के शुभ योगों के फल प्राप्ति में बाधा होती है।

### अवयोग

लग्नेश द्वाःस्थान में हो तो 'अवयोग' होता है।

**फल :** जातक की स्थिति बहुत चंचल होती है। ऐसा व्यक्ति असज्जनों के साथ रहता है न उसका चरित्र ही अच्छा होता है। जातक स्वल्पायु और अप्रसिद्ध रहता है( और घोर दरिद्रता, तथा अपमान को प्राप्त होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 57, 58)

### निर्भाग्य योग

नवें भवन का स्वामी लग्न से 6, 8 या 12 वें भाव में हो तो 'निर्भाग्य' योग होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 66)

**फल :** जातक बहुत दुःख उठाने वाला, पुराने कपड़े पहनने वाला दुर्गति को प्राप्त होता है। नवम भाव धर्म भाव है यह बिगड़ने से मनुष्य साधुओं की और गुरुओं की निन्दा करता है। ऐसे व्यक्ति को जो कुछ पैतृक सम्पत्ति प्राप्त होती है (घर, खेत, जमीन, जायदाद) वह सब नष्ट हो जाती है।

### देहकष्ट योग

लग्नेश यदि पापग्रह के साथ हो या अष्टम भाव में हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/109)

**फल :** जातक को शारीरिक सुख के अभाव में जीवन यापन करना होगा।

### विषप्रयोग योग

द्वितीय भाव में पापग्रह हो अथवा पापग्रह से दृष्ट हो और द्वितीयेश कूर नवमांश में पापग्रह द्वारा दृष्ट हो तो विषप्रयोग योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/143)

**फल :** जातक को दूसरों से विषपान सम्बन्धी संकट उत्पन्न हो सकता है। (दूसरों द्वारा उसे जहर दिया जा सकता है)

### बंधुभीष्णकता योग

यदि चतुर्थेश पापग्रहों से जुड़ा हो या नीच षष्ठिमांश में हो या शत्रु राशि में या दुर्बल राशि में हो तो यह योग



होता है। (सर्वथा चिन्तामणि 4/68)

फल : जातक अपने निकटवर्ती परिजनों के कारण संकटग्रस्त होगा तथा गलतफहमी का शिकार हो उनके द्वारा त्याग दिया जाएगा।

### मातृशां योग

चन्द्रमा यदि पापग्रहों के बीच पीड़ित (फँस) जा, या पापग्रहों से युत हो या दृष्ट हो तो यह योग होता है। (सर्वथा चिन्तामणि 4/133)

फल : जातक की माँ का निधन शीघ्र हो जाता है।

### भाग चुम्बन योग

लग्नेश राशि अथवा नवमांश में दुर्बल हो तो यह योग होता है। (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक हस्तमैथुन में अत्यधिक आसक्त रहेगा।

### अरिष्ट योग

लग्नेश यदि षष्ठमेश, अष्टमेश या द्वादशेश के साथ हो या एक दूसरे से दृष्ट हो तो यह योग होता है। (यदि द्वितीयेश और सप्तमेश का दखल हो तो इसका प्रभाव और अधिक गम्भीर हो जाता है) (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक का स्वास्थ्य खराब रहेगा। (ग्रह जो यह योग बनाते हैं वे इस सम्बन्ध में विशिष्ट जानकारी दे सकते हैं)

### अरिष्ट योग

अष्टमेश द्वादशेश से युत हो या आपस में एक दूसरे से दृष्ट हो तो यह योग होता है। (द्वितीयेश और सप्तमेश का दखल हो तो प्रभाव और अधिक गम्भीर हो जाता है) (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक का स्वास्थ्य खराब रहेगा। (वे ग्रह जो यह योग बनाते हैं उनसे इस सम्बन्ध में विशिष्ट जानकारी मिल सकती है)

### अरिष्ट मतिभ्रम योग

षष्ठमेश पापग्रहों से दृष्ट या युत हो षष्ठम भाव में पापग्रह स्थित हों या षष्ठम भाव पापग्रह से दृष्ट हो बुध व चन्द्र दुःस्थान पर हो या पापग्रहों से दृष्ट हों तो यह योग होता है। (मेजर एस. जी. खूट)

फल : जातक मानसिक असंतुलन से ग्रस्त रहेगा।

### दरिद्र योग

शुभ ग्रह पाप भावों में स्थित हों और पाप ग्रह शुभ भावों में स्थित हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : जातक गरीबी, कंजूसी और खराब स्वास्थ्य से पीड़ित हो सकता है।



## दरिद्र योग

मंगल और शनि द्वितीय भाव में हो और बुध से दृष्ट नहीं हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : जातक गरीबी, कंजूसी और खराब सेहत से पीड़ित होता है।

## बालारिष्ट योग

चन्द्र यदि दुःस्थान (षष्ठम, अष्टम या द्वादश भाव) में स्थित हो और पापग्रह से दृष्ट हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : नवजात शिशु शीघ्र मृत्यु से असुरक्षित होता है (यह भी ध्यान में रखनी चाहिए कि यह एक पृथक विचार है, अरिष्ट भंग योग भी इस योग को निरस्त करने हेतु देखना चाहिए)।

## बालारिष्ट (वर्ज मुष्टि) योग

लग्न में कर्क या वृश्चिक राशि हो और सभी शुभ ग्रह चतुर्थ से दशम भाव में और सभी पाप ग्रह दशम दशम से चतुर्थ स्थान पर हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : नवजात शिशु को आसन्न मृत्यु से संकट हो सकता है। (किन्तु यह भी ध्यान रखना चाहिए कि यह एक पृथक विचार है, अरिष्ट भंग योग इस योग को निरस्त करता है)।

## अरिष्ट भंग योग

कृष्ण पक्ष में दिन के समय जन्म हो या शुक्ल पक्ष की रात्रि में जन्म हो तो यह अरिष्ट भंग योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग, जो नवजात शिशु की मौत का संकेत देता है, को निरस्त या भंग करता है।

## अल्पायु योग

लग्नेश और अष्टमेश दोनों स्थिर राशि में हो या एक चर राशि में और दूसरा द्विस्वभाव राशि में हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक को अल्प आयु या बत्तीस वर्ष तक की आयु प्रदान करता है।

## अल्पायु योग

पंचम भाव, अष्टम भाव और अष्टमेश पीड़ित हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग अल्प आयु या जातक की 32 वर्ष तक आयु का संकेत देता है।

## अल्पायु योग

तृतीयेश और मंगल अस्त, पाप ग्रहों से पीड़ित हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक को अल्प आयु या 32 वर्ष तक की आयु का संकेत देता है।



## अल्पायु योग

अष्टमेश और शनि अस्त या पाप ग्रहों से पीड़ित हों तो अल्पायु योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक को अल्प आयु या 32 वर्ष तक की आयु का संकेत देता है।

## योगारिष्ट (योगज आयु) योग

केन्द्र में पाप ग्रह हो चन्द्र शुक्र या गुरु से दृष्टि हों और चन्द्र षष्ठ्म या अष्टम भाव में हो तो यह योग होता है। (जातक पारिजात)

फल : जातक को बीस वर्ष की अल्पायु में मृत्यु का संकेत होता है। (ध्यान रहे कि यह एक पृथक विचार है। इस योग के सत्य होने के लिए अन्य संकेत होना आवश्यक है। अरिष्ट भंग योग इस योग को निरस्त करता है।)

## बन्धन योग

कर्क लग्न, सिंह लग्न या मीन लग्न में पापग्रह स्थित हों तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14/57)

फल : जातक को किले में कैद का संकेत उत्पन्न हो सकता है।

## दासी प्रभाव योग

सूर्य और चन्द्र दोनों दुर्बल हों या दोनों शनि के साथ विपरीत अवस्था में हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14/65)

फल : जातक दासी पुत्र होगा।

## हिल्लजा नेत्र दोष योग

मंगल यदि पाप राशि में हो या केन्द्र में पाप राशि से दृष्टि हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14/67)

फल : जातक को अंधा होने का संकेत उत्पन्न हो सकता है।

## मंगल शुक्र योग

मंगल तथा शुक्र की युति किसी भाव में होने पर यह योग बनता है। (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक धोखेबाज, झूठा या सट्टेबाज होता है। वह औरों के जीवनसाथी के प्रति झुकाव रखता है तथा लिंग के स्वाभाविक रूप से भिन्न रूख अपनाता है। वह सभी द्वारा नकारा जाता है, पर गणित विषय में दक्षता हासिल किये होता है। जातक पहलवान चरवाहा हो सकता है तथा व्यक्ति विशेष के सदुगण (नेकी) के आधार पर जन समुदाय में पहिचाना जाएगा।

## मंगल बुध शुक्र योग

मंगल, बुध तथा शुक्र यदि किसी भाव में साथ हों तो यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक बातूनी, चंचल, अपंग, छरहरी काया वाला, हीन जाति में उत्पन्न, धूर्त, उत्साही तथा धनी होता

Mrs. Ahuja



है।

### मंगल बुध शनि योग

मंगल, बुध तथा शनि यदि किसी भाव में साथ हों तो यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक सदैव भयभीत रहने वाला, शरीर से नत, नैत्र व मुख के विकारों से युत, प्रत्युत्पन्नमति वाला, निम्न वर्ग का कार्य करने वाला तथा आवारा होता है।

### बुध शुक्र शनि योग

बुध, शुक्र तथा शनि यदि किसी भाव में साथ हों तो यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक अत्यवादी, अनैतिक, औरों के जीवनसाथी में आसक्त तथा घुमक्कड़ होता है।



## जीवन फलादेश



आप प्रभावशाली व्यक्तित्व वाले हैं। आपकी असाधारण एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व है।

आप बहुत सत्कार करने वाले व्यक्ति हैं। आप उदाहर हैं। आप विस्तृत सोच वाले हैं। आप समानानुभूति वाले व्यक्ति हैं। आप बहुत स्त्रियोचित गुणों वाले व्यक्ति हैं। स्नेह एवं उत्साह से परिपूर्ण, आप बहुत संजीदगी से व्यवहार करते हैं। जब आप में उत्साह नहीं होता, तो आपको जीवन, जीवनी शक्ति से रहित महसूस होता है।

आप में जीवन के प्रति पूर्ण विकसित समझ है। आप स्वयं अनुशासित, न्यायप्रिय व आपसी समझ वाले व्यक्ति हैं। आप कर्तव्य का निर्वहन करने के लिए, भीतर से शक्तिशाली हैं तथा गरिमापूर्ण ढंग से अपने उत्तरदायिलों का पालन करते हैं। आप सभ्य, प्रिय, शालीन, वं गरिमा युक्त हैं। आप शान्त व्यक्ति हैं। आप अल्प भाषी हैं। आप अपने में ही रहना पसंद करते हैं। सामान्यतः जिन बातों की सभी परवाह करते हैं, आप उनकी परवाह नहीं करते। आप सामान्य, सामाजिक गतिविधियों की अनदेखी भी करते हैं।

आप सम्मानीय व्यक्ति हैं। आप शालीन है, नेपथ्य से कार्य करते है इस कारण आपको बहुत थोड़ा सा महत्व ही मिल पाता है। आप बड़ी योजनाएं बना सकते हैं। आप दूसरों की भावनाओं को बहुत अच्छी तरह से ग्रहण करते हैं। आप चतुर हैं। आपकी बुद्धिमता की वजह से आपका प्रभाव अधिक है। कर्तव्यों के निष्पादन के लिये आपका विश्वास है कि सभी कार्य व्यवस्थित हों। इसके लिए आप तत्पर रहते हैं।

आपकी इच्छाएँ प्रबल एवं अशोष हैं। आप स्पष्ट वादी हैं। आप हठधर्मी (निश्चयतात्मक) हैं। आप बहुत साहसी हैं, परन्तु कभी कभी आप असफल हो जाने पर प्रति विस्फोटक हो जाते हैं। आप अनुशासित हैं। जीवन में सफलता अर्जित करने के लिए आपमें दृढ़ इच्छा शक्ति है। आप आत्म निर्भर सोच वाले व्यक्ति हैं। आप थोड़े से स्वत्वबोधक हैं।

आपकी उपस्थिति दर्शनीय होती है।

भाषण और क्रियाकलापों के माध्यम से दूसरों को प्रभावित करना आपको पसंद नहीं है। आप एक के बाद एक विचित्र कार्य करते हैं।

आप घमण्डी हैं। कई बार आप बिना विचारे कार्य कर बैठते हैं। आपके मित्रवत व्यवहार के पीछे आपका घमण्डी रूप छिपा रहता है। भले ही आप सामाजिक उत्थान, अध्ययन आदि में भाग लेते हों किन्तु वास्तव में आप मात्र स्वयं और अपने परिवार के हित साधन में रत रहते हैं। आप लालची व्यक्ति हो सकते हैं। आप भौतिक संसाधनों का रसास्वादन करते हैं। आपको भौतिकता की अधिक चाहत नहीं है। आपमें संरक्षण का नैसर्गिक गुण है।

आप राज़ रखना जानते हैं। आप सौम्य और निज तक सीमित व्यक्ति हैं। आप चतुर हो सकते हो। जिस कार्य प्रणाली से आप अपने कर्म करते हैं, वह सदा किसी निश्चित या सीधे प्रकार की नहीं होती है। किसी भी पद्धति से



आपको कार्य सम्पन्न करना है, चाहे इसमें आपको कुछ नियमों का उल्लंघन ही क्यों न करना पड़े। आप आत्म केन्द्रित हैं। आप कभी - कभी निन्दा करने वाले हो सकते हैं, व स्वयं को कानून से ऊँचा मानते हुए।

आप आसानी से क्रोधित हो जाते हैं तथा दूसरों की ओर अहंकार प्रदर्शित करने के लिए प्रवृत्त हो सकते हैं। आपकी प्रकृति में क्रोध की मात्रा काफी है। यह संभव है कि आपका क्रोधी या दुष्ट स्वभाव ह। यहे आपसे दूसरों को धृणात्मक बातें कहलाता है। आप असहनशील, आक्रमक, या चिड़चिड़े हो सकते हैं। आप एक रुक्ष व्यक्ति हैं। जो आपके शत्रु हैं, उनके प्रति आप आलोचनात्मक बन सकते हैं।

आप एक संवेदनशील, चिन्ता के प्रति उद्यत, सजग, फिर भी साहसी व्यक्ति हैं। आप असुरक्षात्मक बोध के कारण साहसी नहीं हैं। आपमें आत्म - विश्वास की कमी हो सकती है।

आपमें कार्य को टालने की प्रकृति है। अकर्मण्यता एवं निष्वेष्टा आपके कमजोर पहलू हो सकते हैं। जब आपकी प्राकृतिक खिलावट को बाधित या रोका जाए तो आप कभी न सुलझने वाली उलझनों में बंध सकते हैं।

जिस परिवार में जन्म लिया है, आप उस परिवार का धर्म पाकर प्रसन्नता अनुभव करते हैं।



आपका व्यक्तित्व रुचिकर है। आप पुष्ट नितम्ब वाले हैं। सम्भवतः आपकी ऊपरी देह सुस्पष्ट है। आपका ऊपरी भाग कुछ वजनी है। आपके कंधे उठाने का अंदाज़ आपके मिजाज को दर्शाता है। आप मध्यम से लम्बे डील-डौल के हैं। आप छोटे से मध्यम कद -काठी के हैं। आप थोड़े गोल-मटोल हो सकते हैं। आप मध्यम आयु में वजन बढ़ाने की प्रवृत्ति रखते हैं। आपके हुँघराले केश होने की संभावना है। आप बहुत अच्छे केशों वाले हैं। आपके केश सघन हैं। आपके केश काले या भूरे हो सकते हैं। आपका मुखमण्डल उत्तम है। आपका मुखमण्डल धुँधल है। आपका मुखमण्डल श्यामल है। आपके नेत्र बहुत सुन्दर हैं। आपकी मुस्कान विशेष है तथा उसमें एक अत्यधिक सम्मोहित करने वाला आकर्षण है। आपके दाँत तीखे हैं। आपके चेहरे पर कुछ गहरी रेखाएँ, चेहरे को विशेषता देती हैं। अधिकतर आपके चेहरे पर निर्दयी भाव अभिव्यक्त होते हैं। आपके चेहरे पर कुछ दाग या कुछ असंतुलित आकार हो सकती हैं।

आपका स्वरूप अत्यधिक रुचि लेने योग्य है व हर कोई आपकी ओर आकर्षित होता है। आपके चारों ओर एक चमकती हुई रौशनी है।

आप एक उत्तम वक्ता हैं। आपकी उत्तम समझदारी को शब्दों में अभिव्यक्त करना प्राकृतिक है तथा आपको श्रेष्ठ शिक्षण सामर्थ्य प्रदान करता है। सामान्यतः आपका भाषण तथा आत्म-अभिव्यक्ति, अस्पष्टता के बिना, बहुत सही उच्चारित तथा प्रवीण है। आपका भाषण मृदु तथा आरामदायक है। आप जिस तरह से बोलते हैं वह प्रसन्नतादायी होता है। चाहे क्रुद्ध हो, तब भी आपकी वाणी कुछ नम्र व सभ्य होगी। आप स्पष्टवादी तथा दो-टूक बात करने वाले हैं, परन्तु आप अपने भाषण से दूसरों पर प्रभाव डालने का प्रयास नहीं करते हैं। आपका भाषण बहुत ओजस्वी, प्रबल तथा केन्द्रित है। आप जोश तथा भावनाओं के साथ बोलते हैं। आप वस्तुतः थोड़े नर अधिक अर्थ वाले शब्दों का उपयोग करेंगे। आप स्वयं को अधिक स्पष्टता व सरलता से अभिव्यक्त करते हैं एवं आप नए विचारों व धारणाओं के प्रति खुले दिमाग वाले हैं। आपका भाषण मनोवैज्ञानिक महत्व के विषयों से संबंधित होता है।

आप तीव्र बुद्धि से आभूषित हैं, व यहे आपको एक उत्तम वक्ता बनाता है।



आप शान्त सरल तथा मृदु भाषी हैं। आपका भाषण इच्छित या योजनाबद्ध की अपेक्षा, अधिक गम्भीर होता है। आप स्वयं को थोड़ा प्रतिबन्धित तथा सावधानी से अभिव्यक्त करते हैं। आपकी संसूचक शक्तियां अचम्पित करने वाली तथा प्रभावशाली होंगी। आनंदी मौखिक अभिव्यक्ति आधारभूत है, एवं मन्त्रों के उच्चारण या भाषण की विशिष्टता या भाषा की विशेषता के रूप में हो सकती है। अपने विचारों को काव्य या संगीत में ढालना सहायक हो सकता है। महत्वहीन अनौपचारिक वार्तालाप आपकी शैली नहीं है। आप यौन सम्बन्धी इशारों का उपयोग अभिव्यक्ति के साधन के रूप में कर सकते हैं।

कुछ तरह से आप पूर्णतः विचित्र तथा असाधारण बातें बोलते हैं। आप स्वयं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की प्रबल प्रवत्ति नहीं रखते हैं। संभवतः बोलने में आत्म विश्वास के अभाव के कारण या आपको एक निर्मित तरीके से अभिव्यक्ति करने में मुश्किल होती है। आपके भाषण में वाक्पटुता का अभाव हो सकता है। स्वयं की अभिव्यक्ति आप बोलने की अपेक्षाकृत लिखकर करते हैं।

आप अस्पृश्वादी हो सकते हैं। आपकी वाणी, आपकी सोच से ज्यादा कठोर सिद्ध हो सकती है।

आपका चेहरा क्रोध की अभिव्यक्ति जल्दी करते हैं। आपका चेहरा भाव प्रधान है आप शरारत भरे या मस्ती भरे चेहरे बना सकते हैं। आपका चेहरा अत्यन्त गम्भीर है, तथा आप अपनी उम्र से बड़े लगते हैं। आपका स्मरण पत्र लिखना फायदेमंद होगा। आपको अपने भावों में ओर आकर्षण व युक्तियाँ लगानी होगी।



आप सन्तुलित दिमाग के होंगे। आप व्यवहारशील हैं व सफलता के प्रति दृढ़ हैं। आपका दिमाग व्यवहारिक व चतुर है। आप अपने कार्य में अति ऊर्जा व दिमाग लगाते हैं।

आप में काफी मानसिक ताकत है। आपको तकनीकी चीजों का अच्छा ज्ञान है। आप गणितीय व सांख्यिकी के सन्दर्भ में बात करते हैं। आपका दिमाग बूँदिक, वैज्ञानिक व विश्लेषात्मक है। आप मानसिक प्रयासों से बुद्धि को विकसित करते हैं। आपमें जीवन के प्रति गहरी दृष्टि है तथा दुसरों में छुपी चीजों को पहचान लेते हैं। आप अति भौतिक हैं। आप संकीर्ण व पूर्वग्रही हैं तथा अपना दृष्टिकोण नहीं बदलते।

आप कल्पनाशील हैं। आपका मस्तिष्क सघन व प्रभावपूर्ण है। आपकी कल्पनाशक्ति अद्भुत व अति सक्रिय है। आप आविष्कारक, दार्शनिक, वैज्ञानिक व वास्तविक हो सकते हैं। आपका दिमाग व्यवहारिक वस्तुओं की समझ रखना चाहता है। आप सपनों व चिन्तन में खोये रहते हैं।

आप बुरे वक्त व परेशानी में अपनी निश्चय क्षमता व आत्म-विश्वास को खो देते हैं। आपका दिमाग अति सवेदनशील है व लगातार परेशानी में रहता है।

आप चिन्ताशील स्वभाव के हैं। आप अपनी विचार प्रक्रिया में अस्पष्ट हैं क्योंकि जिसके बारे में आप सोच रहे हैं वो परानुभूति पर आधारित होती है। आप में संकीर्णता व नैराश्य आ सकता है। आप बुद्धि से ज्यादा बातों के विवरण पर यकीन रखते हैं।

आप अपने विचारों में अधिक से अधिक उग्र हैं तथा कर्म व नियमों के मार्ग से भटक जाते हैं।

आपकी भावनाएँ आसानी से परेशान नहीं होती व आप खुशमिजाज व्यक्ति हैं। आप पारिवारिक मूल्यों, परम्परा व धर्म को मानते हैं तथा उन्हें बचाना अपना दायित्व समझते हैं। आप की आत्मा पवित्र है। आप दूसरों को बहुत कुछ देने की चाह में स्वयं आराम की आवश्यकताओं को नकार देते हैं व आपको इसका भुगतान भी नहीं मिलता। आप अर्तमुखी व गोपनीय हैं।



तथा अपनी भावनाओं को नियन्त्रण में रखते हैं। आप अपने संवेगों को छुपा लेते हैं। आप आसानी से भावनात्मक रूप से आहत हो जाते हैं, अतः आप अनेकों अवसर खो देते हैं। भावनामय व अतिसंवेदी होकर आप अव्यवहारिक निर्णय ले सकते हैं। भावनात्मक रूप से आप संवेदनशील परन्तु असुरक्षित हैं। संतान का जन्म अपके लिये एक विशिष्ट अनुभव है तथा इसके प्रति आपकी गहरी भावनाएं हैं।

आपका मन चाँद की कला की तरह घटता-बढ़ता रहता है। इसी तरह आप कई बार उच्च कल्पनाशील व कई बार धरातल पर होते हैं। कई बार आपको अपने चिढ़ि-चिढ़ेपन की वजह और कारण नहीं पता होती है। आप अपने को अभिव्यक्त करने में कुछ हिचकिचाएं क्योंकि यह आपको असुरक्षित होने का अनुभव कराता है। बाहरी रूप से आप स्वयं को अपने कार्य में व्यस्त दिखाते हैं परन्तु वास्तव में आप किसी और जीवन की कल्पना में खोए रहते हैं।

भावनात्मक उत्तेजना से बचें।

आप आर्थिक नुकसान, जो कई बार आते हैं तथा जिससे पार पाना मुश्किल प्रतीत होता है, के प्रति अत्यन्त संवेदनशील हैं। कई बार आप कमजोर हो जाते हैं।

आप तार्किक, अच्छी स्मरण शक्ति, आदर्श व्यक्तित्व व उन्नत विचारों के स्वामी हैं। आप बुद्धिमान हैं तथा औसत व्यक्तियों से ज्यादा गहराई तक सोचते हैं। आपकी अपनी समायोजन की क्षमता आपको अधिक बुद्धिशाली व ज्ञानवान बनाती है।

आपका दिमाग प्रखर व तार्किक है।

आपकी बुद्धि तीक्ष्ण, सटीक व दूरदर्शी है।

आप अपनी बौद्धिक खोज को ले कर गैरवान्वित महसूस करते हैं। आप जीवन के अर्थ व लक्ष्य को तलाश करना चाहते हैं।

हालांकि आप बुद्धि को मानते हैं परन्तु कई परिस्थितियों व भावनाओं में आप उस पर निर्भर नहीं करते।



आप एक तार्किक विचारक हैं तथा लगातार किसी न किसी शोध कार्य से जुड़े हैं। आप अध्ययनशील हैं व छिपे ज्ञान में पारंगत हैं। आपको शिक्षा में आपकी भाषा, लेखन व अभिव्यक्ति में स्पष्टता का लाभ मिलेगा।

आप उच्च शिक्षाधारी हैं या हो सकते हैं। आप किसी विश्वविद्यालय से जुड़ सकते हैं। आपको शिक्षा ज्यादातर विपरीत लिंग के व्यक्ति से प्राप्त होगी। आपके पास अच्छे गुरु हैं परन्तु जरुरत के वक्त वै आपके पास नहीं होते। आप अपने आध्यात्मिक, व धार्मिक शिक्षकों के मामले में भाग्यशाली रहे हैं।

स्वाध्याय व शोध आपकी स्वाभाविक क्रियाएँ हैं। तार्किक होने के कारण आप गणित में अच्छे हो सकते हैं। आपकी शिक्षा कानून, जीवन शास्त्र, आध्यात्म या मन्त्रों के ज्ञान में हो सकती है। आपका शैक्षणिक चयन आपके किसी मित्र या भाई-बहिन से प्रभावित होगा।

आर्थिक परेशानियों से आपकी शिक्षा में विघ्न या देरी होगी। उच्च शिक्षा में आपकी रुचि नहीं होगी। आप जीवन-वृत्ति तथा शिक्षा का सामान्य मार्ग नहीं अपनायेंगे। आप को शैक्षिक कार्य में विषमताओं का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि आप पारम्परिक तरीकों के बजाय स्वनिर्मित तरीकों से कार्य करते हैं। स्वतंत्रता की भावना आपको कक्षा में बैचेन करती है। आप



महसूस करते हैं कि उच्च शिक्षा, आध्यात्म ज्ञान प्राप्त करने के आपके समस्त प्रयास निष्फल हो जाते हैं। आर्थिक तंगी या मानसिक कमज़ोरी के कारण शिक्षा प्राप्ति दुष्कर हो जाती है।

आपकी शिक्षा असामान्य हो सकती है।

आपको समस्त ज्ञान को खोजने की आवश्यकता है चाहे वो प्राचीन जैसे ज्योतिष, रहस्यवाद, आध्यात्मिक या आधुनिक तकनीक हो। आपको पैसा उत्साहित नहीं करता है, वरन् ज्ञान के नये विविध क्षेत्रों को खोजना उत्साहित करता है। यद्यपि आप प्राचीन ज्ञान को अजिर्त करने में रुचिकर हैं, आप पाएँगे की समय-समय पर आप अन्य पंडितों से ईर्ष्या करेंगे। आप कला, दस्तकारी, संगीत और साहित्य आदि के ज्ञाता हैं। आपको कानून का अच्छा ज्ञान है। आपको योग, ज्योतिष, आयुर्वेद व अन्य ज्ञान संबंधी शोध प्रबन्धों का ज्ञान है।

आप का ज्ञान विदेशी संस्कृति से प्राप्त है।



आप में अस्वाभाविक हुनर तथा शिल्प प्रतिभा है जो आपके प्रयासों में आपकी मदद करती है। आपको रूप परिवर्तन की कई तकनीक आती हैं।

आपमें आकर्षण की योग्यता है। आप दूसरे लोगों को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराने या निरंकुश लोगों के समूह को नियंत्रित करने की योग्यता रखते हैं। आप में अच्छी तार्किक योग्यता है और आप से विवाद में जीत पाना कठिन है। आपकी संपर्क कला अत्यंत युक्तिसंगत व जटिल है।

आपकी भावनात्मक चुनौतियों से लड़ने की क्षमता आपको साहसी बनाती है।

आप विषैले तत्वों, (प्लेग) कीड़े-मकौड़े तथा जानवरों से उत्पन्न महामारी, या उत्पत्ति सम्बन्धी खोज के क्षेत्र में, एक सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक अनुसंधानात्मक उन्वेषक सिद्ध हो सकते हैं। आप आसानी से वित्तीय सिद्धान्त समझ लेते हैं और हिसाब-किताब रखने का तरीका सीख लेते हैं।

आप में नाट्य, नृत्य, कला, फिल्म व धर्मग्रन्थों का गुढ़ ज्ञान है।

आप अपने स्पष्ट सोच व संसाधनों के चतुर उपयोग से अपनी आय को सुधार लेंगे। आप चुनौति भरे कार्यों की अच्छी समझ रखते हैं। आपमें उपचार कौशल है व आप मालिश, योगाभ्यास या चिकित्सा में दक्ष हैं।

अपने सहानुभूतिपूर्ण स्वभाव के बावजूद, आपमें दूसरों को भावनाओं द्वारा मदद करने की योग्यता नहीं हैं। आपके लिये एक सतत आनन्द दायक व भावनात्मक अवस्था बनाये रखना लगभग असम्भव है। आप अपना धन सम्भालने में कुशल नहीं हैं।

आपमें कविता, गायन या अन्य भाषा संबंधी कलात्मक योग्यता हैं। आप एक अच्छे गायक व कवि हो सकते हैं। लेखन एक मजबूत प्रतिभा है जो कि आय लायेगी।

आप दृढ़ हैं। आपमें एथलिटीक कुशलताएँ नहीं हैं।



आप आत्म संतुष्ट हैं।

आप शाही हैं। आप सामाजिक नहीं हैं। आप भगवान में विश्वास करते हैं तथा अपने विश्वास के साथ सही संबंध बनाये रखते हैं। आपको अपनी क्रियाविधि गुप्त रखने के लिये अथाह परीश्रम करना होगा।

आपमें अपने अधिकारों का ज्ञान है और आप सभी क्रियाकलाप सम्मानित तरीके से करते हैं। आपमें कुछ अच्छे गुण हैं, जैसे उदारता, दयालुता, समर्पण-भाव। आप अपनी कठिन सेवाओं से उन परेशानियों और दुःखों को अंततः मिटा देते हैं जिनसे दूसरों को हानि पहुँचती हैं। आप दूसरों से बदले में कुछ भी न चाहने की अपेक्षा करते हुए उनको आसानी से सहयोग प्रदान करते हैं। आप परापकारी व्यक्ति होने चाहियें। आप दयालुता और धार्मिक कार्यों में स्वार्थरहित शामिल होते हैं।

आप स्वयं को आघात से बचाने के प्रयास में प्रवृत्त रहेंगे जिससे दूरस्थ संभावी आशंकाओं से बचा जा सकेगा। आप दूसरों की पीड़ावस्था को अच्छी तरह से समझ सकेंगे।

आप अभिमानी हैं और हमेशा आसन पर होने का आडम्बर करते हैं। आप कभी-कभी समाज के अनुभवी व्यक्तियों की सलाह पर ध्यान नहीं देते हैं। आप अपने शिक्षक या पिता की सलाह के विरुद्ध भी कार्य कर सकते हैं। आप संवेदनशील हो सकते हैं किन्तु यह जरुरी नहीं कि दूसरों के लिए संवेदनशील तरीके से कार्य करते हों और दूसरों की भावनाओं के बारे में विचार करते हों। आप अपने धन के प्रति कंजूस हैं।

आपने जीवन में कभी कुछ विधंसात्मक किया होगा जिसका प्रभाव आपके बाद के अनुभवों पर पड़ सकता है। आप कभी-2 अच्छे लोगों के प्रति नकारात्मक सोच बना लेते हैं। आप अपने कार्यों में उच्च नैतिकताओं को हमेशा अग्रभूमि में नहीं रख सकते और परिणामस्वरूप आप ऐसे क्रिया-कलाप में लिप्त हो सकते हैं कि कोई आपको अनैतिक या गैर-कानेनी समझे।



आपको, झीलों, घाटियों नदियों, महासागरों, चश्मों, पानी के सातों और झड़नों के पास समय बिताना पसंद है।

आप शिक्षा में रुचि रखते हैं। आप वस्तुओं की विस्तृत विविधता के बारे में ज्ञान संकलित करने में रुचि रखते हैं। आपके संवेदनशील मन और चिन्ता दूर करने के लिए अध्ययन, अनुसंधान और अज्ञात विषयों की खोज एक अच्छा साधन हो सकता है।

आप सेए लोगों के साथ बात करना, स्वयं को व्यक्त करना और संसूचित करना पसंद करते हैं जो आपके नजदीक है। आप अपना निर्णय तार्किक रूप से प्रयोग करना पसंद करते हैं और स्वयं को चतुरतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं। आप सुख-सुविधा से भरपूर जीवन पसंद करते हैं। आपको धन से प्यार और आर्थिक मामलों से रुचि हैं। आप अपने घर से प्यार करते हैं और



ध्यान से इसकी देखभाल करते हैं। आपको पानी पसंद है और आप झील, तालाब, नदी के किनारे या समुद्र के पास आराम करके शक्ति प्राप्त करते हैं। आपकी रुचि के विषय दीर्घजीवन, मृत्यु, जन्म और प्रेम हैं। आप साहस दर्शित कर और सम्मान की अपेक्षा कर दूसरों पर प्रभुत्व जमाने की इच्छा रखते हैं।

आपको उच्च तकनीकी पसंद है। आप परिवार के अन्य सदस्यों की भाँति समाज में महिलाओं की भूमिका की सराहना करते हैं।

आप जीवन में सुख प्राप्त करेंगे। आपको आध्यात्मिक व्यक्ति और धार्मिक क्रियाकलाप पसंद है। आपको उन प्रार्थनाओं और आध्यात्मिक तकनीकों को अपनाना पसंद है जिनसे मानसिक शांति और आंतरिक मौन की अनुभूति होती है। आपका रुझान संन्यास, धार्मिक कार्यों और उन संस्थाओं की ओर हो सकता है जो आदर्शवादी कार्य करती हैं। आपका झूँकाव अद्भुत और अलौकिक वस्तुओं की ओर हो सकता है। आपका धार्मिक आडम्बर के प्रति झूँकाव हो सकता है। आपको धन और उससे प्राप्त होने वाली प्रशंसा प्रिय है।

आपको निरंतर कार्य करना अच्छा नहीं लगता। आप हानि के भय से धन संबंधी मामलों में रक्षात्मक और मितव्यी हो सकते हैं।

आप स्वयं को किसी भी प्रकार के भोजन में नियंत्रित रखते हैं और यदा-कदा नियंत्रण का आधिक्य भी कर देते हैं। आप सामान्यतः साधारण भोजन करते हैं और अधिक मीठे से दूर रहते हैं। भोजन के रूप में आपको जो कुछ भी मिल जाता है आप उसी से संतुष्ट हो जाते हैं। आपको सलाद और फलों के बजाय तला-भुजा भोजन ज्यादा लुचिकर लगता है। आप भोजन के बारे में नियमित नहीं रहते हैं और अक्सर घर पर भोजन के नियत समय पर नहीं पहुंच पाते हैं। आपके द्वारा लिया जाने वाला भोजन अक्सर पौष्टिक नहीं होता है। आपको शीघ्रतापूर्वक भोजन करना और फास्ट फूड पसंद है। यदाकदा उपवास आपके लिए अच्छा हो सकता है। आपकी पाचन-शक्ति विशेष रूप से गर्म भोजन के प्रति अच्छी किन्तु संवेदनशील है। आपको बासी भोजन करने से बचना चाहिये।



आप स्वयं के शरीर का अत्यधिक ख्याल रखते हैं। आप शरीर में असहनीय दर्द महसूस कर सकते हैं।

आपको जल्दी से जुकाम लगता है आपको घुटनों और निम्न रक्तदाब की समस्या हो सकती है। आपके साथ कोई दुर्घटना भी घटित हो सकती है। मानसिक चिन्ता के कारण आप की तबीयत खराब हो सकती है। आपका गला सुख जाता है। आपके नथुने जल्दी सूख जाते हैं। आपके शरीर का महत्वपूर्ण भाग, चाहे भला हो या बुरा, सिर, नेत्र एवं हृदय हैं। आपको स्वास्थ्य के क्षेत्र में नेत्र, छाती, लिम्फ प्रणाली या भावनात्मक समस्याएँ हो सकती हैं। आपके दाँत छोटे और सुगठित हैं। आपके दाँत अम्ल के प्रति संवेदनशील हैं और आपको उनके संदर्भ में चिकित्सीय परामर्श की आवश्यकता हो सकती है। आप, जनन और परिसंचरण की व्याधियों, सूजन और हॉर्मोनों के असंतुलन से पीड़ित रहेंगे। आपको गले या जननतंत्र को प्रभावित करने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। आपके दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ जैसे - कमर दर्द, गठिया और जोड़ों के दर्द की समस्याएँ सामान्य रूप से हो सकती हैं। आपकी प्राणशक्ति रात्रि में अधिक शक्तिशाली होती है।

आपको यात्रा करते समय सावधान रहना चाहिए क्योंकि आपके साथ दुर्घटनाएँ घट सकती हैं। आप शराब पीकर वाहन नहीं चलायें। आपको पानी से खतरा है या कम से कम कुछ परेशानी हो सकती है। आपको नौका विहार के दौरान सावधान रहना चाहिए।



आप ऐसा अनुभव नहीं कर सके कि आपके और अभिभावकों के सामाजिक विचार समान है।

आपकी माता शान्तिपूर्ण कार्य प्रसंद करती हैं किन्तु स्वयं कभी-2 अशांत हो जाती है। वे सहयोग से कार्य करना कम ही प्रसंद करती है। वे अपना कार्य किसी मौसम विज्ञान संबंधी संस्थान में करना चाहती हैं। आपकी माता विवाद सुलझाने में दक्ष हैं। उनका आकर्षण व्यक्तित्व प्रभावित करने वाला है। वे बुद्धिमानपूर्ण कार्य को सुरुचिपूर्ण रीति से करना प्रसंद करती है। एक कलाकार के रूप में आपकी माता बेहतरीन मेहमान-नवाज हैं वे उत्साही और जीवन्त वक्ता हैं। वे विरोधियों को समीप लाने में और समस्या के अधिकांश समाधान में सक्षम हैं। वे अपने जीवन की योजना में दर्शनिक पहलुओं को पहले रखती हैं। वे कर्तव्यनिष्ठ और व्यासहारिक हैं और जीवन को सृजनात्मक मनोरंजन के साथ जीती है। आपकी माता ख्याति प्राप्त करना और शिखर पर रहना प्रसंद है। वे किसी मामले को पक्षपात रहित और संतुलित रूप से देखती है इसी कारण उनका सम्मान भी होता है। वे न्याय, मानवता और सामाजिक मूल्यों को महत्व देती हैं। आपकी माता को अज्ञात ईश्वरीय तत्व से प्रेम है साथ ही वे उससे भयभीत रहती है। वे विविध व्यक्तित्व के व्यक्तियों से व्यवहार करने में सक्षम हैं। वे इस व्यक्तित्व की है कि लोग कारोबार के संबंध में उनका अनुचित लाभ नहीं उठा सकते, किन्तु वास्तविक रूप में वे उनका लाभ उठा सकते हैं। आपकी माताजी बहुत ही रोमांटिक हैं। आपकी माताजी अनुशासिकत और विचारशील व्यक्ति हैं। आपकी माता को नृत्य और संगीत प्रसंद है।

आपमी माता अपव्ययी है। आपकी माता में विपणन दक्षता है। आपकी माता प्रत्येक कार्य दूसरों की नजर में सम्मान पाने के लिए करती है। आपकी माता, जहां तक हो सके, तर्कों और बहस से बचने का प्रयास करती है।

आपकी माता भारी प्रभाव के अधीन होने पर अड़ियल, तार्किक और क्रोधित हो सकती है। आपकी माता ने जीवन के कारण महत्वपूर्ण आध्यात्मिक समझदारी आ सकती है। आपकी माता दिमागी रूप से अवयवस्थित हो सकती है। आपकी माता बाहरी दुनिया के परिवर्तन के प्रति वास्तव में संवेदनशील हो सकती है। आपकी माता के मित्र और रिश्तेदार अच्छे व्यवहार पर बल देते हैं। आपकी माता के लिए कभी-कभी कोई समय कष्टकर हो सकता है। आप अपनी माता के प्रति समर्पित है। आपके माता पिता की ओर आपका मित्रवत व्यवहार है। आपके और आपकी माता के वित्तीय हित जुड़े हुए है। आपमें आपनी माता के प्रति भावनाएं हैं, पर आपका ध्यान देना चाहिए कि वे सदैव नहीं करती जो उनके हित में हो। आपको अपनी माता से अलगाव हो सकता है। आपके प्रति आपकी माता का व्यवहार बहुत अच्छा नहीं रहा है।

आपके पिता निस्पृह प्रवृत्ति के हैं उन्हें यश, धन और सम्मान से कोई लगाव नहीं है। वे सादा जीवन के कारण समाज के लिए उदाहरण स्वरूप हैं। वे इन्ते बुद्धिमान हैं कि हर जगह उनकी पूछ होती है। वे धन लाभ की नहीं सोचते पर उनका हित चाहने वाले मित्र उन्हे इस मुसीबत से बचा सकते हैं। वे दूसरों के मन की बात भान लेते हैं। आपके पिता एक अच्छे दर्शनिक है। आपके पिता हमेशा किसी न किसी योजना पर कार्य करने में व्यस्त रहते हैं। आपके पिता अक्सर मित्रों के पास सलाह के लिये जाते हैं लेकिन सलाह को बाद में अमल में नहीं लाते। आपके पिता सरकार का पक्ष लेना प्रसन्न करते हैं।

आपके पिता मशीन अथवा तकनीकि सम्बन्धी कार्य अच्छी तरह कर सकते हैं। आपके पिता ने सरकारी सेवा की होगी।

आपके पिता अथवा परामर्श दाता उच्च स्तर के हो सकते हैं तथा उन्हें शासक वर्ग का सहयोग होगा। आपके पिता में अन्तिम निर्णयों तथा महत्वपूर्ण कार्यों को बाद के लिये टालने की प्रवृत्ति है। आपके पिता का स्वभावगत लचीलापन कभी-कभी उनकी अस्थिरता में तब्दील हो सकता है। आपके पिता बहुमुखी व्यक्तित्व वाले हैं। आपके पिता का दृष्टिकोण भावशून्य है वे बहुत ज्यादा तार्किकता का प्रयोग करते हैं तथा उन्हें बाद विवाद व तर्क-वितर्क प्रसन्न है। आपके पिता का दर्शन उस समूह की सीमाओं से बैंधा हुआ है जिसके बाद सदस्य है तथा वे पूर्ण उत्साह से उस धर्ममत में विश्वास रखते हैं। आपके पिता के यह कहा जा सकता है कि एक से अधिक तरह से भावनात्मक प्रतिक्रिया होती है।



आपके पिता अस्थिर व अनिश्चित हो सकते हैं। आपके पिता जब अपने विरोधी से मिलते हैं तो उनका मिजाज बिगड़ जाता है और वे अत्यधिक उग्र हो जाते हैं। आपके पिता शायद सनकी हैं तथा उनके दिमाग को समझना कठिन है।

आपका किसी शुभचिंतक या पिता जैसी छवि वाले व्यक्ति के प्रति अत्यधिक सम्मान है।

आप ऐसे परिवार में पैदा हुए हैं जो कि आर्थिक रूप से ज्ञानवान हैं अथवा उनके पास अत्यधिक जायदाद है। आपके शुरुआती पारिवारिक जीवन में थोड़ा निरुत्साह तथा सम्बन्ध बहुत अधिक प्रगाढ़ नहीं थे। आपके अपने परिवार के साथ मधुर सम्बन्ध है। आपके परिवार में अच्छा संवाद है तथा सदस्यों की बीच में होने वाली अतः क्रिया सरलता पूर्वक चलने वाली है। आपके परिवार का वातावरण सुरक्षा व आर्थिक प्रतिष्ठा के लिए अनुकूल है। आप का अच्छा पारिवारिक जीवन है तथा आप अपने परिवार के सदस्यों पर नियंत्रण की आवश्यकता महसूस करते हैं। आप अपने परिवार के स्वेह की परवाह करते हैं तथा आपको अपनी परम्पराओं व पूर्वजों के घर की अत्यधिक याद आती है। आपका एक परिवार है जो आपका गौरव है।

आप अपने प्रियजनों के प्रति वफादार हैं। आपके परिवार का सहयोग विश्वसनीय हो सकता है परन्तु व्यापक नहीं। आप गर्व करते हैं तथा परिवार के बंधनों को अपने उद्देश्यों के मार्ग में नहीं आने देते। आपको परिस्थितियां अपने परिवार के सदस्यों से दूर कर सकती हैं। आपका परिवार इतना अधिक करीबी व सामाजिक नहीं है तथा कहीं पर बिखरने की स्थिति हो सकती है जिसमें प्रत्येक सदस्य अपने रस्ते जा सकता है। आप अपने पारिवारिक मूल्यों से दूर हो सकते हैं। जो कि आपको पुराने व अनुचित लगते हैं। आपके पारिवारिक जीवन की खुशियों में तथा पालन पोषण में कुछ कमी हो सकती है। आपके पारिवारिक जीवन में कुछ अनबन हो सकती है। आपके स्वार्थ व बेइमानी से पारिवारिक रिश्तों में कड़वाहट आ सकती है। आपके परिवार में धन व आध्यात्मिक मूल्यों पर कुछ मनमुटाव हो सकता है। अपने परिवार के सदस्यों जैसे चचेरे भाईयों चाचाओं व आपके छोटे भाईयों के साथ व्यापार करने से बचें। आपके परिवार के सदस्यों जैसे आपके भाई बहिन चचेरे भाई बहिन एंव चचाओं के साथ व्यापार न करना आपके हित में होगा। आपके परिवार के कुछ सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

आप अपने बड़े भाई बहिनों के साथ प्रसन्न रहेंगे लेकिन कुछ आपको अपने छोटे भाई बहिनों से दूर रख सकता है। आपको अपने भाई बहिनों की वजह से कोई हानि या दुःख हो सकता है। आपके परिवारिक जीवन में कुछ बाधा हो सकती है तथा आपके भाई-बहिनों के साथ आपके संबंध बहुत कमजोर हो सकते हैं। आपके अपने भाई या बहिन से कोई अन्तर्दृष्टि हो सकता है।

आप अपने बड़े भाई बहिनों के साथ रह सकते हैं। आपका बड़ा भाई/बहिन आपको नये साधन जुटाने में मदद कर सकता है।

आपके कोई छोटा भाई/बहिन नहीं होगा अगर होगा तो उसके साथ आपके रिश्तों में परेशानी हो सकती है। आपका छोटा भाई कठोर प्रकृति का है तथा आप दोनों की बीच संबंधों में कटूता हो सकती है।



आपको रोमांस आत्मा का विकास कर सकता है। आप अपने साथी के स्तर के बारे में विचार करते हैं।

आप में तीव्र कामवासना है। आप जीवन्ता से भरपूर हैं। आप में तीव्र काम वासना है और इससे आपकी ईमानदारी की



चुनौती मिल सकती है।

आपकी सैक्स इच्छाएं अत्यधिक प्रबल है लेकिन आप अपने सपनों को पूर्ण रूप से पूरा नहीं कर पायेगे। आपकी व्यक्तिगत पहचान की अनुभूति आपके सैक्स में सफलता व असफलता से प्रभावित होती है। आप एक अच्छे प्रेमी हो सकते है लेकिन पति/पत्नी के रूप में उतने अच्छे नहीं होंगे। आप केवल यौन सम्बन्धों से संतुष्ट नहीं होंगे।

आपके रोमांस में स्थायित्व व वैवाहिक जीवन में भावनात्मक सामजंस्य है। आपके लिए विवाह बहुत महत्वपूर्ण है।

आपके जीवनसाथी के धनवान व बुद्धिमान होने के बावजूद उसे कुछ दुखों का सामना करना पड़ सकता है तथा आपके वैवाहिक जीवन की खुशियों में कुछ अड़चन आ सकती है। आपका अगर जीवनसाथी विदेशी या अत्यधिक आध्यात्मिक नहीं है तो आपके वैवाहिक सम्बन्धों में मधुरता बनाये रखना मुश्किल होगा। आपके जीवन की समस्याएं प्रेम, सैक्स व विवाह से सम्बन्धित हो सकती है। आपके पति/पत्नी द्वारा आपके लिये कुछ समस्याएं पैदा की जा सकती है। आपका विवाह जीवन में जल्दी हो सकता है। आपकी शादी एक से अधिक बार हो सकती है। आपको अगर किसी कारणवश दूसरी शादी करनी पड़े तो सफल रहेगी। आपके विवाहेतर सम्बन्ध हो सकते हैं। विवाह एक अज्ञात भूभाग की भाँति लगता है। अगर आप विवाहित है आपका जीवनसाथी खुद को श्रेष्ठ मानता है व आपसे विशिष्ट व्यवहार की अपेक्षा रखता है। आपके और आपके साथी के लिये प्रतिष्ठा अहम् मुद्दा है।

आपके विवाह से अगर भौतिक नहीं तो आध्यात्मिक लाभ होगा। आपका जीवनसाथी वित्त का नियंत्रण करेगा। आप अपने पिति/पत्नी के धन का नियंत्रण कर सकते हैं।

आपको आर्थिक मुद्दे वैवाहिक जीवन में चुनौतियां पैदा कर सकते हैं तथा एक से अधिक विवाह की संभावनाएं हैं।

आपके पति की स्थिति समय के साथ सुधरती जाती है वे पिछड़ें पर ध्यान देने वाले रुढ़िवादी व कट्टरप्रथी विचारधारा का विरोध करने वाले प्रभावशाली लोगों के साथ काम करने वाले पारिवारिक मूल्यों को महत्व देने वाले तथा भौतिक सफलता की चाह रखने वाले हैं।

आपके पति मिलनसार व्यक्ति है। आपके पति धीमे व धैर्य रखने वाले है। आपके पति सावधानीपूर्वक अपनी महत्वाकांक्षाएं पूरी करते है। एक कार्यशील मस्तिष्क के कारण आपके पति की राजकीय कार्यप्रणाली के बारे निश्चित राय रहती है, जो सामान्यतः अनुकूल नहीं होती। आपका अपने जीवनसाथी के प्रति लगाव है। आपके पति जीभ पर नियंत्रण न होने से जो भी चाहते हैं बिना सौचे समझे कह देते हैं। आपके पति दूसरों की सहायता के लिए अपनी अधिक से अधिक व्यक्तिगत सुविधाएँ त्यागने को तैयार हैं। आपके जीवन साथी को अपने व्यवसाय में यात्राएँ करनी पड़ सकती हैं एवं उनके व्यवसाय में लाभ एवं हानि की अनियमित अवधियाँ उपस्थित होंगी।

आपके पति को पश्चताप एवं महसूस की गई गलतीयों को भूलने में लम्बे समय की आवश्यकता हो सकती है।

आपके पति प्रायः धन एवं भौतिक-कल्याण के विषय में चिंतन करते रहते हैं। आपके जीवन-साथी का पूर्व से विवाहित होना संभव है। आप ऐसे व्यक्ति से विवाह करेंगे जिसका पहले विवाह हो चुका है अथवा आपको स्वयं दूसरी बार विवाह करना पड़ सकता है।

आपके पति पूर्णतः अर्थ-पिपासु होने के कारण अपने आर्थिक संसाधनों की सावधानी से रक्षा करते हैं।



आपके अनेक मित्र हैं। आपके अच्छे मित्र हों ऐसा संभव है। आपकी लोगों से घनिष्ठ मित्रता है एवं उनसे आपके संबंध मधुर एवं सद्दावनापूर्ण हैं। आपको अधिकांशतः प्रभावशाली लोगों का संग प्राप्त है जो आपका मार्गदर्शन करते हैं। आपकी अनेक धनी व्यक्तियों से मित्रता है एवं वे आपको किसी अच्छे सौदे के होने से पहले उसके विषय में बता देते हैं। आपके कुछ ही मित्र हैं, वे आपके अत्यंत निकट हैं एवं उनकी मित्रता दीर्घ-कालिक मित्रता होती है। आपके चारों ओर अधिक अंतरंग मित्र नहीं होंगे एवं कभी-कभी आप ऐसे व्यक्तियों का संग करेंगे जिनकी ख्याति संदेहपूर्ण है।

आप सजीव एवं आकर्षक हैं परंतु अपने मित्रों की अरुचि के कारण बन सकते हैं। आपका व्यापार एक वाणिज्यिक कार्य-कलाप है (आपके सहकर्मी व्यवसाय से बाहर आपके मित्र भी हैं)। आपके अनेक मित्र हैं, आप अन्यों की सहायता करने में रुचि लेते हैं एवं धर्म की और रुझान रखते हैं। आपको विदेशियों अथवा अपरिचितों को अपने अंतरंग मित्रों की मण्डली में सम्मिलित करने में काफी समय लगता है। आप अपने मित्रों के जीवन को व्यवस्थित करने के लिए उन्हें प्रभावित करते हैं।

आप शत्रुओं एवं प्रतिद्वन्द्वियों को आकर्षित करते हैं जो आपके लिए लाभदायक सिद्ध होते हैं। आपके गुप्त प्रतिद्वन्द्वी अथवा शत्रु हों ऐसा संभव है जो आपकी जानकारी के बिना आपके विरुद्ध कार्य करें। आपके अधिकांशतः अप्रकट संघर्ष हो सकते हैं एवं हो सकता है कि आपके प्रतिद्वन्द्वी भी प्रत्यक्ष न हों।

आपको प्रकृति ने एक प्रभावशाली व्यक्तित्व प्रदान किया है। अपने प्रभावशाली एवं स्वाभिमानी व्यक्तित्व के कारण आप लोगों में सम्मान पाते हैं। आप कठोर तथा आक्रमक हैं हो सकता है अन्य लोग यह अनुभव करें एवं संभवतः वे आपकी बातों से नाराज हो जाएँ। आपकी पहचान सब से विलक्षण होने के कारण आपको पहचानने में गलती हो ही नहीं सकती। अपने लक्ष्यों को छिपाने की प्रवृत्ति है इसलिए हो सकता है कि आपके क्रिया-कलापों के पीछे के कारण सबको स्पष्ट न हों। आपकी आत्म-केंद्रियता अन्यों को निर्दर्शी अथवा अशिष्ट व्यवहार जैसी प्रतीत हो सकती है। आप भाग्यशाली एवं भलि प्रकार से सम्मानित हैं। आप अपने रचनात्मक विचारों एवं सुधारवादी, क्रांतिकारी एवं परोपकारी कार्य-कलापों के लिए जाने जाते हैं।

किसी विद्वत्तापूर्ण अथवा शैक्षणिक क्षेत्र में ख्याति आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है क्योंकि आपका ध्येय प्रबल रूप से संसाधनों के क्रमिक संचय चेतना से जुड़ा है। आप समान विचारों वाले लोगों के साथ आसानी से मित्रता कर लेते हैं एवं किसी सामाजिक उद्योग के लिए कार्य करते हैं। आपको प्रायः भाषण के लिए आमंत्रित किया जाता है एवं आप श्रीताओं के बीच सफल रहते हैं।

आप अपने संबंधों में अत्यंत अवैयक्तिक एवं उदासीन हो सकते हैं। जिन्होंने आपको आघात पहुँचाया वे भी कठिनाईयों से गुज़रते हैं।

विदेशियों के साथ सम्पर्क आपके लिए लाभदायक होगा व आपके क्षितिज को विस्तृत करेगा। आपको विदेशी सम्पर्कों व अलग धर्म और संस्कृति के लोगों से लाभ प्राप्त होगा।



आपमें संयमित आकाङ्क्षा है। आप कठिन परिश्रम व सफलता के लिए मेहनत करेंगे।



आप अपने पेशे व जीवन वृत्ति में जीवन्त रुचि रखते हैं। आप यदि अपना साहस व दृढ़ निश्चय दिखायें तो जटिल योजनाओं को भी पूर्ण कर सकते हैं। जीवन में अपने अद्वितीय कार्य के लिए आपकी पृष्ठभूमि उपयुक्त नहीं है। आप अपने स्वयं के कौशल और शिक्षाओं से अपने कार्य का चयन करते हैं। आप जरुरत पड़ने पर एक अच्छे आर्थिक संचालक बन सकते हैं। आप कभी सन्तुष्ट नहीं होते व सदैव और नया प्राप्त करना चाहते हैं।

आप विदेशी प्रकाशनों के साथ कार्य करेंगे।

आप अपने व्यापार के प्रति सावधान व सुरक्षात्मक हैं।

निवेश आपकी विशिष्टता है। आप एक अच्छे विक्रेता बन सकते हैं यदि आपको विक्रय करना आ जाए। आप एक अच्छे विक्रेता, व्यवसायी अथवा तकनीकी लेखक बनने की कुशलता रखते हैं। आप अपने अफसर खुद हैं।

आप अपने मालिक से अच्छे रिश्ते रखेंगे व वाहन, घर, वेतन या अन्य सुविधाओं में उनसे लाभान्वित होंगे।

आपका व्यवसाय आपके पिता के व्यवसाय से जुड़ा होगा या फिर कुछ समय के लिए आप अपने माता पिता के लिए कार्य करेंगे। आप अपने कार्यस्थल पर घर जैसा महसूस करते हैं। आप अपने कार्य की आवश्यकताओं को भली प्रकार बता सकते हैं। आप धरती व विज्ञान से जुड़े व्यवसाय, जैसे खेती, युद्ध, परिवहन, अभियान्त्रिकी व चिकित्सा में सफलता प्राप्त करेंगे। आप दुनियादारी व गुणों में सही-गलत की भावना से ओत-प्रोत हैं। आपकी पसंद का व्यवसाय, भाषण देना, शिक्षा एवं वित्त सम्बन्धी ही सकता है।

आप अपने जीवन में समाजिक प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अगर आप परिवार में उच्च स्थान प्राप्त न कर पाये तो आप बाद में किसी समृद्ध समूह के सदस्य बनेंगे। आपका अपने परिवार एवं समाज में महत्वपूर्ण एवं प्रमुख व्यक्तित्व है। आप या तो प्रख्यात होंगे या कुछात। आप अपने कार्य में सफल होंगे। आप स्वावलम्बी व्यक्ति हैं। आप शारीरिक शक्ति के स्थान पर कार्यकौशल से अधिक सफलता प्राप्त करेंगे।

आपको महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्रारम्भ करने की बड़ी योजनाएं हैं किन्तु हो सकता है वे पूर्ण न हो। आप शक्ति और प्रभाव तक ऊँचा उठ सकते हैं और अनेक लोगों में सम्मानित हो सकते हैं।

आपको शासकीय मामलों में सावधान रहना पड़ सकता है। आप अपने व्यवहार, विशेष रूप से वित्तीय व्यवहारों में असावधान हो सकते हैं।



आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान आप को धनी व्यक्ति बनाना सुनिश्चित करती है। आप अपना मस्तिष्क एक बहुत व्यवहारिक प्रकार से प्रयुक्त करते हैं और विवेकपूर्ण शक्तियों से धन एकत्र करेंगे। आप में व्यापारिक प्रतिभा है व आप दूसरों के साथ संबंधों के मदद से धनवृद्धि करेंगे। ऋण या बंधक संपत्ति से प्राप्त धन आपकी संपत्ति का आधार बन सकता है। आप सत्तासीन व्यक्तियों से लाभ प्राप्त करते हैं। आपके आय के साधनों में उत्तराधिकार, रेस्टोरेन्ट, फूड एम्पोरियम, वित्तीय संस्थाएं, जवाहरात या अन्य व्यक्तिगत संपत्ति सम्मिलित हो सकती है। आपका पारिवारिक व्यवसाय महत्वपूर्ण है और आपकी जीविका के साधनों में से एक हो सकता है। पारिवारिक व्यवसाय आपकी आय का एक स्रोत होगा। आप कुल मिला कर स्वनिर्मित व्यक्ति हैं। आप लॉटरी अथवा इंश्योरेन्स क्लेम से धन प्राप्त कर सकते हैं।



आप अपने परिवार के लिए एक अच्छा उदाहरण बनेंगे और अपने जीवन में लगातार धन प्राप्त करेंगे। कभी-कभी आपके मित्र आपको बहुत अधिक मात्रा में धन या उधर दे सकते हैं। आप धनवान होंगें, किन्तु अपने सभी संबंधियों से दूर हो सकते हैं। वित्तीय अवसर स्वयं आपके समक्ष लगातार प्रस्तुत होते हैं और आप कदापि संसाधनों का अभाव अनुभव नहीं करेंगे।

आप स्वयं के लिए और अपने परिवार की आर्थिक सुरक्षा संचित करने के लिए कठिन परिश्रम कर सकते हैं। आप धन की कमी से गुजर सकते हैं किन्तु कठिन परिश्रम और अनथक प्रयासों से पर्याप्त धन संचित कर सकते हैं। धन संचय से संबंधित बहुत काम होगा। आपकी वस्तुएं प्रायः या तो पूर्व में ही उपयोग में ली गई होंगी या पुरानी होंगी और शायद ही आप कभी नई वस्तुएं प्राप्त करेंगे। आपकी वित्त व्यवस्था मन्द गति से चलती है एवं उसमें सुधार कुछ अन्तराल के बाद ही होगा। आपकी वित्तीय स्वतंत्रता में कुछ बाधाएं हो सकती हैं किन्तु आप उन बाधाओं को पार करने के विषय में महत्वाकांक्षी होंगे। आप निर्धनता के कारण प्रगति नहीं करते हैं।

आप अपनी बचत को इस प्रकार रखेंगे जिससे आप उसे सरलता से उपयोग कर सकें। आप बहुत महंगे सौदे करने के लिए प्रवृत्त होते हैं और आपको किसी अन्य व्यक्ति को अपने वित्त का प्रबंधन सौंपना चाहिए। आप वित्तीय अवरोधों का सामना करेंगे किन्तु आप में उन्हें पार करने की व्यवस्था नहीं है। आपकी वित्तीय संपदा में समय समय पर ह्रास अथवा अपव्यय हो सकता है। इसके परिणाम स्वरूप प्रायः आप स्वयं को ऋण से घिरा पायेंगे। ऋण के रूप में वित्त प्राप्त करना बहुत कठिन अवरोध है।

आप राजकीय या कॉर्पोरेट सेवाओं से धन प्राप्त कर सकते हैं। आप भोजन और पाक कला के पारंपरी हैं और इन क्षेत्रों से कुछ अर्जित कर सकते हैं। आप सट्टेबाजी, पाण्डुलिपियों पर शोध संबंधी मामले, मनोरंजन, खेल, स्वर साधना क्षमता, योग, ध्यान, आदि क्षेत्र में अच्छा काम कर सकते हैं। सरकारी संपर्क लाभदायक हैं। जवाहरात, भोजन सौन्दर्य प्रसाधन और शिक्षा से आय सृजन हो सकती है। आप की आय के कुछ स्रोत विदेशी और कुछ सदेहास्पद हो सकते हैं। कला के साथ आपका संबंध आपको धनोपार्जन का अवसर प्रदान कर सकता है। आप धनवान होने के लिए उत्सुक हैं क्योंकि यह वे संभावनाएं प्रदान करता है जिससे समाज में आप वांछित स्थान बना सकें। आपका मस्तिष्क सदैव और अधिक अर्जित करने के विचारों में व्यस्त रहता है। आय अर्जन की आवश्यकता से आप फंसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। आप धन प्राप्ति के लिए, यदि वे ही एकमात्र उपाय हो तो संभवतः अनुचित और अनैतिक साधनों का प्रयोग कर सकते हैं।

आप अपनी अनौपचारिकता में स्वच्छ हवा का एक झौंका हो सकते हैं किन्तु बिना धन संपत्ति एवं सहयोग के कारण नीरस, सांसारिक कार्यों के शाब्दिक या लाक्षणिक दुष्क्र में फंस सकते हैं।

**आपकी व्यक्तिगत वस्तुएं संभवतः लचीली और परिवर्तनशील प्रकृति की होंगी।** आप आनन्दित करने वाली वस्तुएं या संचार संबंधी वस्तुएं रख सकते हैं।

आपके स्वामित्व वाली वस्तुओं में भूमि, औजार, धातु या अन्य अपरिष्कृत या मशीनी प्रकृति की वस्तुएं सम्मिलित हो सकती हैं। आप पवित्र स्थानों से संबंधित भवन या भूमि का पुनर्नीर्माण व पुनरुद्धार कर सकते हैं।

आप धन खर्च करना पसंद करते हैं। आप के लिए, विशेषतः संसाधनों के संचयन के क्षेत्र में पहल करना कठिन होगा। ज्ञान प्राप्ति एवं कोई भी वस्तु जो आपका सांस्कृतिक या आध्यात्मिक विकास की वृद्धि करे, आप उस पर प्रसन्नतापूर्वक व्यय करते हैं। आप जिन उद्देश्यों के प्रति भावुक हैं, आप सरलता से उन पर व्यय करते हैं। आप पौष्टिक एवं महंगा भोजन करते हैं और संभवतः अपने रूप रंग को संवारने के लिए प्लास्टिक शल्य क्रिया और दन्त सौन्दर्यन पर बहुत अधिक धन व्यय करते हैं। आप या आपका जीवन साथी ज्ञान और शिक्षा पर व्यय करते हैं। आप लाभ प्रद निवेश करने में कुशल हैं, किन्तु आपको व्यय आधिक्य के प्रति सजग रहना होगा।

आप प्रायः ऋण देंगे। आपके बहुत से ऋण आपके पारिवारिक व्यय के कारण हो सकते हैं। आप जुआं खेलने की ओर



आकर्षित होते हैं। आप कुछ हानियों की पूर्ति नहीं कर सकेंगे।



आप आध्यात्मिकरूप से प्रवृत हो सकते हैं। यह आपको, आपके मस्तिष्क में गहन अन्तर्दृष्टि प्रदान करेगा और आप गहरे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक या रहस्यमय अनुभव प्राप्त करेंगे।

आपके असामान्य आध्यात्मिक जीवन में कुछ ऐसे घटनाक्रम होंगे जो आपमें आध्यात्मिक अथवा धार्मिक रुचि उत्पन्न करेंगे। आपकी बुद्धि गहन है और आप जीवन के सत्य की खोज कर रहे हैं।

आप चेतना की उच्चतर स्थितियों की अनुभूति कर सकते हैं। यह आपके मन के रूपान्तरण की एक अवस्था के समान है, एक ऐसी अवस्था जिसमें आप का मन प्रत्येक उस वस्तु की प्रकृति अथवा गुण धारण कर लेता है जिसके संपर्क में यह आता है। आप ब्रह्माण्डीय विषयों के अर्थ सीखते हैं और वहाँ दृष्टिकोण देखते हैं। आप रहस्यवाद एवं पराविद्या के प्रति प्रवृत हैं। आप गुप्त, सूक्ष्म अथवा आध्यात्मिक मंत्रणाओं का प्रयोग करेंगे।

आप के लिए सच्ची अनासक्ति विकसित करने एवं उच्चतर स्वयं को समर्पित करने की आवश्यकता है। आप मुख्यधारा से बाहर निकल एक सन्यासी बन सकते हैं। हानि एवं मृत्यु प्रायः सकारात्मक व आध्यात्मिक संदर्भ में देखी जाती है। आप के अन्दर ज्ञान की एक गहन रेखा है एवं आप बहुत समय एक आध्यात्मिक समुदाय में व्यतीत कर सकते हैं।

विशेषरूप से भद्रता अथवा धार्मिक भक्ति प्रदर्शन में, आपकी अवास्तविक अथवा पाखण्डपूर्ण प्रवृति हो सकती है।

आप गुप्त अदृश्य शारीरिक शक्ति अथवा ऊर्जा जो किसी न किसी प्रकार आपके धर्म से संबंद्ध है के स्वामी हैं। आप अपने सकारात्मक दृष्टिकोण के कारण सफलता प्राप्त करते हैं। आप एक आडम्बरपूर्ण धार्मिक व्यक्ति हैं। आप अपने धार्मिक मार्ग में स्थायित्व प्राप्त करने हेतु कठिन श्रम करेंगे किन्तु सफल होने से पूर्व आप गंभीर निराशा के अन्तराल से गुजरेंगे। आप प्रायः धर्म की वास्तविक हानि का अनुभव करेंगे।

आपको अपने धर्मपालन में बड़े कष्टों को भोजना पड़ेगा। आप निस्तेज, अवगुणों से युक्त (तामसिक) धर्म का पालन पोषण कर सकते हैं।



**आप प्रत्यक्षतः:** या अप्रत्यक्षतः: किसी संगठन द्वारा प्रदत्त आवास में रहते हैं। आपके घर में कोई रसायन संबंधी गतिविधियां संचालित होती हैं। आपको जल के समीप रहना पसंद है। आप ऐसे मकान में निवास करते हैं जिसमें नवीकरण चलता रहता है या जल्दी-जल्दी मकान बदलते हैं।

आपके थल मार्ग से यात्रा साहस और ऊर्जा को दर्शित करने का सटीक माध्यम है। आपको दूर की यात्राएं पसंद हैं। आप कुछ यात्राएं करेंगे और विदेशों में सफलता भी प्राप्त करेंगे। आपको यद्यपि मातृभूमि से प्रेम है पर आपको यात्राएं और बाहर निवास करना पड़ सकता है। आप धार्मिक यात्राएं कर सकते हैं। आपको यात्रा रोमांस का अवसर प्रदान करती है। यात्रा के दौरान



रोमांस में बाधाएं उत्पन हो सकती है।



आप ऐसा जीवन यापन करते हैं जो कुछ बिले लोगों को ही मिलता है। आपका जीवन जीने का तरीका ऊर्जापूर्ण और तौर परम्परागत है।

जीवन संघर्ष व शान्ति के दौर से गुजरेगा। आपके जीवन का ध्येय परिवर्तनों से गुजरता है। आपकी शारीरिक शक्ति जीवन की विभिन्न अवस्थाओं में परिवर्तन के दौर से गुजरेगी। आपने बचपन में विशेष रूप से देखा होगा कि किसी कार्य में तब तक सफलता नहीं मिलती जब तक इसे आप खुद न करें।

आप कभी-कभी मुख्य धारा से कटकर एकात्म में जीवन बिताने की आवश्यकता महसूस कर सकते हैं। आपको एसी अनुभूति हो सकती है कि आप भाग्य के हाथों में एक खिलौने अथवा कठपुतली के समान हैं। आपके जीवन को असमंजस, आत्मविश्वास की कमी तथा प्रयत्नों की कमी नकारात्मक ढंग से प्रभावित कर सकते हैं।

सौभाग्य आपके पक्ष में है, तथा आपके सद्कर्मों का फल आपके साथ है। आप एक खुशनुमा जीवन बिताएंगें। विदेशों में आपको अत्यधिक सफलता प्राप्त होगी। जुए व निवेश में आपको लाभ प्राप्त होगा। आप भाग्य की तुलना में अपने स्वयं के प्रयासों पर अधिक यकीन करते हैं। आप अनेक अच्छी चीजों को जीवन में प्राप्त करने को लेकर अत्यधिक भाग्यशाली हैं। आप भौतिक एवं आध्यात्मिक दोनों प्रकार से सुखी एवं समृद्ध होंगें।

आपकी परेशानियां आपको दूसरों के सामने अपने व्यक्तिगत जीवन को प्रस्तुत करने की ओर बाध्य करती हैं। आप किसी आध्यात्मिक संस्था का अनादर करके परेशानी में पड़ सकते हैं।

अभाव ग्रस्त एवं जरुरतमंद लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना आपको भँवर जाल से बचाने के लिये आपकी कल्पना से अधिक फल प्रदान करेगा।

आप आहार नियन्त्रण के बारे में भूल जायें? जीवन में कुछ आनन्द लें। आपके ऑफिस में पानी का झरना अत्यधिक परिवर्तन ला सकता है।



## गोचर फल

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2025 04:19:51 से 14 जनवरी 2026 15:07:05)**  
इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है। यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ोस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा। आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान आदि का भी वितरण होगा। कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (20 दिसम्बर 2025 07:45:14 से 13 जनवरी 2026 03:57:50)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह मूल रूप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है। आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रक्त व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है। आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं।

सामाजिक रूप से यह समय सुखद रहेगा। मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं। यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (29 दिसम्बर 2025 07:23:42 से 17 जनवरी 2026 10:23:51)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है। यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है। आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं। आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं। यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है। आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए। आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे। आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं। आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है। आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है। समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा। आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (13 जनवरी 2026 03:57:50 से 6 फरवरी 2026 01:11:24)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण



का सूचक है। एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है। यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी दौतक है।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं। घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है। यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें। यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (14 जनवरी 2026 15:07:05 से 13 फरवरी 2026 04:08:43)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह काल विशेष रूप से आर्थिक चुनौतियों से परिपूर्ण है। अतः कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं। अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें। यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है। किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे। ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं। अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है। इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वादश भाव से गोचर (16 जनवरी 2026 04:28:18 से 23 फरवरी 2026 11:50:08)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह शारीरिक व्याधि व पीड़ा का दौतक है। यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो यह समय तनावपूर्ण रहेगा। स्वास्थ्य के सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दें क्योंकि इस समय आपमें रोग पनप सकता है, विशेष रूप से नेत्र व पेट सम्बन्धी व्याधियाँ उभर सकती हैं। पैरों का भी ध्यान रखें। इन दिनों शारीरिक सक्रियता वाली गतिविधियों से बचें क्योंकि जीवन को खतरा हो सकता है। आपमें से कुछ को भयानक स्वप्न या दुःस्वप्न आ सकते हैं।

आपका कार्यक्षेत्र सफलता प्राप्त करने के प्रयास में अत्यधिक दबावपूर्ण व अधिक कार्य के कारण कठोर हो सकता है। यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपमें से कुछ को अपमान व अवमानना झेलनी पड़ सकती है जिससे पद खतरे में पड़ सकता है।

वित्त सम्बन्धी सावधानियाँ बरतें तथा अपव्यय से बचें।

घर पर पति/पत्नी, संतान, भाई बहन, संतान और रिश्तेदारों से मधुर सम्बन्ध रखें। उनसे विवाद में न पड़ें। शत्रुओं से टकराव से बचें व नए शत्रु न बने इसके प्रति सावधानी बरतें।

आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं। किन्तु आपमें से कुछ को यात्रा के फलस्वरूप वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे और यूँ ही निरुद्देश्य भटकते रहेंगे।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (17 जनवरी 2026 10:23:51 से 3 फरवरी 2026 21:51:48)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए व्यय का दौतक है। सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है। इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।



शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें। समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें।

कई कारणों से आप मानसिक रूप से त्रस्त हो सकते हैं। इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है। इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है। इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (3 फरवरी 2026 21:51:48 से 11 अप्रैल 2026 01:15:51)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है। इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाहीं सेवा करनी पड़े। इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें। स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है। ध्यानपूर्वक खर्च करें।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं। अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें। आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रु का कारण बन सकता है। मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें। ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्व व गरिमा कम हो। सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें। अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं। यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं। घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं। स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है। संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (6 फरवरी 2026 01:11:24 से 2 मार्च 2026 00:56:50)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए भौतिक व ऐन्ड्रेक भौ विलास सुख का सूचक है। आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं। यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा। आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं। सामाजिक रूप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है। समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है। आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढेर सारे अवसर मिलेंगे। इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे। आप वस्त, सुगम्यियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है। आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं। ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (13 फरवरी 2026 04:08:43 से 15 मार्च 2026 01:02:48)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा। इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झैलना विशिष्ट हैं। अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा। आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं। आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा हृदय से सम्बन्धित



समस्याएँ हो सकती हैं। अतः स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है। इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं। जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुनौतीपूर्ण है।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का प्रथम भाव से गोचर (23 फरवरी 2026 11:50:08 से 2 अप्रैल 2026 15:29:21)**

इस अवधि में मंगल आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह कठिनाइयों का सूचक है। व्यापार और व्यवसाय के लिए यह समय काँटों भरी राह का है। आपको अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक समाप्त करने में कठिनाई आ सकती है। अच्छा हो इन दिनों आप कोई नया कार्य आरम्भ न करें। यदि आप सेवारत हैं तो वरिष्ठ सदस्यों, अधिकारियों व सरकारी विभाग से विवाद एवम् गलतफहमियों से बचें। आपमें से कई को अपने पद में परिवर्तन झेलना पड़ सकता है।

शत्रुओं पर नजर रखें क्योंकि वे इस समय आपके लिए समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं।

आपको कुछ अनचाहे खर्च करने पड़ सकते हैं अतः धन के सम्बन्ध में विशेष सावधानी बरतें। धन व्यय करने की ललक पर नियंत्रण रखें।

इस अवधि में यात्रों के अनेक अवसर हैं। अतः आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी व बच्चों से दूर रहने का योग है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आर रोज के जीवन में बुझा-बुझा सा व उत्साहीन अनुभव कर सकते हैं। आपमें ज्वर तथा रक्त व पेट से सम्बन्धित कष्ट पनप सकते हैं। आप हथियार, अग्नि, विषेले जीव अर्थात् ऐसी हर वस्तु से दूर रहें जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है। अपने आप को चुस्त-दुरुस्त रखने का प्रयत्न करें क्योंकि इसमें आपको विषाद, घबराहट व व्यर्थ के भय के दौरे से पड़ सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (2 मार्च 2026 00:56:50 से 26 मार्च 2026 05:09:04)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ का समय है। इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा। यदि आप पर लागू हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है।

आर्थिक रूप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है। व्यक्तिगत रूप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं। अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं। कला व संगीत में आपकी रुचि बढ़ेगी। आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (15 मार्च 2026 01:02:48 से 14 अप्रैल 2026 09:32:23)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुनौतियों का है। इस दौरान आपको पूर्वभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है। यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे। आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़ियेड़िपन का व्यवहार करेंगे। आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं। आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें। यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है। इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (26 मार्च 2026 05:09:04 से 19 अप्रैल 2026 15:46:39)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है। आप अपनी विवितीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं।



व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा है। आपके सहयोगी व परिचारों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा। इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। आप इस समय अच्छे वस्तु पहनेगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं। आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है। यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है। आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो। आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है। शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वितीय भाव से गोचर (2 अप्रैल 2026 15:29:21 से 11 मई 2026 12:38:24)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके दूसरे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह हानि उठाने का समय है। अपने धन व मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें क्योंकि इस काल में चोरी की संभावना है। कार्यस्थल पर कुछ अप्रिय घटनाओं के कारण निराशा का दौर रहेगा। विवाद से दूर रहें। किसी के भी सामने बोलने से पहले अपने शब्दों को ताल लें। यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो यह बुरा समय आपमें से कुछ को पदच्युत भी कर सकता है।

पुराने शत्रुओं से सतर्क रहें व नए न बनने दें। आपमें दूसरों के लिए ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ उभर सकती हैं। अपने अधिकारी व सरकार के क्रोध के प्रति सचेत रहें। इस विशेष समय में आप कुछ दुष्ट लोगों से मित्रता करके अपने परिवार व प्रियजनों से झगड़ा मोल ले सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (11 अप्रैल 2026 01:15:51 से 30 अप्रैल 2026 06:52:20)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का घोतक है। विशेष रूप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे।

यह सब कुछ होते हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है। इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (14 अप्रैल 2026 09:32:23 से 15 मई 2026 06:21:46)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है। व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं। आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है। परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रूप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा। इस दौरान धन लाभ भी होगा। जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा। बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्तोत होंगे। कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (19 अप्रैल 2026 15:46:39 से 14 मई 2026 10:53:32)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का घोतक है। आप समृद्धि बढ़ने



की आशा कर सकते हैं। यदि आप कृषि व्यवसाय में हैं तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है।

घर में आपका बहुमूल्य समय पती/पति व बच्चों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है। साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है। आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं। इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे। इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (30 अप्रैल 2026 06:52:20 से 15 मई 2026 00:31:50)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है। आपको अपने से विरिष्ट अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें। फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी। वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है। धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुनः एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का तृतीय भाव से गोचर (11 मई 2026 12:38:24 से 20 जून 2026 23:59:19)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह शुभ समय का प्रतीक है, विशेष रूप से धन लाभ हेतु। इस काल में आप अपने व्यापार व व्यवसाय से अच्छा धन कमाएँगे। इस समय आपके मूल्यवान आभूषण क्रय करने की भी संभावना है।

कार्य सरलतापूर्वक सम्पन्न होगे व महत्वपूर्ण मामलों में सफलता की संभावना है। नए प्रयासों में भी आपको सफलता मिलेगी। यदि आप सेवारत हैं तो अधिक अधिकार व प्रतिष्ठा वाले पद पर पदोन्नत हो सकते हैं। सफलता के फलस्वरूप आपके आत्मविश्वास व इच्छाशक्ति को अत्यंत बल मिलेगा।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शक्ति व स्वास्थ्य से दमकते रहेंगे। आपका उत्साह चरम सीमा पर होगा और पूर्व की समस्त भ्रांतियों और बाधाओं से आपको मुक्ति मिल सकती है। यह समय अत्यंत सुस्वादु भोजन के सेवन के अवसर प्रदान कर सकता है।

शत्रुओं की पराजय होगी और आपको मानसिक शान्ति मिलेगी।

विदेश यात्रा से बचें क्योंकि इस समय वांछित परिणाम प्राप्त होने की संभावना नहीं है।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (14 मई 2026 10:53:32 से 8 जून 2026 17:42:45)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है। वित्तीय रूप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है। आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं। आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है। आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं। आप परिवार के किसी नए



सदस्य से मिल सकते हैं। यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा। इस अवधि में आप अच्छे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (15 मई 2026 00:31:50 से 29 मई 2026 11:11:41)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह जीवन के हर क्षेत्र में उत्तमता का सूचक है। व्यक्तिगत रूप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा। समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे।

वित्तीय रूप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रूप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है। आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है। आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है। आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (15 मई 2026 06:21:46 से 15 जून 2026 12:52:44)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं। अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दार्पण्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है। गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है। अतः उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (29 मई 2026 11:11:41 से 22 जून 2026 15:30:21)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है। इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें। यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें। अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है। खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं। ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो।

मानसिक रूप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है। यदि आप विद्यार्थी हैं तो वृद्ध निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें।

#### **जन्म चंद्रमा से गुरु का षष्ठ भाव से गोचर (2 जून 2026 01:49:46 से 31 अक्टूबर 2026 12:02:02)**

इस अवधि में बहुस्पति चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह जीवन के अधिकांश पहलुओं में परेशानियों का सूचक है। अपने परिवार व मित्रों के साथ व्यर्थ के विवाद में पड़कर आप अपने शत्रुओं की संख्या बढ़ाएँगे। आप अपने परामर्शदाताओं से भी शत्रुता कर सकते हैं। शत्रुओं से विशेष सावधान रहें क्योंकि वे आपके लिए सदा से भी अधिक परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं।



स्वास्थ्य के प्रति ध्याद देना आवश्यक है। संभव है कि सब कुछ उत्तम हो फिर भी आप बेचैनी व दुःख का अनुभव करें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें व रोग से बचाव रखें।

हो सकता है कि आप कुछ धन व जायदाद गँवा बैठें। अतः इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक सतर्क रहें। चोर, कार्यालय में आग व राजकीय रोष से सावधान रहें। यदि सेवारत हैं तो मालिक व सहयोगियों से अच्छा तालमेल बनाए रखें जिससे आपको उनकी नाराजगी या उपेक्षा न झेलनी पड़े। कोई नया कार्य प्रारम्भ करने जा रहे हों तो स्थगित कर दें क्योंकि यह समय कुछ नया करने के लिए उपयुक्त नहीं होगा।

अपने जीवन साथी के साथ अपने सम्बन्ध सावधानीपूर्वक व बुद्धिमानीपूर्वक निभाने की आवश्यकता पड़ सकती है। अपने साथी से विवाद से बचें व हर प्रकार की किसी से भी मुकदमेबाजी से दूर ही रहें।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (8 जून 2026 17:42:45 से 4 जुलाई 2026 19:13:41)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है। आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं। शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है। यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (15 जून 2026 12:52:44 से 16 जुलाई 2026 23:39:06)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा। यह समय विशेष रूप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विश्व पड़ने का सूचक है। अपने व्यवसाय का कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों। कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें। कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं। इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें। अतः स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है। ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने। आपके परिवार का स्वास्थ भी हो सकता है। उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए। मानसिक चिन्ता, भय व बैचैनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का चतुर्थ भाव से गोचर (20 जून 2026 23:59:19 से 2 अगस्त 2026 22:51:12)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आपके जीवन के कुछ भागों में कठनाई उत्पन्न करेगा। आपमें से अधिकांश को पुराने शत्रुओं को नियन्त्रित रखने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। कुछ नए शत्रुओं से भिड़ने की भी संभावना है जो आपके परिवार व मित्रों की परिधि में ही होंगे। आपमें से कुछ की दुष्टजनों से मित्रता हो सकती है जिनके कारण बाद में कष्ट झेलने पड़ सकते हैं। अपने व्यवहार पर नजर रखें क्योंकि इस काल में यह कूर हो सकता है।

फिर भी आपमें से कुछ का शत्रुओं से किसी प्रकार का समझौता हो जाएगा।

स्वास्थ्य के प्रति अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस समय आपको ज्वर होने अथवा छाती में बेचैनी होने की संभावना है। आपमें से कुछ रक्त व पेट के रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं।

मानसिक रूप से आप चिन्तित रह सकते हैं तथा विषाद के दौर से गुजर सकते हैं।

इस काल में रिश्ते आपसे विशेष अपेक्षा रखेंगे। अधिक दुःख से बचने के लिए अपने परिवार व अन्य सम्बन्धियों से शान्तिपूर्ण व्यवहार रखें।



अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा व सम्मान को किसी प्रकार की ठेस न लगाने दें।

इस समय भूमि व अन्य जायदाद सम्बन्धी मामलों से दूर ही रहें।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (22 जून 2026 15:30:21 से 7 जुलाई 2026 10:46:15)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा। यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है। आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है। आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती हैं।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें। अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें। शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (4 जुलाई 2026 19:13:41 से 1 अगस्त 2026 09:28:03)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह स्थियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का घोतक है। स्थियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें। यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रूप से अस्वस्था का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है। आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं।

धन की वृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है। वित्तीय नुकसान न हो अतःस्थियों के सम्पर्क से बचें।

आपको यह अग्रीस भी होसकता है कि कुछ दृष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है। यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं।

व्यावसायिक रूप में भी यह समय सुचारू रूप से कार्य - संचालन का नहीं है। दृष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं। आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (7 जुलाई 2026 10:46:15 से 5 अगस्त 2026 19:54:01)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है। इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें। यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें। अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है। खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं। ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो।

मानसिक रूप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है। यदि आप विद्यार्थी हैं तो वृद्धि निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठी भाव से गोचर (16 जुलाई 2026 23:39:06 से 17 अगस्त 2026 07:58:29)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है। आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं। यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है। आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है। आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है। शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (1 अगस्त 2026 09:28:03 से 2 सितम्बर 2026 13:44:14)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अच्छे समय का प्रतीक है। इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं। आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधु / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा। इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा। अतः आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं।

स्वास्थ्य इस दौरान अच्छा रहेगा।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे। आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अतः सामाजिक वृत्त में आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है। व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का पंचम भाव से गोचर (2 अगस्त 2026 22:51:12 से 18 सितम्बर 2026 16:35:19)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह जीवन में क्षुब्धिता व अस्त-व्यस्तता का प्रतीक है। अपने व्यय जितना सम्भव हो, कम करना बुद्धिमतापूर्ण होगा क्योंकि इस काल में धन और व्यय का नियंत्रण आपके हाथ से निकल सकते हैं।

बच्चों का विशेष ध्यान रखें क्योंकि वे रोग-ग्रस्त हो सकते हैं। अपने और अपने पुत्र के बीच अनबन न होने दें क्योंकि यह कष्टकारक हो सकती है।

शत्रुओं से सावधानीपूर्वक भली भाँति निपटें और नए शत्रु न बन जाएँ, इसके प्रति विशेष सतर्कता बरतें। शत्रु इस विशेष अवधि में आपके और अधिक संताप का कारण बन सकते हैं।

स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आप उत्साहीन, कमजोरी व हरारत अनुभव कर सकते हैं। आपमें से कुछ किसी ऐसे रोग से ग्रस्त हो सकते हैं जिसकी पूरी जाँच करानी पड़ेगी। अपनी भोजन सम्बन्धी आदतों पर भी ध्यान दें।

आपमें से कुछ के व्यवहार में परिवर्तन आ सकता है। आपमें से कुछ क्रोधी, आशंकित व अपने प्रियजनों के प्रति उदासीन हो सकते हैं जो आपकी सामान्य प्रकृति के विरुद्ध है। आपमें से कुछ अपनी शान व प्रसिद्धि भी गँवा सकते हैं। व्यर्थ की आवश्यकताओं का उभरकर आना व कुछ अनैतिक कार्यों का प्रलोभन आपमें से कुछ को परेशानी में डाल सकता है। आप इस दौरान परिवार के सदस्यों से झगड़ा करने से बचें।

**जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठी भाव से गोचर (5 अगस्त 2026 19:54:01 से 22 अगस्त 2026 19:31:37)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा। यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है। आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है। आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं।



इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती हैं।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें। अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें। शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (17 अगस्त 2026 07:58:29 से 17 सितम्बर 2026 07:52:41)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है। कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें। कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है। आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है। उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती हैं जिसे पाना आपका सपना था।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं। आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गडबड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है। इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (22 अगस्त 2026 19:31:37 से 7 सितम्बर 2026 13:32:41)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है। यह रोग का सूचक है। आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झैलनी पड़ सकती है।

मानसिक रूप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं। यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है। अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें। ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं। यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (2 सितम्बर 2026 13:44:14 से 6 नवम्बर 2026 01:04:17)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके नवम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपकी मंजूषा में नए वस्तु संचित करने का सूचक है। इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है। व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा। आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं। आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अतः आपके नए मित्र बनाने की संभावना है। आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है। कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी। आपके सदुगणों सत्कृत्यों की ओर स्वतः ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा। अतः आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी। यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की हीं संभावना है। आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं।



### जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (7 सितम्बर 2026 13:32:41 से 26 सितम्बर 2026 12:38:19)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है। यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा। यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है। आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा। लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में बढ़ि होगी।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी। संतान से सुख मिलने की संभावना है। परिवार में शिशु जन्म सुख में बढ़ि कर सकता है। इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी। आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे। आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं। खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें।

### जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (17 सितम्बर 2026 07:52:41 से 17 अक्टूबर 2026 19:51:25)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है। व्यर्थ के खर्चों से विशेष रूप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है। अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रूप ले सकता है। पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं। आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रान्त हो सकते हैं। अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें। किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं।

### जन्म चंद्रमा से मंगल का षष्ठ भाव से गोचर (18 सितम्बर 2026 16:35:19 से 12 नवम्बर 2026 20:18:16)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके छठे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह शुभ समय का सूचक है। आप पाएँगे कि इस काल में आप धन, स्वर्ण, मूँगा, ताँबा प्राप्त करेंगे, धातु व अन्य व्यापार में आपको अप्रत्याशित लाभ होगा। यदि आप कहीं सेवारत हैं तो आप जिस पदोन्नति व सम्मान की इतनी प्रतीक्षा कर रहे हैं, वह आपको अपने कार्यालय में प्राप्त होगा। आपमें से अधिकांश को अपने कार्य में सफलता मिलेगी।

हर ओर आर्थिक दशा में सुधार से आप सुरक्षा, शान्ति व सुख अनुभव कर सकते हैं। आपको इन दिनों पूर्ण मानसिक शान्ति मिलेगी व आपको लगेगा कि आप भयमुक्त हैं।

यह शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने का भी समय है। यदि आपके ऊपर कोई कानूनी मुकदमा चल रहा है तो फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। आपके अधिकांश शत्रु पीछे हट जाएँगे और विजय आपकी होगी। समाज में आपको सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आपमें से कुछ इस समय दान-पुण्य के कार्य भी करेंगे।

इस काल में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सारे पुराने रोगों व पीड़ाओं से मुक्ति मिलेगी।

### जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (26 सितम्बर 2026 12:38:19 से 2 दिसम्बर 2026 17:27:16)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह रोग व पीड़ा का सूचक है। यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है। कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें। यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैठें जो बाद में पछताना पड़े।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं। अनेक कारणों से मानसिक रूप से आप झल्लाहट,



अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं। परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रूप ले सकता है।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं। इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है। परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा। भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2026 19:51:25 से 16 नवम्बर 2026 19:42:56)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके नवे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका आपके जीवन पर विशेष महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों। हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्या आरोप लगने की भी संभावना है। स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखें।

आर्थिक रूप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है। पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है। व्यर्थ के खर्चों से विशेष रूप से बचें। आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है। आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा। आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सकार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं। यात्रा का योग है।

#### **जन्म चंद्रमा से गुरु का सप्तम भाव से गोचर (31 अक्टूबर 2026 12:02:02 से 25 जनवरी 2027 01:31:44)**

इस अवधि में बृहस्पति चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह जीवन में सुखद समय लाएगा। आप इन दिनों शारीरिक व भौतिक सुखों का आनन्द ले सकते हैं जैसे उत्तम सुखाद भोजन, जायदाद पाना, फलतू समय में आमोद-प्रमोद या किसी अधिकारी द्वारा विशेष सम्मान दिया जाना।

सामाजिक जीवन में भी आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं। आप ऐसे विशिष्ट व्यक्तियों से मिल सकते हैं या मित्रता कर सकते हैं जो आपके लिए लाभप्रद सिद्ध हों। व्यक्तिगत रूप में भी आप एक चुस्त-दुरुस्त वक्ता व उत्कृष्ट बुद्धिमता के द्वारा पहचान बना सकते हैं। इस समय आप घर से बाहर रहकर कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न कर सकते हैं।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आपकी सचरित्रा व शारीरिक भव्यता की ओर सबका ध्यान जाएगा।

इस समय आरामदायक घर प्राप्त करने का है एवम् इच्छापूर्ति होने की संभावना है। एकल व्यक्ति विवाह के विषय में व विवाहित परिवार बढ़ाने के बारे में सोच सकते हैं। यदि आप विवाहित हैं तो दाम्पत्य जीवन का परमानन्द प्राप्त होने की संभावना है।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (6 नवम्बर 2026 01:04:17 से 22 नवम्बर 2026 17:20:45)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अच्छे समय का प्रतीक है। इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं। आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधु/वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा। इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा। अतः आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं।

स्वास्थ्य इस दौरान अच्छा रहेगा।



यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे। आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अतः सामाजिक वृत्त में आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है। व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल भाव से गोचर (12 नवम्बर 2026 20:18:16 से 10 मार्च 2027 00:13:26)**

इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धों की दृष्टि से यह कठिन समय है।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है। आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं। आपको अपने जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकता है। आप व आपकी पति/पति को कोई गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है। आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें। यदि बुद्धि चार्टर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रूप ले सकता है। अपने मित्रों व प्रियस्वजनों से समझौता कर लें। आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं। अपने व्यवहार को नियंत्रित रखों क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें। व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं। रंगेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्त्रों पर ध्यान दें।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2026 19:42:56 से 16 दिसम्बर 2026 10:24:46)**

इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय शुभ है। यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है। आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रूप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा। आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (22 नवम्बर 2026 17:20:45 से 1 जनवरी 2027 23:22:36)**

इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपकी मंजूश में नए वस्तु संचित करने का सूचक है। इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है। व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा। आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं। आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अतः आपके नए मित्र बनाने की संभावना है। आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है। कला में आपकी अभियोग्यि इस दौरान बढ़ेगी। आपके सदुगणों सल्कृत्यों की ओर स्वतः ही सबका ध्यान



आकृष्ट होगा । अतः आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे ।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी । यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है । आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं ।

#### **जन्म चंद्रमा से केतु का षष्ठ भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026 17:45:35 से 24 मई 2028 15:06:31)**

इस अवधि में केतु चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शुभ समय है । यदि आप व्यापार में हैं तो प्रगति व काम-धंधे में तो और अधिक सुधार लाने की संभावना है । जो खेती व पशु-पालन से जुड़े हैं उन्हें भी अपने - अपने क्षेत्र में यथेष्ट लाभ होगा ।

वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी । आप धन उधार देकर लाभ कमा सकते हैं । इसके अतिरिक्त ऐसे व्यक्तियों को आप प्रभावित कर सकते हैं जिनसे लाभ की आशा की जा सकती है । आपके विरोधियों को परास्त कर उनसे आगे निकल जाने की भी संभावना है ।

फिर भी स्वास्थ्य पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है । शरीर में कोई भी कष्ट हो तो तुरंत ध्यान दें क्योंकि इससे कोई पुराना रोग उभर सकता है ।

घर पर आपका लाड-प्यार होगा व समय आनन्दपूर्वक आमोद-प्रमोद में बीत सकता है । घर में विवाह जैसा कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकता है या आप सपरिवार गोठों (पिकनिक) पर जा सकते हैं । आप स्वयं में व आस-पास के वातावरण में शान्ति अनुभव करेंगे ।

#### **जन्म चंद्रमा से राहु का द्वादश भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026 17:45:35 से 24 मई 2028 15:06:31)**

इस अवधि में राहु चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए कठिन समय है । व्यापार व काम धंधे में हानि हो सकती है । आपके प्रयास व परियोजनाएँ मनोवांछित परिणाम तक नहीं पहुँच पाएँगे । आपको पूर्व में आरम्भ किए कार्यों को सम्पन्न करने में भी कठिनाई होगी । अपने धैर्य व आत्मविश्वास को न खोएँ क्योंकि काम-काज के मार्ग में आई बाधाएँ इन्हें हिलाकर रख देंगी ।

अपने खर्च का पूरा ब्यौरा रखें व मितव्ययी बनें क्योंकि आपके ऋण में ढूबने की संभावना है । आप इस समय अपनी भूसम्पत्ति भी गँवा सकते हैं । इस काल में आपके निवास परिवर्तन की संभावना से भी इन्कार नहीं किया जा सकता है ।

समाज में बदनामी व अपमानित होने से बचने के लिए हर प्रकार की मुकदमेबाजी से दूर रहें । अपने निकट के व्यक्तियों व प्रियजनों से सामन्जस्य बनाए रखें क्योंकि ये आपका ऐसे समय विरोध कर सकते हैं जब आपको इसकी तनिक भी आशा न हो ।

आपका व आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य विन्ता का विषय हो सकता है । आपको कोई विशेष प्रकार का रोग होने की संभावना है जिसका सही विश्लेषण होना चाहिए । अपने अंगों व मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें । इस अवधि में आपको अनिद्रा रोग भी हो सकता है ।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (2 दिसम्बर 2026 17:27:16 से 22 दिसम्बर 2026 07:39:26)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।



## दशा फल

बुध महादशा: 2 अक्टूबर 2017 से 2 अक्टूबर 2034 तक

**बुध महादशा फल**

### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से बुध की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- बुध की महादशा में बड़े लोगों, अनेक उद्यमों से धनवान्, मित्र और कुटुम्ब द्वारा धन की प्राप्ति होगी।
- विद्या में उत्कर्ष, भाषण में कृशलता, संगीत में प्रेम तथा शिल्प कर्म में निपुणता प्राप्त होगी।
- व्यवसाय में उन्नति, कृषि कर्म में भी अभिरुचि होगी।
- आचार्य, विद्वान तथा गुरुजनों के प्रति प्रेरणा बढ़ेगा।
- यज्ञ आदि धार्मिक कृत्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।
- नवीन वस्त्राभूषणों का लाभ तथा स्थान निर्माण करने में रुचि होगी।
- स्वर्ण आदि के क्रय-विक्रय से धन की प्राप्ति हो सकती है।
- मध्यस्थता या दूत का काम करने का सौभाग्य मिलेगा।
- हास्य विनोद, क्रीड़ा और सुख से जीवन व्यतीत होगा।
- जनता में महत्व तथा कीर्ति की वृद्धि होगी।
- स्त्री, संतान आदि से सुख प्राप्त होगा।
- वात रोग का भय होगा।
- बुध की दशा में राजा से प्रेम, धन से सुख तथा विद्या में उन्नति होगी।
- स्त्री, पुत्र और बन्धु जनों से सम्मान एवं आनन्द की प्राप्ति होगी।
- बुध की महादशा में अति सुख, कीर्ति, संतान का सुख और राज्य की प्राप्ति संभव है।
- बुध की महादशा में पाप कर्म की वृद्धि, धन, पृथकी, कृषि, गौ और संतान सुख की हानि संभव है।
- बुध की महादशा में अन्न की हानि, बन्धु जनों से वियोग, अपने पद से च्युति, विदेश यात्रा, छोटी नौकरी और इसमें भी कलह हो सकता है।
- बुध की महादशा में विद्या की प्राप्ति, तथा विद्या में यश प्राप्त होगा।
- वक्तृत्व शक्ति, तथा पारिवारिक उत्कर्ष होगा।
- राजा के तुल्य भाग्य और राज द्वारा में प्रधानता प्राप्त होगी।
- विपुल धन का लाभ तथा महत्वपूर्ण कार्यों में यश व कीर्ति की वृद्धि होगी।
- बुध की महादशा में धन की अस्थिरता, एवं मानसिक स्वास्थ्य में कमी रहेगी।
- ज्ञान, बुद्धि, धैर्य एवं धन में कमी सम्भव है।
- मित्र, स्त्री और पुत्र के सुख की हानि सम्भव है।

बुध-चन्द्र : 2 नवम्बर 2024 से 3 अप्रैल 2026 तक

### बुध की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा का फल

बुध की महादशा में चन्द्रमा की अन्तर्दशा में -

- शारीरिक पीड़ा, पित्त प्रकोप एवं त्वचा रोग(खुजली) संभव है।
- समस्त कार्यों की हानि, अनेक विवादों की उत्पत्ति, शत्रुओं से दुःख प्राप्त हो सकता है।
- वाहन एवं चतुष्पदों से हानि, यात्रा में कष्ट और मृत सन्तान का जन्म या सन्तान से पीड़ा हो सकती है।



- जातक को शारीरिक कष्ट होगा।
- दशापति से केन्द्र, त्रिकोण, तृतीय, एकादश में होने से अन्तर्दर्शा के आरम्भ में पुण्यतीर्थस्नान, देवदर्शन, मन में धीरता, हृदय में उत्साह, तथा विदेश से धनलाभ प्राप्त होगा।

### बुध-चन्द्र-केतु : 12 नवम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक

चन्द्रमा की अन्तर्दर्शा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- चन्द्रमा की अन्तर्दर्शा में केतु-प्रत्यन्तर में ब्राह्मण से संघर्ष, अपमृत्यु, सुखनाश तथा सभी क्षेत्रों में कष्ट संभव है।

### बुध-चन्द्र-शुक्र : 12 दिसम्बर 2025 से 8 मार्च 2026 तक

चन्द्रमा की अन्तर्दर्शा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- चन्द्रमा की अन्तर्दर्शा में शुक्र-प्रत्यन्तर में धनागम, महासुख, कन्योत्पत्ति, सुभोजन, सभी से प्रेम, आदि शुभ फल होंगे।

### बुध-चन्द्र-सूर्य : 8 मार्च 2026 से 3 अप्रैल 2026 तक

चन्द्रमा की अन्तर्दर्शा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- चन्द्रमा की अन्तर्दर्शा में सूर्य-प्रत्यन्तर में अन्नलाभ, वस्तप्राप्ति, शत्रुक्षय, सुखप्राप्ति, तथा सर्वत्र विजय प्राप्त होगी।

### बुध-मंगल : 3 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक

**बुध की महादशा में मंगल की अन्तर्दर्शा का फल**

बुध की महादशा में मंगल की अन्तर्दर्शा में -

- स्त्री पुत्र आदि एवं बन्धुजनों से कष्ट प्राप्ति संभव है।
- राजकीय कार्यों में विघ्न तथा धन का अधिक व्यय होगा।
- मानसिक क्लेश, व्यसनों में आसक्ति तथा शस्त्राघात, चोट आदि का भय रहेगा।
- रक्त विकार, गुप्त रोग एवं नेत्र अथवा वात रोग का भय रहेगा।
- बुध की दशा में मंगल के अन्तर में देहपीड़ा, मनोव्यथा, उद्योग का गिरना, देश-ग्राम में धान्यक्षय, गठिया, शस्त्र, व्रण आदियों का भय, ताप, ज्वर की सम्भावना होगी।
- अन्तर्दर्शा में धनलाभ, शारीरिक सौख्य, पुत्रलाभ, यशोवृद्धि, भारतवर्ग में महाप्रिय होंगे।

### बुध-मंगल-मंगल : 3 अप्रैल 2026 से 24 अप्रैल 2026 तक



**मंगल की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में शत्रुभय, भयंकर विरोध, रक्तस्राव तथा मृत्युभय संभव है।

### बुध-मंगल-राहु : 24 अप्रैल 2026 से 17 जून 2026 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में राहु-प्रत्यन्तर में बन्धन, राजा तथा धन का विनाश, कदम्बोजन, झगड़ा, शत्रुभय संभव है।

### बुध-मंगल-गुरु : 17 जून 2026 से 5 अगस्त 2026 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- यह फाइल में नहीं है।

### बुध-मंगल-शनि : 5 अगस्त 2026 से 1 अक्टूबर 2026 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में शनि-प्रत्यन्तर में मालिक का नाश, कष्ट, धनक्षय, महाभय, विकलता, झगड़ा तथा त्रास संभव है।

### बुध-मंगल-बुध : 1 अक्टूबर 2026 से 21 नवम्बर 2026 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में बुध-प्रत्यन्तर में सर्वथा बुद्धिनाश, धनहानि, शरीर में ज्वर, वस्त, अन्न, मित्र का विनाश, संभव है।

### बुध-मंगल-केतु : 21 नवम्बर 2026 से 12 दिसम्बर 2026 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में केतु के प्रत्यन्तर होने पर आलस्य, शिरोवेदना, पापजन्य रोग, अपमृत्युभय, राजभय तथा शस्त्रघात संभव है।

### बुध-मंगल-शुक्र : 12 दिसम्बर 2026 से 11 फरवरी 2027 तक



**मंगल की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में चाप्डाल से संकट, त्रास, राजा तथा शस्त्र का भय, अतिसार रोग, तथा वमन संभव है।

### बुध-मंगल-सूर्य : 11 फरवरी 2027 से 1 मार्च 2027 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में सूर्य-प्रत्यन्तर में भूमिलाभ, धन, सम्पत्ति के आगमन, मनस्तोष, मित्रों का संग तथा सभी क्षेत्रों में सुख होगा।

### बुध-मंगल-चन्द्र : 1 मार्च 2027 से 31 मार्च 2027 तक

**मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- मंगल की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में दक्षिण दिशा में लाभ, सफेद वस्त्र अलंकरण की प्राप्ति तथा सभी कार्यों में सिद्धि संभव है।

### बुध-राहु : 31 मार्च 2027 से 17 अक्टूबर 2029 तक

**बुध की महादशा में राहु की अन्तर्दशा का फल**

**बुध की महादशा में राहु की अन्तर्दशा में -**

- बुद्धिभ्रंश, आकस्मिक रूप से धन हानि संभव है।
- स्वजनों से कलह, आकस्मिक संकट तथा असत्य आचरण की प्रवृत्ति रहेगी।
- कभी कभी मान की हानि एवं श्री ह्रास हो सकता है।
- अग्नि, विष और जल से भय तथा मस्तक, पेट और नेत्र रोग से पीड़ा संभव है।
- बुध की दशा में राहु के अन्तर में राजा से आदर, सुयश, प्रचुरद्रव्यलाभ, पुण्यतीर्थ में स्नान, देवदर्शन, तड़ागादि निर्माण, बड़ों से यज्ञ में सम्मान, वस्त्रलाभ, अन्तर्दशारम्भ में शारीरिक कष्ट किन्तु अन्त में सौख्य संभव है।

### बुध-राहु-राहु : 31 मार्च 2027 से 18 अगस्त 2027 तक

**राहु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर आने पर, बन्धन, रोगभय, बहुविध प्रहार तथा मित्रभय हो सकता है।

### बुध-राहु-गुरु : 18 अगस्त 2027 से 20 दिसम्बर 2027 तक

**राहु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**



- राहु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में सर्वत्र आदर, हाथी, घोड़ा (वाहन), तथा धन की प्राप्ति होगी।

### बुध-राहु-शनि : 20 दिसम्बर 2027 से 15 मई 2028 तक

राहु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- राहु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में भयंकर बन्धन, सुखक्षय, महाभय, तथा प्रत्यह वातपीड़ा हो सकती है।

### बुध-राहु-बुध : 15 मई 2028 से 24 सितम्बर 2028 तक

राहु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- राहु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में सब जगह अनेकविध लाभ, स्त्री के द्वारा विशेष रूप से लाभ, परदेश गमन से सिद्धि संभव है।

### बुध-राहु-केतु : 24 सितम्बर 2028 से 18 नवम्बर 2028 तक

राहु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- राहु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, भय, बाधायें, धनक्षय, सर्वत्र कलह तथा उद्वेग संभव है।

### बुध-राहु-शुक्र : 18 नवम्बर 2028 से 22 अप्रैल 2029 तक

राहु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- राहु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में योगिनियों से भय, अश्वक्षय, कदन्नभोजन, स्त्रीविनाश, वंश में शोक संभव है।

### बुध-राहु-सूर्य : 22 अप्रैल 2029 से 8 जून 2029 तक

राहु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- राहु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में ज्वररोग, महाभय, पुत्रपौत्र आदि को क्लेश, अपमृत्यु तथा असावधानता संभव है।

### बुध-राहु-चन्द्र : 8 जून 2029 से 24 अगस्त 2029 तक



**राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में उद्वेग, कलह, चिन्ता, मानहानि, महाभय, पिता के शरीर में कष्ट संभव है।

**बुध-राहु-मंगल : 24 अगस्त 2029 से 17 अक्टूबर 2029 तक**

**राहु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- राहु की अन्तर्दशा में मंगल का प्रत्यन्तर में भगन्दर रोग से कष्ट, रक्तपित्तज रोगों से कष्ट, धनक्षय, महान् मानसिक उद्वेग संभव है।

**बुध-गुरु : 17 अक्टूबर 2029 से 23 जनवरी 2032 तक**

**बुध की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा का फल**

**बुध की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा में -**

- उत्तम कार्य में अनुराग, आध्यात्म ज्ञान की वृद्धि होगी।
- पद प्रतिष्ठा का लाभ, राजा से सम्मान तथा विनय, पवित्रता आदि सदुगणों की वृद्धि होगी।
- धन और सन्तान की वृद्धि, स्त्री पुत्र आदि से सुख प्राप्त होगा।
- गुरुजन एवं बन्धुजनों को कष्ट, माता पिता से क्लेश संभव है।
- बन्धु, पुत्रों से हृदय में उत्साह, धनप्रद कल्याण, पशुवृद्धि, यशोलाभ, अन्नदान आदि शुभ फल होंगे।

**बुध-गुरु-गुरु : 17 अक्टूबर 2029 से 5 फरवरी 2030 तक**

**गुरु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में गुरु के प्रत्यन्तर में सुवर्ण लाभ, धान्यवृद्धि, कल्याण तथा शुभफल का उदय होगा।

**बुध-गुरु-शनि : 5 फरवरी 2030 से 16 जून 2030 तक**

**गुरु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गाय, भूमि, तथा सुवर्ण का लाभ, सर्वत्र सुखसाधन की सामग्री, अन्न, पान, आदि का भी संग्रह संभव है।

**बुध-गुरु-बुध : 16 जून 2030 से 11 अक्टूबर 2030 तक**

**गुरु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में विद्या, वस्त्र, ज्ञान तथा मोती का लाभ, मित्रों



के आगमन से स्नेह संभव है।

### बुध-गुरु-केतु : 11 अक्टूबर 2030 से 29 नवम्बर 2030 तक

गुरु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- गुरु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में जलभय, चोरी, बन्धन, झगड़ा, अपमृत्युभय संभव है।

### बुध-गुरु-शुक्र : 29 नवम्बर 2030 से 16 अप्रैल 2031 तक

गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में अनेक विद्याओं, तथा कर्मों की प्राप्ति, सुवर्ण, वस्त्र, आभूषण का लाभ, कल्याणप्रयुक्त सन्तोष संभव है।



## OUR ASTRO SERVICES

Signature Reading



Numerology



Daily Horoscope



Janm-Kundli



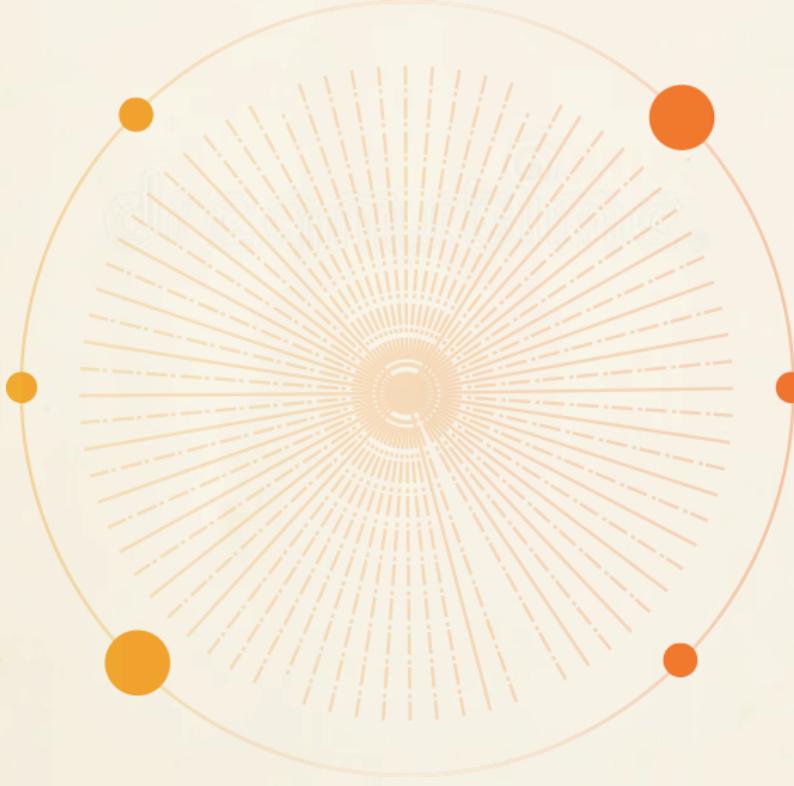
Kundli Matching



Chat With Astrologer



Call With Astrologer



Rajyoga's





93%

Accuracy Report

1000+

Top Astrologer of India

1 Lakhs+

Happy Customers

Thank you for trusting AstroBuddy.

This Kundali is designed to guide you with clarity on your strengths, opportunities, and the cosmic patterns shaping your journey

